सितंबर

2020

हिन्दी

संस्करण

IAS BABA

Monthly Magazine

Hightlights

- Protests Against Farm Ordinances
- Aircraft (Amendment) Bill 2020
- CAG Survey Report on School Toilets
- MedSpark in Kerala
- Biotech-KISAN
- Hybrid Data
- Warfare by China Programme
- First World Solar Technology Summit
- Cess pool: On CAG report on GST
- Delhi Master Plan 2041

प्रस्तावना

UPSC सिविल सेवा परीक्षा के परीक्षार्थियों में उपस्थित शिफ्ट के साथ, **UPSC** सामान्य अध्ययन - **II** और सामान्य अध्ययन **III** को सुरक्षित रूप समसामयिकी से बदल दिया गया है। इसके अलावा, **UPSC** की हालिया प्रवृत्ति के बाद, लगभग सभी खोज समाचार-आधारित होने के बजाय समस्या-आधारित हैं। इसलिए, तैयारी के लिए सही दृष्टिकोण केवल समाचार पढ़ने के बजाय मुद्दों को तैयार करना ।

इसे ध्यान में रखते हुए, हमारी वेबसाइट **www.iasbaba.com** दैनिक आधार पर मुद्दों पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हुए वर्तमान मामलों का अध्ययन करेगी। यह आपको विभिन्न राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्रों जैसे कि द हिंदू, इंडियन एक्सप्रेस, बिजनेस स्टैंडर्ड, लाइवमिंट, बिजनेस लाइन और अन्य महत्वपूर्ण ऑनलाइन स्रोतों से दिन के प्रासंगिक समाचार प्राप्त करने में मदद करेगा। समय के साथ, इनमें से कुछ समाचार लेख महत्वपूर्ण मुद्दे बन जाएंगे।

UPSC में ऐसे मुद्दों को उठाने और सामान्य राय आधारित प्रश्न पूछने की आदत है। ऐसे सवालों के जवाब देने के लिए सामान्य जागरूकता और मुद्दे की समग्र समझ की आवश्यकता होगी। इसलिए, हम उम्मीदवारों के बीच सही समझ पैदा करने का इरादा रखते हैं - 'इन मुद्दों को कैसे कवर किया जाए?'

यह **IASbaba** की मासिक पत्रिका का **64** वां संस्करण है। यह संस्करण उन सभी महत्वपूर्ण मुद्दों को शामिल करता है जो सितंबर **2020** के महीने में खबरों में थे, जिनसे इसे निम्न से प्राप्त किया जा सकता है –
https://iasbaba.com/current-affairs-for-ias-upsc-exams/

IASBABA से मूल्य निर्धारण

- एकीकृत मूल्य परिशिष्ट सामग्री – स्थिर और गतिशील दोनों पहलुओं को कवर करती है।
- **Think** और **Connectng the dots** - किसी मुद्दे के विभिन्न पहलुओं पर जुड़ने और विचार करने के लिए आपकी सोच को सुविधाजनक बनाता है।
- प्रिलिम्स और मेन्स ने खंड पर ध्यान केंद्रित किया - चुस्त और सटीक बिन्दु
- अपने ज्ञान की जांच कीजिए ! (दैनिक समसामयिकी के आधार पर **MCQs**) – बेहतर दोहराई के लिए।
- "क्या आपको पता है?" खंड- अतिरिक्त ज्ञान के लिए आपकी जिज्ञासा को शांत करता है।

यह सुनिश्चित करेगा कि, आप दैनिक आधार पर विभिन्न समाचार पत्रों से किसी भी महत्वपूर्ण समाचार / संपादकीय को नहीं छोड़ पाएंगे ।

प्रत्येक समाचार लेख के तहत, **Connectng the dots**' एक मुद्दे के विभिन्न पहलुओं पर कनेक्ट करने और विचार करने के लिए आपकी सोच को सुविधाजनक बनाता है। मूल रूप से, यह आपको बहु-आयामी दृष्टिकोण से एक मुद्दे को समझने में मदद करता है। आप मेन्स या इंटरव्यू देते समय इसके महत्व को समझेंगे।

लेख अवश्य पढ़ें: हमने उन्हें पत्रिका में शामिल नहीं किया है। दैनिक आधार पर **DNA** का अनुसरण करने वाले इसका अनुसरण कर सकते हैं-
https://iasbaba.com/current-affairs-for-ias-upsc-exams/

अनुक्रमणिका

क्रम संख्या	विषय वस्तु	पेज संख्या
	इतिहास /भूगोल /संस्कृति	**11-14**
1.	दुर्लभ रेणतिचोला युग शिलालेख का पता चला है	
2.	2020 में अगस्त की वर्षा 1926 के बाद सबसे अधिक रही है	
3.	रोगन कला: गुजरात	
4.	चेंदमंगलम साड़ी: केरल	
5.	काकतीय राजवंश से संबंधित मंदिर परिवर्तित कर दिया गया	
	राजनीति / शासन	**15-59**
6.	मिशन कर्मयोगी-सिविल सेवा क्षमता निर्माण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (NPCSCB)	
7.	कृषि अध्यादेशों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन	
8.	परीक्षाओं के संचालन पर UGC के दिशानिर्देशों पर SC का निर्णय	
9.	प्रश्नकाल और लोकतंत्र	
10.	केस स्टडी: सिंगापुर का भाषा का मुद्दा	
11.	2009 के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन और भारतीय राजनीति को चुनौती	
12.	सुप्रीम कोर्ट ने मराठा समुदाय को आरक्षण दिया	
13.	न्यायपालिका और शहरी गरीबों के आवास अधिकार	
14.	स्वायत्त निकाय	
15.	स्थायी समितियों के कार्यकाल का विस्तार किया जा सकता है	
16.	विदेशी योगदान (विनियमन) अधिनियम, और यह कैसे दान को नियंत्रित करता है	
17.	विभागीय-संबंधित स्थायी समितियों (DRSC) का विस्तार	
18.	रेलवे अधिनियम 1989 में संशोधन	
19.	विमान (संशोधन) विधेयक 2020	
20.	विद्युत का मसौदा (उपभोक्ताओं के अधिकार) नियम, 2020	
21.	आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक, 2020	
22.	वेतन, भत्ते और संसद सदस्यों का पेंशन (संशोधन) विधेयक, 2020	
23.	आयुर्वेद विधेयक 2020 में शिक्षण और अनुसंधान संस्थान	
24.	संसद के मानसून सत्र आरंभ	

25.	संसदीय समिति	
26.	श्रम संहिताओं का नया संस्करण	
27.	राज्यसभा के उपसभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव	
28.	FCRA विधेयक और नागरिक समाज के लिए मायने क्यों रखता है?	
29.	प्रमुख बंदरगाह प्राधिकरण विधेयक, 2020	
30.	डिजिटल मीडिया (सुदर्शन टीवी केस) के नियमन पर	
31.	सेक्रेसी की एक संस्कृति	
32.	सांसदों ने व्याभिचारपूर्ण व्यवहार को निलंबित कर दिया	
33.	होम्योपैथी केंद्रीय परिषद (संशोधन) विधेयक, 2020 पारित	
34.	भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद (संशोधन) विधेयक, 2020 पारित हुआ	
35.	भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी कानून (संशोधन) विधेयक, 2020 पारित हुआ	
36.	भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (TRAI) द्वारा अनुशंसित बहु-हितधारक निकाय	
37.	लोक व्यवस्था के हित में सीमांकन	
	सामाजिक मुद्दे / कल्याण	**60-86**
38.	डिजिटल शिक्षा	
39.	युवाओं को पहले सशक्त बनाएं	
40.	साक्षरता दर पर रिपोर्ट जारी	
41.	शिक्षा को बचाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस की शुरुआत हुई	
42.	ओडिशा जनजातियों में सहकारी श्रम	
43.	स्कूल शौचालयों पर CAG सर्वे रिपोर्ट	
44.	स्वास्थय समस्या	
45.	महामारी और वृद्ध	
46.	भारत में युवा बच्चों की स्थिति	
47.	किरण: मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास हेल्पलाइन शुरू की गई	
48.	बच्चों के टीकाकरण में अंतराल	
49.	राष्ट्रीय होम्योपैथी विधेयक, 2020 पारित हुआ	
50.	ओडिशा के PVTGs COVID-19 से संक्रमित हैं	
51.	ICAR की नई ब्रुसेलोसिस वैक्सीन	

52.	राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) का गठन	
53.	महामारी रोग (संशोधन) विधेयक, 2020 पारित	
54.	'भारत में स्वास्थ्य' की रिपोर्ट जारी	
55.	केरल में मेडस्पार्क	
56.	सरकारी योजनाएँ	
57.	अटल बीमित व्यक्ति कल्याण योजना को बढ़ा दिया गया	
58.	प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (PMKSY) के तहत 27 परियोजनाओं के लिए नोड	
59.	प्रधानमन्त्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) का शुभारंभ	
60.	ई-गोपाल एप	
61.	संस्कृत ग्राम कार्यक्रम: उत्तराखंड	
62.	फाइव स्टार गाँव योजना शुरू की गई	
63.	लोकसभा में बायोटेक-किसान कार्यक्रम पर प्रकाश डाला गया	
64.	कपड़ा क्षेत्र के लिए समर्थ योजना लागू की जा रही है	
65.	YuWaah प्लेटफार्म लॉन्च किया गया	
66.	सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 पारित	
67.	राष्ट्रीय शिक्षा विश्वविद्यालय, विधेयक 2020 पारित	
68.	नेशनल फॉरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी बिल 2020 पास हुआ	
69.	दीनदयाल उपध्याय ग्रामीण कौशल योजना (DDU-GKN) का स्थापना दिवस	
	अंतरराष्ट्रीय	**86-127**
70.	अमेरिका-इजरायल प्रतिनिधिमंडल की अबू धाबी में ऐतिहासिक यात्रा	
71.	विश्व बैंक की 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' रिपोर्ट की आलोचना	
72.	विकलांग लोगों के लिए सामाजिक न्याय तक पहुंच के लिए संयुक्त राष्ट्र के दिशानिर्देश	
73.	रूस अपने टीके के साथ दौड़ में आगे निकल रहा है	
74.	कतर श्रम कानूनों में सुधार ला रहा है	
75.	UNSC ने भारतीयों को आतंकवादी के रूप में नामित करने से इनकार कर दिया	
76.	श्रीलंका के आने वाले संवैधानिक परिवर्तन	
77.	श्रीलंका के आने वाले संवैधानिक परिवर्तन - भाग II	
78.	NAM और भारत का संरेखण	

79.	तुर्की- पूर्वी भूमध्य सागर में रूस के सैन्य अभ्यास की घोषणा	
80.	G-20 विदेश मंत्रियों की बैठक आयोजित	
81.	शंघाई सहयोग संगठन (SCO) यूरेशियन शक्ति का एक प्रतिवादी-गठबंधन	
82.	चीन द्वारा हाइब्रिड डाटा युद्ध	
83.	अब्राहम समझौता: "एक नए मध्य पूर्व की नई सुबह"?	
84.	भारत जिबूती आचार संहिता / जेद्दा संशोधन (DCOC / JA) में शामिल होता है	
85.	भारत-प्रशांत त्रिपक्षीय वार्ता आयोजित	
86.	मध्यस्थता पर सिंगापुर सम्मेलन	
87.	रक्षा और सुरक्षा संबंधों पर USA -मालदीव की रूपरेखा पर हस्ताक्षर किए	
88.	अंतरा-अफगान वार्ता	
89.	सीमा शुल्क (व्यापार समझौतों के तहत उत्पत्ति के नियमों का प्रशासन) नियम, 2020 (CAROTAR, 2020) लागू होने के लिए	
90.	संयुक्त राष्ट्र और नया बहुपक्षवाद	
91.	FinCEN और FIU-IND	
92.	बारबाडोस द्वारा रानी एलिजाबेथ द्वितीय को सम्राट के रूप में निर्मुक्त कर दिया गया	
93.	भारत और मालदीव के बीच सीधी कार्गो नाव सेवा का शुभारंभ	
94.	सार्क और CICA बैठक आयोजित	
95.	आर्मेनिया-अजरबैजान संघर्ष (मानचित्र-आधारित)	
96.	गिलगित-बाल्टिस्तान का पाकिस्तानी प्रांत बनना (मानचित्र आधारित)	
97.	संयुक्त राष्ट्र और बहुपक्षवाद से पीछे हटना	
98.	आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत गिरफ्तारी	
99.	भारत-श्रीलंका आभासी द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन आयोजित	
100.	मेडिकन्स की आवृत्ति में वृद्धि	
101.	विश्व बैंक का मानव पूंजी सूचकांक 2020	
	भारत और दुनिया	**128-148**
102.	मुंबई शहरी परिवहन परियोजना -3 के लिए AIIB ऋण	
103.	17 वीं भारत-वियतनाम बैठक हुई	
104.	वैश्विक नवीनता सूचकांक 2020 जारी किया गया	

105.	भारत-बांग्लादेश अंतर्देशीय जलमार्ग	
106.	आठवीं पूर्व एशिया शिखर सम्मेलन आर्थिक मंत्रियों की बैठक	
107.	आसियान-भारत आर्थिक मंत्रियों के परामर्श	
108.	आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन पहल के लिए प्रस्ताव	
109.	न्यायविदों का अंतर्राष्ट्रीय आयोग (ICJ) भारत में आपराधिक अवमानना कानूनों की समीक्षा का आग्रह करता है	
110.	पहला विश्व सौर प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन	
111.	ADB ने दिल्ली-मेरठ RRTS कॉरिडोर के लिए $ 500 मिलियन ऋण पर हस्ताक्षर किए	
112.	भारत-चीन रक्षा मंत्री की बैठक हुई	
113.	भारत और चीन पांच सूत्री योजना पर सहमत हैं	
114.	5 वें ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक आयोजित	
115.	महिलाओं की स्थिति पर भारत को आयोग का सदस्य चुना गया	
116.	भारत-जापान लॉजिस्टिक समझौता	
117.	भारत और अब्राहम समझौते	
118.	सार्क - COVID -19 का मुकाबला करने के लिए एकजुट होना	
119.	विश्व राइनो दिवस	
	अर्थव्यवस्था	**149-194**
120.	भारत की GDP में पहली तिमाही में 23.9% गिरावट: NSO डेटा	
121.	GST सुधार के लिए नए भव्य सौदे की जरूरत है	
122.	समायोजित सकल राजस्व 10 वर्षों में भुगतान किया जाना है	
123.	MEIS योजना के लाभ का दोहन	
124.	RBI की आकस्मिकता निधि (CF)	
125.	RBI की ऋण पुनर्खरीद योजना निर्दिष्ट है	
126.	पावरग्रिड की संपत्ति का मुद्रीकरण	
127.	संशोधित प्राथमिकता क्षेत्र उधार दिशानिर्देश	
128.	महामारी सरकार को और अधिक उधार लेने के लिए मजबूर कर सकती है	
129.	NITI आयोग एक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI) की तैयारी के लिए एक उन्नत स्तर पर	
130.	भारतीय कारपोरेटों पर तालाबंदी (लॉकडाउन) का प्रभाव	

131.	राज्यों की व्यापार रैंकिंग में आसानी: DPIIT	
132.	SAROD- पोर्ट: विवाद समाधान तंत्र का शुभारंभ	
133.	सिकुड़ती अर्थव्यवस्था और शहरी नौकरियां	
134.	मल्टी-कैप फंड निवेश पर सीमा	
135.	जुलाई फैक्टरी आउटपुट में संकुचन: IIP	
136.	भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना	
137.	स्टार्ट-अप ग्राम उद्यमिता कार्यक्रम	
138.	स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के समर्थन पर राज्यों की रैंकिंग: DPIIT	
139.	रक्षा क्षेत्र में नई FDI नीति को मंजूरी	
140.	आत्म निर्भर भारत ARISE-अटल न्यू इंडिया चैलेंज लॉन्च किया गया	
141.	द्विपक्षीय नेटिंग का योग्य वित्तीय अनुबंध विधेयक, 2020 पारित	
142.	सतत वसूली पर विशेष रिपोर्ट जारी	
143.	उपकर और करारोपण का गैर-उपयोग	
144.	आदिवासी कल्याण: GI टैग ST उद्यमियों को फलने-फूलने में मदद कर सकता है	
145.	अंतर्राष्ट्रीय खुदरा व्यापार के विकास पर IFSCA समिति की रिपोर्ट	
146.	घरेलू व्यवस्थित रूप से महत्वपूर्ण बीमाकर्ता (D-SII)	
147.	सेसपूल: GST पर CAG की रिपोर्ट पर	
148.	पूर्वव्यापी कर: वोडाफोन मामला	
149.	औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 पारित	
150.	व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्तों पर संहिता, 2020 पारित	
151.	आर्थिक स्थिति	
152.	MSP का आधार	
153.	दिवाला और दिवालियापन संहिता (दूसरा संशोधन) विधेयक पारित	
154.	वोडाफोन केस: राज्य से अधिक पहुँच का खतरा	
	कृषि	**194-205**
155.	किसान रेल	
156.	एक कृषि-प्रधान पुनरुद्धार एक त्रुटिपूर्ण दावे के रूप में	
157.	बांस समूहों का शुभारंभ	

158.	पराली कटाई के उपयोग के लिए विकल्प	
159.	नया कृषि बिल और इसका विरोध	
160.	बांस शूट सबसे सस्ती प्रतिरक्षा बूस्टर हो सकती है	
161.	रबी फसलों के लिए MSP	
162.	कृतज्ञ हैकथॉन ने कृषि यंत्रीकरण को बढ़ाने की योजना बनाई	
163.	चंदन स्पाइक रोग	
	पर्यावरण / प्रदूषण	**206-244**
164.	राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम को संशोधित किया जाना	
165.	तितलियों का प्रारंभिक प्रवास	
166.	नीले आसमान के लिए स्वच्छ वायु के अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर आयोजित वेबिनार	
167.	राष्ट्रीय वन नीति की समीक्षा, 1988 की वकालत	
168.	मृत प्रवाल शैल का महत्व	
169.	बैंकिंग सुधार सूचकांक को आसान बनाना	
170.	जलवायु स्मार्ट शहर मूल्यांकन फ्रेमवर्क (CSCAF) 2.0 लॉन्च किया गया	
171.	लिविंग प्लैनेट रिपोर्ट 2020	
172.	दिल्ली मास्टर प्लान 2041	
173.	जंगल और वृक्ष आवरण का नुकसान: संरक्षण प्रणाली के लिए नकद के माध्यम से संरक्षण	
174.	भारत में अपशिष्ट प्रबंधन	
175.	वनों का शुद्ध वर्तमान मूल्य	
176.	ब्रह्मपुत्र नदी घाटी पर कम ओजोन पाई गई है	
177.	जलवायु परिवर्तन पर भारत का नज़रिया: कोयले पर निवेश करना ?	
178.	भूमंडलीकरण और प्रवाल-शैलमाला कार्यक्रम को कम करने के लिए वैश्विक पहल	
179.	भारत का अपना इको-लेबल BEAMS लॉन्च हुआ	
180.	ब्लू फ्लैग प्रमाणन के लिए भारतीय समुद्र तटों की सिफारिश की गई	
181.	कोमोडो ड्रैगन विलुप्त हो सकता है	
182.	विश्व जोखिम सूचकांक 2020 जारी किया	
183.	सैकड़ों लंबे पंख वाले पायलट व्हेल मारे जा रहे है	
184.	पर्यावरणवाद: एक हरित आपूर्ति श्रृंखला	

185.	FAME योजना के तहत इलेक्ट्रिक बसें मंजूर	
186.	कार्बन टैक्स के लाभ	
187.	प्लास्टिक पार्क योजना शुरू की	
188.	लक्सर पारिस्थितिकी तंत्र	
189.	जलजीवन मिशन के तहत ग्राम पंचायतों और पानी समिति के लिए मार्गादर्शिया का अनावरण	
190.	नमामि गंगे मिशन के तहत 6 मेगा विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया	
191.	समाचारों में जानवर / नेशनल पार्क	
192.	प्रोजेक्ट डॉल्फिन की घोषणा की	
193.	भारत में पशुओं का कल्याण	
194.	नंदनकानन जूलॉजिकल पार्क: ओडिशा	
195.	सायनोबैक्टीरिया के कारण अफ्रीकी हाथी मर रहा है	
	अवसरंचना/ ऊर्जा	**244-253**
196.	हरित टर्म अहेड मार्केट (GTAM) लॉन्च किया	
197.	कोल इंडिया लिमिटेड (CIL) ने कोयले से जुड़ी 500 परियोजनाओं में निवेश किया	
198.	दुनिया का सबसे बड़ा सौर वृक्ष विकसित	
199.	कोयला गैसीकरण और द्रवीकरण वेबिनार आयोजित	
200.	AREAS का स्थापना दिवस	
201.	EIA 2020 पर संयुक्त राष्ट्र के विशेष संबंध	
202.	बिहार में पेट्रोलियम परियोजनाओं का उद्घाटन	
203.	गढ़चिरौली में महत्वपूर्ण पुलों और सड़क सुधार परियोजनाओं का उद्घाटन	
204.	सुरक्षा मूल्यांकन के लिए मानक हाइड्रोजन ईंधन सेल वाहन	
205.	राज्यों ने सड़क यातायात के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर मुहर लगाने की सलाह दी	
	विज्ञान और तकनीक	**253-280**
206.	एस्ट्रोसैट द्वारा आरंभिक गैलेक्सी का पता लगाया गया	
207.	क्वांटम स्टेट इंटरफेरोग्राफी मिली	
208.	डेटा को कॉमन के रूप में लेना	
209.	बौनी आकाशगंगाओं में सितारा निर्माण	

210.	डेंगू को वल्बाकिया बैक्टीरिया का उपयोग करके नियंत्रित करना	
211.	NIDHI-EIR कार्यक्रम का शुभारंभ	
212.	स्पॉट रोबोट विकसित हुआ	
213.	मास स्पेक्ट्रोमीटर का उपयोग करते हुए कोविड -19 परीक्षण विकसित किया गया है	
214.	स्क्रैमजेट वाहन के महत्व और क्षमता का परीक्षण किया गया	
215.	ब्लॉक श्रृंखला टेक्नोलॉजी और वोटिंग	
216.	वायरलेस फाइबर: समय की जरूरत है	
217.	स्वाभिमान आँचल ने पहली बार निर्बाध सेलुलर सेवा का आनंद लेने के लिए सेट किया	
218.	इंटरमीडिएट-मास ब्लैक होल	
219.	डेटा सशक्तिकरण और संरक्षण वास्तुकला का मसौदा: नीति आयोग	
220.	शुक्र के वातावरण में फॉस्फीन गैस की खोज	
221.	कोविड -19 रोगियों के बीच ब्रैडीकिनिन तूफान की घटना	
222.	विशालकाय रेडियो आकाशगंगाओं की संख्या	
223.	NIMHANS में भारतीय ब्रेन टेम्प्लेट विकसित किए गए	
224.	वेब 3.0	
225.	सौर चक्र 25 भविष्यवाणियों की घोषणा की	
226.	वैभव शिखर सम्मेलन	
227.	विज्ञान और प्रौद्योगिकी संकेतक, 2019-20	
228.	NASA द्वारा अनावरण किया गया नया सोनिफिकेशन प्रोजेक्ट	
229.	भारत न्यूट्रिनो वेधशाला आधारित है	
230.	भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र	
231.	टाटा CRISPR परीक्षण	
232.	व्यवहार्यता अध्ययन करने के लिए वर्जिन हाइपरलूप	
	आपदा प्रबंधन	**280**
233.	राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (SDRF)	
	रक्षा / आंतरिक सुरक्षा / सुरक्षा	**280-288**
234.	INS विराट	

235.	विशेष सीमांत बल: विकास बटालियन	
236.	रक्षा सिद्धांत को पुनर्जीवित करना	
237.	फ्लाइंग V एयरक्राफ्ट	
238.	असम राइफल्स का प्रशासन	
239.	लेजर गाइडेड AGTM ने सफलतापूर्वक परीक्षण किया	
240.	अभय उच्च-गति एक्सपेंडेबल हवाई टारगेट का सफल उड़ान परीक्षण किया गया	
241.	रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया - 2020 जारी	
	विविध	**288-336**
242.	(अपने ज्ञान का परीक्षण कीजिये)	
243.	2020 सितंबर महीने की सामयिकी MCQs का हल	

इतिहास / संस्कृति / भूगोल

दुर्लभ रेनाति चोल युग शिलालेख का पता चला है।

GS-प्रीलिम्स और GS - I - कला और संस्कृति **का हिस्सा**

समाचार में :

- रेनाति चोल युग के एक दुर्लभ शिलालेख का पता चला है।
- **स्थान**: कडप्पा जिले का दूरस्थ गाँव, आंध्र प्रदेश।

मुख्य बिन्दु

- यह एक डोलोमाइट पट्टिका और शेल पर उत्कीर्ण पाया गया था।
- यह पुरातन तेलुगु में लिखा गया था, जो 25 पंक्तियों में पढ़ा जा सकता था
- यह 8 वीं शताब्दी ई.पू. निर्मित किया गया था, जब यह क्षेत्र रेनाडू के चोल महाराजा के शासन में था।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

रेनाती चोल

- रेनाडू का तेलुगु चोल (जिसे रेनाती चोल भी कहा जाता है) वर्तमान के कुडापा जिले के रेनाडू क्षेत्र पर शासन करता था।
- वे मूल रूप से स्वतंत्र थे, बाद में पूर्वी चालुक्यों की आधिपत्य में आ गए थे ।
- उन्हे 6 वीं और 8 वीं शताब्दी के शिलालेखों पर तेलुगु भाषा का उपयोग करने का अनूठा सम्मान प्राप्त था।
- जममालामाडुगु और प्रोड्डटुर में

गांडीकोटा के शिलालेख इस तथ्य का प्रमाण हैं।

क्या आप जानते है?

आधिपत्य एक ऐसा संबंध है जिसमें एक राज्य , सहायक राज्य की विदेश नीति और संबंधों को नियंत्रित करता है, जबकि सहायक राज्य को आंतरिक स्वायत्तता की अनुमति होती है।

2020 में अगस्त की बारिश 1926 के बाद सबसे अधिक रही है

GS प्रीलिम्स और GS- I- भूगोल **का हिस्सा:**

समाचार में

- भारतीय मौसम विभाग (IMD) के अनुसार, अगस्त 2020 में वर्षा सामान्य से अधिक रही जो कि 27% थी । 1926 के बाद यह उच्चतम स्तर पर थी।

मुख्य बिन्दु

- भारी **वर्षा का कारण:** बंगाल की खाड़ी में लंबे समय तक चलने वाली कई निम्न-दबाव प्रणाली या वर्षा युक्त हवाएँ। इनमे दक्षिण-पूर्वी तट से उत्तर-पश्चिम भारत तक सम्पूर्ण यात्रा करने के लिए पर्याप्त बल था।
- अधिशेष बारिश मुख्य रूप से राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में हुई थी।
- हालांकि अगस्त की बारिश अधिक थी, इस साल के मानसून के लिए यह आंकड़ा सामान्य (96 से 104% लंबी अवधि की औसत) वर्षा विभाग के जून के पूर्वानुमान के भीतर होने की संभावना थी।
- सामान्य मौसम में, मानसून 15 सितंबर से निवर्तन शुरू कर देता है और यह लगभग एक महीने तक चल सकता है।

रोगन कला: गुजरात

GS प्रीलिम्स और GS- I- कला और संस्कृति **का हिस्सा:**

समाचार में

- रोगन कला (कपड़े पर हाथ से पेंटिंग) हाल ही में खबरों में थी क्योंकि यह महामारी के कारण एक अत्यधिक चुनौती का सामना कर रही थी ।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- फारस में उद्भव के साथ, यह लगभग 300 साल पहले कच्छ में आई ।
- इस दुर्लभ शिल्प का अभ्यास एक अकेले मुस्लिम परिवार, निनोरा गाँव, गुजरात के खत्रियों द्वारा किया जाता है।
- रोगन कपड़ा चित्रकारी का एक रूप है इसमे अरंडी के तेल और प्राकृतिक रंगों से बने एक समृद्ध, चमकीले रंग का उपयोग किया जाता है।
- जटिल रूपांकनों - ज्यामितीय फूल, मोर, जीवन वृक्ष, आदि - कच्छ क्षेत्र

के इतिहास और लोक संस्कृति से तैयार किए गए हैं।

- 'जीवन वृक्ष' डिजाइन रोगन पेंटिंग में सबसे प्रसिद्ध डिजाइन है।

चेंदमंगलम साड़ी: केरल

GS प्रीलिम्स और GS - III - बौद्धिक संपदा अधिकार **का हिस्सा** :

समाचार में

- चेंदामंगलम का संरक्षण की (C4C) पहल 2018 केरल बाढ़ से प्रभावित बुनकरों की सहायता करती है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

केरल कासवु साड़ी

- यह केरल साड़ी की सीमा में प्रयुक्त ज़री (सोने का धागा) को संदर्भित करती है।
- साड़ी की पहचान उस भौगोलिक समूह से ली जाती है जिससे वे संबंधित हैं।
- भारत सरकार ने केरल में तीन समूहों - बलरामपुरम, चेन्दमंगलम और कुथमपुलि की पहचान की है - जिन्हें भौगोलिक संकेत (GI) टैग दिया गया है।

चेंदामंगलम साड़ी

- इसकी पहचान पुलीलकारा सीमा, एक पतली काली रेखा से की जा सकती है, जो साड़ी के किनारे-किनारे बनी होती है।

- इसमें अतिरिक्त-बुनावट वाली चूट्टीकारा और धारियाँ और अलग-अलग चौड़ाई के चेक होते है।

काकतीय राजवंश से संबंधित मंदिर परिवर्तित कर दिया गया

GS प्रीलिम्स और GS - I - कला और संस्कृति **का हिस्सा** :

समाचार में

- धरणीकोटा (आंध्र प्रदेश) में काकतीय राजवंश के शासक सम्राट गणपति देव द्वारा निर्मित एक मंदिर को स्थानीय देवी बालसुल्लाम्मा (देवी दुर्गा) के निवास स्थान में परिवर्तित कर दिया गया है।
- 13 वीं शताब्दी के इस मंदिर में पीठासीन देवता काकती देवी थे, जो काकतीय शासकों की कुल देवी थीं।
- समय के साथ और बिना किसी देखभाल के, पीठासीन देवी क्षतिग्रस्त हो गई थी।
- धरणीकोटा के ग्रामीण, जिन्हें मंदिर के अतीत के बारे में कोई जानकारी नहीं थी, ने बालुसुलामा की मूर्ति स्थापित की और पूजा शुरू कर दी।

महत्त्वपूर्ण बिन्दु

काकतीय राजवंश

- काकतीय एक आंध्र राजवंश है जो 12 वीं शताब्दी CE (Common Era)में फला-फूला।
- काकतीय राजवंश ने वारंगल (तेलंगाना) से CE 1083-1323 तक शासन किया।
- वे सिंचाई और पीने के पानी के लिए टैंकों की एक प्रणाली के निर्माण के लिए जाने जाते थे और इस प्रकार क्षेत्र के समग्र विकास को एक बड़ा बढ़ावा दिया।
- काकतीय राजवंश के गणपति देव, रुद्रमा देवी और प्रतापरुद्र जैसे काकतीय राजाओं के संरक्षण में सैकड़ों हिंदू मंदिरों का निर्माण किया गया था। उदाहरण के लिए-

- **उदाहरण:** (1) हजार स्तंभ मंदिर या रुद्रेश्वरस्वामी मंदिर, तेलंगाना। यह एक तारे के आकार का, तीन तीर्थ (त्रिकुटालायम) है जो विष्णु, शिव और सूर्य को समर्पित है। (2) रामप्पा मंदिर, वारंगल, तेलंगाना; (3) हैदराबाद, तेलंगाना में गोलकोंडा किला

राजनीति / शासन

मिशन कर्मयोगी-सिविल सेवा क्षमता निर्माण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (NPCSCB)

संदर्भ: सबसे बड़ी नौकरशाही सुधार पहल के रूप में करार किया गया, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सिविल सेवकों के लिए एक नई क्षमता-निर्माण योजना 'मिशन कर्मयोगी' को मंजूरी दी, जिसका उद्देश्य सभी स्तरों पर अधिकारियों और कर्मचारियों की **भर्ती के बाद के प्रशिक्षण तंत्र** को **उन्नत** करना है।

हाल के दिनों में सरकार द्वारा सिविल सेवा सुधार के लिए उठाए गए कदम-

- एक नोडल भर्ती एजेंसी (NRA) लाकर सुधार करना
- संयुक्त सचिव स्तर के पदों में पार्श्व प्रविष्टि (Lateral entry)
- नीति निर्धारण में गैर IAS अधिकारियों का प्रावधान
- 'आरंभ' नामक कार्यक्रम के माध्यम से सरकारी सेवकों को प्रशिक्षण देना
- जिलों में उनकी पोस्टिंग से पहले एक परिवीक्षा (probation) पर विभिन्न केंद्रीय विभागों में युवा IAS अधिकारियों की अल्पावधि पोस्टिंग

सिविल सेवा में मौजूदा बाधाएं क्या हैं?

- विविध और खंडित प्रशिक्षण परिदृश्य
- भारत के विकास आकांक्षाओं की साझा समझ को रोकने वाले विभाग स्तर पर साइलो का विकास।
- किसी कार्य के लिए सही दक्षताओं वाले अधिकारियों को खोजने में कठिनाई
- भूमिका और योग्यता के बीच संबंधों की कमी
- प्रशिक्षण प्राथमिकताओं, अक्षमता और शिक्षाशास्त्र में विसंगतियां
- ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए सामान्य मंच और बाधाओं का अभाव
- आजीवन और निरंतर सीखने के माहौल का अभाव
- अतिरेक और प्रयासों का दोहराव

NPCSCB कार्यक्रम के मुख्य मार्गदर्शक सिद्धांत या पॉलिसी फ्रेमवर्क क्या हैं?

- ऑनलाइन अधिगम के साथ भौतिक क्षमता निर्माण दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए
- 'नियम आधारित' से **'भूमिका आधारित' मानव संसाधन प्रबंधन के** लिए पारगमन का समर्थन करना । पद की आवश्यकताओं के लिए अपनी क्षमताओं का मिलान करके सिविल सेवकों के कार्य आवंटन को संरेखित करना।
- शिक्षण सामग्री, संस्थानों और कर्मियों सहित **साझा प्रशिक्षण अवसरंचना** का एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना ।
- सभी सिविल सेवा के पदों को **भूमिकाओं, गतिविधियों और दक्षताओं (FRACs) के** फ्रेमवर्क की जांच करना और प्रत्येक सरकारी संस्था में पहचाने गए FRACs के लिए प्रासंगिक शिक्षण सामग्री बनाना और वितरित करना।
- डिजिटल प्लेटफॉर्म, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), मशीन अधिगम और डेटा वैश्लेषिकी जैसे आधुनिक तकनीकी उपकरणों को अपनाने में सक्षम करना

मिशन कर्मयोगी के लिए संस्थागत संरचना क्या है?

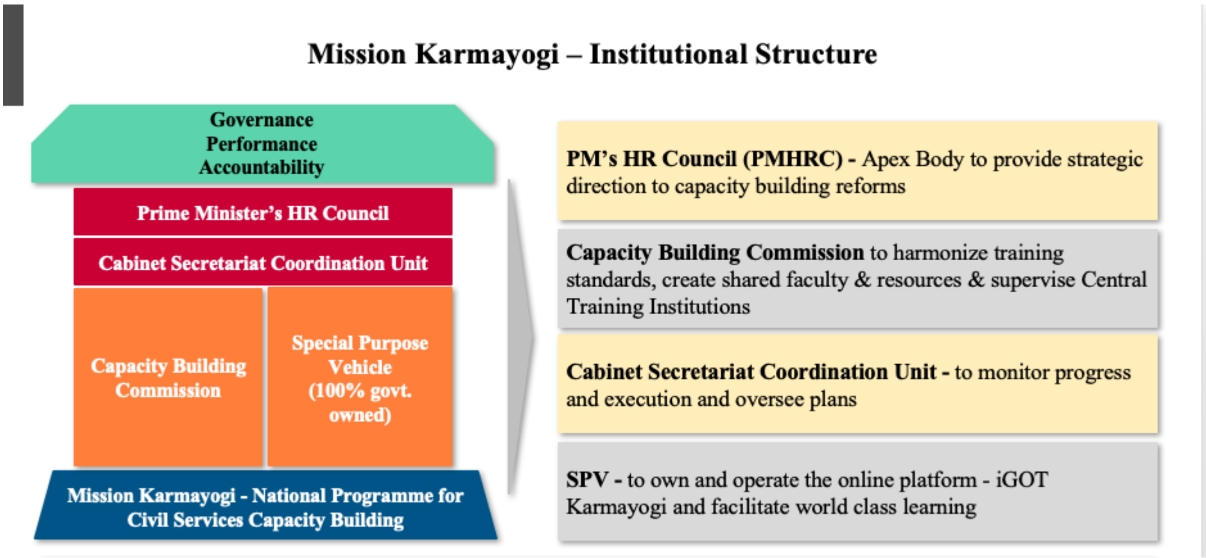

1. PM के नेतृत्व वाली मानव संसाधन परिषद

- इसमें राज्य के मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रिमंडल के मंत्रियों और प्रख्यात राष्ट्रीय और वैश्विक शिक्षाविदों, विचार नेताओं, उद्योग के नेताओं को भी शामिल किया जाएगा ।

- यह परिषद सिविल सेवा क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की स्वीकृति और समीक्षा करेगी।

परिषद के जनादेश में शामिल हैं:

- **सर्वोच्च निकाय चालन और** कार्यक्रम को **रणनीतिक दिशा प्रदान करना**
- सिविल सेवा क्षमता निर्माण योजना स्वीकरण **और परिवीक्षण**
- क्षमता निर्माण आयोग द्वारा प्रस्तुत **समीक्षा रिपोर्ट**

2. कैबिनेट सचिव समन्वय इकाई

- इसमें कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता वाले चुनिंदा सचिवों और कैडर को नियंत्रित करने वाले अधिकारी शामिल हैं
- इस निकाय का प्राथमिक कार्य प्रगति की निगरानी करना और योजनाओं का निष्पादन करना है।

3. क्षमता निर्माण आयोग : इसमें संबंधित क्षेत्रों और वैश्विक पेशेवरों के विशेषज्ञ शामिल होंगे। आयोग के आदेश हैं:

- वार्षिक क्षमता निर्माण योजनाओं को तैयार करने और PM मानव संसाधन परिषद से अनुमोदन प्राप्त करने के लिए
- सरकार में उपलब्ध मानव संसाधनों की लेखापरीक्षा करना।
- प्रशिक्षण मानकों और क्षमता निर्माण का सामंजस्य
- साझा संकाय और संसाधन बनाना
- सभी केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थानों पर पर्यवेक्षी भूमिका।
- सामान्य मध्य-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए मानक निर्धारित करना
- iGOT-कर्मयोगी से डेटा का दायित्व विश्लेषण
- सिविल सेवाओं और लक्ष्य प्राप्तियों के स्वास्थ्य पर वार्षिक मानव संसाधन रिपोर्ट तैयार करना

4. पूर्ण स्वामित्व वाले विशेष प्रयोजन वाहन (SPV)

- **वैधानिक:** 100% सरकारी स्वामित्व के साथ धारा 8 के अधीन (कंपनी अधिनियम की)
- **निदेशक मंडल:** कार्यक्रम की सर्वव्यापी संस्थाओं का प्रतिनिधित्व करना
- **राजस्व मॉडल:** प्रत्येक कर्मचारी के लिए INR 431 का वार्षिक रखरखाव शुल्क

SPV के प्रमुख कार्य हैं:

- सरकार की ओर से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, iGOT कर्मयोगी का स्वामित्व और संचालन
- एक मजबूत सामग्री पारिस्थितिकी तंत्र का संचालन
- मूल्यांकन और प्रमाणीकरण पारिस्थितिकी प्रणाली का प्रबंधन करना
- दूरमापी डेटा आधारित स्कोरिंग - निगरानी और मूल्यांकन

- प्रतिपुष्टि आकलन - कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और विकास योग्य और मपानीय प्लेटफॉर्म द्वारा संचालित
- अन्य देशों में सिविल सेवकों की क्षमता निर्माण के लिए कार्यक्रम तैयार करना और वितरित करना
- SPV भारत सरकार की ओर से सभी बौद्धिक संपदा अधिकारों का शामिल करेगा।

IGOT- कर्मयोगी प्लेटफॉर्म क्या है?

- एक एकीकृत सरकारी ऑनलाइन प्रशिक्षण (iGOT) कर्मयोगी मंच स्थापित करके कर्मयोगी कार्यक्रम को वितरित किया जाएगा।
- IGOT- कर्मयोगी एक **सतत ऑनलाइन प्रशिक्षण मंच है** , जो सभी सरकारी कर्मचारियों को सहायक सचिव से सचिव स्तर तक उनके डोमेन क्षेत्रों के आधार पर निरंतर प्रशिक्षण से गुजरने की अनुमति देगा।
- अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम किसी भी समय अधिकारियों को लेने के लिए मंच पर उपलब्ध कराए जाएंगे
- मंच से सामग्री के लिए एक जीवंत और विश्व स्तरीय बाजार में जगह बनाने की उम्मीद की जाती है जहां सावधानीपूर्वक निर्मित और डिजिटल संचालित ई-अधिगम सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी।
- क्षमता निर्माण के अलावा, परिवीक्षा अवधि, तैनाती, कार्य असाइनमेंट और रिक्तियों की अधिसूचना आदि के बाद सेवा मामलों की पुष्टि अंततः प्रस्तावित योग्यता ढांचे के साथ एकीकृत की जाएगी।

कर्मयोगी मिशन किस प्रकार वित्त पोषित होता है?

- लगभग 46 लाख केंद्रीय कर्मचारियों को कवर करने के लिए, 2020-21 से 2024-25 तक 5 वर्षों की अवधि में 510.86 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जाएगी।
- खर्च को आंशिक रूप से $ 50 मिलियन की सहायता के लिए बहुपक्षीय सहायता द्वारा वित्त पोषित किया जाता है।

मिशन की रूपरेखा और मूल्यांकन रूपरेखा कैसी है?

- मुख्य प्रदर्शन संकेतक (KPI) के आधार पर सभी उपयोगकर्ताओं की निगरानी और मूल्यांकन।
- उपयोगकर्ताओं में व्यक्तिगत शिक्षार्थी (सिविल सेवक), पर्यवेक्षक, संगठन, सहकर्मी समूह, सामग्री निर्माता और प्रौद्योगिकी सेवा प्रदाता शामिल हैं
- **प्रधान मंत्री डैशबोर्ड:** वार्षिक स्कोर कार्ड और रैंकिंग विभाग के साथ

क्षमता निर्माण KPI की वास्तविक समय रिपोर्टिंग

- **क्षमता निर्माण योजना-** राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं से जुड़े प्रत्येक विभाग द्वारा प्रस्तुत वार्षिक योजनाएँ
- **सिविल सेवा की वार्षिक रिपोर्ट:** राष्ट्रीय प्रगति में उपलब्धियों और योगदान पर ध्यान केंद्रित करने के साथ एक वर्ष में पूरे के रूप में सिविल सेवाओं का समेकित प्रदर्शन
- **स्वतंत्र ऑडिट:** क्षमता निर्माण आयोग द्वारा नियमित लेखा परीक्षा और गुणवत्ता आश्वासन के अलावा कार्यक्रम का थर्ड पार्टी ऑडिट ।

मिशन के गुण

- **लोकतांत्रिक नागरिक सेवा:** यह सिविल सेवा क्षमता निर्माण के लिए एक नया राष्ट्रीय वास्तुकला है जो सिलो-युक्त प्रदर्शन में अग्रदूत होगा। यह भारत में दो करोड़ से अधिक अधिकारियों की क्षमता बढ़ाने में मदद करेगा।
- **समग्र** : यह कुशल सार्वजनिक सेवा वितरण के लिए व्यक्तिगत, संस्थागत और प्रक्रिया स्तरों पर क्षमता निर्माण तंत्र का व्यापक सुधार है।
- **क्षमता संचालित HR प्रबंधन नीति** : मिशन यह सुनिश्चित करता है कि सही दक्षताओं वाला व्यक्ति सही पद पर हो
- **बढ़ी हुई सुलभता:** मिशन सिविल सेवकों को दुनिया भर के सर्वोत्तम संस्थानों और प्रथाओं से सीखता है (iOT मंच के बाज़ार के माध्यम से)
- **बढ़ी हुई विशेषज्ञता** : यह मिशन ज्ञान चालित है और इसका उद्देश्य सिविल सेवकों को नेताओं और विषय विशेषज्ञों में बदलने के लिए दक्षताओं का निर्माण करना है ।
- **बेहतर शासन:** सिविल सेवा की क्षमता मुख्य शासन कार्यों के प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह मिशन सिविल सेवक को नागरिक की जरूरतों के प्रति अधिक कुशल, प्रभावी, जवाबदेह और उत्तरदायी बनाने में मदद करेगा
- **बेहतर कार्य संस्कृति की ओर जाता है** : मिशन आधुनिक तकनीक (iGOT कर्मयोगी मंच) को अपनाने के माध्यम से कार्य संस्कृति के परिवर्तन और सार्वजनिक संस्थानों को मजबूत बनाता है जो कौशल पर जोर देता है
- **व्यावसायिक विकास:** यह सभी सिविल सेवकों को, उनके स्व-संचालित और अनिवार्य शिक्षण पथों में उनके व्यवहार, कार्यात्मक और डोमेन दक्षता को लगातार बनाने और मजबूत करने का

अवसर उपलब्ध कराने में मदद करता है ।

- **एकसमान दृष्टिकोण:** यह मिशन सहयोगात्मक और सह-साझेदारी के आधार पर क्षमता निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन और विनियमन में एक समान दृष्टिकोण सक्षम करेगा ।
- केंद्र और राज्यों दोनों के लिए सिविल सेवकों के प्रशिक्षण **की लागत** को **कम करता है** , निरंतर ऑनलाइन सीखने और साझा पारिस्थितिकी तंत्र पर दिए गए जोर के कारण। विदेशी प्रशिक्षण पर खर्च में कटौती की जाएगी।

क्या आप जानते है?

- IGOT पायलट मॉडल ने COVID योद्धाओं को प्रशिक्षित किया है और COVID के खिलाफ भारत की लड़ाई का नेतृत्व किया है ।
- इसमे डॉक्टरों, नर्सों, NCC कैडेटों, NSS स्वयंसेवकों और तकनीशियनों जैसे विविध लोगों के लिए पाठ्यक्रम प्रदान किए गए है।
- पायलट मॉडल ने 12 भाषाओं का समर्थन किया और सामग्री कई चैनलों (मोबाइल, डेस्कटॉप, iGOT TV द्वारा ऑफलाइन प्रदान किये है) के माध्यम से वितरित की गई।
- पायलट लगभग 12.7 लाख पंजीकृत उपयोगकर्ताओं और 14.06 लाख प्रमाणपत्र मुद्दों के साथ एक सफल कड़ी थी

निष्कर्ष

- मिशन कर्मयोगी का उद्देश्य भारतीय सिविल सेवकों को अधिक रचनात्मक, निर्माणकारी, कल्पनाशील, अभिनव, सक्रिय, पेशेवर, प्रगतिशील, ऊर्जावान, सक्षम, पारदर्शी और प्रौद्योगिकी सक्षम बनाकर भविष्य के लिए तैयार करना है ।

कृषि अध्यादेशों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

GS प्रीलिम्स और GS - II- केंद्र-राज्य संबंध; नीतियां और हस्तक्षेप **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में, पंजाब विधानसभा ने एक प्रस्ताव पारित किया और केंद्र के हालिया कृषि अध्यादेश और प्रस्तावित बिजली (संशोधन) विधेयक 2020 को खारिज कर दिया।

मुख्य बिन्दु

अध्यादेशों में शामिल हैं:

- किसानों का व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) अध्यादेश, 2020

- मूल्य आश्वासन और फार्म सेवा अध्यादेश, 2020 पर किसानों (सशक्तीकरण और संरक्षण) समझौता
- आवश्यक वस्तु (संशोधन) अध्यादेश, 2020
- इन अध्यादेशों से राज्यों के बीच कृषि उपज की मुक्त आवाजाही की अनुमति दी जाती है और किसानों को यह तय करने दिया जाता है कि वे किसे अपनी फसल बेचना चाहते हैं।
- विद्युत (संशोधन) विधेयक 2020 विद्युत अनुबंध प्रवर्तन प्राधिकरण की स्थापना के माध्यम से विद्युत क्षेत्र को केंद्रीकृत करता है।
- फ्रेंचाइजी और बिल के तहत उप लाइसेंसधारियों की मान्यता निजी निवेशकों के लिए इस क्षेत्र को खोल सकती है।

पंजाब का रुख :

- संविधान की सूची II की प्रविष्टि 14 में राज्यों के विषय के रूप में कृषि शामिल है।
- इसलिए, केंद्र द्वारा पारित तीन अध्यादेश भारत के संविधान के खिलाफ हैं।
- ये अध्यादेश राज्यों के कार्यों और संविधान में निहित सहकारी संघवाद की भावना के विरुद्ध प्रत्यक्ष अतिक्रमण हैं।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- अनुच्छेद 246 संघ और राज्यों के बीच विधायी शक्ति का तीन गुना वितरण करता है।
- इस शक्ति का विषयवार वितरण संविधान की सातवीं अनुसूची की तीन सूचियों में दिया गया है:
- सूची- I- संघ सूची
- सूची- II- राज्य सूची
- सूची- III- समवर्ती सूची

परीक्षाओं के संचालन पर UGC के दिशानिर्देशों पर SC का निर्णय

GS प्रीलिम्स और GS - II- न्यायपालिका; शिक्षा **का हिस्सा:**

समाचार में

- सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि कोविड -19 महामारी के बीच मानव जीवन की रक्षा के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के परीक्षा दिशानिर्देशों को पलटने के

लिए राज्यों को आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 (DM अधिनियम) के तहत सशक्त बनाया गया है।

मुख्य बिन्दु

- यह माना जाता है कि विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा के अन्य संस्थानों को अंतिम वर्ष की परीक्षा आयोजित करनी होगी और आंतरिक मूल्यांकन या अन्य मानदंडों के आधार पर छात्रों को उत्तीर्ण नहीं कर सकते।
- आपदा की स्थिति में, DM अधिनियम के अधीन सभी प्राधिकारियों की प्राथमिकता आपदा से तुरंत मुकाबला करना और इसे मानव जीवन को बचाना है।
- भविष्य में, यदि किसी राज्य को UGC द्वारा दी गई समय सीमा तक परीक्षा आयोजित करना असंभव लगता है और वह उन्हें स्थगित करना चाहता है, तो वह UGC को बता सकता है।
- राज्य और विश्वविद्यालय केवल सलाह के रूप में UGC के दिशानिर्देशों को खारिज नहीं कर सकते।
- SC ने इस तर्क को खारिज कर दिया कि शारीरिक परीक्षा आयोजित करके उपस्थिति को मजबूर करना अनुच्छेद 21 के तहत 'जीवन के अधिकार' का उल्लंघन है।

प्रश्नकाल और लोकतंत्र

संदर्भ: केंद्र सरकार ने घोषणा की है कि संसद के आगामी सत्र (14 सितंबर से शुरू होने वाला मानसून सत्र) में प्रश्नकाल नहीं होगा। इसका स्पष्ट कारण COVID-19 महामारी द्वारा निर्मित स्थिति है

सरकार का संसदीय स्वरूप क्या है?

- एक में सरकार का एक संसदीय रूप जिसमें कार्यपालिका एक विधायिका के माध्यम से मतदाताओं के प्रति जवाबदेह है, जो समय-समय पर निर्वाचकों द्वारा चुनी जाती है ।
- यह जवाबदेही लोकतांत्रिक सरकार के हृदय में है और विधायिका द्वारा लागू प्रक्रियाओं के माध्यम से कार्यान्वित की जाती है जिनके कार्यों में शामिल हैं
    - कानून निर्माण
    - राष्ट्रीय वित्त पर नियंत्रण
    - कराधान प्रस्तावों को मंजूरी
    - जनहित और जन सरोकार के मामलों पर चर्चा करना
- इनमें से प्रत्येक कार्य को प्रतिदिन या समय-समय पर विधानमंडल की बैठकों के दौरान निस्तारित किया जाता है और प्रश्नों को कवर किया जाता है, स्थगन प्रस्ताव, ध्यानाकर्षण, आधे घंटे की चर्चा, अविश्वास प्रस्ताव, विशेषाधिकार के प्रश्न आदि शामिल होते हैं ।

प्रश्नकाल क्या है?

- प्रत्येक संसदीय बैठक का पहला घंटा प्रश्नकाल के लिए किया जाता है जहां संसद सदस्य प्रशासनिक गतिविधि के किसी भी पहलू के बारे में प्रश्न उठाते हैं ।
- एक **तारांकित प्रश्न** में , एक सदस्य चिंतित मंत्री से एक मौखिक जवाब चाहता है और जबकि अतारांकित प्रश्नों के मामले में, एक प्रश्न के लिखित जवाब प्रदान की जाती है यह, अनुपूरक प्रश्नों के बाद किया जा सकता है, और कोई अनुपूरक प्रश्न पूछा जा सकता है
- **लघु सूचना प्रश्न** वह है जिसे दस दिनों से कम समय का नोटिस देकर पूछा जाता है । इसका उत्तर मौखिक रूप से दिया गया है।
- मंत्रालयों को 15 दिन पहले प्रश्न मिलते हैं ताकि वे अपने मंत्रियों को प्रश्नकाल के लिए तैयार कर सकें ।
- दोनों सदनों (राज्यसभा और लोकसभा) के पीठासीन अधिकारी प्रश्नकाल के संचालन के संबंध में अंतिम प्राधिकारी हैं।
- प्रश्नकाल को **संसदीय नियमों के** अनुसार नियंत्रित किया जाता **है**
- दोनों सदनों में प्रश्नकाल **सत्र के सभी दिनों में आयोजित किया** जाता है । लेकिन दो दिन होते हैं जब एक अपवाद किया जाता है (राष्ट्रपति के अभिभाषण का दिन और बजट प्रस्तुति के दौरान)
- 1991 से प्रश्नकाल के प्रसारण के साथ, प्रश्नकाल संसदीय कार्यप्रणाली का सबसे स्पष्ट पहलू बन गया है

प्रश्नकाल का महत्व

- **जवाबदेही का साधन** : प्रश्नकाल के दौरान, संसद सदस्य (सांसद) मंत्रियों से सवाल पूछते हैं और उन्हें अपने मंत्रालयों के कामकाज के लिए जवाबदेह ठहराते हैं।
- **नियमितता** : दैनिक 'प्रश्नकाल' की अपनी नियमितता और सदन के प्रत्येक सदस्य, राज्यसभा या लोकसभा में समानता के आधार पर उपलब्धता के कारण एक बेजोड़ आलोचना है।
- **व्यापक क्षेत्र**: संसद की कार्यवाही में इसका विशेष महत्व है क्योंकि यह सरकारी गतिविधि, घरेलू और विदेशी के हर पहलू को शामिल करता है।
- **व्यापक बहस की ओर जाता है:** यद्यपि प्रश्न इंगित और विशिष्ट होता हैं, हमारे संसदीय इतिहास में व्यापक बहस, पूछताछ और यहां तक कि प्रशासनिक

घोटालों के लिए दिए गए सवालों के जवाब दिए गए हैं।

- **सार्वजनिक जागरूकता** : प्रश्नकाल के माध्यम से उपलब्ध कराई गई जानकारी, सार्वजनिक सूचना को ब्याज या चिंता के मामलों पर सूचित बहस के लिए आवश्यक बनाती है।
- **कार्यपालिका का रुख:** सरकार को प्रश्नकाल का लाभ यह है कि मामले में उसकी स्थिति को आधिकारिक रूप से समझाया गया है ।

प्रश्नकाल स्थगित करने के सरकार के कदम की आलोचना क्या है?

- **विपक्ष के लिए कम जगह** : सरकार द्वारा जवाबदेह बनाए रखने के लिए केवल प्रश्नकाल को छोड़कर, सदनों के बाकी कार्य को सरकार द्वारा अधिक नियंत्रित और स्थापित किया गया था।
- **लोकतंत्र की आत्मा के खिलाफ:** प्रश्नकाल का निलंबन लोकतांत्रिक सिद्धांतों में विशेषकर संसदीय लोकतंत्र में अच्छा संकेत नहीं है।
- **बुरी प्रक्रिया:** संसद विधायी कार्यप्रणाली का केंद्र है और इसका कामकाज भविष्य में विधान सभाओं के लिए मिसाल कायम करेगा।
- **सहमति की कमी:** महामारी के कारण प्रश्नकाल स्थगित करने और वैकल्पिक विकल्प खोजने के लिए कदम राजनीतिक दलों और समूहों के नेताओं के साथ चर्चा नहीं की गई थी

उपरोक्त आलोचनाओं के लिए सरकार ने क्या प्रतिक्रिया दी है?

- सरकार ने बाद में स्पष्ट किया है कि अतारांकित प्रश्न प्राप्त होते रहेंगे और उनका उत्तर दिया जाता रहेगा और यह परिवर्तन केवल तारांकित प्रश्नों और उनसे संबंधित पूरक प्रश्नों से संबंधित होगा जिन्हें मौखिक रूप से उत्तर देने की आवश्यकता होती है।

निष्कर्ष

- एक कार्यशील लोकतंत्र की परीक्षा में संकटों का सामना करने की क्षमता है - सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक - और लोकतंत्र की संस्थाओं पर आधारभूत सुधार चाहते हैं। 'टालमटोल की राजनीति' कही जाने वाली बातों का एक सहारा इस प्रक्रिया में मदद नहीं करता।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

शून्यकाल

- शून्यकाल एक भारतीय संसदीय नवाचार है। संसदीय नियम पुस्तिका में इसका उल्लेख नहीं है ।
- इसके अधीन सांसद बिना किसी पूर्व सूचना के मामले उठा सकते हैं ।
- शून्यकाल प्रश्नकाल के तुरंत बाद शुरू होता है और दिन के लिए एजेंडा (जब तक कि सदन का नियमित कार्य) नहीं हो जाता, तब तक रहता है।
- दूसरे शब्दों में, प्रश्नकाल और कार्यसूची के बीच के समय के अंतराल को शून्य घंटे के रूप में जाना जाता है।

भाषा का मुद्दा और सिंगापुर का केस स्टडी

संदर्भ: नई शिक्षा नीति तमिलनाडु के मामले को एक भाषा के फार्मूले के बाद याद करती है जो पिछले 50 वर्षों से दिल्ली के साथ अलग है

तमिलनाडु की भाषा नीति

- यह दो भाषा नीति का अनुसरण करता है जो केंद्र द्वारा परामर्शित तीन भाषा नीति से अलग है
- यह द्रविड़ आंदोलन का नेतृत्व करने वाले सी.एन. अन्नादुरई का निर्णय था , कि तमिल और अंग्रेजी से परे (वरीयता के क्रम में) तमिलनाडु के स्कूलों में भाषा या शिक्षा के माध्यम के रूप में कोई अन्य भाषा नहीं सिखाई जाएगी।

विभिन्न विकसित देशों द्वारा किस भाषा नीति को अपनाया जाता है?

- अधिकांश देश प्राथमिक कक्षाओं में बच्चों को पढ़ाने के लिए एक-भाषा के फार्मूले (हमेशा की मातृभाषा) का पालन करते हैं।
- मिडिल स्कूल पहुंचने पर उन्हें एक और भाषा सीखने का मौका दिया जाता है, जिसमें ज्यादातर अंग्रेजी होती है।
- चूंकि स्कूलों के माध्यम से यह थोपी नहीं जाती है, इन देशों में अन्य भाषाओं की स्वैच्छिक शिक्षा व्यापक रूप से प्रचलित है।

सिंगापुर में ली कुआन यू (1959 से 1990 तक प्रथम PM) के नेतृत्व में **भाषा नीति**

- सिंगापुर में, **74.2% आबादी चीनी** , 13.2% मलेशियाई और 9.2% भारतीय हैं।
- हिंदी को एकमात्र आधिकारिक भाषा होने पर जोर देने के बजाय सिंगापुर को चीन को अपनी आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाने का अधिक औचित्य था। आज भी हिंदी भाषी लोगों की आबादी भारत में 50% से अधिक नहीं है;
- अगर ली कुआनय्यू (LKY) चाहते तो वह चीनी को एकमात्र

आधिकारिक भाषा घोषित कर सकते थे और उन चीनी लोगों को संतुष्ट कर सकते थे जो बहुमत में थे।

- हालांकि, LKY ने सामाजिक-आर्थिक विकास को प्राप्त करने के लिए **एक रणनीतिक उपकरण के रूप में भाषा नीति का** उपयोग किया ।
- **अंग्रेजी और मातृभाषा** को **समान दर्जा** देते हुए LKY ने एक शर्त के रूप में माना कि न केवल अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर काम करना है बल्कि बड़े प्रभावी परिवर्तन भी लाना है।
- ली कुआन यू ने अपनी सफलता के लिए प्राप्त सिंगापुर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी **दो भाषाओं के सूत्र के** लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार ठहराया । उन्होंने कहा कि प्रत्येक सिंगापुरवासी को अपनी मातृभाषा अंग्रेजी के साथ सीखनी चाहिए।
- उन्होंने देखा कि **देश** के **लिंगुआ फ्रैंक सभी सांस्कृतिक समूहों के लिए समान होना चाहिए** , जिससे उचित प्रतिस्पर्धा और अवसर पैदा हों।
- केवल इस पृष्ठभूमि में मलय, चीनी, तमिल और अंग्रेजी सामान्य भाषा के रूप में घोषित किए गए थे, जिसमें **लिंगुआ फ्रेंका अंग्रेजी थी।**
- दो-भाषा की नीति ने वैश्वीकरण के लिए पहले से ही सिंगापुर वासियों को तैयार कर दिया
- कई लोग इस नीति की तुलना सी.एन. अन्नादुरई की भाषा के दृष्टिकोण से करते हैं

अन्नादुरई की भाषा नीति का मुख्य आधार क्या था?

- उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी राष्ट्रीय भाषाओं को आधिकारिक भाषा बनाया जाना चाहिए और अंग्रेजी सामान्य योजक भाषा होनी चाहिए
- उन्होंने माना कि राजभाषा बहुभाषी समाज के सभी सदस्यों के लिए समान होनी चाहिए। अंग्रेजी, हिंदी और तमिल दोनों छात्रों के लिए बिल फिट होगी।
- हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में अकेले बनाना, हिंदी भाषी आबादी के अलावा विभिन्न भाषाई समूहों के बीच असमानता पैदा करेगा, जिसके परिणामस्वरूप आंशिक रूप से हिंदी भाषी आबादी को अनुचित लाभ मिलेगा।
- अन्नादुराई यह भी विशेष रूप से जानते थे कि अंग्रेजी एक बड़ी दुनिया के साथ संवाद करने वाली भाषा है।
- 'द्रविड़ भूमि' के लिए भाषा नीति के रूप में अन्नादुराई ने जो सपना देखा था, वह वास्तव में ली कुआन यू द्वारा सिंगापुर में लागू किया गया था।

क्या इसका मतलब यह है कि दो भाषा नीति ने तमिलनाडु में अच्छा काम किया है?

- हालांकि भाषा नीति में सिंगापुर की तुलना, तमिलनाडु के शिक्षा मानकों के परिणामों के संदर्भ में सिंगापुर की तुलना नहीं है
- राज्य के छात्रों को अंग्रेजी और तमिल भाषाओं के साथ काम करते समय एक गंभीर बाधा होती है। और उनके पास कमान भी नहीं है।
- **जवाबी तर्क:** यह दो भाषाओं के फार्मूले की असफलता नहीं है बल्कि इसके कार्यान्वयन और वर्तमान भारतीय शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र है।

निष्कर्ष

यदि भारत वास्तव में नई पीढ़ियों को बनाने में सक्षम नई शिक्षा नीति में दिलचस्पी रखता है, तो सरकार दुनिया भर में शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र का अध्ययन करके केवल उस दृष्टि को प्राप्त कर सकती है

बिंदुओं को जोड़ने पर

- NEP 2020
- संघ की आधिकारिक भाषा और भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची

2009 के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन और भारतीय राजनीति को चुनौती

संदर्भ: नौ साल पहले, अन्ना हजारे ने अपना ऐतिहासिक उपवास समाप्त किया जब प्रधान मंत्री, मनमोहन सिंह ने उन्हें सूचित किया कि संसद ने भ्रष्टाचार विरोधी कानून में प्रस्तावित परिवर्तनों के लिए समर्थन व्यक्त किया था।

आंदोलन क्या था?

- **भ्रष्टाचार-निरोध और जवाबदेही** : अन्ना आंदोलन की एक सूत्रीय मांग जन लोकपाल की स्थापना थी कि भ्रष्टाचार के आरोप लगने पर सभी सरकारी कर्मियों को सजा दी जाए, यहां तक कि प्रधानमंत्री को भी।
- **व्यापक लोकतंत्र** : यह नागरिकों का एक उल्लेखनीय आंदोलन था - अमीर, मध्यम वर्ग, और गरीब - राजनीति से नेताओं को वापस लेने और नागरिकों के लिए संसद की जवाबदेही की मांग करने के लिए एक साथ आना।
- **विकेंद्रीकरण** : आंदोलन का नेतृत्व करने वाले अन्ना हजारे ने कहा कि लोकपाल और लोकायुक्त राजनीति और सरकार में भ्रष्टाचार के मूल कारणों को समाप्त नहीं करेंगे। चुनावी सुधार और सत्ता का विकेंद्रीकरण आवश्यक था

वर्तमान स्थिति आंदोलन में उठाए गए विचारों के बारे में क्या है?

- शासन के मूलभूत सुधारों के आंदोलन ने अपना महत्व खो दिया
- देश की सीमाओं पर चीन की धमकियों और COVID -19 के कारण होने वाली वैश्विक समस्याओं के लिए, राष्ट्र का ध्यान शासन की संस्थाओं की कमजोरियों से हट गया है।

अभी भी हमारे राजनीतिक तंत्र के मुद्दे क्या हैं?

1. धन चुनावी प्रक्रिया पर हावी है जो प्रणालीगत भ्रष्टाचार की ओर जाता है

- दुनिया भर में, चुनावी लोकतंत्र राजनीतिक दलों और चुनावों के वित्तपोषण की बीमारी से संक्रमित हो गए हैं। कानूनी रूप से चुनाव जीतने के लिए धन की आवश्यकता होती है, तब भी जब लोगों को वोट देने के लिए रिश्वत नहीं दी जाती है।
- नागरिकों के साथ संचार, लोकतंत्र के लिए जो आवश्यक है, महंगा हो गया है ।
- वैध चुनावी उद्देश्यों के लिए अधिक धन जुटाने की दौड़, पार्टियों और चुनावों की फंडिंग की प्रक्रिया को दूषित कर सकती है।

2. लोकतांत्रिक प्रक्रिया और विचार-विमर्श के साथ चुनौती

- चुनावी लोकतंत्र में समस्या केवल उस प्रक्रिया से नहीं है जिसके द्वारा प्रतिनिधि चुने जाते हैं, बल्कि उनके विचार-विमर्श के संचालन में भी जब वे एक साथ आते हैं।
- प्रतिनिधि पूरे क्षेत्र की वृद्धि के बजाय अपने निर्वाचन क्षेत्र के लिए क्षेत्र के सबसे बड़े हिस्से के लिए लड़ते हैं।
- चुने हुए प्रतिनिधियों को अपने स्थानीय मुद्दों को पीछे रखना चाहिए और राष्ट्रीय मुद्दे पर विचार करना चाहिए कि पूरे देश के लिए सबसे अच्छा क्या होगा, जो शायद ही कभी होता है

3. बहु-दल लोकतंत्र एक दोधारी तलवार है

- कई राजनीतिक दलों के उभार ने सबसे कमजोर व्यक्ति को भी अपनी आवाज सुनाने में सक्षम बनाया है। इसने चुनावी प्रक्रिया का लोकतांत्रिकरण किया है।
- हालाँकि, जब किसी गठबंधन के भीतर बहुत सारे पक्ष और बहुत सारे विरोधाभासी बिंदु होते हैं, तो सरकार गिर सकती है।

4. प्रत्यक्ष लोकतंत्र के विकल्प के अपने नुकसान हैं

- यह राजनीतिक दलों और संसदों का परित्याग करने के लिए लुभाता है और लोकतंत्र के प्रत्यक्ष रूपों पर वापस लौटता है जहां हर निर्णय को सीधे मतदान करने के लिए सभी नागरिकों को दिया जा सकता है। नई इंटरनेट प्रौद्योगिकियां इसे संभव बनाती हैं।
- लेकिन, अगर सभी मतदाताओं को यह समझ में नहीं आया कि क्या दांव पर लगा है, तो वे अच्छी तरह

से तय नहीं कर सकते हैं क्योंकि ब्रिटेन ने जल्दबाजी में ब्रेक्सिट जनमत संग्रह के साथ समझ लिया है।

- जटिल मुद्दे, जहां कई हित टकराते हैं, उन्हें कारण से हल किया जाना चाहिए, न कि संख्याओं द्वारा तय किया गया

आगे का मार्ग

- चुनावी फंडिंग को पारदर्शी किया जाना चाहिए
- प्रतिनिधि लोकतंत्र को बेहतर बनाने के लिए राजनीतिक दलों के भीतर लोकतंत्र में सुधार हुआ है।
- मजबूत स्थानीय प्रशासन भारत के लोकतंत्र को मजबूत और गहरा बनाने के लिए अधूरा एजेंडा बना हुआ है

बिंदुओं को जोड़ने पर

- 73rd और 74th संवैधानिक संशोधन अधिनियम

सुप्रीम कोर्ट ने मराठा समुदाय को आरक्षण दिया

GS प्रीलिम्स और GS - I- समाज और GS - II - न्यायपालिका **का हिस्सा:**

समाचार में

- सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में मराठा समुदाय के लिए आरक्षण पर रोक लगा दी है।

मुख्य बिन्दु

- न्यायमूर्ति एल. नागेश्वरराव की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों वाली पीठ ने मामले को एक बड़ी पीठ के पास भेज दिया।
- खंडपीठ 2018 की संवैधानिक वैधता पर विचार करेगी जो महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य में मराठों को आरक्षण प्रदान करती है।

क्या आप जानते है?

- सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्ग अधिनियम के लिए महाराष्ट्र राज्य आरक्षण मूल रूप से शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में मराठा समुदाय के लिए 16% आरक्षण प्रदान करता है।
- इस कानून को बॉम्बे हाईकोर्ट के समक्ष चुनौती दी गई थी, जिसने जून 2019 में इसकी वैधता को बरकरार रखा था लेकिन शैक्षणिक संस्थानों में कोटा घटाकर 12% और नौकरियों में 13% कर दिया था।

- SC द्वारा यह कहते हुए अपील दायर की गई थी कि आरक्षण को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इंद्रा साहनी बनाम भारतीय संघ के 1992 के फैसले में निर्धारित 50% कैप के उल्लंघन से बचाया जाएगा।
- महाराष्ट्र सरकार ने 26 अगस्त, 2020 को SC को एक बड़ी पीठ के समक्ष इस तथ्य को रखने के लिए कहा था कि इसमें पर्याप्त कानूनी प्रश्नों का निर्धारण शामिल है।

न्यायपालिका और शहरी गरीबों के आवास अधिकार

संदर्भ: 31 अगस्त 2020 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली में रेल पटरियों के किनारे स्थित लगभग 48,000 झुग्गी बस्तियों को तीन महीने के भीतर हटाने का आदेश दिया।

सुनवाई पर्यावरण प्रदूषण (रोकथाम और नियंत्रण) प्राधिकरण (EPCA) द्वारा दायर एक रिपोर्ट पर आधारित थी, जिसमें कहा गया था कि रेलवे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम का पालन नहीं कर रहा है।

SC आदेश के अन्य निर्देश क्या हैं?

- अदालत ने घोषित किया कि कोई हस्तक्षेप, राजनीतिक या अन्य, उनके हटाने के खिलाफ नहीं होना चाहिए।
- यह कहा गया कि इस अतिक्रमण को हटाने के खिलाफ किसी भी अदालत द्वारा अंतरिम रोक का कोई भी आदेश अप्रभावी माना जाएगा।
- अदालत ने दिल्ली में रेलवे और स्थानीय अधिकारियों को प्लास्टिक अपशिष्ट, कचरे आदि को हटाने के निर्देश दिए, तीन महीने के भीतर पटरियों के साथ ढेर लगा दिया गया।

SC आदेश की आलोचना

1. न्यायालय PILमें उठाए गए प्रदूषण के विशिष्ट मुद्दों की अनदेखी करते हुए एक ऊपरी तौर से प्रासंगिक विषय पर आगे बढ़ता है

- आदेश लंबे समय से चल रहे मामले में पारित किया गया था, *एम.सी. मेहता बनाम यूनियन ऑफ इंडिया और अन्य* , दिल्ली में प्रदूषण और EPCA द्वारा संबंधित रिपोर्ट के संबंध में ।
- हालांकि, न तो यह मामला और न ही रिपोर्ट, अनौपचारिक बस्तियों की वैधता के साथ जुड़ी है।
- फिर भी, न्यायालय ने कचरे के ढेर और झुग्गियों की उपस्थिति के बीच एक अस्थिरचित्त संबंध बनाया और बेदखली का आदेश दिया ।

2. कोर्ट ने प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों की अनदेखी की है

- आदेश नैसर्गिक न्याय और निर्धारित प्रक्रिया के सिद्धांतों का उल्लंघन है, क्योंकि यह झुग्गी-झोपड़ी को हटाने पर फैसला प्रभावित पक्ष, *झुग्गी* में

रहने वाले लोगों की सुनवाई के बिना सुनाया गया है।

3. न्यायालय आश्रय के अधिकार पर न्यायिक प्राथमिकताओं की अनदेखी करता है

- में *ओल्गा टेलिस एवं अन्य बनाम बंबई नगर निगम व अन्य* (1985), पांच जजों की बेंच ने कहा कि जीवन के अधिकार में "आजीविका का अधिकार" भी शामिल है और इसमे बिना किसी नोटिस के और बिना प्रभावित को शामिल किये कोई सुनवाई नहीं होगी।
- *चमेली सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य* (1995), सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 21 के तहत जीवन का अधिकार का एक घटक और आंदोलन की स्वतंत्रता अनुच्छेद 19 (1) (e) के तहत के रूप में "आश्रय का अधिकार" को मान्यता दी।
- *अजय माकन व अन्य बनाम भारतीय संघ और अन्य।* (2019), रेलवे की भूमि पर शकूर बस्ती के विध्वंस से संबंधित एक मामला, दिल्ली उच्च न्यायालय ने झुग्गी निवासियों के आवास अधिकारों को बनाए रखने के लिए **"राइट टू सिटी"** के विचार को लागू किया ।

4. अदालत ने बेदखली को नियंत्रित करने वाली राज्य नीतियों की भी अनदेखी की है

- *सुदामा सिंह और अन्य बनाम दिल्ली सरकार और अन्य के* (2010), दिल्ली के उच्च न्यायालय ने कहा कि किसी भी निष्कासन से पहले, एक सर्वेक्षण आयोजित किया जाना चाहिए और जिन लोगों को निष्कासित किया जाना चाहिए उन्हें **पुनर्वास योजनाओं के साथ "सार्थक जुड़ाव" का** अधिकार होना चाहिए ।
  - इस निर्णय में निर्धारित प्रक्रिया को दिल्ली झुग्गी-झोपड़ी और JJ पुनर्वास और पुनर्स्थापन नीति, 2015 के लिए आधार बनाया गया था, जिसे अदालत ने संदर्भित नहीं किया है।

5. महामारी के समय में आदेश असंवेदनशील माना जाता है

- महामारी शहरी अनौपचारिक आजीविका को अधिक असुरक्षित बनाती है और सुप्रीम कोर्ट के आदेश से लाखों लोग बेघर हो गए हैं जो स्वास्थ्य और आर्थिक आपातकाल के बीच बेघर हैं

आगे का मार्ग

- प्रभावित निवासियों को अब अपने आवास अधिकारों की रक्षा के लिए राजनीतिक और कानूनी रणनीतियों के संयोजन को नियुक्त करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि उनकी पूर्व सूचित सहमति के बिना

कोई निष्कासन या पुनर्वास नहीं किया जाता है

बिंदुओं को जोड़ने पर

- नेशनल हरित ट्रिब्यूनल
- स्मार्ट सिटी मिशन (शहर सौंदर्यीकरण परियोजनाएं झुग्गी-झोपड़ी वासियों को कैसे प्रभावित कर रही हैं)

स्वायत्त निकाय

संदर्भ: केंद्रीय कपड़ा मंत्रालय ने हाल ही में अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड, हथकरघा बोर्ड और बिजली करघा बोर्ड को समाप्त कर दिया है।

मंत्रालय ने पहले से "संबद्ध निकायों" के बजाय आठ स्वीकृत किए गए निकायों के लिए "वस्त्र अनुसंधान संघ" की स्थिति भी बदल दी। तत्पश्चात, सरकार ने इन कपड़ा संघों के शासी निकायों से कपड़ा मंत्रालय के अधिकारियों को वापस ले लिया।

इस निर्णय के पीछे क्या उद्देश्य हैं?

- यह न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है
- यह दुर्बल सरकारी मशीनरी को प्राप्त करने में एक कदम है
- इन कदमों के माध्यम से सरकार सरकारी निकायों के व्यवस्थित वैज्ञानिकीकरण की शुरुआत करना चाहती है।

स्वायत्त निकाय (AB) क्या हैं?

- **उद्देश्य** : स्वायत्त निकायों की स्थापना तब की जाती है जब यह महसूस किया जाता है कि कुछ कार्यों को सरकारी मशीनरी के दिन-प्रतिदिन के हस्तक्षेप के बिना स्वतंत्रता और लचीलेपन के कुछ मात्रा के साथ स्थापित सरकारीकरण से बाहर करने की आवश्यकता है।
- **स्थापना** : ये मंत्रालयों / विभागों द्वारा संबंधित विषय के साथ स्थापित किए जाते हैं और अनुदान के माध्यम से वित्त पोषित होते हैं, या तो पूरी तरह से या आंशिक रूप से, इस तरह के संस्थानों पर निर्भर करता है कि इस तरह के संस्थान अपने स्वयं के आंतरिक संसाधन उत्पन्न करते हैं।
- **इन निकायों की प्रकृति:** वे ज्यादातर सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत सोसाइटी के रूप में पंजीकृत हैं और कुछ मामलों में उन्हें विभिन्न अधिनियमों में निहित प्रावधानों के तहत वैधानिक संस्थानों के रूप में स्थापित किया गया है।
- **कार्य:** वे विभिन्न गतिविधियों में लगे हुए हैं, जिसमें नीतियों के लिए रूपरेखा तैयार करना, अनुसंधान का

संचालन करना, और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना आदि शामिल हैं। इस श्रेणी में तकनीकी, चिकित्सा और उच्च शिक्षा गिराने वाले संस्थान शामिल हैं।

- **शासन** : ABs के शीर्ष प्रशासनिक निकाय को गवर्निंग काउंसिल या गवर्निंग बॉडी कहा जाता है और इसकी अध्यक्षता संबंधित मंत्रालय के मंत्री या सचिव करते हैं।
- **जवाबदेही** : इन स्वायत्त निकायों का नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG) द्वारा ऑडिट किया जाता है, और वार्षिक रिपोर्ट हर साल संसद में प्रस्तुत की जाती है।

स्वायत्त निकायों के मुद्दे क्या हैं जिनकी समीक्षा की आवश्यकता है?

- **लचीलेपन की अधिकता:** चूंकि इन निकायों को करदाता के पैसे से वित्त पोषित किया जाता है, इसलिए यह तर्क दिया जाता है कि उन्हें सरकार की नीतियों का पालन करना चाहिए और जिस तरह से सरकारी विभाग हैं, उनके प्रति जवाबदेह होना चाहिए। दूसरों का दावा है कि "स्वायत्त" होने के नाते उन्हें अपनी वित्तीय और प्रशासनिक नीतियां बनाने का अधिकार है
- **ABs की सही गिनती ज्ञात नहीं है** , अनुमानत: 400 से 650 से अधिक के साथ। तब, ABs काफी संख्या में कार्यरत हैं। उदाहरण के लिए, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि मंत्रालय के तहत एक AB में, लगभग 17,000 कर्मचारी हैं।
- **भर्ती में एकरूपता:** सरकार और सार्वजनिक उपक्रमों के विपरीत, जिसमें भर्ती नियम एक समान हैं और भर्ती एक केंद्रीय निकाय जैसे SSC, UPSC और सार्वजनिक उद्यम चयन बोर्ड द्वारा की जाती है, केंद्रीय AB भर्तियों के लिए ऐसा कोई निकाय नहीं है।
- **जवाबदेही मुद्दा:** वरिष्ठ मंत्रालय के अधिकारियों के स्थान पर, जूनियर अधिकारी बैठक में भाग लेते हैं जिनके पास सार्थक निर्णय लेने के लिए अधिकार क्षेत्र की कमी होती है। इसके अलावा, कुछ ABs CAG द्वारा ऑडिट किए जाते हैं जबकि कई चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा किए जाते हैं।

आगे का मार्ग

- **उचित परिभाषा:** एक AB का वर्णन करने के लिए एक कानूनी ढांचा तैयार किया जाना चाहिए, जो इसके काम करने की सीमाओं, इसकी स्वायत्तता और विभिन्न नीतियों को परिभाषित करता है, जिनका पालन करना चाहिए।
- **उनकी संख्याओं का युक्तिकरण:** AB जो कि जिस कारण से वे स्थापित किए गए थे, को बंद कर दिया गया है या उन्हें एक समान संगठन के साथ विलय या विलय करने की आवश्यकता हो सकती है या नए

चार्टर के अनुसार उनका ज्ञापन बदल सकता है।

- **उनकी नीतियों में एकरूपता** : नीतियों में एकरूपता लाने के लिए, भर्ती नियम, वेतन संरचना, भत्ता और कर्मचारियों को दिए जाने वाले भत्तों को सुव्यवस्थित करने के लिए एक कार्यबल को एक अखिल भारतीय एजेंसी जैसे SSC या UPSC के अधीन स्थापित करने की आवश्यकता है। , और भर्ती का तरीका।
- **कामकाज में परिवर्तन:** मंत्रालय के अधिकारियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, समान एबी की समिति की बैठकें एक साथ आयोजित की जानी चाहिए ताकि उपयुक्त अधिकारी सार्थक सुझाव प्रदान कर सकें।
- **AB का प्रदर्शन ऑडिट:** CAG ने 2016 में स्वायत्त वैज्ञानिक निकायों का एक संपूर्ण प्रदर्शन ऑडिट किया था, जिसमें उनके प्रदर्शन के अंतराल पर प्रकाश डाला गया था। इस तरह के विषय-आधारित ऑडिट को अन्य AB के लिए स्वागत के रूप में किया जाना चाहिए

बिंदुओं को जोड़ने पर

- न्यायाधिकरण और उनकी उपयोगिता
- नियामक निकाय और उनके कामकाज

स्थायी समितियों के कार्यकाल का विस्तार किया जा सकता है

GS प्रीलिम्स और GS- II - संसद **का हिस्सा:**

समाचार में

- राज्य सभा सचिवालय विभागीय-संबंधित स्थायी समितियों (DRSC) के कार्यकाल को नियंत्रित करने वाले नियमों को बदलने पर विचार कर रहा है ताकि वर्तमान एक वर्ष से इसे दो साल कर दिया जा सके।
- **उद्देश्य:** पैनल के पास उनके द्वारा चुने गए विषयों पर काम करने के लिए पर्याप्त समय होना चाहिए। कोविड-19 महामारी के कारण समितियों के कार्यकाल का एक महत्वपूर्ण काल खंड खो सा गया था। पैनलों की सभी रिपोर्टें पूरी नहीं हो पाई हैं। वे जिस विषय पर काम कर रहे थे।

जिन विकल्पों पर विचार किया जा रहा है

- एक वर्ष के लिए पैनलों की अवधि बढ़ाने के लिए।
- दो वर्ष के निश्चित कार्यकाल के साथ नई समितियों का गठन करना।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

संसदीय समितियाँ

- भारत का संविधान विभिन्न स्थानों पर इन समितियों का उल्लेख करता है, लेकिन उनकी संरचना, कार्यकाल, कार्यों आदि के बारे में कोई विशेष प्रावधान किए बिना।
- **दो प्रकार की संसदीय समितियाँ** - स्थायी समितियाँ और **एड हॉक** समितियाँ।
- **स्थायी समितियाँ** : स्थायी (हर साल या समय-समय पर गठित) और निरंतर आधार पर काम करती हैं। **अवधि** : इसके निर्माण की तारीख से एक वर्ष।
- **एड हॉक** समितियाँ: सौंपे गए कार्य को पूरा करने के लिए अस्थायी और संघर्षरत हैं।

भूमिका :

(1) समितियों के माध्यम से, संसद प्रशासन पर अपना नियंत्रण और प्रभाव डालती है और कार्यपालिका पर सतर्कता बरतती है;

(2) वे अपने कर्तव्यों के निर्वहन में विधानमंडल की सहायता और सहायता करते हैं

(3) वे एक मामले पर विशेषज्ञता भी प्रदान करते हैं जो उन्हें संदर्भित किया जाता है।

विदेशी योगदान (विनियमन) अधिनियम, और यह कैसे दान को नियंत्रित करता है

संदर्भ: इस वर्ष विदेशी योगदान (विनियमन) अधिनियम (FCRA), 2010 के तहत 13 गैर-सरकारी संगठनों (NGO) के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं। उनके FCRA प्रमाणपत्र निलंबित कर दिए गए और बैंक खाते कुर्क कर दिए गए।

FCRA क्या है?

- **उद्देश्य** : पहली बार 1976 में लागू किया गया FCRA विदेशी दान को नियंत्रित करता है और यह सुनिश्चित करता है कि ऐसे योगदान आंतरिक सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालते हैं।
- **प्रयोज्यता:** FCRA सभी संघों, समूहों और गैर सरकारी संगठनों पर लागू होता है जो विदेशी दान प्राप्त करना चाहते हैं। ऐसे सभी गैर-सरकारी संगठनों के लिए FCRA के तहत खुद को पंजीकृत करना अनिवार्य है
- **जवाबदेही** : पंजीकृत संघ सामाजिक, शैक्षिक, धार्मिक, आर्थिक और सांस्कृतिक उद्देश्यों के लिए विदेशी योगदान प्राप्त कर सकते हैं। आयकर की तर्ज पर वार्षिक रिटर्न (देय वापसी) दाखिल करना अनिवार्य है।
- **2015 में संशोधित नियम** : गृह मंत्रालय द्वारा नए नियमों में कहा

गया है कि ऐसे सभी गैर-सरकारी संगठनों को राष्ट्रीयकृत या निजी बैंकों में खातों का संचालन करना होगा, जिनके पास वास्तविक समय के आधार पर सुरक्षा एजेंसियों तक पहुँचने की अनुमति देने के लिए कोर बैंकिंग सुविधाएं हों।

विदेशी दान कौन नहीं प्राप्त कर सकता है?

- विधायिका और राजनीतिक दलों के सदस्य, सरकारी अधिकारी, न्यायाधीश और मीडियाकर्मी किसी भी विदेशी योगदान को प्राप्त करने से प्रतिबंधित हैं।
- **राजनीतिक निधि:** हालांकि, 2017 में, वित्त विधेयक मार्ग के माध्यम से MHA, ने FCRA कानून में संशोधन कर राजनीतिक दलों को विदेशी कंपनी या एक विदेशी कंपनी की भारतीय सहायक कंपनी से धन प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त किया, जिसमें एक भारतीय 50% या अधिक शेयर रखता है।

विदेशी फंडिंग को कोई और कैसे प्राप्त कर सकता है?

- विदेशी अंशदान प्राप्त करने का दूसरा तरीका पूर्व अनुमति के लिए आवेदन करना है।
- यह विशिष्ट गतिविधियों या परियोजनाओं को पूरा करने के लिए एक विशिष्ट दाता से एक विशिष्ट राशि की प्राप्ति के लिए दिया जाता है।
- लेकिन संघ को सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860, भारतीय ट्रस्ट अधिनियम, 1882, या कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 25 जैसी विधियों के तहत पंजीकृत होना चाहिए।
- राशि और उद्देश्य को निर्दिष्ट करने वाले विदेशी दाता से एक प्रतिबद्धता पत्र भी आवश्यक है।

पंजीकरण कब निलंबित या रद्द किया जाता है?

- **NGO की वित्तीय अनियमितता:** खातों के निरीक्षण पर और एसोसिएशन के कामकाज के खिलाफ किसी भी प्रतिकूल इनपुट को प्राप्त करने पर MHA FCRA पंजीकरण को शुरू में 180 दिनों के लिए निलंबित कर सकता है।
- **NGO के कामकाज पर प्रतिबंध:** जब तक कोई निर्णय नहीं लिया जाता है, तब तक एसोसिएशन को कोई नया दान नहीं मिल सकता है और वह MHA की अनुमति के बिना नामित बैंक खाते में उपलब्ध राशि के 25% से अधिक का उपयोग नहीं कर सकता है।
- **सार्वजनिक हित का उल्लंघन** : सरकार अनुमति देने से इनकार कर सकती है यदि वह मानती है कि गैर सरकारी संगठन को

दान "सार्वजनिक हित" या "राज्य के आर्थिक हित" को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करेगा ।

- **हालिया उदाहरण:** 2017 में, MHA ने तंबाकू नियंत्रण गतिविधियों पर सांसदों के साथ लॉबी करने के लिए "विदेशी निधियों" का उपयोग करने के आधार पर भारत के सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य वकालत समूहों में से एक, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (PHFI) के FCRA को निलंबित कर दिया।
- PHFI द्वारा सरकार को कई अभ्यावेदन के बाद, इसे 'पूर्व अनुमति' श्रेणी में रखा गया।

क्या आप जानते है?

- गृह मंत्रालय (MHA) के आंकड़ों के अनुसार, 2011 से, विदेशी अंशदान के गलत उपयोग, अनिवार्य वार्षिक रिटर्न जमा न करने और अन्य प्रयोजनों के लिए विदेशी धन के व्यपवर्तन जैसे उल्लंघनों के लिए 20,664 संघों का पंजीकरण रद्द कर दिया गया था।
- 11,2020 सितंबर तक 49,843 FCRA -पंजीकृत संघ हैं।

FCRA की आलोचना क्या है?

- **मौलिक अधिकारों को प्रभावित करता है:** FCRA प्रतिबंधों में संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (a) और 19 (1) (सी) के तहत स्वतंत्र भाषण और एसोसिएशन की स्वतंत्रता के अधिकार दोनों पर गंभीर परिणाम हैं ।
- **लोकतांत्रिक कार्यप्रणाली:** NGO लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हित एकत्रीकरण और हित आर्टिक्यूलेशन की महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लंबे समय तक उनके कामकाज को प्रतिबंधित करने से लोकतंत्र में बाधा आएगी।
- **कानून में अस्पष्टता के कारण दुरुपयोग करने के लिए उत्तरदायी:** अधिनियम ने सरकार को नियमों को बनाने की शक्ति दी है, जिसके तहत एक संगठन को राजनीतिक उद्देश्यों वाला घोषित किया जा सकता है - यह परिभाषित किए बिना कि एक 'राजनीतिक उद्देश्य' क्या है।

निष्कर्ष

गैर सरकारी संगठनों के विनियमन की बहुत आवश्यकता है, लेकिन यह 'हल्का' होना चाहिए और मौलिक अधिकारों के अनुरूप होना चाहिए, ताकि उन वस्तुओं को प्रभाव दिया जा सके जिनके लिए स्वैच्छिकता को बढ़ावा दिया जा रहा है।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- लोकतंत्र में गैर सरकारी संगठनों का महत्व

विभागीय-संबंधित स्थायी समितियों (DRSC) का कार्यकाल बढ़ाना

समाचार में:

राज्यसभा सचिवालय , विभागीय-संबंधित स्थायी समितियों (DRSC) के कार्यकाल के नियमों को बदलने पर विचार कर रहा है, जिसे वर्तमान एक वर्ष से दो वर्ष कर दिया जाए।

इसके पीछे कारण:

समितियों के कार्यकाल का एक महत्वपूर्ण कालखंड कोविड -19 महामारी के कारण खो सा गया था। कई पैनल उन विषयों पर पूरी रिपोर्ट नहीं दे पाए हैं जिन पर वे काम कर रहे थे।

पैनल के पास उनके द्वारा चुने गए विषयों पर काम करने के लिए पर्याप्त समय होना चाहिए।

संसदीय समितियाँ:

- **स्थायी समितियाँ** : स्थायी (हर वर्ष या समय-समय पर गठित) और अपने संविधान की तारीख से एक वर्ष तक निरंतर आधार पर काम करती हैं।
- **एड हॉक कमेटियाँ** : सौंपे गए कार्य के पूरा होने पर अस्थायी और समाप्त हो जाता है।

समितियों की भूमिका:

- समितियों के माध्यम से, संसद प्रशासन पर अपना नियंत्रण और प्रभाव डालती है और कार्यपालिका पर सतर्कता बरतती है।
- वे अपने कर्तव्यों के निर्वहन में विधानमंडल की सहायता और सहायता करते हैं।
- वे एक मामले पर विशेषज्ञता भी प्रदान करते हैं जो उन्हें संदर्भित किया जाता है।

विभाग से संबंधित संसदीय स्थायी समितियाँ:

- कुल 24 स्थायी समितियों में से 8 राज्यसभा के अधीन और 16 लोकसभा के तहत काम करती हैं।
- प्रत्येक स्थायी समिति में 31 सदस्य होते हैं (लोकसभा से 21 और राज्यसभा से 10)।
- लोक सभा के सदस्यों को अध्यक्ष द्वारा नामांकित किया जाता है, जैसे राज्यसभा के सदस्यों को सभापति द्वारा अपने सदस्यों में से नामित किया जाता है
- मंत्री इन समितियों के सदस्य नहीं हो सकते।

नियम क्या कहते हैं?

लोक सभा नियमों के नियम 331D (4) और राज्यसभा नियमों के नियम 269 (3) के अनुसार:

समितियों के "सदस्यों" के पद का कार्यकाल एक वर्ष से अधिक नहीं होगा।

इस प्रकार, यह सदस्यों के कार्यालय का कार्यकाल है न कि समितियों का, जो एक वर्ष है ।

पृष्ठभूमि:

पदावधि मुद्दे को निम्नलिखित पृष्ठभूमि के खिलाफ देखना होगा:

- राज्यसभा आंशिक द्विवर्षीय नवीकरण से गुजरती है, क्योंकि इसके एक-तिहाई सदस्य संविधान के अनुच्छेद 83 के खंड (1) के आधार पर हर दो साल में सेवानिवृत्त होते हैं।
- लोकसभा का कार्यकाल पांच वर्ष का है, जब तक कि इसे समय से पहले भंग न किया जाये।

इस प्रकार यह केवल 10 वर्षों में एक बार होता है कि दोनों सदनों में स्थायी समितियों के प्रमुख फेरबदल की आवश्यकता होती है, जो कि लोक सभा के लिए दूसरे दौर और राज्यसभा के पांचवें द्विवार्षिक दौर के बाद है।

क्या किया जा सकता है?

- अलग-अलग कार्यकाल -

इन समितियों पर दोनों सदनों के सदस्यों की शर्तें स्वयं सदनों के कार्यकाल के अनुरूप भिन्न हो सकती हैं। राज्यसभा सदस्यों के लिए यह दो साल का हो सकता है और लोकसभा सदस्यों के लिए यह अपने जीवन के साथ संयोग हो सकता है।

निष्कर्ष:

संसद की बैठकें वर्षों में लगातार घट रही हैं। 1950 के दशक में 100-150 सभाओं से, 2019-20 में प्रति वर्ष संख्या 60-70 तक कम हो गई है।

ऐसे परिदृश्य में, संसदीय कार्य का एक बड़ा हिस्सा DRSC द्वारा किया जाता है। एक लंबा कार्यकाल कार्यों को पूरा करने और उन्हें सौंपे गए विचार-विमर्श में मदद करेगा।

बिंदुओं को जोड़ने पर:

- विभागीय रूप से संबंधित स्थायी समितियों (DRSC) के महत्व पर चर्चा करना। क्या आपको लगता है कि समिति या उसके सदस्यों का कार्यकाल बढ़ाया जाना चाहिए?

रेलवे अधिनियम 1989 में संशोधन

GS प्रीलिम्स और **GS**- II - नीतियां और हस्तक्षेप और **GS**- III - अवसरंचना- रेलवे **का हिस्सा**

समाचार में

- हाल ही में रेल मंत्रालय ने ट्रेनों या रेलवे परिसरों में भीख मांगने को गैरकानूनी घोषित करने का प्रस्ताव पारित किया है।
- इसमें स्थान दंड (फाइन) लगाकर धूम्रपान के अपराध को कम करने का प्रस्ताव भी पारित किया गया है।

मुख्य बिन्दु

- ये बदलाव रेलवे अधिनियम, 1989 के प्रावधानों के तहत दंड को गैरकानूनी/युक्तिसंगत बनाने की कवायद का हिस्सा हैं।
- **अधिनियम की धारा 144 (2):** यदि कोई व्यक्ति किसी भी रेलवे गाड़ी या रेलवे स्टेशन पर भीख माँगता है, तो उसे एक वर्ष के लिए कारावास या 2,000 रुपये के जुर्माने के साथ कारावास की सजा या दोनों भुगतनी पड़ सकती है।
- **प्रस्तावित संशोधन** : किसी भी व्यक्ति को किसी भी रेलवे गाड़ी या रेलवे के किसी भी भाग में भीख माँगने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- **अधिनियम की धारा 167** : ट्रेन के किसी भी डिब्बे में कोई भी व्यक्ति, यदि किसी अन्य यात्री द्वारा आपत्ति की जाती है, तो उसमें धूम्रपान नहीं करेगा । किसी भी आपत्ति के बावजूद, रेलवे प्रशासन किसी भी ट्रेन या ट्रेन के कुछ हिस्सों में धूम्रपान पर प्रतिबंध लगा सकता है। जो कोई भी इन प्रावधानों का उल्लंघन करता है, वह 100 रुपये का दंड भुगतने के लिए उत्तरदायी होगा ।
- **प्रस्तावित संशोधन** : यदि जुर्माना अदा करने वाला व्यक्ति इसे तुरंत भुगतान करने के लिए तैयार है, तो प्राधिकृत अधिकारी अधिकतम जुर्माना वसूल कर अपराध को कम कर सकता है जिसका भुगतान रेलवे प्रशासन को किया जाएगा। बशर्ते, अपराधी को छुट्टी दे दी जाएगी और इस तरह के अपराध के संबंध में उसके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी।

विमान (संशोधन) विधेयक 2020

GS प्रीलिम्स और GS - II - क़ानून और GS - III - अवसरंचना- वायुमार्ग **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में, भारतीय संसद ने राज्यसभा में विमान (संशोधन) विधेयक, 2020 को मंजूरी दे दी है। विधेयक लोक सभा द्वारा पहले ही पारित किया जा चुका है।
- यह विमान अधिनियम, 1934 में संशोधन किया गया है।

मुख्य बिन्दु

- इसमें नागरिक उड्डयन मंत्रालय के तहत तीन मौजूदा निकायों को सांविधिक निकायों में परिवर्तित करने के प्रावधान हैं।
- ये तीन प्राधिकरण हैं - (1) नागरिक उड्डयन महानिदेशालय; (2) नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो; (3) विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो।
- विधेयक के तहत, इन निकायों में से प्रत्येक का नेतृत्व एक महानिदेशक करेगा जो केंद्र द्वारा नियुक्त किया जाएगा।

- विधेयक में जुर्माने की अधिकतम सीमा 10 लाख रुपये से बढ़ाकर एक करोड़ रुपये कर दी गई है।
- ये जुर्माना विमान पर सवार हथियार, विस्फोटक और अन्य खतरनाक सामान ले जाने और एक हवाई अड्डा संदर्भ बिंदु के आसपास निर्दिष्ट त्रिज्या के भीतर इमारत या संरचनाओं का निर्माण करने से संबंधित हैं

विद्युत का मसौदा (उपभोक्ताओं के अधिकार) नियम, 2020

GS प्रीलिम्स और GS - II - विधान और GS - III - अवसरंचना **का हिस्सा:**

समाचार में

- केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय ने हाल ही में नियमों का मसौदा तैयार किया है जो पहली बार बिजली उपभोक्ताओं को अधिकार प्रदान करता हैं।
- 30 सितंबर तक उपभोक्ताओं की टिप्पणियों और सुझावों की तलाश के लिए 9 सितंबर को विद्युत मंत्रालय द्वारा ड्राफ्ट नियमों को पारित किया गया है।

मुख्य बिन्दु

- मसौदे के अनुसार, राज्य विद्युत नियामक आयोग (SERCs) DISCOM के लिए प्रति वर्ष प्रति उपभोक्ता बिजली की औसत संख्या और अवधि तय करेगा।
- 10 किलोवाट तक के लोड तक कनेक्शन के लिए केवल दो दस्तावेजों की आवश्यकता होगी और कनेक्शन देने में तेजी लाने के लिए 150 किलोवाट तक लोड के लिए मांग शुल्क का कोई प्रावधान नहीं होगा।
- नए कनेक्शन प्रदान करने और मौजूदा कनेक्शन को संशोधित करने के लिए, मेट्रो शहरों में सात दिनों से अधिक नहीं, अन्य नगरपालिका क्षेत्रों में 15 दिनों और ग्रामीण क्षेत्रों में 30 दिनों की समय अवधि होगी।
- कैश, चेक, डेबिट कार्ड और नेट बैंकिंग में बिल का भुगतान करने का विकल्प होगा।
- 1,000 रु के बिल या उससे अधिक का भुगतान ऑनलाइन करना होगा।

आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक, 2020

GS प्रीलिम्स और GS - II - नीतियां और हस्तक्षेप **का हिस्सा:**

समाचार में

- लोकसभा ने आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक, 2020 पारित किया।
- विधेयक आवश्यक वस्तु (संशोधन) अध्यादेश का स्थान लेगा जिसे जून, 2020 में प्रख्यापित किया गया था।

मुख्य बिन्दु

- विधेयक आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 में संशोधन करता है।

- यह असाधारण परिस्थितियों में कुछ वस्तुओं के उत्पादन, आपूर्ति, वितरण, व्यापार और वाणिज्य के मामले में केंद्र सरकार को सशक्त बनाता है।
- केंद्र सरकार खाद्य वस्तुओं, उर्वरकों और पेट्रोलियम उत्पादों सहित कुछ वस्तुओं को आवश्यक वस्तुओं के रूप में नामित करने में सक्षम होगी।
- विधेयक केंद्र सरकार को एक आवश्यक वस्तु के भंडार को विनियमित करने का अधिकार देता है जिसे एक भंडार व्यक्ति कर सकता है।

क्या आप जानते है?

- असाधारण परिस्थितियों में युद्ध, अकाल, असाधारण मूल्य वृद्धि और गंभीर प्रकृति की प्राकृतिक आपदा शामिल हैं।
- खाद्य पदार्थों के नियमन और भंडारण सीमा को लागू करने संबंधी विधेयक के प्रावधान सार्वजनिक वितरण प्रणाली_या लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली से संबंधित किसी भी सरकारी आदेश पर लागू नहीं होंगे ।

वेतन, भत्ते और संसद सदस्यों का पेंशन (संशोधन) विधेयक, 2020

GS प्रीलिम्स और GS - II - नीतियां और हस्तक्षेप; संसद **का हिस्सा:**

समाचार में

- लोक सभा ने सर्वसम्मति से संसद के सदस्यों (संशोधन) विधेयक, 2020 के वेतन, भत्ते और पेंशन को पारित कर दिया।
- विधेयक संसद के संशोधन (संशोधन) अध्यादेश के वेतन, भत्ते और पेंशन की जगह लेगा जिसे अप्रैल, 2020 में प्रख्यापित किया गया था।

मुख्य बिन्दु

- विधेयक में सांसदों के वेतन और मंत्रियों के वेतन भत्ते को 30% तक कम करने का प्रयास है।
- यह सांसदों के निर्वाचन क्षेत्र भत्ते और कार्यालय व्यय भत्ते को कम करने का भी प्रयास करता है।
- विधेयक 1 अप्रैल, 2020 से प्रभावी इन परिवर्तनों को एक वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी बनाता है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- संसद अधिनियम, 1954 के सदस्यों का वेतन, भत्ते और पेंशन संसद सदस्यों के वेतन, भत्ते और पेंशन के लिए प्रदान करता है।

- **अनुच्छेद 106:** संसद के किसी भी सदन के सदस्य ऐसे वेतन और भत्ते प्राप्त करने के हकदार होंगे जो समय-समय पर संसद द्वारा कानून द्वारा निर्धारित किए जाएं।

आयुर्वेद विधेयक 2020 में शिक्षण और अनुसंधान संस्थान

GS प्रीलिम्स और GS - II - नीतियां और हस्तक्षेप; स्वास्थ्य और GS - III - चिकित्सा **का हिस्सा:**

समाचार में

- आयुर्वेद विधेयक 2020 में शिक्षण और अनुसंधान संस्थान राज्यसभा द्वारा पारित किया गया है। लोकसभा में विधेयक पारित हो गया है।
- यह गुजरात के जामनगर में आयुर्वेद (ITRA) में शिक्षण और अनुसंधान संस्थान नामक एक अत्याधुनिक आयुर्वेदिक संस्थान स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करता है।
- इसे राष्ट्रीय महत्व के संस्थान (INI) का दर्जा भी दिया जाएगा।

क्या आप जानते है?

- ITRA आयुष क्षेत्र में INI की स्थिति वाला पहला संस्थान होगा।
- गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय परिसर जामनगर में वर्तमान में मौजूद आयुर्वेद संस्थानों को मिलाकर ITRA की स्थापना की मांग की गई है।

संसद का मानसून सत्र आरंभ

- हाल ही में, संसद का मानसून सत्र शुरू हुआ है, हालांकि सरकार ने सत्र के लिए प्रश्नकाल और शून्यकाल को निलंबित कर दिया है।
- भारत के राष्ट्रपति को समय-समय पर संसद के प्रत्येक सदन को बुलाने का अधिकार दिया जाता है।
- संसद के दो सत्रों के बीच अधिकतम अंतराल छह महीने से अधिक नहीं हो सकता है।
- आमतौर पर एक वर्ष में तीन सत्र होते हैं: (1) बजट सत्र (फरवरी से मई); (2) मानसून सत्र (जुलाई से सितंबर); (3) शीतकालीन सत्र (नवंबर से दिसंबर)।
- **अवकाश:** किसी सदन के पुनर्निर्धारण और उसके पुनर्विचार के बीच की अवधि।
- **स्थगन** : यह एक निर्दिष्ट समय के लिए एक बैठक में कार्य को निलंबित करता है, जो घंटे, दिन या सप्ताह हो सकता है।
- **अनिश्चित काल के लिए स्थगित किया जाता है**: इसका मतलब है कि अनिश्चित काल के लिए संसद की बैठक को समाप्त करना।
- स्थगन के साथ-साथ **अनिश्चित काल** स्थगन की शक्ति सदन के पीठासीन अधिकारी (अध्यक्ष या सभापति) के पास होती है।

- **स्थगितकरण**: राष्ट्रपति एक सत्र का कार्य पूरा होने के बाद सत्र के प्रचार के लिए एक अधिसूचना जारी करता है और पीठासीन अधिकारी सदन स्थगित होने की घोषणा करता है।
- राष्ट्रपति सत्र में रहते हुए सदन को पूर्व निर्धारित कर सकता है।
- **विघटन** : केवल लोकसंग्रह विघटन के अधीन है। एक विघटन से मौजूदा सदन का जीवन समाप्त हो जाता है। आम चुनाव होने के बाद एक नया सदन गठित किया जाता है।
- लोक सभा को भंग करने का राष्ट्रपति को अधिकार है।

संसदीय समिति

GS प्रीलिम्स और GS - II - राजनीति और शासन **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में विपक्ष ने मांग की थी कि चल रहे मानसून सत्र के दौरान कृषि विधेयकों को राज्यसभा की चयन समिति के पास भेजा जाए।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- संसद दो तरीकों से विधेयकों की जांच करती है।
- पहले दोनों सदनों के पटल पर चर्चा करके।
- दूसरा तंत्र एक विधेयक को संसदीय समिति को भेजकर है।
- संसदीय समितियों को विधेयकों का उल्लेख करना अनिवार्य नहीं है।
- किसी विशेष विधेयक की जाँच के लिए एक विधेयक पर चयन समिति का गठन किया जाता है।
- इसकी सदस्यता एक सदन से सांसदों तक सीमित है।
- उनकी रिपोर्ट के बाद उन्हें भंग कर दिया जाता है।
- इस प्रकार की समितियों की अध्यक्षता सत्तारूढ़ दल के सांसद करते हैं।

श्रम संहिताओं का नया संस्करण

संदर्भ: सरकार ने लोकसभा में तीन श्रम संहिताओं के नए संस्करण पेश किए हैं जो कि हैं

1. औद्योगिक संबंध कोड (संहिता) बिल, 2020
2. सामाजिक सुरक्षा बिल पर कोड, 2020
3. व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य की शर्त कोड बिल, 2020

क्या आप जानते है?

- स्थायी समितियों द्वारा दी गई 233 सिफारिशों में से 174 को शामिल करने के बाद इन तीन विधेयकों को फिर से पेश किया गया है

- ये तीन विधेयक 29 श्रम कानूनों को शामिल करते हुए परिकल्पित चार श्रम संहिता का हिस्सा हैं। मजदूरी पर पहला कोड पहले ही अधिनियमित किया जा चुका है।

प्रमुख प्रस्ताव क्या हैं?

औद्योगिक संबंध संहिता विधेयक, 2020 में सरकार ने प्रस्ताव दिया है

- **कानूनी हड़ताल के लिए नई शर्तें** - औद्योगिक प्रतिष्ठान में कार्यरत कोई भी व्यक्ति 60 दिन के नोटिस के बिना और अधिकरण के समक्ष कार्यवाही लंबित रहने के दौरान और ऐसी कार्यवाही के समापन के साठ दिन बाद हड़ताल पर नहीं जाएगा। पहले इस तरह के प्रतिबंध केवल सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं पर लागू होते थे
- **एक स्थायी आदेश की आवश्यकता के लिए सीमा को** बढ़ाया - औद्योगिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत श्रमिकों के लिए आचरण के नियम - मौजूदा 100 से 300 श्रमिकों तक
- **पुनर्कौशल फंड** - कामगार द्वारा अंतिम रूप से 15 दिनों के बराबर की राशि के नियोक्ता के योगदान के साथ छंटनी किए गए कामगारों के प्रशिक्षण के लिए एक पुन कौशल निधि स्थापित करना।

सामाजिक सुरक्षा संहिता में निम्नलिखित प्रावधान हैं

- **राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड** जो असंगठित कामगारों, गिग कामगारों और मंच श्रमिकों के विभिन्न वर्गों के लिए उपयुक्त योजनाएं तैयार करने के लिए केंद्र सरकार से सिफारिश करेगा
- **कोई और अधिक अस्पष्टता नहीं:** विधेयक में "करियर सेंटर", "एग्रीगेटर", "गिग कामगार", "मंच कार्यकर्ता", "मजदूरी सीलिंग" आदि जैसे विभिन्न शब्दों को परिभाषित किया गया है।
- **गिग श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा:** इसके अलावा, गिग श्रमिकों को रोजगार देने वाले एग्रीगेटरों को श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा के लिए अपने वार्षिक कारोबार का 1-2 प्रतिशत योगदान देना होगा

व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य की शर्तें संहिता के निम्नलिखित उद्देश्य हैं-

- **सभी प्रकार के कार्यों के लिए सभी प्रतिष्ठानों में महिलाओं को नियोजित करना** । वे रात में भी काम कर सकते हैं, अर्थात 7 बजे से पहले और सुबह 6 बजे से पहले सुरक्षा, छुट्टी, काम के घंटे और उनकी सहमति से संबंधित शर्तों के अधीन ।
- **औपचारिककरण को बढ़ावा देना** : रोजगार में औपचारिकता को बढ़ावा देने के लिए एक प्रतिष्ठान के नियोक्ता द्वारा अनिवार्य रूप से नियुक्ति पत्र जारी करना

- **श्रमिक की परिभाषा में अंतर-राज्य प्रवासी श्रमिकों को शामिल करना** : अंतर-राज्य प्रवासी श्रमिक को उस श्रमिक के रूप में परिभाषित किया जाता है जो एक राज्य से स्वयं आया हो और दूसरे राज्य में रोज़गार प्राप्त हो एवं 18,000 रुपये प्रति माह तक कमाता हो।
- प्रस्तावित परिभाषा केवल संविदात्मक रोजगार की वर्तमान परिभाषा से एक अंतर बनाती है।
- **सुवाह्यता लाभ** : राशन और भवन निर्माण और अन्य निर्माण श्रमिक उपकरों के लाभ के संबंध में गंतव्य राज्य में लाभ प्राप्त करने के लिए एक अंतर-राज्य प्रवासी श्रमिक को सुवाह्यता प्रदान की गई है।
- हालांकि, संहिता ने श्रमिकों के पास श्रमिकों के लिए अस्थायी आवास के लिए पहले के प्रावधान को अस्वीकार कर दिया है।
- हालांकि इसने **एक यात्रा भत्ता प्रस्तावित किया है** - नियोक्ता द्वारा उसके रोजगार के स्थान से उसके मूल निवास स्थान के लिए नियोक्ता को एकमुश्त राशि का भुगतान किया जाना है।

नए श्रम संहिता को लेकर क्या चिंताएं हैं?

- **श्रमिकों के अधिकारों को कमजोर करता है**: छोटे प्रतिष्ठानों (300 से अधिक श्रमिकों के साथ) में श्रमिकों को अपने अधिकारों को व्यापार यूनियनों, श्रम कानूनों की सुरक्षा के बिना पानी पिलाया जाएगा।
- **श्रमिक सुरक्षा सुरक्षा उपायों को कमजोर किया गया** : नए नियमों से कंपनियां श्रमिकों के लिए मनमानी सेवा शर्तों को लागू कर सकेंगी।
- **कॉर्पोरेट अनुकूल:** नए नियम नियोक्ताओं को सरकारी अनुमति के बिना श्रमिकों को काम पर रखने और हटाने के लिए अधिक लचीलापन प्रदान करते हैं
- **बोलने की स्वतंत्रता को** प्रतिबंधित करता है **:** हड़ताल और प्रदर्शनों पर प्रतिबंध औद्योगिक कार्यों की स्वतंत्रता पर हमला करने के लिए समान है।
- **कोष को फिर से तैयार करने के बारे में अस्पष्टता:** इस संहिता में **कोष के पुनरुत्पादन** के ठोस और प्रक्रियात्मक पहलुओं पर स्पष्टता का अभाव है, जो 1990 के दशक में राष्ट्रीय नवीकरण निधि की तरह फिजूल होगा।
- **महिला सुरक्षा:** लगाए गए विभिन्न सुरक्षा उपायों के बावजूद महिलाओं को रात के समय काम करने की अनुमति देने से उनके यौन शोषण की संभावना बढ़ सकती है।

निष्कर्ष

- COVID-19 महामारी के बाद बदले हुए आर्थिक परिदृश्य में, सरकार को श्रमिकों के अधिकारों और आर्थिक सुधार को संतुलित करना है। लंबे

समय तक एक दूसरे के अनुकूल रहने से देश की संभावनाओं पर असर पड़ेगा।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- भूमि सुधार
- न्यायपालिका में आवश्यक सुधार

राज्यसभा के उपसभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

GS प्रीलिम्स और GS - II - संसद; कार्यपालक **का हिस्सा** :

समाचार में

- 12 विपक्षी दलों के राज्यसभा सदस्यों ने ध्वनि मत से दो विवादास्पद कृषि विधेयकों के पारित होने पर राज्यसभा के उपसभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

व्यापार की प्रक्रिया और आचरण के प्रासंगिक नियम

- **नियम 256, सदस्य का निलंबन** : यह सदन के पीठासीन अधिकारी द्वारा इस आधार पर तय किया जाता है कि एक सदस्य अध्यक्ष के अधिकार की अवहेलना करता है या परिषद के नियमों का दुरुपयोग करता है।
- राज्यसभा में व्यापार की प्रक्रिया और आचरण के नियमों के **नियम 258** में एक सदस्य को आदेश का मुद्दा उठाने के लिए सक्षम करने का प्रावधान है ।
- **आदेश के बिन्दु**: लंबित मामले या कार्यवाही पर आपत्ति जो सभा के लिखित और अलिखित नियम का उल्लंघन है ।

राज्यसभा के उप-सभापति

- उपसभापति का चुनाव राज्य सभा द्वारा स्वयं उसके सदस्यों में से किया जाता है।
- उपसभापति का पद सभापति के अधीनस्थ नहीं है।
- वह अध्यक्ष कार्यालय के कर्तव्यों का पालन करता है जब:
  (1) यह रिक्त है;
  (2) जब उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति के रूप में कार्य करता है;
  (3) जब अध्यक्ष सदन के बैठने से अनुपस्थित रहता है।
  - सदन की अध्यक्षता करते हुए, वह पहली बार में मतदान नहीं कर सकता है; वह केवल एक टाई के मामले में एक वोट डाल सकता हैं।
- **अनुच्छेद 90** : उपसभापति को हटाने से संबंधित है

FCRA विधेयक और नागरिक समाज क्यों महत्वपूर्ण है

संदर्भ: लोकसभा ने बिना बहस के गैर-सरकारी संगठनों (NGOs) के संबंध में विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन (FCRA) विधेयक 2020 पारित किया है।

FCRA, 2010 को "राष्ट्रीय हित" के लिए नुकसानदेह किसी भी गतिविधियों के लिए विदेशी योगदान या विदेशी आतिथ्य की स्वीकृति और उपयोग को विनियमित करने के लिए अधिनियमित किया गया था।

गैर सरकारी संगठनों का महत्व

- **ब्याज एग्रीगेटर और ब्याज अभिव्यक्तिकर्ता**: गैर-लाभकारी संगठन सामाजिक समस्याओं और जरूरतों पर जनता का ध्यान आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये प्रमुख माध्यम हैं जिनके माध्यम से समुदाय अपने मुद्दों को उठा सकते हैं।
- **सरकारी तंत्र का पूरक**: गैर सरकारी संगठन सरकार की कल्याणकारी नीतियों को लागू करते हैं और उनकी निगरानी करते हैं, जो जमीनी स्तर पर संचालित होती है, जहां आधिकारिक तंत्र अक्सर अस्तित्वहीन होता है।
- **सरकार को जवाबदेह बनाता है**: गैर-सरकारी संगठनों ने यह सुनिश्चित करके सरकार की जवाबदेही को व्यापक बना दिया है कि सरकार संकीर्ण सांप्रदायिक हितों के बजाय बड़े पैमाने पर नागरिकों के प्रति उत्तरदायी है।
- **रचनात्मक संघर्ष का समाधान**: अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में ट्रैक II कूटनीति (गैर-सरकारी निकायों को शामिल करना) विश्वास और विश्वास का वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- **सुरक्षा वाल्व के रूप में कार्य करता है**: गैर-सरकारी संगठन सीमांत समूहों और सामाजिक आंदोलनों के लिए भी एक आवाज प्रदान करते हैं, जो देश के लाखों स्थानीय विद्रोहियों को बगावत करने से रोकते हुए एक सुरक्षा वाल्व का निर्माण करता है ।
- **लोकतांत्रिक कार्यप्रणाली को समृद्ध करता है**: गैर सरकारी संगठन बहुलवाद, विविधता और स्वतंत्रता को बढ़ावा देते हैं। वे शिक्षा, प्रशिक्षण और जागरूकता फैलाकर क्षमता निर्माताओं की भूमिका भी निभाते है

FCRA विधेयक, 2020 के मुख्य प्रावधान हैं:

- आधार कार्ड एक गैर सरकारी संगठन या विदेशी दान मांगने वाले

समूह के सभी पदाधिकारियों के लिए अनिवार्य पहचान दस्तावेज बना दिया गया है।

- विदेशी योगदान अब केवल भारतीय स्टेट बैंक, नई दिल्ली (केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित) की एक शाखा में " FCRA खाते" के रूप में बैंक द्वारा निर्दिष्ट खाते में प्राप्त किया जा सकता है। विदेशी योगदान के अलावा कोई धन इस खाते में प्राप्त या जमा नहीं किया जाना चाहिए।
- विदेशी दान से प्राप्त प्रशासनिक व्यय को वर्तमान 50% के मुकाबले 20% तक सीमित करना है
- संशोधित विधेयक में "लोक सेवक" और "सरकार द्वारा स्वामित्व या नियंत्रित निगम" शामिल हैं, जो विदेशी दान प्राप्त करने के लिए पात्र नहीं हैं।

FCRA विधेयक, 2020 की आलोचना-

- इस कानून का प्रयोग राजनीतिक विरोधियों और धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने के लिए किया जा सकता है।
- NGO के कार्य को **पंगु बनाता है**: 20% कैप के कारण, कई NGO दुकान बंद कर देंगे और कई लोग बेरोजगार हो जाएंगे।
- **दोहरा मापदंड:** एक तरफ सरकार विदेशी फंडों को आमंत्रित करती है, लेकिन जब ऐसे फंड शैक्षिक और धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए आते हैं, तो इसे रोका जाता है।
- **NGOs पर लाइसेंस-राज:** विधेयक के अनुसार विदेशी अनुदान प्राप्त करने वाले सभी गैर-सरकारी संगठन दोषी हैं और इस तरह से पदाधिकारियों के आधार कार्ड को अनिवार्य बना दिया जाता है।
- **नौकरशाही उत्पीड़न के लिए दरवाजे खोलता है:** क्षेत्र में आधिकारिक हस्तक्षेप और उत्पीड़न की अनुमति देने के लिए पारदर्शिता लागू करने और नियमों का उपयोग करने के बीच एक महीन रेखा है। वर्तमान विधेयक का अधिकांश भाग उस रेखा को पार करता है और सूक्ष्म प्रबंधन की एक संदिग्ध कोटि पेश करता है।

आगे का मार्ग

- सरकार को बिल राज्य सभा की एक चयन समिति को भेजना चाहिए।
- NGOs नागरिक समाज का एक आवश्यक घटक है और इस विधेयक को अधिक सार्वजनिक बहस और छानबीन की आवश्यकता है।

प्रमुख बंदरगाह प्राधिकरण विधेयक, 2020

GS प्रीलिम्स और GS- III - बंदरगाह **का हिस्सा** :

समाचार में

- लोकसभा ने प्रमुख बंदरगाह प्राधिकरण विधेयक, 2020 पारित किया।

मुख्य बिंदु

- विधेयक देश में प्रमुख बंदरगाहों के नियमन, संचालन और योजना के लिए प्रदान करने और इन बंदरगाहों को अधिक स्वायत्तता प्रदान करना चाहता है।
- यह प्रमुख बंदरगाह न्यास अधिनियम, 1963 को बदलना चाहता है।
- कानून प्रत्येक प्रमुख बंदरगाह के लिए एक प्रमुख बंदरगाह प्राधिकरण के बोर्ड के निर्माण का प्रावधान करता है।
- ये बोर्ड मौजूदा बंदरगाह न्यास की जगह लेंगे।
- इस विधेयक से बंदरगाहों को विश्वस्तरीय बुनियादी ढाँचा विकसित करने में मदद मिलेगी।
- यह उनके कामकाज में पारदर्शिता भी बढ़ाएगा।

डिजिटल मीडिया (सुदर्शन टीवी केस) के नियमन पर

संदर्भ: सरकार ने सुदर्शन टीवी मामले में एक हलफनामा दायर किया है जिसमें कहा गया है कि वेब आधारित डिजिटल मीडिया का विनियमन समय की आवश्यकता है।

क्या है सुदर्शन टीवी केस?

- सुदर्शन टीवी के 'बिंदास बोल' कार्यक्रम ने मुस्लिमों पर विदेशों में आतंक से जुड़े संगठनों की फंडिंग की मदद से सिविल सेवाओं में "घुसपैठ" करने का आरोप लगाया था।
- याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई थीं जिसमे कहा गया था कि प्रकरण एक समुदाय को अपमानित करने और **भाषण** से **घृणा** फ़ैलाने वाली सामग्री का एक उदाहरण है ।
- अदालत ने मौखिक रूप से यह देखा कि यह पांच नागरिकों की एक समिति का गठन करेगी जो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए मानकों का निर्धारण करेगी ।
- तीन न्यायाधीशों वाली पीठ ने सरकार से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए स्व-नियामक तंत्र में सुधार के लिए सुझाव मांगे थे।

सरकार की प्रतिक्रिया क्या थी?

- केंद्र सरकार ने प्रस्तुत किया कि जब प्रिंट और टेलीविज़न मीडिया के लिए विनियम पहले से मौजूद हैं, तो **डिजिटल मीडिया को विनियमित करने की आवश्यकता** थी क्योंकि इसकी पहुंच अत्यधिक है, और

इसकी सामग्री के वायरल होने की संभावना भी ज्यादा है।

- केंद्र ने **डिजिटल मीडिया को 'समानांतर मीडिया' कहा,** जो 'पूरी तरह से अनियंत्रित' है, और स्पेक्ट्रम या रेडियो एयरवेव और इंटरनेट का उपयोग करता है, जो सार्वजनिक संपत्ति है।
- केंद्र ने यह भी चेतावनी दी कि टेलीविजन सामग्री को विनियमित करने से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर समान सामग्री को डालने मीडिया संगठनों जो कि अनियमित है, पर अवांछित प्रभाव हो सकता है
- फर्जी समाचारों और गलत सूचनाओं के प्रसार को रोकने के लिए टेलीविजन और प्रिंट मीडिया के लिए विनियामक नीतियों को भी डिजिटल मीडिया और इसके विपरीत लागू करना होगा।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के स्व-विनियमन सरकार का रुख

- केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए मानक सुझाने के लिए पैनल गठित करने के शीर्ष अदालत के विचार का विरोध किया है।
- सरकार ने तर्क दिया है कि वर्तमान में स्व-नियामक तंत्र प्रभावी हैं, निष्पक्षता सुनिश्चित करते हैं और केवल **खामियों** को हटाने के लिए **थोड़े से समंजन की आवश्यकता** हो सकती है ।
- वर्तमान में स्व-नियामक निकाय केवल उन लोगों को ही नियंत्रित कर सकते हैं जो अपने सदस्य स्वैच्छिक रूप से चुनते हैं और टेलीविजन चैनलों के लिए, जो स्व-विनियमन निकायों के सदस्य नहीं हैं, यह मामला सीधे मंत्रालय द्वारा उठाया जाता है
- हालांकि, डिजिटल मीडिया के दायरे को विनियमित करने की आवश्यकता है

डिजिटल मीडिया को विनियमित करने के इस मामले में क्या मुद्दे शामिल हैं?

- **संवैधानिक अधिकार शामिल** : विचाराधीन प्रकरणों की सामग्री के खिलाफ जाता है और रोजगार की समानता के लिए संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन करता है
- **हितों को संतुलित करता है:** न्यायालय को बोलने की आज़ादी के अधिकार एवं समुदाय और घृणा भाषण की आज़ादी के अधिकार को संतुलित करना होगा
- **सार्वजनिक हित का मुद्दा:** चूंकि मामला "विदेशी फंडिंग" और "आरक्षण" के मुद्दों से संबंधित है, इसलिए किसी भी आदेश से पहले सरकार से परामर्श करना होगा
- **न्यायालयों की भूमिका** : संवैधानिक मूल्यों, मानवीय गरिमा को संरक्षित करने की आवश्यकता है, लेकिन न्यायालय "कार्यक्रम संहिता के प्रवर्तक नहीं बन सकते" (जो

कार्यपालिका के क्षेत्र में आता है)

- **अदालतों की शक्ति की सीमा:** इस बात पर बहस चल रही है कि क्या अदालत किसी कार्यक्रम के सर्वाच्छादी व्यादेश का आदेश दे सकती है या केवल उन्हीं हिस्सों को प्रतिबंधित करना चाहिए जो एक समुदाय को चोट पहुंचाते हैं।
- **घृणा भाषण की जटिल प्रकृति:** घृणा भाषण को तथ्यों के छोटे अंश के रूप में तैयार किया जाता है, और यह अवधि, लहज़ा और उनकी प्रस्तुति के तरीके पर निर्भर करता है। इस प्रकार, भाषण के किसी भी विनियमन को एकल आधार पर होना चाहिए।
- **मीडिया के दायरे का अत्याधुनिक स्वरूप:** मीडिया और पत्रकारिता के लिए विभिन्न प्लेटफार्मों के बीच की रेखाएं आज तेजी से धुंधला रही हैं। उदाहरण के लिए, सुदर्शन टीवी का एक YouTube चैनल भी है, जहाँ इसके सभी कार्यक्रम अपलोड किए जाते हैं।
- **मौजूदा नियमों का अप्रभावी कार्यान्वयन:** आग लगाने वाली सामग्री और घृणा फैलाने वाले भाषण से निपटने के लिए कानून जो हिंसा को ईंधन देते हैं, पहले से ही मौजूद है । राजनीतिक जुड़ाव की परवाह किए बिना, इसे एक समान रूप से इन नियमों को लागू करने की कमी खल रही है।
- **कानूनी जाँच से बचने की क्षमता:** इससे पहले अपने प्लेटफार्मों पर पोस्ट की गई सामग्री के लिए बिचौलियों (जैसे गूगल और फेसबुक) पर उच्च स्तर की देयता लगाने के प्रयास कानूनी जांच से बच नहीं पाए हैं, जिसमें IT अधिनियम, 2000 की धारा 79 (1) के साथ उन्हें इस संबंध में कुछ प्रतिरक्षा प्रदान की गई है ।

निष्कर्ष

एक हस्तक्षेप जो हल्का और सुव्यवस्थित है वह काम करेगा।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- नेट तटस्थता
- श्रेया सिंघल प्रकरण

गोपनीयता की एक संस्कृति

संदर्भ: जबकि पारदर्शिता लोकतंत्र की आधारशिला है, आज का भारत गोपनीयता की खेती कर रहा है

हाल के कुछ उदाहरण जहां गोपनीयता की संस्कृति को बढ़ावा दिया जा रहा है

1. फरवरी 2017 में चुनावी बॉन्ड अस्तित्व में आया ।

- उन्होंने राजनीतिक दलों को गुप्त दान की अनुमति दी और इसलिए, दाताओं की गोपनीयता की रक्षा की।
- भारत निर्वाचन आयोग (ECI) ने इस वित्तीय व्यवस्था की अस्पष्टता की आलोचना की और इसे "प्रतिगामी कदम" बताया।
- ECI ने माना कि चुनावी बॉन्ड राज्य को यह पता लगाने से रोकेंगे कि क्या किसी राजनीतिक दल ने **जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 29B के** तहत प्रावधानों के उल्लंघन करते हुए कोई दान लिया है , जो राजनीतिक दलों को सरकारी कंपनियों और विदेशी स्रोतों से दान लेने से रोकता है।
- चुनावी बॉन्ड ने यह जांचना भी असंभव बना दिया कि क्या कोई कंपनी, कंपनी अधिनियम (2013) की अनुमति से अधिक पार्टियों को दान दे रही थी, जो कि तीन पूर्ववर्ती वित्तीय वर्षों के शुद्ध औसत लाभ का 7.5 प्रतिशत है।

2. सील बंद लिफाफे की प्रक्रिया

- सुप्रीम कोर्ट (SC) सहित कई भारतीय संस्थानों में सील बंद लिफाफा कार्यप्रणाली का हिस्सा बन गया है
- **राजनीतिक फंडिंग** (चुनावी बॉन्ड या अन्यथा) के मामले में , SC ने 2019 में राजनीतिक दलों को निर्देश दिया कि वे प्राप्त दान का विवरण सीलबंद लिफाफे में ECI को प्रस्तुत करें।
- असम प्रशासन को **नागरिकों** के **राष्ट्रीय रजिस्टर के** कार्यान्वयन की प्रगति को सीलबंद लिफाफे में रिपोर्ट करना था
- जब **न्यायधीश गोगोई पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया** , तो SC द्वारा गठित पैनल ने "आरोपों में कोई मामला नहीं" पाया, एक रिपोर्ट के आधार पर इसे एक सीलबंद लिफाफे में प्राप्त किया गया था जो शिकायतकर्ता के लिए भी नही खोला गया ।

3. RTI एक्ट कमजोर कर दिया गया

- **रिक्त पद:** सरकार ने 2016 और 2018 के बीच केंद्रीय सूचना आयोग (CIC) में रिक्त सूचना आयुक्त पदों को नहीं भरा है।
- SC के हस्तक्षेप के बाद, जनवरी 2019 में कुछ नियुक्तियां की गई, लेकिन चार पद खाली रह गए, सरकार की रुचि में कमी का एक स्पष्ट संकेत है।
- **विशाल बैकलॉग**: लंबित अपीलों का बैकलॉग 2019 के अंत में 30,000 मामलों तक पहुंच गया था क्योंकि CIC एक बेकार निकाय बन गया है।
- **RTI पर प्रतिबंध:** CIC द्वारा फोन टैपिंग के बारे में पूछे गए सवालों का कोई जवाब नहीं दिया गया है।

- **RTI अनुरोधों की उच्च अस्वीकृति** : 2016-17 में, गृह और वित्त मंत्रालय ने प्राप्त आवेदनों में से 15 प्रतिशत के करीब खारिज कर दिया, जबकि RBI और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने 33 प्रतिशत को खारिज कर दिया।
- उदाहरण के लिए, RBI ने नोटबंदी की वजह से निर्णय लेने की प्रक्रिया के बारे में कोई जानकारी देने से इनकार कर दिया
- **सरकार ने CIC की शक्ति को सीमित करने के लिए RTI अधिनियम में संशोधन किया** ।
  - मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों के लिए पांच साल का निश्चित कार्यकाल समाप्त कर दिया गया।
  - उनका कोई वेतन तय नहीं किया गया था - पर चुनाव आयुक्तों का वेतन तय था - लेकिन सरकार द्वारा इसे अलग से अधिसूचित किया गया।

4. व्हिसलब्लोअर (मुखबिर) का संरक्षण अधिनियम कमजोर कर दिया गया

- व्हिसलब्लोअर पर अब उन दस्तावेजों को रखने पर मुकदमा चलाया जा सकता है जिन पर शिकायत की गई है।
- उनके द्वारा चिह्नित किए गए मुद्दों को "सार्वजनिक हित" में होना चाहिए और " व्यावसायिक आत्मविश्वास " या "विदेशी सरकार से विश्वास में प्राप्त जानकारी" से संबंधित "भारत की संप्रभुता और अखंडता को प्रभावित करने वाला" नहीं होना चाहिए।

5. डाटा फोबिया (डर)

- डेटा फ़ोबिया के परिणामस्वरूप सरकारी संगठनों द्वारा कुछ सांख्यिकीय जानकारी का प्रकाशन या परिवर्तन नहीं किया गया है।
- 108 सामाजिक वैज्ञानिकों ने 2019 में एक खुला पत्र लिखा जिसमें सरकार को "सांस्थानिक स्वतंत्रता और सांख्यिकीय संगठनों के लिए अखंडता को फिर से स्थापित" करने के लिए आमंत्रित किया गया।
- राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो देरी और विलोपन से प्रभावित हुआ है (इसकी 2017 की रिपोर्ट अक्टूबर 2019 में जारी की गई थी) ।

निष्कर्ष

- पारदर्शिता न केवल लोकतांत्रिक राजनीति को बनाए रखने के लिए आवश्यक है, बल्कि अर्थव्यवस्था के काम करने के लिए भी आवश्यक है

बिंदुओं को जोड़ने पर

- शासन में जवाबदेही और पारदर्शिता के उपकरण के रूप में सूचना के अधिकार (RTI) की प्रभावकारिता का गंभीर रूप से आकलन कीजिये ।

सांसदों को उपद्रवी व्यवहार के कारण निलंबित कर दिया

GS प्रीलिम्स और GS- II - संसद **का हिस्सा** :

समाचार में

- आठ राज्यसभा सांसद हाल ही में सदन में उपद्रवी व्यवहार के लिए निलंबित कर दिए गए थे।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- **प्रक्रिया और व्यापार के संचालन का नियम संख्या 373:** यह अध्यक्ष की शक्ति से संबंधित है, जो अपने विवेक के तहत, सांसद को दिन के शेष के लिए सदन से तुरंत वापस लेने का निर्देश दे सकता है।
- **नियम 374** :अध्यक्ष उस व्यक्ति को संबोधित कर सकता है जो पीठासीन का अनादर करता है अथवा सदन के नियमों का लगातार और जानबूझकर कार्यप्रणाली में बाधा डालते हुए दुरुपयोग करता है
- **नियम 374A**: यह सदन के सदस्य के स्वत: निलंबन के लिए स्पीकर द्वारा आमंत्रित किया जाता है - लगातार पांच सत्रों के लिए या सत्र के शेष के लिए, जो भी एक सदस्य द्वारा आयोजित गंभीर विकार की स्थिति में कम है
- अध्यक्ष के विपरीत, राज्यसभा अध्यक्ष के पास किसी सदस्य को निलंबित करने की शक्ति नहीं है।

होम्योपैथी केंद्रीय परिषद (संशोधन) विधेयक, 2020 पारित

GS प्रीलिम्स और GS- II - चिकित्सा **का हिस्सा**

समाचार में

- लोकसभा ने हाल ही में होम्योपैथी केंद्रीय परिषद (संशोधन) विधेयक, 2020 पारित किया।
- राज्यसभा ने पहले ही इसे पारित कर दिया है।

मुख्य बिन्दु

- विधेयक होम्योपैथी केंद्रीय परिषद अधिनियम, 1973 में संशोधन करता है।
- यह होम्योपैथी केंद्रीय परिषद (संशोधन) अध्यादेश, 2020 की जगह लेता है जिसे अप्रैल 2020 में प्रख्यापित किया गया था।
- अधिनियम में होम्योपैथी की केंद्रीय परिषद की स्थापना की गई है जो होम्योपैथिक शिक्षा और अभ्यास को नियंत्रित करती है।
- केंद्रीय परिषद के अधिपत्य की अवधि दो वर्ष से बढ़ाकर तीन वर्ष कर दी गई है।

भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद (संशोधन) विधेयक, 2020 पारित हुआ

GS प्रीलिम्स और GS- II - चिकित्सा **का हिस्सा**

समाचार में

- लोकसभा ने भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद (संशोधन) विधेयक, 2020 पारित किया।
- राज्यसभा ने पहले ही इसे पारित कर दिया है।

मुख्य बिन्दु

- भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद (संशोधन) विधेयक भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद अधिनियम, 1970 में संशोधन करता है।
- यह एक केंद्रीय परिषद के गठन का प्रावधान करता है जो आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा सहित भारतीय चिकित्सा प्रणाली की शिक्षा और अभ्यास को नियंत्रित करता है।
- यह भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद (संशोधन) अध्यादेश, 2020 की जगह लेता है जिसे अप्रैल 2020 में प्रख्यापित किया गया था।
- एक वर्ष के भीतर परिषद का पुनर्गठन किया जाएगा।
- यह अधिनियम केंद्रीय होम्योपैथी परिषद का गठन करता है जो होम्योपैथिक शिक्षा और व्यवहार को नियंत्रित करता है
- बोर्ड में अधिकतम दस सदस्य होंगे।

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी कानून (संशोधन) विधेयक, 2020 पारित हुआ

GS प्रीलिम्स और GS- II - योजनाएं; शिक्षा **का हिस्सा** :

समाचार में

- राज्यसभा ने भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी कानून (संशोधन) विधेयक, 2020 पारित किया।
- इसे पहले ही लोकसभा द्वारा पारित किया जा चुका है।

मुख्य बिन्दु

- विधेयक भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2014 और भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (सार्वजनिक-निजी भागीदारी) अधिनियम, 2017 में संशोधन चाहता है।
- विधेयक में सूरत, भोपाल, भागलपुर, अगरतला, और रायचूर में PPP मोड के तहत स्थापित पांच IIITs को राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों के रूप में घोषित करने का प्रयास किया गया है।
- वर्तमान में, ये संस्थान सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत सोसायटी के रूप में पंजीकृत हैं और डिग्री या डिप्लोमा देने का अधिकार नहीं रखते हैं।

- राष्ट्रीय महत्व के संस्थान घोषित किए जाने पर, पाँच संस्थानों को डिग्री प्रदान करने का अधिकार प्रदान किया जाएगा ।
- केंद्र सरकार PPP मोड के तहत काम करने वाले संस्थानों के खर्च में 50% का योगदान करेगी।
- 35% राज्यों द्वारा और 15% उद्योगों द्वारा वहन किया जाएगा।
- उत्तर पूर्वी राज्यों के लिए एक विशेष प्रोत्साहन के रूप में, केंद्र सरकार 57% खर्च वहन करेगी जबकि उद्योग वहां के संस्थानों में लगभग 7% योगदान देंगे ।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (TRAI) द्वारा अनुशंसित बहु-हितधारक निकाय

GS प्रीलिम्स और GS- III - दूरसंचार **का हिस्सा** :

समाचार में

- हाल ही में, भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (TRAI) ने बहु-हितधारक निकाय (MSB) के निर्माण की सिफारिश की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इंटरनेट पहुँच प्रदाता इंटरनेट तटस्थता के प्रावधानों का पालन करें।

मुख्य बिन्दु

MSB को एक गैर-लाभकारी संस्था के रूप में स्थापित किया जाना चाहिए।

- **संभावित कार्य:**

(1) इंटरनेट तटस्थता सिद्धांतों की निगरानी और प्रवर्तन में दूरसंचार विभाग (DoT) को सलाह और समर्थन प्रदान करना;

(2) इंटरनेट तटस्थता के उल्लंघन के बारे में शिकायतों की जांच करना;

(3) उचित यातायात प्रबंधन प्रथाओं के भंडार के रखरखाव में DoT की सहायता करना।

- MSB में दूरसंचार सेवा प्रदाता, इंटरनेट सेवा प्रदाता, सामग्री प्रदाता, शोधकर्ता, शैक्षणिक और तकनीकी समुदाय, नागरिक समाज संगठन और सरकार शामिल हो सकते हैं।

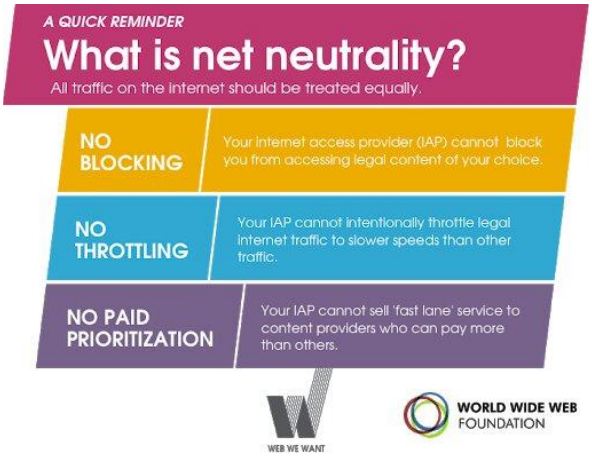

लोक व्यवस्था के हित में सीमांकन

संदर्भ: 2020 की दिल्ली हिंसा

फरवरी 2020 में हुई हिंसा / दंगे क्या थे?

- 23 फरवरी की रात को दिल्ली के जाफराबाद में CAA के समर्थकों और विरोधियों के बीच संघर्ष सांप्रदायिक हिंसा में बदल गया और अगले चार से छह दिनों में यह उत्तर-पूर्वी दिल्ली में फैल गया।
- एक पुलिसकर्मी और एक IB कर्मी सहित दो लोगों की जान चली गई, जबकि सैकड़ों लोग घायल हो गए और दुकानें और घर जल गए या नष्ट हो गए।
- हिंसा के संबंध में अब तक सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार या हिरासत में लिया गया है।
- लेकिन अब तक, एक भी राजनीतिक नेता जिसने नफरत फैलाने वाले भाषण दिए हो, जिसमें दंगों द्वारा हिंसा भड़काई हो, के खिलाफ कोई मुक़द्दमा नही चलाया गया ।
- दिल्ली पुलिस को दंगों के अप्रभावी संचालन के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा।
- निवारक कार्रवाई करने के लिए आपराधिक प्रक्रिया संहिता (CrPC) के तहत मजिस्ट्रियल शक्तियां रखने वाली दिल्ली पुलिस सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने में विफल रही।

इस मुद्दे के साथ सार्वजनिक नीति मुद्दा क्या है?

- संविधान की सातवीं अनुसूची 'पुलिस' और 'सार्वजनिक व्यवस्था' के बीच अंतर करती है।
- सर्वोच्च न्यायालय ने कानून और व्यवस्था और सार्वजनिक व्यवस्था के बीच अंतर किया है और इस बात पर जोर दिया है कि दोनों अंतः परिवर्तनीय नहीं हैं।
- दो अवधारणाओं के अलग-अलग उद्देश्य और कानूनी मानक हैं।
- **कानून और व्यवस्था** में एक क्षेत्र की स्थिति के पुलिस द्वारा किए गए

विश्लेषण और आपराधिक कानून के तहत दृढ़ कार्रवाई और दंड के प्रति उनकी प्रतिबद्धता शामिल है।

- **सार्वजनिक आदेश** जिला मजिस्ट्रेट को दिया गया एक कर्तव्य है, जिस से यह आकलन किया जा सके कि हिंसा फैलने से रोकने और तनाव कम करने के लिए कानून और व्यवस्था भंग हुई है अथवा नहीं।
- असाधारण स्थितियों में जिला मजिस्ट्रेट की भूमिका महत्वपूर्ण है - उदाहरण के लिए, शांति भंग करने से रोकने के लिए; और शाहीनबाग जैसे मामलों में शिकायत निवारण के लिए ।
- केरल में सार्वजनिक व्यवस्था के लिए एक जिला मजिस्ट्रेट और शहर पुलिस आयुक्त के रूप में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी दोनों अपराध के लिए जिम्मेदार हैं।
- **यदि किसी अधिकारी को** कानून और व्यवस्था दोनों को बनाए रखने और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए **एक दोहरी भूमिका आवंटित की जाती है** , तो इससे एक लक्ष्य दूसरे के पक्ष में हो सकता है।

सर्वोच्च न्यायालय ने इन विशिष्ट कर्तव्यों के बारे में कुछ दिशानिर्देश और नियम तैयार किए हैं

1. किसी अधिनियम की पहुंच की डिग्री और सीमा (विरोध)

- कुछ असंतुष्ट और उत्तेजित लोग, जो एक बर्बरतापूर्ण व्यवहार करते हैं, "सार्वजनिक व्यवस्था" को बिगाडते हैं जब वे एक विशेष समुदाय को एक पूर्ण के रूप में प्रभावित करते हैं।
- राम मनोहर लोहिया बनाम बिहार राज्य, 1965 में, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 'सार्वजनिक व्यवस्था' के मामले में, बड़े पैमाने पर जनता को एक विशेष कार्रवाई से प्रभावित होना पड़ता है क्योंकि यह 'कानून और व्यवस्था' से अधिक समुदाय को गले लगाता है, जो केवल कुछ व्यक्तियों को प्रभावित करता है "

2. प्रतिबंध लगाना

- मधुलिमाए केस, कोर्ट ने दोहराया कि प्रतिबंधों को लागू करने के लिए आपातकाल को अचानक और पर्याप्त रूप से गंभीर होना चाहिए ”
- एक बड़े क्षेत्रीय क्षेत्र पर या लंबी अवधि के लिए प्रतिबंध का विस्तार अपेक्षाकृत अधिक औचित्य और अंशांकित प्रतिक्रिया की आवश्यकता है।

3. प्रतिबंधों से लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन नहीं होना चाहिए

- *अनुराधा भसीन बनाम भारतीय संघ में,* , सुप्रीम कोर्ट ने माना कि निषेधात्मक आदेशों से राय की वैध अभिव्यक्ति या लोकतांत्रिक

अधिकारों की शिकायत या प्रयोग को नहीं रोका जाना चाहिए

- विशिष्ट प्रतिबंधों को लक्ष्य, प्रकृति और आपातकाल के चरण के अनुरूप होना चाहिए, जिसके लिए न्यूनतम प्रतिबंधात्मक उपाय अपनाने की आवश्यकता होती है।

4. निरीक्षण तंत्र स्थापित करने की आवश्यकता

- एल्डिंस रीन *बनाम दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के राज्य* उच्च न्यायालय एक निरीक्षण तंत्र की स्थापना के समय-समय पर दिल्ली पुलिस द्वारा मजिस्ट्रेट शक्तियों का प्रयोग की समीक्षा करने के निर्देश दिए।
- सुप्रीम कोर्ट, एक जनहित याचिका में, जाँच कर रहा है कि पुलिस अधिकारी कुछ मामलों में मजिस्ट्रेट के रूप में कार्य कर सकते हैं या नहीं।

निष्कर्ष

- शिकायत निवारण के माध्यम से रोकथाम और कम से कम कुंठित साधनों पर निर्भरता वैधता के लिए महत्वपूर्ण है, एक प्रतिकूल दृष्टिकोण से बच रही है।
- राष्ट्रीय पुलिस आयोग जिला मजिस्ट्रेट की समन्वय भूमिका को भी स्वीकार करता है, जिसमें पुलिस की तुलना में अधिक लाभ होता है।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- भारत में पुलिस सुधार की आवश्यकता
- संयुक्त राज्य अमेरिका में जॉर्ज फ्लॉयड हादसा

सामाजिक मुद्दे / लोक-कल्याण

डिजिटल शिक्षा

संदर्भ: COVID-19 महामारी ने डिजिटल शिक्षा को आगे बढ़ने एवं इसके सामने आने वाली चुनौतियों को भी सुर्खियों में ला दिया है।

महामारी के कारण शिक्षा क्षेत्र को चुनौती

- **अधिगम केन्द्रों का निलंबन** : COVID मामलों की बढ़ती संख्या के कारण अधिकांश स्कूल और कॉलेज कैंपस 2020 से बंद हो जाएंगे। यह 2021 तक भी बढ़ सकता है।
- जब भी शिक्षण संस्थान फिर से खुलेंगे तो छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की **सुरक्षा** चुनौतीपूर्ण होगी ।

- **रखरखाव की बढ़ी हुई लागत** : स्कूलों और कॉलेजों को COVID-19 प्रसार की जांच के लिए स्वच्छता सुनिश्चित करने की आवश्यकता है और इसमें कीटाणुनाशकों और सैनिटाइज़र का उपयोग शामिल है
- **कक्षा-कक्ष को फ़ीर से डिजाइन करना**: कुछ शिक्षण संस्थानों ने सीखने की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन कक्षाएं शुरू की हैं। जब ये संस्थान फिर से खुलेंगे तो उन्हें भविष्य में इस तरह के विराम से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अपने स्कूल के डिजिटल अवसरंचना को उन्नत करने की आवश्यकता होगी
- **वित्तीय कठिनाइयाँ** : संस्थानों को छात्रों के बिना, शिक्षकों का भुगतान करना मुश्किल लग रहा है और माता-पिता को बिना पढ़ाई के फीस का भुगतान करना मुश्किल लग रहा है।

महामारी के दौरान शिक्षा संकट का जवाब ऑनलाइन शिक्षा प्रदान करना है। हालांकि, इससे संबंधित गंभीर मुद्दे हैं, जिनमें से कुछ हैं-

- **इंटरनेट की पहुँच**: यह अनुमान है कि लगभग 25 प्रतिशत भारतीय घरों में इंटरनेट की सुविधा है। ग्रामीण परिवारों के लिए, यह संख्या 15 प्रतिशत तक गिर जाती है।
- **शिक्षक प्रशिक्षण:** शिक्षकों को ऑनलाइन माध्यमों से शिक्षा प्रदान करने के लिए पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित नहीं किया जाता है।
- **बिना तैयारी के**: सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में डिजिटल शिक्षा देने के लिए संसाधन नहीं हैं।
- **विनियमन** : भारत में डिजिटल शिक्षा, अवसरंचना और कई भाषाओं पर एक उचित नीति का अभाव है।
- **माता-पिता के मुद्दे** : माता-पिता पर अतिरिक्त बोझ यह सुनिश्चित करने के लिए कि उनके बच्चे ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेते हैं और इससे उनके काम की उत्पादकता प्रभावित होती है
- **छात्र अनुशासन** : छात्रों में सीखने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए घर में उचित स्थान नही है और न ही शांति है।
- **तार्किक मुद्दे** : डिजिटल शिक्षा के लिए दिन में कई घंटों के लिए निर्बाध ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी की आवश्यकता होती है।
- **समग्र दृष्टिकोण की कमी है**: डिजिटल शिक्षा इंटरनेट पर शिक्षकों द्वारा ब्लैकबोर्ड पर व्याख्यान के वीडियो डालना ही नहीं है। यह उपयुक्त प्लेटफार्मों, प्रौद्योगिकी, उपकरण, अन्तरक्रियाशीलता, अवधि, सामग्री और बहुत कुछ के विषय में है।

डिजिटल शिक्षा की मदद के लिए सरकार की पहल

1. NOFN - राष्ट्रीय ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क (जिसे अब भारत नेटवर्क कहा जाता है)

- इस कार्यक्रम का उद्देश्य 40,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से सभी 2,50,000 पंचायतों को जोड़ना है।
- यह देश के लिए एक थोक ब्रॉडबैंड आम अवसरंचना के रूप में संकल्पना करता है। यह पंचायतों और गांवों तक शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक विस्तार करने कि रणनीति का एक महत्वपूर्ण घटक है।
- यह कई ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच गया है टेलीकॉम ऑपरेटर मुनाफे की कमी के कारण सेवा प्रदान नहीं करना चाहते थे । यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन (USO) फंड का इस्तेमाल NOFN बनाने के लिए किया गया था ।
- हालांकि, NOFN लगभग आठ साल बाद भी पूरी तरह से चालू नहीं है।

2. राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (NKN)

- जिला स्तर तक IIT, IIM, विश्वविद्यालय, अनुसंधान प्रयोगशाला और अन्य ई-शासन संस्थानों सहित **सभी ज्ञान-सृजन करने वाले संगठनों** को **जोड़ने के** लिए NKN को एक उच्च बैंडविड्थ, कम विलंबता नेटवर्क के रूप में स्थापित किया गया था ।
- इसका उद्देश्य सहयोगात्मक विकास को प्रोत्साहित करना और सभी क्षेत्रों कों ज्ञान का भंडार बनाना था।
- यह नेटवर्क उपलब्ध है और पूरी तरह कार्य कर रहा है।
- हालाँकि, समझ की कमी, स्थानीय सुविधाओं, फंडिंग और तकनीकी विशेषज्ञता के कारण कुछ ही संस्थान इसका पूरा फायदा उठाते हैं।

आगे का मार्ग

- NOFN और NKN के पीछे चालक बल एक IT-आधारित शिक्षण प्रणाली का निर्माण करना था, जो आर्थिक पिरामिड के तल पर गुणवत्ता वाले शिक्षकों और स्कूल के अवसरंचना की कमी को दूर कर सके।
- NOFN को फिर से जांचने और इसे हमारे देश के डिजिटल शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र का एक मुख्य घटक बनाने की आवश्यकता है।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- बोर्ड परीक्षा प्रणाली की आलोचना

युवाओं को पहले सशक्त बनाना

संदर्भ: यह तर्क दिया जाता है कि यदि भारत को आत्मनिर्भरता का लक्ष्य प्राप्त करना है तो हमें युवाओं को सशक्त बनाना होगा ।

भारत में युवाओं की स्थिति

- **परिभाषा** : 2014 की राष्ट्रीय युवा नीति (NYP) ने युवाओं को 15 से 29 वर्ष के बीच के व्यक्तियों के रूप में परिभाषित किया है।
- **कुल जनसंख्या में प्रमुख अनुपात:** समाज के इस हिस्से की संख्या NYP, 2014 के अनुसार 27.5% है।
- **युवाओं पर सरकारी खर्च:** NYP की रिपोर्ट के अनुसार, केंद्र सरकार शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, स्वास्थ्य सेवा और खाद्य सब्सिडी पर लगभग 2,710 रुपए प्रति युवा खर्च करती है।
- **GDP के प्रतिशत के रूप में निवेश:** केंद्र सरकार के खर्च की कुल राशि 90,000 करोड़ रुपए से अधिक है। यह मानते हुए कि हर राज्य एक समान राशि खर्च करता हैं, तो हमारे युवाओं के लिए कुल निवेश GDP के 1% से कम होगा।
- **युवाओं में निवेश की अवसर लागत:** विश्व बैंक की एक रिपोर्ट में हर साल **GDP** का 4% भी बच्चों और युवाओं पर निवेश नही किया जाता है। इसमें से बेरोजगारी की लागत 0.6% है।
- **श्रम बल योगदान** : 2017-18 तक, भारत की श्रम शक्ति में युवाओं की भागीदारी 38.3% थी।
- **उच्च बेरोजगारी:** 2018 स्टेट ऑफ़ वर्किंग इंडिया रिपोर्ट से, युवा बेरोजगारी दर कम से कम 18.3% (3.47 करोड़ युवा) होने का अनुमान है।
- **अनुपयोगी क्षमता:** लगभग 30% युवा 'न तो रोजगार में और न ही शिक्षा' की श्रेणी में आते हैं और भारत के 33% कुशल युवा बेरोजगार हैं।
- **आने वाले वर्षों में नीति पर ध्यान देने की आवश्यकता है** : सालाना लगभग 50 लाख युवाओं के कार्यबल में प्रवेश की उम्मीद है।
- **जनसांख्यिकी आपदा को रोकने के लिए कम समय** : भारत के पास इस अवसर का फाइदा उठाने और इस युवा जनसांख्यिकीय लाभांश का एहसास करने के लिए सिर्फ एक दशक का समय है, अन्यथा यह उच्च बेरोजगारी दर और कम क्षमता वाले जनसांख्यिकीय संकट में बदल जाएगा ।

आगे का मार्ग

1. सरकार को जल्द से जल्द भारतीय युवा गारंटी (IYG) कार्यक्रम शुरू करना चाहिए

- यह यूरोपियन यूनियन युवा गारंटी (EU-YG) के समान है लेकिन भारत से सम्बंधित है।
- EU-YG 2010 में एक ऐसे समय में सामने आया, जब युवा बेरोजगारी दर 20% से अधिक थी।

- यूरोपीय संघ-यूथ गारंटी अपने सभी सदस्य राज्यों द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए एक प्रतिबद्धता है कि 25 वर्ष से कम आयु के सभी युवा बेरोजगार बनने या औपचारिक शिक्षा छोड़ने के चार महीने की अवधि के भीतर, एक अच्छी गुणवत्ता की प्राप्त करेंगे-
    - रोज़गार
    - जारी रखी गई शिक्षा
    - शिक्ष्यमानता
    - प्रशिक्षा
- एक IYG पहल, सांविधिक समर्थन के साथ, युवाओं की लाभप्रद और उत्पादक सगाई सुनिश्चित करने के लिए एक सुविधा ढांचे के रूप में कार्य कर सकती है

2. युवा घटक योजना

- इस तरह की योजना अनुसूचित जातियों और जनजातीय उप-योजना के लिए विशेष घटक योजना की तर्ज पर एक अलग मुखिया के रूप में निधियों का एक विशिष्ट प्रतिशत निर्धारित करती है।
- युवा घटक योजना का उद्देश्य उप-क्षेत्रीय आवश्यकताओं के आधार पर युवा आबादी के प्रतिशत के लिए आनुपातिक और लाभ के प्रवाह को व्यवस्थित करना है।
- युवाओं के सशक्तिकरण में सक्षम बनाने के लिए उद्योग का लाभ उठाते हुए मौजूदा युवा योजनाओं और कौशल अवसरंचना को सामंजस्य और सुव्यवस्थित करने की जरूरत है ।
- मनरेगा के साथ ग्रामीण युवा रोजगार स्थापित किया जा सकता है क्योंकि श्रम बल में लगभग 4% युवा ही मनरेगा से प्रभावित हुए हैं।

निष्कर्ष

हमारे युवाओं पर ध्यान देना आत्मनिर्भरता की ओर पहला कदम है। यह समय है जब हम अपने युवाओं को एक व्यवहार्य भविष्य की गारंटी देने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति का आह्वान करते हैं।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- कौशल भारत मिशन
- शहरी रोजगार गारंटी कार्यक्रम की आवश्यकता

साक्षरता दर पर रिपोर्ट जारी

GS प्रीलिम्स और GS - II- शिक्षा **भाग:**

समाचार में

- हाल ही में, जुलाई 2017 से जून 2018 तक राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 75 वें दौर के हिस्से के रूप में 'घरेलू सामाजिक उपभोग: भारत में शिक्षा पर रिपोर्ट जारी की गई थी।
- यह राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) के सर्वेक्षण पर आधारित है।
- यह साक्षरता दर के राज्यवार विवरण के लिए प्रदान करता है।
- **आयु का सर्वेक्षण** : 7 वर्ष और उससे अधिक।

मुख्य बिन्दु

- **भारत की समग्र साक्षरता दर** : 77.7%।
- **शहरी क्षेत्र** : 87.7%।
- **ग्रामीण क्षेत्र** : 73.5%।
- **पुरुष साक्षरता दर** : 84.7%।
- **महिला साक्षरता दर** : 70.3%।
- सभी राज्यों में महिला साक्षरता दर पुरुष साक्षरता दर से अधिक है।
- **सर्वश्रेष्ठ राज्य**: (1) केरल; (2) दिल्ली; (3) उत्तराखंड; (4) हिमाचल प्रदेश; (5) असम।
- **सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले राज्य** : (1) उत्तर प्रदेश; (2) तेलंगाना; (3) बिहार; (4) राजस्थान; (5) आंध्र प्रदेश

डिजिटल साक्षरता :

- **जिनके पास कंप्यूटर हैं** : 23% शहरी घरों और 4% ग्रामीण परिवार।
- **जो लोग एक कंप्यूटर चला सकते हैं:** 15-29 वर्ष की आयु के लोगों में, शहरी क्षेत्रों में लगभग 56% और ग्रामीण क्षेत्रों में 24% हैं।
- **जो लोग इंटरनेट का उपयोग करते हैं:** ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 25% और शहरी क्षेत्रों में 58% समान आयु वर्ग में ।

क्या आप जानते है?

- रिपोर्ट अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस से पहले आई है जिसे हर साल 8 सितंबर को मनाया जाता है।
- **साक्षरता दिवस 2020** : यह कोविड -19 महामारी के दौरान अधिगम में परिवर्तन और चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करेगा।

- **SDG 4** : सभी के लिए समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना और आजीवन सीखने को बढ़ावा देना।
- यूनेस्को के अनुसार, भारत 2060 तक सार्वभौमिक साक्षरता हासिल कर लेगा।

हमले से बचाने के लिए शिक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस का शुभारंभ किया

GS प्रीलिम्स और GS - II- शिक्षा **भाग:**

समाचार में

- हमले से शिक्षा की रक्षा के लिए पहला अंतर्राष्ट्रीय दिवस 9 सितंबर, 2020 को मनाया जा रहा है।
- **विषय:** "शिक्षा की रक्षा करो, एक पीढ़ी को बचाओ।"

मुख्य बिन्दु

- संयुक्त राष्ट्र महासभा के सर्वसम्मति से निर्णय द्वारा दिन की स्थापना की गई थी।
- संघर्ष से प्रभावित देशों में रहने वाले लाखों बच्चों की दुर्दशा के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए यूनेस्को और यूनिसेफ को बुलाया गया था।
- वैश्विक गठबंधन के अनुसार हमले से शिक्षा की रक्षा के लिए (GCPEA), पिछले पांच वर्षों में, वहां 11,000 से अधिक 36 देशों में शिक्षा पर हमले की सूचना दी गई है
- 2015 और 2019 के बीच हुए हमलों में 22,000 छात्र, शिक्षक और शिक्षाविद मारे गए, घायल हुए, गिरफ्तार किए गए या नुकसान पहुँचाया गया।
- यूनेस्को और यूनिसेफ संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के भीतर और बाहर भागीदारों के साथ निकट सहयोग में दिन के वार्षिक पर्यवेक्षण की सुविधा प्रदान करेंगे।

ओडिशा जनजातियों में सहकारी श्रम

GS प्रीलिम्स और GS- I - सोसायटी **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में, ओडिशा में आदिवासी समुदायों के बीच श्रम सहकारी समितियां खबरों में थीं।
- जनजातियों में डोंगरियाकौंड, जुंगा, लंजियासौरा, सौरा, डीडी, पौड़ीभियान और कंध शामिल हैं।
- ये सहकारी समितियाँ सुनिश्चित करती हैं कि समुदाय के सभी परिवारों के पास भोजन हो और कोई भी खेत बंजर न रहे। इस से सामूहिकता की भावना भी मजबूत होती है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

डोंगरियाकोंड

- इनका नाम डोंगर से लिया गया हैं, जिसका अर्थ है 'पहाड़ी'।
- ये खोंड जनजाति के सदस्य हैं।
- ये विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह हैं।
- ये ओडिशा के नियामगिरी पहाड़ी क्षेत्र में रहते हैं।
- **भाषा** : कुई भाषा (केवल मौखिक, लिखित नहीं)
- ये नियामगिरि वन के देवता नियाम राजा की पूजा करते हैं।
- ये नियामगिरि वनों के संसाधनों से खुद को बनाए रखते हैं, बागवानी का अभ्यास करते हैं और झूम कृषि करते हैं
- ये वर्तमान में नियामगिरी पहाड़ियों में बॉक्साइट खनन के कारण विस्थापन और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

स्कूल शौचालयों पर CAG सर्वे रिपोर्ट

GS प्रीलिम्स और GS- II - शिक्षा **का हिस्सा** :

समाचार में

- हाल ही में, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG) ने संसद के समक्ष पेश की गई एक ऑडिट रिपोर्ट में केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (CPSE) द्वारा स्कूलों में शौचालयों के निर्माण में अनियमितताओं को चिह्नित किया है।

मुख्य बिन्दु

- CAG ऑडिट ने 15 राज्यों में CPSE द्वारा निर्मित 2,695 शौचालयों के नमूने का भौतिक सर्वेक्षण किया।
- सर्वेक्षण किए गए 1,967 स्कूलों में से 99 स्कूलों में काम करने वाला शौचालय नहीं थे, जबकि 436 में केवल एक कार्यात्मक शौचालय था।
- इस प्रकार, 27% स्कूलों में लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग शौचालय उपलब्ध कराने का उद्देश्य पूरा नहीं हुआ।
- **दैनिक सफाई के लिए सामान्य (दिन में कम से कम एक बार) का पालन नहीं किया जाता है** : 75% शौचालय
- **अंदर नहीं चलने वाली पानी की सुविधा:** निर्मित शौचालयों का 72%
- **कोई हाथ धोने की सुविधा नहीं** : 55% शौचालय
- लगभग 40% शौचालय गैर-मौजूद थे, आंशिक रूप से पूर्ण या अप्रयुक्त।

क्या आप जानते है?

देश में 10.8 लाख सरकारी स्कूल हैं। कुल मिलाकर, 53 CPSE द्वारा 14 लाख से अधिक शौचालय बनाए गए हैं, जिसमें स्वच्छ विद्यालय अभियान के हिस्से के रूप में बिजली, कोयला और तेल कंपनियों से महत्वपूर्ण समर्थन प्राप्त है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

स्वच्छ विद्यालय अभियान:

- सितंबर 2014 में शिक्षा मंत्रालय **द्वारा लॉन्च किया गया** ।
- **उद्देश्य:** पूरे भारत में सभी स्कूलों में लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग शौचालय होना।
- कार्यक्रम के मानदंडों में CPSE को चलने वाले पानी और हाथ धोने की सुविधा के साथ शौचालय बनाने की आवश्यकता थी।

स्वास्थ्य समस्या

महामारी और बुजुर्ग

संदर्भ: COVID महामारी के दौरान सबसे ज्यादा चपेट में आने वाले व्यक्ति बुजुर्ग हैं

क्या आप जानते है?

- विश्व स्तर पर, 65 वर्ष और उससे अधिक आयु की जनसंख्या अन्य आयु वर्गों की तुलना में तेजी से बढ़ रही है।
- 2018 में, इतिहास में पहली बार, 65 वर्ष (680.94 मिलियन) या उससे अधिक उम्र के बच्चों की आयु 5 वर्ष (678.87 मिलियन) से कम है
- 80 वर्ष या **अधिक आयु** के **व्यक्तियों** की संख्या तिगुनी होने का अनुमान है, 2019 में 143 मिलियन से 2050 में 426 मिलियन तक।

COVID-19 महामारी के कारण वृद्ध लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा

- **COVID-19 मृत्यु दर के लिए उच्च चपेट में:** यदि वृद्ध संक्रमित है, तो इन लोगों के लिए जीवित रहने की **संभावना** सबसे कम है।
- **उपेक्षित होने का खतरा:** जब उन्हें संक्रमण से बचाने के लिए अलग किया जाता है, तो वे उपेक्षा से पीड़ित होने की संभावना रखते हैं - देखभाल और अकेलेपन की कमी से।

- **अन्य बीमारियों के लिए अस्वीकृत स्वास्थ्य देखभाल:** COVID देखभाल के कारण लगभग सभी प्रमुख गैर-संचारी रोगों के बाह्य उपचार गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं। वृद्ध लोगों को बीमारियों का इलाज नही मिल पा रहा है।
- **मानसिक अस्वस्थ समस्याओं के प्रति संवेदनशील** : स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच में कमी से शारीरिक विकलांगता बढ़ सकती है, संचारी रोगों के प्रभावी प्रबंधन में बाधा पड़ सकती है और बुजुर्गों में मानसिक रूप से अस्वस्थता हो सकती है।
- **बच्चों / अन्य लोगों पर निर्भरता** : वृद्ध व्यक्तियों के आर्थिक कार्य की अनिश्चित प्रकृति और अपर्याप्त वेतन का अर्थ है कि ऐसे 80% से अधिक लोग कार्यबल में आंशिक रूप से या पूरी तरह से दूसरों पर निर्भर हैं, जो वैसे भी कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं।
- **प्रौद्योगिकी चुनौतियां** : आवश्यक देखभाल, सेवाओं आदि तक पहुंच बनाए रखने में इंटरनेट महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत में, केवल 7% वृद्ध लोगों के पास स्मार्टफोन हैं। इस खंड के बीच साक्षरता दर भी कम है, इसके अलावा तकनीक और महत्वपूर्ण जानकारी तक पहुंच सीमित है।
- **अपर्याप्त सरकारी सहायता** : अपने पहले राहत पैकेज में, सरकार ने 1,000 रुपये के एकमुश्त भुगतान और 30 मिलियन विधवाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए पेंशन में वृद्धि की घोषणा की। लेकिन यह लगभग 20% वृद्ध लोगों तक ही पहुंचेगा। दूसरे राहत पैकेज में वरिष्ठ नागरिकों के लिए कोई मदद नहीं थी।

आगे का मार्ग

- आयुष्मान भारत योजना जैसी हेल्थकेयर (स्वास्थ्य देखभाल) योजनाओं में बुजुर्गों के लिए विशेष प्रावधान होने चाहिए।
- उनके लिए टेली-हेल्थ और मोबाइल घर आधारित हेल्थ केयर चेक-अप आयोजित किए जाने चाहिए।
- पेंशनरों को सीधे सब्सिडी, विशेष रूप से स्वास्थ्य संबंधी मामलों में, इन कठिन समयों में उन्हें मदद कर सकते हैं।
- हमारे सामूहिक भविष्य में बूढ़े लोगों की एक अमूल्य भूमिका है। हमें वृद्ध लोगों को व्यस्त रखना चाहिए, उन्हें वायरस से अपने शरीर की रक्षा के लिए कमरे बंद नहीं करना चाहिए ।

भारत में युवा बच्चों की स्थिति

GS प्रीलिम्स और GS- I- सामाजिक मुद्दे और GS- II - स्वास्थ्य का **हिस्सा:**

समाचार में

- भारतीय उपराष्ट्रपति ने हाल ही में 'भारत में युवा बच्चों की स्थिति' रिपोर्ट जारी की है।
- यह भारत में बाल विकास से संबंधित चुनौतियों की एक व्यापक जानकारी है।

No kidding!

The index score was computed using indicators such as poverty rate, immunisation coverage, female literacy, sex ratio and percentage of households with protected water supply. India's average score was **0.585**

Best-performing States

State	Index score (2015-16)
Kerala	0.858
Goa	0.817
Tripura	0.761
Tamil Nadu	0.731
Mizoram	0.719

Worst-performing States

State	Index score (2015-16)
Bihar	0.452
Uttar Pradesh	0.46
Jharkhand	0.5
Madhya Pradesh	0.526
Chhattisgarh	0.555

मुख्य बिन्दु

- मोबाइल क्रेच **द्वारा तैयार** । यह एक नीति निर्माण करने वाला संगठन है, जो पूरे भारत में वंचित बच्चों के लिए काम करता है।
- भारत में 6 वर्ष से कम आयु के 159 मिलियन बच्चों में से 21% कुपोषित हैं, 36% कम वजन के हैं और 38% पूर्ण टीकाकरण प्राप्त नहीं करते हैं।
- व्यक्तिगत, घरेलू और देश के स्तर पर प्रारंभिक बाल विकास (ECD) में निवेश पर भारी रिटर्न भी रिपोर्ट किया गया था।
- **शीर्ष राज्य**: केरल, गोवा, त्रिपुरा और तमिलनाडु।
- **राष्ट्रीय औसत से कम प्रदर्शन करने वाले राज्य** - असम, मेघालय, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, झारखंड, उत्तर प्रदेश और बिहार।

किरण: मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास हेल्पलाइन शुरू की

GS प्रीलिम्स और GS- II- स्वास्थ्य **भाग:**

समाचार में

- 24/7 टोल-फ्री हेल्पलाइन 'किरण' हाल ही में शुरू की गई है।
- सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा शुरू की गई है।

- **उद्देश्य** : चिंता, तनाव, अवसाद, आत्मघाती विचारों और अन्य मानसिक स्वास्थ्य चिंताओं का सामना करने वाले लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए ।
- इसके **द्वारा समन्वित:** राष्ट्रीय विकलांग व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय संस्थान (NIEPMD), चेन्नई (तमिलनाडु) और राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान (NIMHR), सीहोर (मध्य प्रदेश)।

मुख्य बिन्दु

- यह लोगों में संकट, महामारी से प्रेरित मनोवैज्ञानिक मुद्दे और मानसिक स्वास्थ्य आपातकाल की जरूरतों की पूर्ति करेगा ।
- यह प्रारंभिक जांच, प्राथमिक चिकित्सा, मनोवैज्ञानिक सहायता, संकट प्रबंधन, सकारात्मक व्यवहार को बढ़ावा देने आदि के उद्देश्य से मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास सेवाएं प्रदान करेगा।
- यह 13 भाषाओं में उपलब्ध होगा और इसमें स्वयंसेवकों के रूप में 660 नैदानिक / पुनर्वास मनोवैज्ञानिक और 668 मनोचिकित्सक हैं।
- हेल्पलाइन ऑपरेटरों को कॉलर से नाम या किसी पहचान के विवरण के लिए नहीं पूछने के आदेश दिये गए है।

क्या आप जानते है?

- इससे पहले, शिक्षा मंत्रालय ने अपने मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के लिए छात्रों को मनो-सामाजिक सहायता और परामर्श प्रदान करने के लिए, मनोदर्पण 'पहल शुरू की थी।

बच्चों के टीकाकरण में अंतराल

GS प्रीलिम्स और GS - II - स्वास्थ्य **का हिस्सा:**

समाचार में

- 'भारत में स्वास्थ्य' रिपोर्ट हाल ही में प्रकाशित हुई थी।
- राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन (NSO) द्वारा **प्रकाशित** ।
- **प्रमुख खोज:** 40% बच्चों के बीच पूर्ण टीकाकरण कार्यक्रम पूरा नहीं हुआ है।
- रिपोर्ट स्वास्थ्य से संबंधित घरेलू सामाजिक खपत पर राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (जुलाई 2017-जून 2018) के 75 वें दौर पर आधारित है ।

पांच साल से कम उम्र के बच्चों के बारे में रिपोर्ट से मुख्य अंश :

- **पूरी तरह से प्रतिरक्षित:** 59.2%

- जन्म के **समय कम से कम एक टीकाकरण** (ज्यादातर BCG या OPV की पहली खुराक): लगभग 97%
- **खसरे से बचाव:** 67%
- **पोलियो बूस्टर खुराक:** 58%
- **DPT बूस्टर खुराक:** 54%

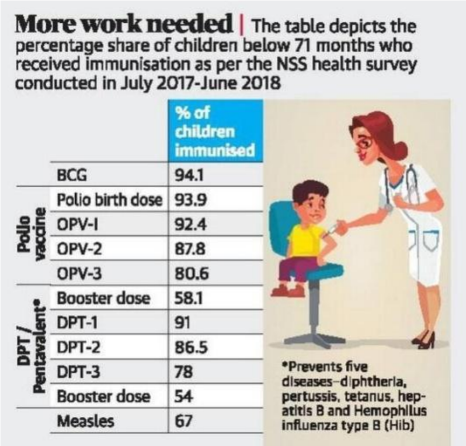

More work needed | The table depicts the percentage share of children below 71 months who received immunisation as per the NSS health survey conducted in July 2017-June 2018

		% of children immunised
	BCG	94.1
Polio vaccine	Polio birth dose	93.9
	OPV-I	92.4
	OPV-2	87.8
	OPV-3	80.6
	Booster dose	58.1
DPT/ Pentavalent*	DPT-1	91
	DPT-2	86.5
	DPT-3	78
	Booster dose	54
	Measles	67

*Prevents five diseases–diphtheria, pertussis, tetanus, hepatitis B and Hemophilus influenza type B (Hib)

- **पूर्ण टीकाकरण के तहत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन** : मणिपुर (75%), आंध्र प्रदेश (73.6%) और मिजोरम (73.4%)
- **खराब प्रदर्शन** : नागालैंड (12%), पुदुचेरी (34%) और त्रिपुरा (39.6%)।

राष्ट्रीय होम्योपैथी विधेयक, 2020 पारित हुआ

GS प्रीलिम्स और GS- II - स्वास्थ्य **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में, भारतीय संसद ने होम्योपैथी विधेयक, 2020 के लिए राष्ट्रीय आयोग और भारतीय चिकित्सा पद्धति विधेयक के लिए राष्ट्रीय आयोग पारित किया है।

मुख्य बिन्दु

होम्योपैथी बिल के लिए राष्ट्रीय आयोग, 2020

- यह होम्योपैथी केंद्रीय परिषद अधिनियम, 1973 को निरस्त करता है।
- राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग भी स्थापित किया जाएगा।
- **आयोग की संरचना: अन्य** सदस्यों के अलावा होम्योपैथी शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष, राष्ट्रीय होम्योपैथी के महानिदेशक, चिकित्सा मूल्यांकन और होम्योपैथी के लिए रेटिंग बोर्ड के अध्यक्ष सहित 20 सदस्य।

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा प्रणाली आयोग विधेयक, 2020

- यह भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद अधिनियम, 1970 को निरस्त करना चाहता है।
- भारतीय चिकित्सा प्रणाली के लिए राष्ट्रीय आयोग भी स्थापित किया जाएगा।
- **आयोग की संरचना** : एक अध्यक्ष, आयुर्वेद बोर्ड के अध्यक्ष, यूनानी, सिद्ध और सोवा-रिग्पा बोर्ड के अध्यक्ष सहित 29 सदस्य।

क्या आप जानते है?

- दो विधेयकों में होम्योपैथी के साथ-साथ भारतीय चिकित्सा पद्धति के लिए सलाहकार परिषदों के गठन का भी प्रस्ताव है।
- ये परिषदें प्राथमिक मंच होंगी, जिसके माध्यम से राज्य और केंद्र शासित प्रदेश दोनों आयोगों के समक्ष अपने विचार और मुद्दे रखेंगे।
- परिषद देश में चिकित्सा शिक्षा के मानकों को निर्धारित करने और बनाए रखने के लिए आयोग को कदम सुझाएगी।
- बिल में होम्योपैथी के स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए और भारतीय चिकित्सा पद्धति के विभिन्न विषयों के लिए एक राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा की परिकल्पना की गई है।

ओडिशा के PVTGs COVID-19 से संक्रमित हैं

GS प्रीलिम्स और GS- II - SC और ST से संबंधित मुद्दे; स्वास्थ्य **का हिस्सा**

समाचार में

- ओडिशा में दो विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (बॉन्डा और दीदिया) के छह सदस्य हाल ही में कोविड -19 की चपेट में आ गए है।
- अनुसूचित जनजाति के लिए राष्ट्रीय आयोग राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है और यह एक "गंभीर चिंता का विषय हैं" करार दिया गया है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

बोंडा और दीदीया जनजाति

- ये ओडिशा के मलकानगिरी जिले में पाए जाते हैं
- माना जाता है कि बॉन्डस 60,000 साल पहले अफ्रीका से पहले पलायन रूप में भारत आए थे ।
- **दीदीया** एक हैं ऑस्ट्रो-एशियाई जनजाति है।
- 2011 की जनगणना के अनुसार **दीदीया** की जनसंख्या 7,250 है।
- वे मलकानगिरि की कोंडा कामबरू पहाड़ियों में रहते हैं ।

ICAR द्वारा नई ब्रुसेलोसिस वैक्सीन (दवाई)

GS प्रीलिम्स और GS - II - स्वास्थ्य; नीतियां और GS - III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियां **का हिस्सा**

समाचार में

- ब्रुसेलाबोर्टस S19Δ प्रति वैक्सीन हाल ही में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (ICAR-IVRI) द्वारा डेयरी क्षेत्र में ब्रुसेलोसिस की रोकथाम के लिए विकसित किया गया है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

ब्रूसिलोसिस

- यह एक बैक्टीरियल ज़ूनोटिक बीमारी है जो विभिन्न ब्रुसेला प्रजातियों के कारण होती है।
- यह मुख्य रूप से मवेशियों, सूअर, बकरियों, भेड़ों और कुत्तों को संक्रमित करती है।
- इसे माल्टा बुखार या आभ्यंतरिक बुखार के रूप में भी जाना जाता है।
- यह भारत में निम्न के कारण डेयरी उद्योग के लिए भारी आर्थिक नुकसान की वजह है: (1) बांझपन; (2) गर्भपात; (3) कमजोर संतानों का जन्म; (4) उत्पादकता में कमी

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) का गठन

GS प्रीलिम्स और GS- II - स्वास्थ्य **का हिस्सा**

समाचार में

- हाल ही में चार स्वायत्त बोर्डों के साथ राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) का गठन किया गया था।
- भारतीय चिकित्सा परिषद (MCI) की पुरानी संस्था समाप्त कर दी गई है।

मुख्य बिन्दु

- NMC के साथ, UG और PG चिकित्सा शिक्षा बोर्ड के चार स्वायत्त बोर्ड, चिकित्सा मूल्यांकन और रेटिंग बोर्ड और नैतिकता और चिकित्सा पंजीकरण बोर्ड का भी गठन किया गया है।
- एक 'निर्वाचित' नियामक के विपरीत, योग्यता के आधार पर नियामक अब 'चयनित' है।
- डॉ एस॰सी॰ शर्मा (रीटायर्ड प्रोफेसर,ENT, AIIMS, दिल्ली) को तीन वर्षों की अवधि के लिए अध्यक्ष के रूप में चुना गया है।

- अध्यक्ष के अलावा, NMC में 10 पदेन सदस्य होंगे।

महामारी रोग (संशोधन) विधेयक, 2020 पारित

GS प्रीलिम्स और GS - II - स्वास्थ्य **का हिस्सा** :

समाचार में

- संसद ने हाल ही में महामारी रोग (संशोधन) विधेयक, 2020 पारित किया।

मुख्य बिन्दु

- यह विधेयक महामारी रोग अधिनियम, 1897 में संशोधन करता है।
- बिल में महामारी रोग (संशोधन) अध्यादेश को दोहराया गया है जिसे इस साल अप्रैल में पारित किया गया था।
- इसमें महामारी रोगों से निपटने वाले स्वास्थ्य देखभाल सेवा कर्मियों के लिए सुरक्षा शामिल होगी।
- यह ऐसी बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए केंद्र सरकार की शक्तियों का विस्तार करता है।
- कानून स्वास्थ्य देखभाल सेवा कर्मियों के जीवन को नुकसान, चोट, चोट या खतरे को संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध बनाता है।
- इसमें 3 महीने से 5 साल तक की कैद और 50,000 रुपये से 2 लाख रुपये के बीच जुर्माने का प्रावधान है।
- विधेयक के तहत अपराध के दोषी व्यक्तियों को स्वास्थ्य देखभाल सेवा कर्मियों को क्षतिपूर्ति देने के लिए भी उत्तरदायी होगा, जिसने उन्हे चोट पहुंचाई है।

भारत में स्वास्थय की रिपोर्ट जारी

GS प्रीलिम्स और GS - II - स्वास्थ्य **का हिस्सा** :

समाचार में

- 'भारत में स्वास्थ्य' रिपोर्ट हाल ही में जारी की गई।
- सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय **द्वारा जारी**
- **उद्देश्य:** भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र पर बुनियादी मात्रात्मक जानकारी एकत्र करना।

मुख्य बिन्दु

- लगभग 7.5% भारतीयों ने बताया कि वे बीमारियों से पीड़ित थे।
- **ग्रामीण भारत:** 6.8%
- **शहरी भारत** : 9.1%।

धर्म आधारित वर्गीकरण

- **पारसी समुदाय:** अधिकांश बीमारियों के लिए अतिसंवेदनशील (31.1%)
- **जैन** : 11.2%
- **सिख:** 11%;
- **ईसाई:** 10.5%
- **मुसलमान:** 8.1%
- **बौद्ध:** 8%
- **हिंदू:** 7.2%

लिंग आधारित वर्गीकरण

- पुरुषों की तुलना में महिलाओं को बीमारियों से पीड़ित होने की अधिक आशंका रहती है।
- **ग्रामीण भारत:** पुरुषों का 6.1% और महिलाओं का 7.6%
- **शहरी भारत** : पुरुषों का 8.2% और महिलाओं का 10%

क्या आप जानते है?

सर्वेक्षण द्वारा 'बीमारी' की परिभाषा

- सर्वेक्षण एक व्यक्ति की शारीरिक और मानसिक कल्याण की स्थिति से किसी भी विचलन के रूप में बीमारी को परिभाषित करता है। 15 दिनों की अवधि में 'बीमार के रूप में पाये जाने वाले व्यक्तियों का अनुपात' (PPRA), जब उन्हें सर्वेक्षणकर्ताओं द्वारा संपर्क किया गया था, वे उन बीमारियों से पीड़ित के रूप में पंजीकृत थे।

केरल में मेडिकल पार्क(MedSpark)

GS प्रीलिम्स और GS - II - स्वास्थ्य; योजनाएं **का हिस्सा** :

समाचार में

- मेडस्पार्क, देश के पहले मेडिकल उपकरण पार्कों में से एक तिरुवनंतपुरम, केरल में स्थापित किया जाएगा।

मुख्य बिन्दु

निम्न द्वारा स्थापित है-

(1)。 विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST);

(2) श्री चित्रातिरुनल आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (SCTIMST), DST का एक स्वायत्त संस्थान;

(3) केरल राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड (KSIDC)

- **अनुदान** : राज्य और केंद्र सरकारों से
- **कार्य** :

(1) उच्च जोखिम वाले चिकित्सा उपकरण क्षेत्र पर ध्यान देना;

(2) अनुसंधान और विकास सहायता, परीक्षण और चिकित्सा उपकरणों के मूल्यांकन जैसे उद्योग के लिए सेवाओं की एक पूरी श्रृंखला प्रदान करना;

(3) विनिर्माण समर्थन, प्रौद्योगिकी नवाचार, और ज्ञान प्रसार के लिए एक सक्षम समर्थन प्रणाली बनाना

सरकारी योजनाएँ

अटल बीमत कल्याण योजना का विस्तार

GS-प्रीलिम्स और GS- II - नीतियां और GS- III - रोजगार **का हिस्सा** :

समाचार में :

- कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) ने अटल बीमत कल्याण योजना को एक वर्ष बढ़ाकर 30 जून 2021 तक कर दिया है।
- ESIC ने पात्रता मानदंड में भी छूट दी है और योजना के तहत बेरोजगारी लाभ के भुगतान को बढ़ाया है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

अटल बीमत कल्याण योजना

- यह 1 जुलाई 2018 को अस्तित्व मे आई ।
- इसके तहत, कर्मचारी राज्य बीमा (ESI) योजना के तहत शामिल श्रमिकों को बेरोजगारी लाभ का भुगतान किया जाता है।
- लाभ का भुगतान जीवनकाल में एक बार नकद मुआवजे के रूप में 90 दिनों तक किया जाता है।
- बेरोजगार होने के लिए एक या अधिक अंतराल में तीन महीने (90 दिन) के बाद दावा किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (PMKSY) के तहत 27 परियोजनाओं के लिए आज्ञा

GS -प्रीलिम्स और GS - III - कोल्ड चेन उद्योग; आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन **का हिस्सा** :

समाचार में :

- हाल ही में, PMKSY के तहत 27 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी।
- **उद्देश्य:** एकीकृत कोल्ड चेन के विकास और भारत में मूल्यवर्धित बुनियादी ढाँचे के लिए।
- **मंत्रालय:** खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय

मुख्य बिन्दु

- नई एकीकृत कोल्ड चेन परियोजनाएं प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार उत्पन्न करेंगी और लगभग लाखों किसानों को लाभान्वित करेंगी।
- विभिन्न राज्यों में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लिए कोल्ड चेन सुविधाएं बनाई जाएंगी।
- **राज्यों में शामिल हैं:** आंध्र प्रदेश, बिहार, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

एकीकृत कोल्ड चेन और मूल्यवर्धन अवसरंचना की केंद्रीय क्षेत्र योजना

- यह PMKSY के तहत एक घटक योजना है।
- सरकार सामान्य क्षेत्रों के लिए 35% की दर से अनुदान के रूप में और पूर्वोत्तर राज्यों, हिमालयी राज्यों, ITDP क्षेत्रों और द्वीपों के लिए 50% की दर से भंडारण और परिवहन अवसरंचना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है।
- प्रति परियोजना 10 करोड़ रुपये की अधिकतम अनुदान सहायता के लिए क्रमशः 50% और 75% की सहायता भी मूल्यवर्धन और प्रसंस्करण अवसंरचना के अधीन दी गई है।

प्रधानमंत्री किसान सम्पदा योजना (PMKSY)

- PMKSY का उद्देश्य कृषि के पूरक, प्रसंस्करण को आधुनिक बनाना और कृषि-अपशिष्ट को कम करना है।
- PMKSY में सात घटक योजनाएँ हैं:
- मेगा फूड पार्क
- एकीकृत कोल्ड चेन और मूल्य परिवर्धन अवसंरचना
- कृषि प्रसंस्करण समूहों के लिए बुनियादी ढांचा
- पश्चगामी और अग्रगामी कड़ी का निर्माण
- खाद्य प्रसंस्करण और संरक्षण क्षमता का निर्माण / विस्तार
- खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता आश्वासन अवसंरचना
- मानव संसाधन और संस्थान

- **PMKSY** के तहत, अनुदान के रूप में पूंजीगत सब्सिडी, पात्र परियोजना लागत के 35% से 75% तक की अधिकतम निर्दिष्ट सीमा के अधीन निवेशकों को प्रदान की जाती है।

प्रधानमन्त्री मत्स्यसंपदा योजना (PMMSY) का शुभारंभ

GS प्रीलिम्स और GS - II - नीतियां और हस्तक्षेप और GS - III- मत्स्य पालन **का हिस्सा:**

समाचार में

- भारत में मत्स्य पालन क्षेत्र के स्थायी और जिम्मेदार विकास के माध्यम से नीली क्रांति लाने के लिए प्रधानमन्त्री मत्स्यसंपदा योजना हाल ही में शुरू की गई थी।
- इस योजना की घोषणा पहली बार बजट 2019-20 में की गई थी और उसके बाद आत्म निर्भर भारत में।
- PMMSY दो अलग-अलग घटकों के साथ एक छाता योजना है: (a) केंद्रीय क्षेत्र योजना (CS) और (b) केंद्र प्रायोजित योजना (CSS)।

मुख्य बिन्दु

- वित्त वर्ष 2020-21 से वित्त वर्ष 2024-25 तक 5 वर्षों की अवधि में कुल अनुमानित निवेश 20,050 करोड़ रुपये का होगा।
- **लक्ष्य:** अगले 3 से 4 वर्षों में अर्थात 2024-25 तक मछली निर्यात को दोगुना करना।
- **उद्देश्य:**

(1) मछली उत्पादन और उत्पादकता में महत्वपूर्ण अंतराल को संबोधित करने के लिए; गुणवत्ता, प्रौद्योगिकी, फसल कटाई के बाद के अवसरंचना और प्रबंधन, मूल्य श्रृंखला, ट्रेसबिलिटी के आधुनिकीकरण और सुदृढ़ीकरण, एक मजबूत मत्स्य प्रबंधन ढांचा और मछुआरों के कल्याण की स्थापना;

(2) एक स्थायी, जिम्मेदार, समावेशी और न्यायसंगत तरीके से मत्स्य पालन क्षमता का दोहन;

(3) कृषि GVA और निर्यात में योगदान को बढ़ाना;

(4) मछुआरों और मछली किसानों के लिए सामाजिक, शारीरिक और आर्थिक सुरक्षा;

(5) मजबूत मत्स्य प्रबंधन और नियामक ढांचा

क्या आप जानते है?

मत्स्य पालन राष्ट्रीय GDP का 1.24% और कृषि GDP का 7.28% है।

ई-गोपाल एप

यह देश में किसानों को मंच प्रदान करता है:

- सभी प्रकार (रोग, भ्रूण, आदि) में रोग मुक्त रोगाणु प्लाज्मा की खरीद और बिक्री सहित पशुधन का प्रबंधन;
- गुणवत्तापूर्ण प्रजनन सेवाओं की उपलब्धता (कृत्रिम गर्भाधान, पशु चिकित्सा प्राथमिक चिकित्सा, टीकाकरण, उपचार आदि);
- पशु पोषण के लिए किसानों का मार्गदर्शन, उचित आयुर्वेदिक चिकित्सा/नृवंश पशु चिकित्सा का उपयोग कर पशुओं का उपचार ।
- अलर्ट भेजने के लिए एक तंत्र है (टीकाकरण, गर्भावस्था निदान, शांत करने आदि के लिए नियत तारीख पर) और किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में सूचित करना।
- यह पशु मालिकों को इस ऐप के माध्यम से जानवरों को खरीदने और बेचने में भी सक्षम बनाता है।
- यह किसानों को बिचौलियों से मुक्ति दिलाएगा और मवेशियों के लिए उत्पादकता, स्वास्थ्य और आहार से संबंधित सभी जानकारी प्रदान करेगा।

संस्कृत ग्राम कार्यक्रम: उत्तराखंड

GS प्रीलिम्स और GS- II - शिक्षा; नीतियां और अंतःक्षेप **का हिस्सा:**

समाचार में

- उत्तराखंड सरकार ने राज्य भर में 'संस्कृत ग्राम' विकसित करने का निर्णय लिया है।
- **उद्देश्य** : लोगों को नियमित रूप से संस्कृत का उपयोग करने के लिए सिखाना।

मुख्य बिन्दु

- संस्कृत विद्यालयों की उपलब्धता के अनुसार कई गांवों का चयन किया गया था ताकि शिक्षक अक्सर गाँवों का दौरा कर सकें और निवासियों को संस्कृत सीखने और उपयोग करने के लिए प्रेरित कर सकें।
- उत्तराखंड के मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में उत्तराखंड संस्कृत अकादमी की बैठक में गांवों का चयन किया गया।
- अकादमी का नाम बदलकर उत्तरांचल संस्कृत संस्थानम् हरिद्वार, उत्तराखंड कर दिया जाएगा।
- **ध्यान केंद्रित:** स्कूल जाने वाले बच्चे ताकि वे कम उम्र से भाषा सीख सकें।

क्या आप जानते है?

- हिंदी के बाद उत्तराखंड में संस्कृत दूसरी आधिकारिक भाषा है।
- संविधान का अनुच्छेद 345 किसी राज्य की राजभाषा या भाषाओं से संबंधित है।

पाँच तारा गांव योजना की शुरूआत

GS प्रीलिम्स और GS - II - कल्याण योजनाएं **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में पांच तारा गाँव योजना शुरू की गई है।
- **मंत्रालय:** डाक विभाग, संचार मंत्रालय।

मुख्य बिन्दु

- **उद्देश्य:** सार्वजनिक जागरूकता और डाक उत्पादों और सेवाओं की पहुंच में अंतर को कम करने के लिए, विशेष रूप से अंदर के गांवों में।
- **उद्देश्य** : देश के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रमुख डाक योजनाओं के सार्वभौमिक पहुँच को सुनिश्चित करना।
- इसके तीन घटक हैं: (1) उत्पाद और सेवा उपलब्धता; (2) उत्पाद और सेवा प्रचार; (3) उत्पाद और सेवा विपणन।
- शाखा कार्यालय ग्रामीणों की सभी डाकघर संबंधित जरूरतों को पूरा करने के लिए वन-स्टॉप दुकानों के रूप में कार्य करेंगे।
- **कार्यान्वित:** पाँच ग्राम सेवकों का एक दल । उन्हें सभी उत्पादों, बचत और बीमा योजनाओं के विपणन के लिए एक गाँव सौंपा जाएगा।
- **टीम का नेतृत्व:** संबंधित शाखा कार्यालय के शाखा पोस्ट मास्टर।
- यह योजना महाराष्ट्र में पायलट आधार पर शुरू की जा रही है। अनुभव के आधार पर, इसे देश भर में लागू किया जाएगा।

लोकसभा में बायोटेक-किसान कार्यक्रम पर प्रकाश डाला गया

GS प्रीलिम्स और GS - II - कल्याणकारी योजनाएं और GS - III - जैव प्रौद्योगिकी **का हिस्सा**

समाचार में

- हाल ही में, मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में बायोटेक-कृषि नवाचार विज्ञान एप्लीकेशन नेटवर्क (बायोटेक-किसान) कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला गया ।
- कार्यक्रम किसानों को नवीन जैव प्रौद्योगिकी लाने में मदद करता है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

बायोटेक-किसान कार्यक्रम

- यह एक किसान-केंद्रित अखिल भारतीय योजना है।
- **विकसित:** जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय।
- यह एक हब-एंड-स्पोक मॉडल का अनुसरण करता है।
- यह किसानों में उद्यमशीलता और नवाचार को प्रोत्साहित करता है और महिला किसानों को भी सशक्त बनाता है।
- **लक्ष्य** : किसानों द्वारा सामना किए गए पानी, मिट्टी, बीज और बाजार की समस्याओं को समझना और उन्हें सरल समाधान प्रदान करना।
- कार्यक्रम पहले स्थानीय किसान की समस्या को समझने और फिर उन समस्याओं के वैज्ञानिक समाधान प्रदान करके विज्ञान और प्रौद्योगिकी को खेत से जोड़ता है।
- वर्तमान में, विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों में कुल आठ बायोटेक-किसान हब हैं।

कपड़ा क्षेत्र के लिए समर्थ योजना लागू की जा रही है

GS प्रीलिम्स और GS - II - कल्याणकारी योजनाएं और GS - III - जैव प्रौद्योगिकी **का हिस्सा:**

समाचार में

- वस्त्र क्षेत्र में क्षमता निर्माण के लिए समर्थ योजना हाल ही में समाचारों में थी।
- **मंत्रालय:** कपड़ा मंत्रालय

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

समर्थ योजना

- इसे 2017 में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (CCEA) द्वारा अनुमोदित किया गया था।
- **उद्देश्य:**

(1) श्रम प्रधान कपड़ा क्षेत्र में कुशल श्रमशक्ति की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना;

(2) राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (NSQF) के अनुरूप मांग आधारित, प्लेसमेंट उन्मुख कौशल प्रदान करना ;

(3) कताई और बुनाई को छोड़कर, कपडे के पूरे मूल्य श्रृंखला को शामिल करने के लिए;

(4) हथकरघा, हस्तशिल्प, रेशम उत्पादन और जूट के पारंपरिक क्षेत्रों में कौशल और कौशल उन्नतीकरण को बढ़ावा देना;

(5) वेतन या स्वरोजगार द्वारा स्थायी आजीविका के प्रावधान को सक्षम करना।

YuWaah प्लेटफार्म लॉन्च किया गया है

GS प्रीलिम्स और GS- II - कल्याणकारी योजनाएं **का हिस्सा** :

समाचार में

- हाल ही में, सरकार ने YuWaah को लॉन्च किया है।
- यह युवा लोगों के करियर को तैयार करने के लिए एक बहु-हितधारक मंच है।
- **लॉन्च किया गया** : युवा मामले और खेल मंत्रालय और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (UNICEF)
- भारत में जेनरेशन अनलिमिटेड (YuWaah) स्थापित करने के लिए 'आशय का कथन' पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं ।

YuWaah का उद्देश्य

- कैरियर बंदरगाहल के माध्यम से युवाओं को कैरियर मार्गदर्शन सहायता प्रदान करना ।
- युवाओं को कैरियर के लिए तैयार करने के लिए नौकरी-तत्परता और आत्म-अन्वेषण सत्र।
- सफल उद्यमियों और विशेषज्ञों के साथ उद्यमिता कक्षाएं प्रदान करके युवा लोगों का समर्थन करना ।
- युवाओं को रोजगार या स्वरोजगार से जोड़ने के लिए आकांक्षात्मक आर्थिक अवसरों के साथ संबंध बनाना । इसके लिए, अभिनव समाधानों और प्रौद्योगिकी प्लेटफार्मों को अधिकतम और पहुंच को बढ़ाने के लिए लगाया जाएगा।
- 21 वीं सदी के कौशल, जीवन कौशल, डिजिटल कौशल पर युवाओं को आगे बढ़ाना और उनके उत्पादक जीवन और काम के भविष्य के लिए आत्म-शिक्षा के माध्यम से उनका समर्थन करना।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

भारत में जनरेशन अनलिमिटेड (GenU - YuWaah)

- इसकी स्थापना सितंबर 2018 में हुई थी।
- **उद्देश्य:** वैश्विक और स्थानीय स्तर पर दुनिया भर के युवाओं के लिए शिक्षा, रोजगार और उद्यमशीलता के परिणामों को बदलना
- इसे UN महासभा के 73 वें सत्र में UNICEF द्वारा लॉन्च किया गया था ।

सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 पारित

GS प्रीलिम्स और GS - I - सोसाइटी और GS - II - योजनाएं **का हिस्सा** :

समाचार में

- लोकसभा ने हाल ही में सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 पारित की।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम की पहुंच का विस्तार:

- ESIC के तहत स्वास्थ्य सुरक्षा का अधिकार अधिकतम संभव श्रमिकों को प्रदान करने का प्रयास किया गया है।
- ESIC की सुविधा अब सभी 740 जिलों में प्रदान की जाएगी। फिलहाल यह सुविधा केवल 566 जिलों में दी जा रही है।
- खतरनाक क्षेत्रों में काम करने वाले प्रतिष्ठानों को अनिवार्य रूप से ESIC के साथ जोड़ा जाएगा, भले ही इसमें केवल एक ही श्रमिक काम कर रहा हो।
- असंगठित क्षेत्र और गिग श्रमिकों को ESIC से जोड़ने का प्रावधान।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) की पहुंच बढ़ाना:

- **EPFO** का कवरेज 20 श्रमिकों वाले सभी प्रतिष्ठानों पर लागू होगा।
- वर्तमान में, यह केवल अनुसूची में शामिल प्रतिष्ठानों पर ही लागू था।
- 20 से कम श्रमिकों वाले प्रतिष्ठानों को **EPFO** में शामिल होने का विकल्प भी दिया जा रहा है।
- **EPFO** के तत्वावधान में 'स्व-नियोजित' श्रेणी में आने वाले श्रमिकों या किसी अन्य श्रेणी में आने वाले श्रमिकों के लिए योजनाएं बनाई जाएंगी।

अन्य प्रमुख बिन्दु

- असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को व्यापक सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न योजनाओं को बनाने का प्रावधान किया गया है।
- इन योजनाओं को लागू करने के लिए एक "सामाजिक सुरक्षा कोष" बनाया जाएगा।
- स्थिर अवधि कर्मचारी के लिए ग्रेच्युटी का प्रावधान किया गया है और इसके लिए न्यूनतम सेवा अवधि के लिए कोई शर्त नहीं होगी।

राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, विधेयक 2020 पारित

GS प्रीलिम्स और GS- II - योजनाएं; शिक्षा **का हिस्सा** :

समाचार में

- संसद ने राष्ट्रीय शिक्षा विश्वविद्यालय विधेयक 2020 पारित किया है।

मुख्य बिन्दु

- विधेयक रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 के तहत स्थापित रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय, गुजरात की स्थापना करता है।
- विधेयक विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित करता है।
- विधेयक 2009 के अधिनियम को भी निरस्त करता है।
- विधेयक में विश्वविद्यालय के तहत कई प्राधिकारियों के लिए प्रावधान है।
- इनमें शामिल हैं:

(1) विश्वविद्यालय की व्यापक नीतियों और कार्यक्रमों की रूपरेखा के लिए शासी निकाय;
(2) कार्यकारी परिषद मुख्य कार्यकारी निकाय होगी
(3) शैक्षणिक परिषद विश्वविद्यालय की अकादमिक नीतियों को निर्दिष्ट करेगी।

- विश्वविद्यालय के कार्यों में शामिल हैं:

(1) पुलिस विज्ञान में निर्देश और अनुसंधान प्रदान करना, जिसमें तटीय पुलिसिंग और साइबर सुरक्षा
(2) कॉलेज स्थापित करना और बनाए रखना
(3) पाठ्यक्रम निर्धारित करना, परीक्षा आयोजित करना, और डिग्री और अन्य भेद प्रदान करना शामिल हैं।

नेशनल फॉरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय बिल 2020 पारित हुआ

GS प्रीलिम्स और GS - II - योजनाएं; शिक्षा **का हिस्सा** :

समाचार में

- संसद ने हाल ही में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय विधेयक, 2020 पारित किया है।

मुख्य बिन्दु

- विधेयक गुजरात फॉरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (गांधीनगर) और लोकनायक जयप्रकाश नारायण राष्ट्रीय अपराध विज्ञान एंड फॉरेंसिक विज्ञान संस्थान (नई दिल्ली) गुजरात में एक राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित करेगा।
- विधेयक विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित करता है।
- यह विश्वविद्यालय फोरेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में क्षमता निर्माण के लिए काम करेगा और अनुसंधान को बढ़ावा देगा।

दीनदयाल उपध्याय ग्रामीण कौशल्या योजना (DDU-GKY) का स्थापना दिवस

GS प्रीलिम्स और GS - II - कल्याण योजनाएं **का हिस्सा** :

समाचार में

- दीनदयाल उपध्याय ग्रामीण कौशल्या योजना (DDU-GKY) का स्थापना दिवस हाल ही में "कौशल से कल बदलेंगे" (25 सितंबर) के रूप में मनाया गया।
- **मंत्रालय** : ग्रामीण विकास मंत्रालय

मुख्य बिन्दु

- एग्रीप्रेन्योरशिप कार्यक्रम (कृषि में उद्यमिता) का उद्घाटन किया गया।
- DDU-GKY के तहत ग्रहीत रोजगार के बारे में दिशानिर्देश जारी किए गए थे।
- एकीकृत खेती क्लस्टर (IFC) के संवर्धन के लिए दिशानिर्देश भी जारी किए गए
- किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) / स्टार्टअप की क्षमता निर्माण और ग्रामीण क्षेत्रों में ऊष्मायन सहायता प्रदान करने के लिए समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए।

क्या आप जानते है?

- ग्रहीत नियोक्ता ऐसे व्यवसाय हैं जो अपने स्वयं के संगठन या उनकी सहायक कंपनियों में से 500 या अधिक को रोजगार दे सकते हैं और इन-हाउस प्रशिक्षण सुविधाओं के लिए उपयुक्त हैं।
- एकीकृत खेती एक संयुक्त दृष्टिकोण है जिसका उद्देश्य फसल प्रणाली में उत्पादकता में वृद्धि के लिए कुशल टिकाऊ संसाधन प्रबंधन है
- इसमें पशुधन, कृमि खाद, जैविक खेती इत्यादि को शामिल करते हुए स्थिरता, खाद्य सुरक्षा, किसान सुरक्षा और गरीबी में कमी के कई उद्देश्य हैं।

अंतरराष्ट्रीय

ऐतिहासिक यात्रा पर अबू धाबी में अमेरिकी-इजरायल का प्रतिनिधिमंडल

GS-प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध

समाचार में :

- इज़राइल के तेल अवीव से ऐतिहासिक पहली वाणिज्यिक उड़ान पर हाल ही में अबू धाबी में एक अमेरिकी-इजरायल प्रतिनिधिमंडल पहुंचा।
- इस यात्रा ने इजरायल और UAE के बीच संबंधों के सामान्यीकरण को चिह्नित किया ।
- **यात्रा का उद्देश्य:** विमानन, पर्यटन, व्यापार, स्वास्थ्य, ऊर्जा और सुरक्षा सहित क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देना।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- इज़राइल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने UAE और आठ अन्य देशों को शामिल करने के लिए कम COVID-19 संक्रमण दर के साथ "हरित देशों" की अपनी सूची को अद्यतन किया।

- इसका मतलब यह है कि इजरायली अधिकारियों और अबू धाबी की यात्रा करने वाले पत्रकारों को वापसी पर 14 दिन के क्वारंटाइन से छूट दी जाएगी ।
- UAE ने 1972 के एक कानून को निरस्त कर दिया जिसने पहले इजरायल का बहिष्कार किया था।
- अब, यह संयुक्त अरब अमीरात में सभी प्रकार के इजरायल के सामान और उत्पादों को दर्ज करने, आदान-प्रदान करने या उनके पास रखने और उनमें व्यापार करने की अनुमति होगी।

क्या आप जानते है?

- UAE पहला खाड़ी देश है और इजरायल के साथ संबंध स्थापित करने वाला एकमात्र तीसरा अरब राष्ट्र है।
- मिस्र ने 1979 में अपने पूर्व युद्धक्षेत्र दुश्मन के साथ शांति स्थापित की।
- 1994 में जॉर्डन भी इसमे शामिल हो गया
- UAE ने कभी भी इजरायल के साथ युद्ध नहीं लड़ा।

विश्व बैंक की व्यापार करने में आसानी रिपोर्ट की आलोचना

संदर्भ: कुछ देशों की डेटा प्रामाणिकता के मुद्दों पर विश्व बैंक की अपनी वार्षिक व्यापार करने में आसानी ' रिपोर्ट को रोकने का निर्णय। इसने पिछले पांच वर्षों की व्यापार करने में आसानी ' रिपोर्ट का ऑडिट करने का भी निर्णय लिया है

भारत और व्यापार करने में आसानी

- भारत ने 'मेक इन इंडिया' के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निवेश को आकर्षित करने के साधन के रूप में, व्यापार सूचकांक रैंकिंग में अपनी आसानी को बेहतर बनाने की कोशिश की है।
- व्यापार रैंकिंग में अपनी आसानी को बढ़ाने में भारत की सफलता शानदार है, 2019 में 63 वीं रैंक पर, 2014 में 142 वें स्थान से।

विश्व बैंकों की आलोचना व्यवसाय करने में आसानी

1. रिपोर्ट राजनीतिकरण है

- चिली की वैश्विक रैंक तेजी से नीचे चली गई, 2014 में 34 वें स्थान से 2017 में 67 वें स्थान पर।
- चिली की पूर्व सोशलिस्ट प्रेसिडेंट (2014-18) मिशेल बैचलेट ने विश्व बैंक पर दक्षिणपंथी पार्टी के शासनकाल के दौरान रैंकिंग में सुधार दिखाते हुए अपने राष्ट्रपति

पद को खराब रोशनी में दिखाने के लिए सूचकांक पद्धति में हेरफेर करने का आरोप लगाया ।

2. WB मुख्य अर्थशास्त्री (पॉल एम॰ रोमर) द्वारा गलती का स्वीकरण

- 2017 में, उन्होंने कहा, "पहले हम जिन चीजों को माप रहे थे, उनके आधार पर, बाचेलेट प्रशासन के तहत चिली में व्यावसायिक स्थिति खराब नहीं हुई
- उन्होंने आगे कहा, "मैंने पर्याप्त परिश्रम नहीं किया और बाद में महसूस किया कि मुझे रिपोर्ट के डेटा **की अखंडता में विश्वास नहीं था** ।"
- विश्व बैंक के स्वयं के आंतरिक प्रहरी, स्वतंत्र मूल्यांकन समूह ने 2013 की अपनी रिपोर्ट में सूचकांक की विश्वसनीयता और निष्पक्षता पर व्यापक रूप से सवाल उठाए हैं।

3. कार्यपद्धति और सूचकांक की गणना की शंका पर संदेह किया जाता है

- यदि गैर-मौजूद हैं, तो सूचकांक की विश्लेषणात्मक और आनुभविक नींव कमजोर हैं।
- सूचकांक *क़ानूनन* उपायों पर आधारित है , न कि *वास्तविकता* स्थितियों पर।
- उदाहरण: भारत के लिए सूचकांक की गणना करने का डेटा केवल दो शहरों मुंबई और दिल्ली में बड़े उद्यमों से प्राप्त किया जाता है, वकीलों, एकाउंटेंट और दलालों द्वारा - उद्यमियों से नहीं।

4. सूचकांक की उपयोगिता संदिग्ध है

- रैंकिंग में सुधार और पूंजी निर्माण और उत्पादन वृद्धि में कोई विश्वसनीय संबंध नहीं है।
- चीन, ब्राज़ील और भारत के मुकाबले 2018 में रूस की आसानी से व्यापार रैंक 120 से 20 से 208 तक पहुंच गई, लेकिन निवेश के प्रवाह के लिए चुंबक नहीं बन पाया।
- इसके विपरीत, चीन ने सबसे अधिक पूंजी प्रवाह में से एक को आकर्षित किया लेकिन 2006 और 2017 के बीच के वर्षों के लिए 78 और 96 के बीच व्यापार रैंकिंग को कम करने की इसकी आसानी कम थी।

5. श्रमिकों के हित के खिलाफ सूचकांक एक वैचारिक रूप से भरा हुआ उपाय है

- व्यावसायिक लक्ष्यों को करने में आसानी को पूरा करने के लिए, कारखानों के श्रम अधिकारों और सुरक्षा मानकों से अक्सर समझौता किया जाता है।

- 2016 में, महाराष्ट्र सरकार ने 1923 के बॉयलर अधिनियम और भारतीय बॉयलर विनियमन 1950 के तहत भाप बॉयलरों के वार्षिक अनिवार्य निरीक्षण को समाप्त कर दिया।
- यह सुझाव देने के लिए बहुत कम आर्थिक सबूत हैं कि श्रम और पूंजी के लिए न्यूनतम विनियमित बाजार उत्पादन और रोजगार के मामले में बेहतर परिणाम देते हैं

भारत के लिए निहितार्थ

- 2015 से, सरकार ने भारत की रैंकिंग में सुधार के लिए काफी राजनीतिक और प्रशासनिक पूंजी का निवेश किया है।
- जबकि व्यापार करने में आसानी रैंक में सुधार हुआ है, इसका मतलब धरातल पर कुछ भी नहीं है।
- विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी GDP के लगभग 16-17% पर स्थिर हो गई है, और 2011-12 और 2017-18 के बीच 3.5 मिलियन नौकरियों का नुकसान हुआ है।
- भारत को कुछ आत्मा खोज करनी चाहिए कि वैश्विक रैंकिंग में बहुत अधिक वृद्धि क्यों हुई है, जो जमीन पर बुरी तरह से विफल रही है।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- विश्व प्रतिस्पर्धी सूचकांक

विकलांग लोगों के लिए सामाजिक न्याय तक पहुंच पर संयुक्त राष्ट्र के दिशानिर्देश

GS-प्रीलिम्स और GS- II - वैश्विक समूह; कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएँ **का हिस्सा** :

समाचार में :

- विकलांग लोगों के लिए सामाजिक न्याय तक पहुंच के बारे में पहले दिशानिर्देश जारी किए गए हैं।
- संयुक्त राष्ट्र **द्वारा जारी**
- **उद्देश्य:** दुनिया भर में न्याय प्रणालियों का उपयोग करना उनके लिए आसान बनाना।

मुख्य बिन्दु

- दिशानिर्देश 10 सिद्धांतों के एक सेट की रूपरेखा तैयार करते हैं

- **सिद्धांत 1** : विकलांग सभी व्यक्तियों के पास कानूनी क्षमता है। किसी को भी विकलांगता के आधार पर न्याय की पहुंच से वंचित नहीं किया जाएगा।
- **सिद्धांत 2** : बिना भेदभाव के न्याय तक समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सुविधाएं और सेवाएं सार्वभौमिक रूप से सुलभ होनी चाहिए।
- **सिद्धांत 3** : उनके पास उचित प्रक्रियात्मक आवास का अधिकार है।
- **सिद्धांत 4** : उन्हें कानूनी नोटिस और सूचना को दूसरों के साथ एक समान आधार पर समय पर और सुलभ तरीके से प्रदान करने का अधिकार है।
- **सिद्धांत 5** : वे अंतर्राष्ट्रीय कानून में अन्य लोगों के साथ समान आधार पर मान्यता प्राप्त सभी मूल और प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपायों के हकदार हैं, और राज्यों को उचित प्रक्रिया की गारंटी देने के लिए आवश्यक आवास प्रदान करना चाहिए।
- **सिद्धांत 6** : उन्हें मुफ्त या सस्ती कानूनी सहायता का अधिकार है।
- **सिद्धांत 7** : उन्हें दूसरों के साथ समान आधार पर न्याय प्रशासन में भाग लेने का अधिकार है।
- **सिद्धांत 8** : उनके पास शिकायतों को रिपोर्ट करने और मानवाधिकारों के उल्लंघन और अपराधों से संबंधित कानूनी कार्यवाही शुरू करने के अधिकार हैं, उनकी शिकायतों की जांच की जाती है और प्रभावी उपाय किए जाते हैं।
- **सिद्धांत 9** : प्रभावी और मजबूत निगरानी तंत्र उनके लिए न्याय तक पहुंच का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- **सिद्धांत 10** : न्याय प्रणाली में काम करने वाले सभी लोगों को जागरूकता बढ़ाने और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ प्रदान किया जाना चाहिए, जो विकलांग लोगों के अधिकारों को संबोधित करते हैं, विशेष रूप से न्याय तक पहुंच के संदर्भ में।

रूस अपने टीके के साथ दौड़ में आगे निकल रहा है

संदर्भ : रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रूसी COVID-19 वैक्सीन, स्पुतनिक V की 'स्वीकृति' की घोषणा की

दवा की सुरक्षा और प्रभावकारिता का परीक्षण करने के लिए **नैदानिक** परीक्षण के तीन चरण

- **चरण I** : 100 से कम के औसत नमूने के आकार के साथ, यह सुरक्षा का प्रारंभिक अध्ययन है, जहां उद्देश्य स्वीकार्य खुराक स्तर को खोजना है जो गंभीर दुष्प्रभावों का कारण नहीं होगा।
- **चरण II** सुरक्षा और प्रभावकारिता का एक अध्ययन है, जिसमें कुछ सौ लोग या उससे भी कम हैं।
- **चरण III-** यह कुछ मौजूदा उपचार या कुछ समान दिखने वाले उपचार की तुलना में प्रभावशीलता का एक विस्तृत मूल्यांकन है जिसका कोई प्रभाव नहीं होता है (जिसे

प्लेसीबो कहा जाता है)। इसमें सौ से हजारों लोग शामिल हैं। यह चरण वैज्ञानिकों को दुर्लभ दुष्प्रभावों की तलाश करने की अनुमति देता है जिन्हें छोटे, पहले चरण के परीक्षणों में नहीं देखा जा सकता है

नैदानिक परीक्षण के तीन चरणों के बाद क्या होता है?

- तीन चरणों के बाद, यदि टीका सुरक्षित और प्रभावी पाया जाता है, तो अध्ययन रिपोर्ट को नियामक एजेंसी को भेज दिया जाता है, जो कि आश्वस्त होने पर, इसके उपयोग को अनुमति देता है।
- चरण IV, निगरानी के बाद का चरण है। इस तरह की निगरानी केवल दवा के विपणन के बाद ही की जा सकती है।

रूसी टीके के साथ मुद्दे

- **मानक प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया:** आवश्यक चिकित्सीय परीक्षण के चरण III से पहले अनुमोदन आ गया था।
- **अपर्याप्त वैक्सीन:** रूस ने पहले दो चरणों में सिर्फ 76 लोगों पर अपने टीके का परीक्षण करने का दावा किया है।
- **पारदर्शिता का अभाव:** रूसी टीके के बारे में सार्वजनिक डोमेन में कोई शोध लेख उपलब्ध नहीं है।
    - दुनिया भर के शोधकर्ता जो COVID-19 के लिए टीके विकसित कर रहे हैं, अपने अध्ययन को सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित करते हैं, जिनकी प्रासंगिक वैज्ञानिक समुदाय द्वारा लगातार जांच की जाती है। समुदाय, वास्तव में, इन अध्ययनों की विश्वसनीयता को बढ़ाता है।
- **लघु अवधि:** रूसी टीके को खतरनाक तरीके से स्वीकार किया जाता है - परीक्षण शुरू करने के दो महीने से भी कम समय में इसे मंजूरी मिल गई।
    - शीर्ष वैज्ञानिकों और यहां तक कि WHO ने भी दोहराया है कि 12-18 महीने से पहले एक टीका की उम्मीद नहीं है।
- **वैक्सीन का स्थायित्व अज्ञात है**: कोई भी रूसी वैक्सीन द्वारा बनाई गई एंटीबॉडी के स्थायित्व जानता है-यह कुछ वर्षों या कुछ हफ्तों के लिए टिकाऊ है?
- **लोगों के विभिन्न वर्गों पर प्रभाव जिनका परीक्षण नही हुआ है:**
    - सावधानीपूर्वक आयोजित नैदानिक परीक्षण दर्शाते हैं कि एक टीका आबादी के एक वर्ग के लिए हानिकारक हो सकता है।
    - उदाहरण के लिए, 1990 के दशक की शुरुआत में एक नए प्रकार के खसरे के टीके को बच्चियों के लिए हानिकारक पाया गया था, और इसलिए इसे कभी भी सामान्य लोगों के लिए लाइसेंस नहीं दिया गया था।
- **रूसी डॉक्टरों का समर्थन नही है** :

○ डॉक्टर की हैंडबुक ऐप द्वारा संचालित 3,040 रूसी डॉक्टरों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के एक सर्वेक्षण में, 52% ने कहा कि वे टीका लगाने के लिए तैयार नहीं थे; केवल 24.5% ने कहा कि वे तैयार थे ।
○ रूस के एक प्रमुख श्वसन चिकित्सक ने COVID-19 वैक्सीन के विकास में चिकित्सा नैतिकता के "घोर उल्लंघन" का हवाला देते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय छोड़ दिया है।

रूसी वैक्सीन के परिणाम

- यह ग्रहण करने वाले लोगों के लिए संभावित रूप से खतरनाक है।
- यह गुणवत्ता COVID-19 प्रतिरक्षण के विकास के वैश्विक प्रयासों को भी बाधित कर सकता है।
- टीकाकरण कार्यक्रमों में विश्वास कारक को कम करता है।
- वैक्सीन राष्ट्रवाद की ओर जाता है
- इस स्तर पर रूसी टीका लेने के लोगों को प्रभावी ढंग से एक भव्य चरण III नैदानिक परीक्षण का हिस्सा होगा

कतर श्रम कानूनों में सुधार कर रहा है

GS प्रीलिम्स और GS- II- अंतर्राष्ट्रीय संबंध **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में, कतर ने अपने श्रम कानूनों में बदलाव किया है।

मुख्य बिन्दु

- **पहला सुधार:** इसने अन्यायपूर्ण 'कफाला प्रणाली' ("अनापत्ति प्रमाण पत्र के लिए आवश्यकता) को समाप्त कर दिया है। इस प्रणाली के तहत, प्रवासी श्रमिकों को नौकरी बदलने से पहले अपने नियोक्ताओं से NOC प्राप्त करने की आवश्यकता होती है।
- अब, श्रमिकों को एक महीने की नोटिस अवधि की सेवा देनी होगी यदि उन्होंने दो साल से कम समय तक काम किया है और यदि वे अधिक समय तक काम करते हैं तो दो महीने की नोटिस अवधि देनी होगी ।
- **दूसरा सुधार:** इसमें न्यूनतम मजदूरी को 25 प्रतिशत बढ़ाकर $274 या 1000 कतरी रियाल और भोजन के लिए अतिरिक्त 300 QAR और कंपनी द्वारा प्रदान नहीं किए जाने की स्थिति में आवास के लिए 500 QAR शामिल है ।
- ये सुधार अब सभी राष्ट्रीयताओं के श्रमिकों और घरेलू श्रमिकों सहित सभी क्षेत्रों में लागू हैं।

क्या आप जानते है?

- अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) के अनुसार खाड़ी क्षेत्र में आम "काफला" प्रायोजन प्रणाली को समाप्त करने वाला कतर पहला देश है।

UNSC ने भारतीयों को आतंकवादी के रूप में नामित करने से इनकार कर दिया है

GS प्रीलिम्स और GS - II- वैश्विक समूह; अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध **का हिस्सा:**

समाचार में

- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) ने आतंकवाद निरोधक प्रतिबंधों के लिए अपनी 1267 समिति के तहत चार भारतीयों को नामित आतंकवादियों के रूप में सूचीबद्ध करने के पाकिस्तान के सभी अनुरोधों को खारिज कर दिया है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

UNSC प्रस्ताव 1267 प्रतिबंध समिति

- यह समिति UNSC के प्रस्तावों 1267 (1999), 1989 (2011) और 2253 (2015) के अनुसार प्रतिबंधों के कार्यान्वयन की देखरेख करती है।
- इसे 15 अक्टूबर 1999 को सर्वसम्मति से अपनाया गया था।
- यह आतंकवाद से निपटने के प्रयासों पर काम करने वाली सबसे महत्वपूर्ण और सक्रिय संयुक्त राष्ट्र की सहायक संस्थाओं में से एक है, विशेष रूप से अल कायदा, तालिबान और इस्लामिक स्टेट (IS) समूह के संबंध में।
- यह इन संगठनों से जुड़े लोगों की एक समेकित सूची तैयार करता है।
- इसमें आतंकवादियों की आवाजाही को सीमित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों, विशेष रूप से यात्रा प्रतिबंधों से संबंधित, आतंकवाद के लिए परिसंपत्तियों और हथियारों के प्रतिबंधों पर चर्चा की गई है।

श्रीलंका के आने वाले संवैधानिक परिवर्तन

संदर्भ: हाल ही में हुए संसदीय चुनावों में श्रीलंका के राष्ट्रपति गोतबया राजपक्षे राजनीतिक दल SLPP ने अपने सहयोगियों के साथ ऐतिहासिक दो-तिहाई बहुमत प्राप्त किया।

नव निर्वाचित संसद के संबोधन के दौरान, राष्ट्रपति ने घोषणा की-

- उनकी पहली प्राथमिकता 19 वें संशोधन से छुटकारा पाना है, और इसे 20 वें संशोधन से बदलना है
- उन्होंने 'एक देश, एक कानून' के सिद्धांत के तहत संविधान को फिर से लिखने की अपनी योजना के बारे में भी बताया ।

श्रीलंका के संविधान का 19 वां संशोधन क्या है ?

- 19 वाँ संशोधन पूर्व राष्ट्रपति मैत्रिपाल सिरिसेना और प्रधान मंत्री रानिल विक्रमसिंघे द्वारा लाया गया था ।
- इसने 18 वें संशोधन को वापस ले लिया जो पूर्ववर्ती राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे द्वारा लाया गया था।
- 18वें संशोधन ने पद के लिए चलने पर दो कार्यकाल के बार को हटा दिया था, और राष्ट्रपति के हाथों में अधिक शक्तियां केंद्रीकृत की थीं । इसे निरस्त करना सिरीसेना द्वारा किया गया चुनावी वादा था
- 19 वें संशोधन के कुछ प्रमुख प्रावधान थे -
    - इसने **दो-कार्यकाल की सीमा को** बहाल करके कार्यकारी राष्ट्रपति की विशाल शक्तियों पर अंकुश लगाया
    - इसने **राष्ट्रपति पद** के कार्यकाल को छह वर्ष से घटाकर **पांच वर्ष** कर दिया
    - इसने **मंत्रियों** और उप-मंत्रियों **की संख्या पर** भी एक **सीमा लगा** दी।
    - इसने विधायिका के लिए राष्ट्रपति के पक्ष में भंग करना मुश्किल बना दिया। राष्ट्रपति ने **प्रधानमंत्री को बर्खास्त करने की अपनी शक्ति** भी **खो दी** ।
    - इसने चुनाव आयोग, राष्ट्रीय पुलिस आयोग, लोक सेवा आयोग समेत नौ आयोगों को नियुक्तियों को विकेंद्रीकृत करके **ओवरसाइट संस्थानों** की **स्वतंत्रता की** रक्षा करने की मांग की ।
    - सांसद होने के अलावा, परिषद में **नागरिक समाज का प्रतिनिधित्व** भी था **।** यह 19 वें संशोधन के सबसे प्रगतिशील भागों में से एक के रूप में देखा गया था।
    - इसने दोहरे नागरिकों को कार्यालय से बाहर निकाल दिया।
- **नियत प्रक्रिया का पालन:** संशोधन 2015 के राष्ट्रपति चुनाव में बदलाव के लिए एक लोकप्रिय जनादेश पर आधारित था, और पिछले संसद में आवश्यक दो तिहाई समर्थन से अधिक प्राप्त हुआ था
- **19 वें संशोधन का महत्व** : इसे लोकतांत्रिक भावना को संविधान में बहाल करने और देश को राजपक्षे के परिवार के चंगुल से मुक्त करने के रूप में देखा गया, जिनके पास शक्ति केंद्रित थी।

20 वां संशोधन क्या है ?

- 20 वां संशोधन विधेयक 19 वें संशोधन में लगभग सब कुछ उलट देता है।
- यह राष्ट्रपति पद का दो बार का कार्यकाल, और पांच साल के कार्यकाल को बरकरार रखता है

20 वें संशोधन विधेयक का महत्वपूर्ण विश्लेषण

- **श्रीलंका** राज्य **की प्रकृति में मौलिक परिवर्तन जिसने** 1978 में देश को 'अतीत की ओर अग्रसर' के रूप में लौटने का संकेत दिया। 1978 के संविधान ने श्रीलंका में कार्यकारी राष्ट्रपति के कार्यालय की शुरुआत की, जो इसे दुनिया में समान प्रणालियों के सबसे शक्तिशाली में से एक बनाता है।
- **संसद की शक्ति का परिचय** : संसद अपने कार्यकाल के पहले वर्ष के बाद किसी भी समय संसद को भंग करने के लिए राष्ट्रपति की शक्ति की बहाली के द्वारा कार्यकारिणी के विरूद्ध है।
- **कार्यकारी पर जाँच हटाता है** : मंत्रिमंडल और अन्य मंत्रियों की नियुक्ति और बर्खास्तगी के लिए प्रधानमंत्री की सलाह की आवश्यकता को हटाने के द्वारा कार्यपालिका के भीतर राष्ट्रपति पद की जाँच समाप्त कर दी जाती है।
- **लोकतांत्रिक भावना को उलट करता है**: यह स्वतंत्र संस्थाओं के लिए महत्वपूर्ण नियुक्तियों के संबंध में राष्ट्रपति शक्तियों पर बाध्यकारी सीमाओं को समाप्त कर देता है जो संवैधानिक परिषद की जानबूझकर प्रक्रिया के माध्यम से हुआ करते थे।
- **संस्थानों के राजनीतिकरण की ओर जाता है:** यह प्रभावी रूप से प्रमुख संस्थानों में व्यक्तियों को नियुक्त करने के लिए राष्ट्रपति को व्यापक शक्तियां प्रदान करता है, और इसके साथ, उन संस्थानों का राजनीतिकरण करना जो राजनीतिक कार्यकारी के स्वतंत्र रूप से और नागरिकों के लाभ के लिए कार्य करने के लिए हैं।
- **नागरिक अधिकारों का हनन:** इसने नागरिकों को मौलिक अधिकार अनुप्रयोगों के माध्यम से राष्ट्रपति के कार्यकारी कार्यों को चुनौती देने का अवसर भी हटा दिया है, यह दर्शाता है कि राष्ट्रपति, कानून से ऊपर है।
- **सरकार की जवाबदेही को कम करना:** कार्यकारी राष्ट्रपति पद के लिए नियंत्रण और संतुलन के कमजोर होने से सार्वजनिक धन के कुशल, प्रभावी और पारदर्शी उपयोग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा ।
- **अल्पसंख्यकों की उपेक्षा:** जातीय अल्पसंख्यकों के किसी भी संदर्भ की अनुपस्थिति के लिए राष्ट्रपति का संबोधन भी उल्लेखनीय था।

नोट: भारत पर इसका प्रभाव (साथ ही तमिल मुद्दे पर संक्षिप्त पृष्ठभूमि) लेख के भाग II में वर्णित है।

श्रीलंका के आने वाले संवैधानिक परिवर्तन - भाग II

श्री लंका के 20 वें संशोधन के बारे में भारत के लिए चिंता

- **भारत के प्रभाव क्षेत्र में चीन की घुसपैठ का डर** : राजपक्षे ने अतीत में चीन के प्रति अधिक झुकाव दिखाया है जब वे सत्ता में थे। चीन इस क्षेत्र में आक्रामक होने के साथ, भारत के हितों की कीमत पर अपने हितों को आगे बढ़ाने के लिए वर्तमान श्रीलंकाई सरकार में उपयुक्त भागीदार पा सकता है।

- **शक्ति की एकाग्रता यहाँ समाप्त नहीं हुई है** : संसद में दो-तिहाई बहुमत से लैस राजपक्षे केवल 20वें संशोधन को लाने से संतुष्ट नहीं हो सकते ।
- **तमिलों पर असर होगा**: श्रीलंका में खासकर तमिल अल्पसंख्यकों में डर यह है कि 13 वां संशोधन भी चला जाएगा। श्रीलंका की एक आंतरिक समस्या के कारण भारत पर दो देशों के बीच तमिल जातीय संबंध को लेकर संदेह पैदा होगा।

श्रीलंका के गृहयुद्ध का संक्षिप्त इतिहास

- आजादी के बाद के वर्षों में, सिंहली, जिन्होंने औपनिवेशिक काल के दौरान तमिलों के प्रति ब्रिटिश पक्षपात को अस्वीकार किया, भारत के तमिल प्रवासी बागान श्रमिकों को बेदखल कर दिया और सिंहल को आधिकारिक भाषा बना दिया ।
- जैसे-जैसे जातीय तनाव बढ़ता गया, 1976 में, वी॰ प्रभाकरन के नेतृत्व में LTTE का गठन किया गया, और इसने उत्तरी और पूर्वी श्रीलंका में एक तमिल मातृभूमि के लिए प्रचार करना शुरू किया, जहाँ अधिकांश द्वीप तमिलों के निवास करते हैं।
- 1983 में जब श्रीलंकाई तमिलों और सिंहली बहुमत के बीच युद्ध छिड़ गया, तो भारत ने बांग्लादेश के गठन के दौरान अनुभव की गई स्थिति जैसे शरणार्थी से बचने के लिए सक्रिय भूमिका निभाई (1971 युद्ध)
- श्रीलंका के संघर्ष को एक राजनीतिक समाधान प्रदान करने के लिए 1987 में भारत-श्रीलंकाई समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।
- इसमें प्रांतीय परिषद प्रणाली की स्थापना और श्रीलंका में नौ प्रांतों के लिए सत्ता हस्तांतरण (जिसे तेरहवें संशोधन के रूप में भी जाना जाता है) का प्रस्ताव किया गया था ।
- जातीय युद्ध (गृहयुद्ध) 2009 में खत्म हो गया जब लिट्टे को तत्कालीन महिंदा राजपक्षे सरकार ने खत्म कर दिया था।

13 वां संशोधन क्या है जो श्री लंका में तमिल मुद्दे को पूरा करता है?

- 13 वाँ संशोधन 1987-1990 के बीच श्रीलंका में भारतीय हस्तक्षेप का परिणाम था।
- यह 29 जुलाई, 1987 के भारत-श्रीलंका समझौते से प्रवाहित हुआ
- श्रीलंका एक एकात्मक देश है, और 1978 के संविधान ने केंद्र की सभी शक्तियों को केंद्रित किया था।
- इस समझौते का उद्देश्य **तत्कालीन पूर्वोत्तर प्रांत में राजनीतिक शक्तियों के विचलन** पर एक रास्ता खोजना था , जिसमें द्वीप देश के तमिल बहुल क्षेत्र शामिल थे।

- समझौते की शर्तों के तहत (जिसे जयवर्धने-राजीव गांधी समझौते के रूप में भी जाना जाता है), श्रीलंका की संसद 13 वें संशोधन में लाई गई, जो **पूरे श्रीलंका** में **निर्वाचित प्रांतीय परिषदों** की प्रणाली के लिए प्रदान की गई थी

13 वें संशोधन की प्रगति क्या है ?

- प्रांतीय परिषदों की यह प्रणाली विशेष रूप से उत्तर और पूर्व के लिए वहां के मुद्दों से निपटने के लिए प्रस्तावित की गई थी। हालाँकि, इसे अन्य प्रांतों में भी लागू किया गया था।
- **अल्प कालिक NE परिषद:** विडंबना यह थी कि जबकि उत्तर-पूर्वी प्रांतीय परिषद अपने जन्म के हिंसक और खूनी परिस्थितियों से बमुश्किल बच सकती थी और लिट्टे और श्रीलंका सरकार दोनों के अल्पकालिक निरर्थक संघर्ष के बाद मृत्यु हो गई, शेष में से प्रत्येक सिंहली बहुल क्षेत्रों में प्रांतों ने प्रांतीय परिषदों का चुनाव किया था।
- **भारतीय एजेंडा के रूप में माना जाता है:** विडंबना यह थी कि सिंहली राष्ट्रवादियों द्वारा 13 वें संशोधन में भारतीय लगाए गए प्रावधान के रूप में बहुत विरोध हुआ था।
- **भावनात्मक रूप से लागू नहीं होती है:** परिषदों को शक्तियों का विचलन केवल नाम में था क्योंकि केंद्र ने सभी वित्तीय शक्तियों को बरकरार रखा था।
- **लंबा संघर्ष** : भारत के बहुत दबाव में युद्ध समाप्त होने के बाद और 2013 में उत्तरी प्रांतीय परिषद के पहले चुनावों के बाद ही यह ठीक था।

13 वें संशोधन का विरोध क्यों हो रहा है ?

- **बहुसंख्यक की माँगें:** चूंकि सत्ता का बंटवारा भारत की मध्यस्थता वाली तमिल मांग के प्रति एक विशिष्ट प्रतिक्रिया के रूप में सामने आया है, इस प्रावधान को निरस्त करने के पक्ष में बहुमत सिंहल आबादी हमेशा ही एक मजबूत लॉबी रही है ।
- **अलगाववाद को प्रोत्साहित करने के रूप में देखा गया** : भारतीय संविधान में अनुच्छेद 370 के अनुसार, 13 वें संशोधन को तमिल अलगाववाद और अलगाववाद को प्रोत्साहित करने के रूप में देखा जाता है। यह संविधान का एकमात्र प्रावधान है जो श्रीलंका के तमिल राष्ट्रीय प्रश्न की दिशा में एक हल्का संकेत है।
- **पुनरुत्थानवादी बहुसंख्यकवाद**: 13वें संशोधन को समाप्त करने की मांग हर अब और फिर, विशेष रूप से अब जैसे समय में, एक उभरते सिंहल बौद्ध राष्ट्रवाद की आती है।

20 वें संशोधन के संबंध में चुनौतियां क्या हैं ?

- **प्रांतीय परिषदों को समाप्त करने का डर:** प्रांतीय परिषदों और स्थानीय सरकार के मंत्री 13 वें संशोधन के निरसन और प्रांतीय परिषदों के उन्मूलन के लिए एक प्रबल प्रचारक हैं।

- **महिंदा राजपक्षे की ईमानदारी संदेह में है: महिंदा राजपक्षे** ने राजनीतिक शक्ति साझा करने के लिए तमिल मांगों के लिए 13+ समाधान की विस्तार से बात की थी लेकिन उनकी ईमानदारी संदेह में थी।

निष्कर्ष

जबकि कार्यकारी राष्ट्रपति पद का उन्मूलन अधिक यथार्थवादी नहीं प्रतीत होता है, यह प्रतिगामी होगा यदि प्रांतों के साथ अधिक शक्ति साझा करने का विचार पूरी तरह से छोड़ दिया जाता है।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- नेपाल के साथ कालापानी मुद्दा
- भारत की पड़ोसी पहले की नीति

NAM और भारत का संरेखण

संदर्भ: चीन के साथ मौजूदा गतिरोध के मद्देनजर, भारत की विदेश नीति में इसके अवरोधों को दूर करने और संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए एक निर्णायक बदलाव करने के लिए, चीन का मुकाबला करने के लिए एकमात्र व्यवहार्य विकल्प के रूप में आह्वान किया गया है।

ऐसी आह्वान के लिए सरकार की क्या प्रतिक्रिया रही है?

- सरकार अपने दृष्टिकोण में अधिक सूक्ष्म रही है।
- विदेश मंत्री ने स्पष्ट किया कि गुटनिरपेक्षता की अस्वीकृति का मतलब संरेखण के लिए जल्दबाजी नहीं है: भारत एक गठबंधन तंत्र में शामिल नहीं होगा।

गुटनिरपेक्ष विदेश नीति क्या थी?

- गुटनिरपेक्षता शीत युद्ध के दौरान एक नीति थी, जो दो राजनीतिक-सैन्य पाखंडों के बीच नीति की एक स्वायत्तता (समानता नहीं) को बनाए रखने के लिए थी।
- गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM) ने इस स्वायत्तता की रक्षा के लिए नव-स्वतंत्र विकासशील राष्ट्रों को एक मंच प्रदान किया।
- यह कई महाद्वीपों से एक अलग समूह था, जिसमें एक या दूसरे ब्लॉक पर निकटता और निर्भरता की बदलती डिग्री थी।
- NAM के प्रमुख अभियान गैर-उपनिवेशवाद, सार्वभौमिक परमाणु निरस्त्रीकरण और रंगभेद के खिलाफ थे।

1991 में NAM की प्रासंगिकता में गिरावट कैसे आई?

- शीत युद्ध के अंत में ब्लॉक (USSR) में से एक को भंग कर दिया गया था।
- तब तक गैर-उपनिवेशवाद काफी हद तक पूरा हो चुका था, दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद का शासन खत्म हो रहा था और सार्वभौमिक परमाणु निरस्त्रीकरण का अभियान कहीं नहीं चल रहा था।

- **शीत युद्ध के चंगुल से मुक्त** , NAM देश पूर्व-पश्चिम विभाजन के दौरान रिश्तों के अपने नेटवर्क में विविधता लाने में सक्षम थे। गुटनिरपेक्षता ने अपनी प्रासंगिकता खो दी, और NAM ने अपने मूल *कारण होना की* ।

क्या भारत ने गुटनिरपेक्ष नीति को पूरी तरह से त्याग दिया है?

- अब कुछ वर्षों के लिए, गुटनिरपेक्षता को हमारे नीति निर्माताओं द्वारा भारत की विदेश नीति के सिद्धांत के रूप में पेश नहीं किया गया है
- हालाँकि, भारत ने अभी तक हमारी विदेश नीति के लिए एक हस्ताक्षरकर्ता के रूप में एक सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत उत्तराधिकारी नहीं पाया है।
- लगातार सूत्रीकरण को गढ़ा गया और खारिज किया गया।
    - **रणनीतिक स्वायत्तता** वह थी, जिसने जल्द ही अमेरिका विरोधी रंगत के साथ गुटनिरपेक्षता के समान एक धारणा बना ली।
    - **बहु-संरेखण** को सार्वभौमिक पक्ष नहीं मिला है, क्योंकि यह अवसरवाद की धारणा को व्यक्त कर सकता है, जबकि हम रणनीतिक अभिसरण की तलाश कर रहे हैं।
    - **मुद्दा आधारित साझेदारी** या गठबंधन **की तलाश** एक विवरण है जो अटका नहीं है।
- **"समृद्धि और प्रभाव को आगे** बढ़ाना" एक वर्णन है डॉ॰ जयशंकर (विदेश मंत्री), उन आकांक्षाओं का वर्णन करने के लिए जो अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी का हमारा नेटवर्क आगे बढ़ाने के लिए चाहते हैं।

क्या चीन के उदय ने गठबंधन की अवधारणा को पुनर्जीवित कर दिया है?

- तथ्य यह है कि 'गठबंधन' गैर-संरेखण के रूप में एक शीत युद्ध की अवधारणा है।
- शीत युद्ध के दौरान, एक गठबंधन के देशों को एक साथ रखने वाली शक्ति (अलग अलग मात्रा में) वैचारिक अभिसरण और अस्तित्वपरक सैन्य खतरा था
- USSR और वारसॉ संधि के विघटन के साथ, यह शक्ति भंग हो गई और गठबंधन सहयोगियों के अंतरराष्ट्रीय विकल्प विशाल हो गए, जैसे कि NAM देशों के विकल्प ।
- परिणामस्वरूप, आज के समय में राष्ट्रों के सामरिक हित अब पूरी तरह से नहीं हैं। यह अमेरिका और यूरोप (NATO) के बीच की हालिया पारियों में स्पष्ट है।
- एशिया-प्रशांत में गठजोड़ एक बड़ी निश्चित दुविधा का सामना करता है। आज गठबंधन सहयोगियों के लिए खतरा एक मुखर होते चीन से है, जो कि वे एक रणनीतिक विरोधी के रूप में परिभाषित करने के लिए अनिच्छुक हैं, क्योंकि इसके साथ उनकी आर्थिक भागीदारी और विशाल सैन्य विषमता है।
- तात्कालिक अवधि में, भारतीय और अमेरिकी दृष्टिकोण भारत के महाद्वीपीय पड़ोस (जैसे अफगानिस्तान और मध्य एशिया) में कम अभिसरण हैं

निष्कर्ष

- पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिवशंकरमन ने आज के विश्व व्यवस्था को सैन्य रूप से एकध्रुवीय, आर्थिक रूप से बहुध्रुवीय और राजनीतिक रूप से भ्रमित बताया है।
- COVID-19 अर्थशास्त्र को तोड़ सकती है और भ्रम को और गहरा कर सकती है।
- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में दो साल का कार्यकाल शुरू होने पर भारत अगले साल एक बड़ा वैश्विक प्रोफ़ाइल हासिल करेगा। अपनी द्विपक्षीय साझेदारियों (जैसे अमेरिका, रूस, ईरान) में जो रणनीतिक विकल्प बनाता है, उस पर कड़ी नजर रखी जाएगी।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- शीत युद्ध
- अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध

तुर्की- पूर्वी भूमध्य सागर में रूस के सैन्य अभ्यास की घोषणा

GS प्रीलिम्स और GS - II- अंतर्राष्ट्रीय संबंध **का हिस्सा:**

समाचार में

हाल ही में तुर्की ने घोषणा की है कि रूस पूर्वी भूमध्य सागर में लाइव फायर नौसैनिक अभ्यास आयोजित करेगा ।

- पहले से ही क्षेत्र में ऊर्जा संसाधनों की खोज के अधिकारों को लेकर तुर्की और उसके तटीय पड़ोसियों ग्रीस और साइप्रस के बीच तनाव बढ़ गया है।

मुख्य बिन्दु

- तुर्की और रूस भी सीरिया में अपनी सैन्य उपस्थिति पर बारीकी से समन्वय करेंगे।
- तुर्की ने रूस की उन्नत S-400 मिसाइलें भी खरीदी हैं और अपने दक्षिणी तट पर रूसी निर्मित परमाणु ऊर्जा संयंत्र के साथ जाने के लिए सहमत हो गया है।

क्या आप जानते है?

- रूसी अभ्यास 8-22 सितंबर और 17-25 सितंबर के दौरान होगा।
- तुर्की भूकंपीय अनुसंधान पोत पहले से ही भूमध्यसागरीय क्षेत्र में काम कर रहे हैं।
- हाल ही में, अमेरिका ने कहा था कि वह आंशिक रूप से जातीय रूप से विभाजित साइप्रस के खिलाफ 33 साल पुराने हथियार प्रतिबंध हटा रहा था ।

G -20 के विदेश मंत्रियों की बैठक हुई

GS प्रीलिम्स और GS- II- वैश्विक समूह; अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में, सऊदी अरब ने G-20 के विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी की।
- **केंद्रण:** कोविड -19 महामारी के बीच सीमा पार हलछल ।

मुख्य बिन्दु

- विदेशी मंत्रियों ने कोविड -19 महामारी के लिए सुरक्षात्मक उपायों के प्रकाश में अर्थव्यवस्था को पनपने देने के लिए सीमाओं को खोलने, और उपायों को बढ़ावा देने के महत्व को स्वीकार किया।
- भारत ने वंदे भारत मिशन सहित भारत द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में G-20 विदेश मंत्रियों को अपडेट किया और भारत में फंसे विदेशी नागरिकों के साथ-साथ विदेशों में अपने नागरिकों के कल्याण और सुरक्षा के लिए यात्रा की व्यवस्था करना ।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

G -20

- यह 19 देशों और यूरोपीय संघ का एक अनौपचारिक समूह है।
- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक के प्रतिनिधि भी G -20 का हिस्सा हैं।
- यह दुनिया की आबादी का लगभग 2/3 है, वैश्विक GDP का 85%, वैश्विक निवेश का 80% और वैश्विक व्यापार का 75% से अधिक का प्रतिनिधित्व करता है।

क्या आप जानते है?

- इसका कोई स्थायी सचिवालय या मुख्यालय नहीं है।
- वर्तमान में, सऊदी अरब के पास G-20 की अध्यक्षता है।
- यह G-20 अध्यक्षता पर कब्जा करने वाला पहला अरब राष्ट्र है।

शंघाई सहयोग संगठन (SCO) | यूरेशियन शक्ति का एक विरोधी -गठबंधन

संदर्भ: SCO के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए विदेश मंत्री (EAM) एस॰ जयशंकर की रूस की यात्रा, जिसके दौरान भारत और चीन हाल के महीनों में भारत-चीन सीमा पर भड़क रहे तनाव को कम करने के लिए सहमत हुए।

SCO की स्थापना क्या थी और इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि क्या है?

- **शंघाई 5 पर निर्मित:** रूस, चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान (किर्गिज़ गणराज्य) और ताजिकिस्तान को लोकप्रिय रूप से शंघाई 5 के नाम से जाना जाता है, जो 1996 में सोवियत काल के बाद क्षेत्रीय सुरक्षा, सीमा सैनिकों की कमी और आतंकवाद पर काम करने के लिए एक साथ आया था। ।
- **सीमा संबंधी विवादों को हल करने में प्रारंभिक सफलता:** शंघाई 5 की 1996 की बैठक के परिणामस्वरूप चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान और ताजिकिस्तान के बीच सीमा क्षेत्र में विश्वास-निर्माण पर एक समझौता हुआ, जिसके कारण समझौता

हुआ। यह था 1997 में अपनी आम सीमाओं पर सैन्य बलों की आपसी कमी।

- **उज्बेकिस्तान का समावेश:** इसके बाद, शंघाई 5 ने किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के बीच सीमा के मुद्दों और फर्गाना घाटी परिक्षेत्रों के बीच के समाधानों में मदद की।
- **संस्थागतकरण** : इसके बाद SCO नामक एक स्थायी अंतर सरकारी संगठन की स्थापना जून 2001 में हुई। यह यूरेशियन राजनीतिक, आर्थिक और चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान का राजनीतिक गठबंधन है।
- **विस्तार** : 2017 में भारत और पाकिस्तान को शामिल करने के लिए इसकी सदस्यता का विस्तार किया गया था।
- **पर्यवेक्षक राज्य** : SCO के चार पर्यवेक्षक राज्य भी हैं - अफगानिस्तान, ईरान, बेलारूस और मंगोलिया - जिन्हें बाद में शामिल किया जा सकता है।

SCO की संगठनात्मक संरचना क्या है?

- संगठन के दो स्थायी निकाय हैं - बीजिंग स्थित SCO सचिवालय और ताशकंद में स्थित क्षेत्रीय आतंकवाद रोधी संरचना (RATS) की कार्यकारी समिति।
- SCO महासचिव और SCO RATS की कार्यकारी समिति के निदेशक को तीन साल की अवधि के लिए राज्य के प्रमुखों की परिषद द्वारा नियुक्त किया जाता है।
- हालांकि, SCO परिषद की बैठकों का स्थान आठ सदस्यों के बीच चलता है।

पश्चिमी देश SCO **को कैसे देखता है?**

- SCO अपने मुख्य लक्ष्यों में से एक लोकतांत्रिक, निष्पक्ष और तर्कसंगत नए अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था की स्थापना की ओर अग्रसर है।
- 2005 में, **अस्ताना घोषणा** ने SCO देशों को "संयुक्त SCO प्रतिक्रिया पर उन स्थितियों पर काम करने के लिए कहा, जो इस क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता को खतरे में डालती हैं", समूह की रणनीतिक महत्वाकांक्षाओं को दर्शाता है।
- परिणामस्वरूप, अमेरिका और यूरोप द्वारा SCO को कुछ गलतफहमियों के साथ देखा गया। यह भी सैन्य सहयोग का प्रस्ताव करने के लिए **"NATO विरोधी** " करार दिया गया था ।
- क्रीमिया में अपने कार्यों के लिए रूस के खिलाफ भारी प्रतिबंध लगाए जाने पर पश्चिमी देशों और नाटो की चिंता बढ़ गई थी, लेकिन चीन रूस की सहायता के लिए

आया, 30 साल के लिए, 400 बिलियन डॉलर के गैस पाइपलाइन फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर किए।

SCO में भारत के साथ शामिल होने वाले विरोधाभास क्या हैं?

- **QUAD के साथ गठबंधन नहीं** : SCO में शामिल होने वाले भारत को विदेश नीति के कदम के रूप में देखा गया है, क्योंकि यह ऐसे समय में आया है जब भारत सरकार पश्चिमी देशों में अधिक उत्सुक दिख रही है, और विशेष रूप से अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ समुद्री 'चतुर्भुज' (**QUAD**) में ।
- **पाकिस्तान के मुद्दे पर:** 2014 के बाद से, भारत और पाकिस्तान ने एक-दूसरे के साथ सभी संबंधों, वार्ता और व्यापार में कमी की है, और भारत ने पाकिस्तान के साथ तनाव के कारण सार्क सम्मेलन में भाग लेने से इनकार कर दिया है, लेकिन उनके दोनों नेताओं ने लगातार SCO की सभी बैठकों में भाग लिया है।
- **आतंकवाद के मुद्दे पर:** इस तथ्य के बावजूद कि भारत ने पाकिस्तान पर हर दूसरे बहुपक्षीय मंच पर सीमा पार आतंकवाद को जड़ से खत्म करने का आरोप लगाया, SCO में, भारतीय और पाकिस्तानी सशस्त्र बल यहां तक कि सैन्य और आतंकवाद विरोधी अभ्यास में एक साथ हिस्सा लेते हैं।

द्विपक्षीय तनाव से SCO **कैसे निपटता है?**

- SCO चार्टर किसी भी द्विपक्षीय विवाद को उठाने की अनुमति नहीं देता है, लेकिन यह सांझा धरातल खोजने के लिए और अंततः देशों के बीच संवाद की स्थिति पैदा करने के लिए एक आरामदायक मंच प्रदान करता है।
- 2009 में, भारत और पाकिस्तान ने अस्ताना में SCO शिखर सम्मेलन के दौरान मुंबई हमलों के बाद पहली वार्ता की, जहां तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और पूर्व पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने मुलाकात की और बातचीत के माध्यम से तनाव को हल करने की कोशिश की ।
- 2015 में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने उफा में SCO शिखर सम्मेलन में तत्कालीन पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से मुलाकात की, उन्होने एक संयुक्त बयान भी जारी किया।
- 2020 में, SCO की मेजबानी रूस करेगा, LAC पर गतिरोध पर चर्चा करने के लिए भारत और चीन के बीच बैठकों को सुगम किया और सुविधाजनक बनाया

निष्कर्ष

- SCO एक महाद्वीपीय गठबंधन बनाने का प्रयास करता है, जिसके संस्थापक उम्मीद करते हैं, एक दिन ऐसा हो सकता है यह कुछ अन्य गठबंधन जो इसके पश्चिम और दक्षिण में मौजूद हैं, उनके समान शक्तिशाली होगी ।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- SAARC और BIMSTEC का भविष्य
- दुनिया में बढ़ते ध्रुवीकरण के समय में भारत की गुटनिरपेक्ष नीति

चीन द्वारा हाइब्रिड डाटा की जंग

GS प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध और GS- III - साइबर स्पेस **का हिस्सा:**

समाचार में

- चीनी कंपनी झेंहुआ डाटा इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड विदेशी लक्ष्यों के अपने वैश्विक डाटाबेस में 10,000 से अधिक भारतीय व्यक्तियों और संगठनों की निगरानी कर रही है ।

मुख्य बिन्दु

- झेंहुआ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरण का उपयोग करके इसके लक्ष्य के डिजिटल पद चिह्नों की निगरानी करता है, एक सूचना पुस्तकालय का निर्माण करता है।
- पुस्तकालय में समाचार स्रोतों, मंचों, कागजात, पेटेंट, बोली दस्तावेजों और भर्ती के पदों से संबंधित सामग्री शामिल है
- **लक्ष्य:** राजनीति, सरकार, न्यायपालिका, कला और खेल, व्यवसाय, प्रौद्योगिकी, मीडिया और नागरिक समाज में व्यक्ति और संस्थान।
- कंपनी अपने ग्राहकों के बीच चीनी सरकार, बुद्धिजीवी वर्ग और सेना की गिनती करती है। हालांकि, चीन सरकार ने इससे इनकार किया है।
- **खतरा:** हाइब्रिड युद्ध के लिए चीन की रणनीतिक और खुफिया सेवाओं के लिए इस जानकारी का उपयोग किया जा सकता है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

हाइब्रिड युद्ध

- यह गैर-सैन्य साधनों का उपयोग करने के लिए प्रभुत्व या क्षति, अवक्षेप या प्रभाव को प्राप्त करने के लिए करता है।
- इन उपकरणों में सूचना प्रदूषण, धारणा प्रबंधन और प्रचार शामिल हैं।
- हाइब्रिड युद्ध का उपयोग 2006 के इज़राइल-लेबनान युद्ध में हिज़्बुल्लाह समूह द्वारा किया गया था।
- इसका इस्तेमाल रूस ने 2014 में क्रीमिया के विलय में यूक्रेन के खिलाफ भी किया था

अब्राहम समझौते: "एक नए मध्य पूर्व की नई सुबह"?

अब्राहम समझौता:

- हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मध्यस्थता के तहत **UAE, बहरीन और इज़राइल** द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं ।
- यह सुन्नी शासित खाड़ी राज्यों और यहूदी राज्य के बीच संबंधों की एक नई शुरुआत है।
- समझौते के तहत, संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन इजरायल के साथ संबंधों को सामान्य करेगा, जिससे बेहतर आर्थिक, राजनीतिक और सुरक्षा जुड़ाव होगा।
- समझौतों में सऊदी अरब का समर्थन है, यकीनन सबसे प्रभावशाली अरब शक्ति और संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन का करीबी सहयोगी। अन्य अरब देशों के इस प्रस्ताव का पालन करने की उम्मीद है।
- 1994 के जॉर्डन-इजरायल शांति संधि के बाद से इजरायल और अरब देशों के बीच यह पहला समझौता है ।

चिंताएं:

हालांकि ऐतिहासिक और भू-राजनीतिक महत्व के कारण, यह कहना जल्दबाजी होगी कि क्या पश्चिम एशिया के असंख्य संघर्षों पर आरोपों का कोई सार्थक प्रभाव पड़ेगा या नहीं।

- **फिलिस्तीनी सवाल काफी हद तक उदासीन बना हुआ है** : अरब देशों ने इजरायल के साथ राजनयिक समझौते पर हस्ताक्षर किए द्विपक्षीय रूप से, राष्ट्रवाद के लिए फिलिस्तीनी आंदोलन के लिए अरब का सामूहिक समर्थन, जो 2002 के अरब शांति पहल का आधार रहा है, ढह रहा है।

- **शिया-सुन्नी संघर्ष:**
  अमेरिका के साथ इजरायल, UAE और बहरीन का एक संघ ईरान को शामिल करने के लिए एक कदम हो सकता है।
  इस सौदे के साथ, इज़राइल ने खाड़ी के सुन्नी अरब राजतंत्रों के साथ हाथ मिलाया है। दूसरी ओर ईरान में शियाओं का वर्चस्व है।
  दशकों से, पश्चिम एशिया में अस्थिरता के मुख्य स्रोतों में से एक सऊदी अरब (सुन्नी) और ईरान (शिया) के बीच शीत युद्ध रहा है। यह समझौता दरार को व्यापक और अधिक हिंसक बना सकता है।

भारतीय संदर्भ:

भारत को इस अवसर का उपयोग किसी ऐसे क्षेत्र में खुद को बड़ी भूमिका देने के लिए करना चाहिए जो उसके रणनीतिक बेकयार्ड है ।

- UAE के साथ रक्षा और सुरक्षा संबंधों में सुधार। इज़राइल पहले से ही बहुत करीबी रक्षा साझेदार है। भारत को संयुक्त अरब अमीरात और यहां तक कि सऊदी अरब के साथ संयुक्त अभ्यास फिर से शुरू करना चाहिए।
- भारत यह सुनिश्चित कर सकता है कि क्षेत्रीय सुरक्षा ढांचे पर भविष्य का कोई भी सौदा ईरान को पर्याप्त स्थान दे।
- यह सौदा भारत के लिए खाड़ी में क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता में बहुत बड़ी भूमिका निभाने के नए अवसरों को खोलता है, जहां नई दिल्ली अबू धाबी और यरुशलम दोनों के साथ विशेष संबंध रखती है।

निष्कर्ष:

जैसा कि उन्होंने दावा किया है कि क्षेत्र में शांति लाने के लिए, हस्ताक्षरकर्ताओं और अमेरिका को **अधिक संरचनात्मक मुद्दों** को **शामिल** करना चाहिए , जिसमें फिलिस्तीन के अनसुलझे प्रश्न शामिल हैं।

बिंदुओं को जोड़ने पर:

अब्राहम समझौते के हस्ताक्षरकर्ता कौन हैं। क्या इसका पश्चिम एशिया के असंख्य संघर्षों पर कोई सार्थक प्रभाव पड़ेगा? टिप्पणी कीजिये !

भारत जिबूती आचार संहिता / जेद्दा संशोधन (DCOC / JA) में शामिल हुआ है

GS प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध **का हिस्सा:**

समाचार में

- भारत एक पर्यवेक्षक के रूप में जिबूती आचार संहिता / जेद्दा संशोधन, DCOC / JA में शामिल हो गया है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

जिबूती आचार संहिता / जेद्दा संशोधन

- DCOC / JA समुद्री मामलों पर एक समूह है, जिसमें लाल सागर, अदन की खाड़ी, अफ्रीका के पूर्वी तट और हिंद महासागर क्षेत्र में द्वीप देशों से सटे 18 सदस्य देश शामिल हैं।
- DCOC की स्थापना जनवरी 2009 में हुई थी।
- **उद्देश्य:** पश्चिमी हिंद महासागर क्षेत्र, अदन की खाड़ी और लाल सागर में जहाजों के खिलाफ चोरी और सशस्त्र डकैती का दमन।
- DCOC / JA के लिए जापान, नॉर्वे, UK और US भी पर्यवेक्षक हैं।

भारत- प्रशांत त्रिपक्षीय वार्ता आयोजित

GS प्रीलिम्स और GS - II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में, भारत, ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस ने पहली बार एक त्रिपक्षीय ढांचे के तहत बातचीत की।
- तीनों पक्षों ने वार्षिक आधार पर बातचीत आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की है।

मुख्य बिन्दु

- **फोकस** : भारत-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग बढ़ाना ।
- भारत के पास दोनों देशों के साथ लॉजिस्टिक्स समझौते भी हैं जो वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति के लिए आसान पहुँच प्रदान करते हैं।
- त्रिपक्षीय सहयोग भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन के आक्रामक व्यवहार को लेने में मदद करेगा। जैसे दक्षिण चीन सागर में।
- यह QUAD का संयोजन है जिसमे संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत को शामिल है ।
- तीनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग बढ़ाने की संभावना।
- समुद्री वैश्विक कॉमन्स पर भी सहयोग होगा। इसमें नीली अर्थव्यवस्था, समुद्री जैव विविधता और समुद्री प्रदूषण जैसी पर्यावरणीय चुनौतियाँ शामिल हैं।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

भारत- प्रशांत क्षेत्र का महत्व

- यह प्राकृतिक संसाधनों (मत्स्य पालन, तेल और गैस) के साथ-साथ खनिज संसाधनों के मामले में बहुत समृद्ध क्षेत्र है।
- चीन, जापान, कोरिया या संयुक्त राज्य अमेरिका के पश्चिमी तट जैसी कुछ प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं का व्यापार इस क्षेत्र से होकर जाता है।
- भारत का लगभग 50% व्यापार दक्षिण चीन सागर के माध्यम से होता है।
- भारत इस क्षेत्र के प्रमुख खिलाड़ियों में से एक रहा है।
- भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, आसियान, जापान, कोरिया और वियतनाम के साथ कई नौसैनिक अभ्यास करता है।
- भारत सहित अंतर्राष्ट्रीय समुदाय नेविगेशन की स्वतंत्रता, क्षेत्र में उड़ानों की स्वतंत्रता चाहता है।

मध्यस्थता पर सिंगापुर सम्मेलन

GS प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में, मध्यस्थता से अंतरराष्ट्रीय निपटान समझौते पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन लागू हुआ है
- इसे मध्यस्थता पर सिंगापुर सम्मेलन के नाम से भी जाना जाता है।
- यह सिंगापुर के नाम पर होने वाली पहली संयुक्त राष्ट्र संधि है।

मुख्य बिन्दु

- सम्मेलन भारत और अन्य हस्ताक्षरकर्ताओं में व्यवसायों को शामिल करने वाले कॉर्पोरेट विवादों की मध्यस्थतापूर्ण समझौतों को लागू करने का एक अधिक प्रभावी तरीका प्रदान करेगा।

- भारत ने जुलाई 2019 में सम्मेलन पर हस्ताक्षर करने को मंजूरी दी।
- सम्मेलन में 53 हस्ताक्षर हैं जिसमें चीन और USA भी शामिल हैं।

महत्व

- यह व्यापार विवादों को हल करने के वैकल्पिक और प्रभावी तरीके के रूप में मध्यस्थता को बढ़ावा देगा।
- पार्टियों द्वारा किए गए निपटान को बाध्यकारी और लागू करने योग्य होगा
- सीमाओं के बीच मध्यस्थता समझौता, उन देशों की अदालतों पर सीधे लागू करके किया जा सकता है जिन्होंने संधि पर हस्ताक्षर किए हैं और पुष्टि की है।
- यह समय और कानूनी लागतों को बचाएगा।
- भारत और दुनिया भर के व्यवसायों में अब मध्यस्थता के माध्यम से सीमा पार विवादों को सुलझाने में अधिक निश्चितता होगी।
- यह कॉरपोरेट विवादों की त्वरित मध्यस्थतापूर्ण समझौतों को सक्षम करके भारत की 'व्यापार करने में आसानी' को बढ़ावा देगा।
- यह विदेशी निवेशकों को वैकल्पिक विवाद समाधान (ADR) पर अंतर्राष्ट्रीय अभ्यास का पालन करने की भारत की प्रतिबद्धता के बारे में एक सकारात्मक संकेत भी प्रदान करेगा।

रक्षा और सुरक्षा संबंधों पर USA-मालदीव फ्रेमवर्क पर हस्ताक्षर किए

GS प्रीलिम्स और GS - II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में, संयुक्त राज्य अमेरिका और मालदीव के बीच रक्षा और सुरक्षा संबंधों पर एक रूपरेखा पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

मुख्य बिन्दु

- इस कदम को USA के बढ़ते संरेखण और हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) और इंडो-पैसिफिक में भारतीय हितों के अनुरूप देखा जाता है।
- **उद्देश्य:** हिंद महासागर में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के समर्थन में सहभागिता और सहयोग को गहरा करना।
- दोनों देश इस क्षेत्र में सभी राष्ट्रों की सुरक्षा और समृद्धि को बढ़ावा देने वाले **भारत-प्रशांत क्षेत्र** के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराने के लिए सहमत हुए।

- इस फ्रेमवर्क में समुद्री डोमेन जागरूकता, प्राकृतिक आपदाओं और मानवीय राहत अभियानों जैसे क्षेत्रों में वरिष्ठ स्तर के संवाद, व्यस्तताएं आदि द्विपक्षीय गतिविधियों की एक श्रृंखला की रूपरेखा तैयार की गई है ।

अंतरा -अफगान वार्ता

परिचय:

- अफगानिस्तान सरकार और अफगान नागरिक समाज के प्रतिनिधियों के साथ तालिबान को आमने-सामने लाने वाली अंतरा-अफगान वार्ता आखिरकार दोहा में शुरू हो गई है।
- वार्ता अमेरिकी तालिबान और अमेरिकी अफगानिस्तान समझौतों का एक महत्वपूर्ण परिणाम है।
- अंतरा-अफगान वार्ता की शुरुआत अफगानिस्तान सुलह के लिए अमेरिका के विशेष प्रतिनिधि, राजदूत जलमई खलीलजाद और तालिबान के उप नेता के बीच फरवरी में हस्ताक्षरित अमेरिका-तालिबान शांति समझौते में एक महत्वपूर्ण तत्व था ।

महत्वपूर्ण कार्य:

- वार्ताकारों के लिए पहला काम एक स्थायी युद्ध विराम की घोषणा करना है, और अफगानिस्तान में हिंसा को रोकना है, जिसने 2020 के पहले छमाही में 1,300 अन्य नागरिक जीवन का दावा किया है।
- यह तय करने के लिए कि अफगानिस्तान का भविष्य कैसा होगा।
- यह तय करने के लिए कि क्या वे विद्रोहियों को मुख्यधारा में लाने के दौरान संविधान और राजनीतिक प्रक्रियाओं को बनाए रख सकते हैं।
- अन्य प्रमुख तत्व- युद्ध विराम की घोषणा करके हिंसा का अंत और अल कायदा जैसे आतंकवादी संगठनों के साथ तालिबान के संबंधों को काटने पर भी चर्चा करने की आवश्यकता है।

विकसित होता भारतीय पक्ष:

- भारत का रुख हमेशा यह रहा है कि शांति प्रक्रिया "अफगान नेतृत्व, अफगान स्वामित्व और अफगान नियंत्रित" होनी चाहिए।
- भारतीय नीति अपने पुराने पक्षों से तालिबान के दृष्टिकोण से विकसित हुई है।

- विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दोहा में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन समारोह में भाग लिया। एक भारतीय अधिकारी द्वारा एक सभा में यह पहला संबोधन था जिसमें तालिबान भी शामिल है (कि भारत अभी भी इसे एक आतंकवादी समूह मानता है)।
- भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि भारत को उम्मीद है कि अफगानिस्तान में शांति लोकतंत्र, शासन की संस्थाओं और अल्पसंख्यकों और महिलाओं के अधिकारों सहित अफगानिस्तान द्वारा किए गए लाभ की कीमत पर नहीं आनी चाहिए ।

निष्कर्ष:

- एक संप्रभु, एकजुट, स्थिर, मिश्रित और लोकतांत्रिक अफगानिस्तान का भारत का दृष्टिकोण एक ऐसा है जिसे अफगानिस्तान के एक बड़े निर्वाचन क्षेत्र द्वारा साझा किया जाता है ।
- एक अधिक सक्रिय जुड़ाव भारत को इस क्षेत्र में समान विचारधारा वाली ताकतों के साथ काम करने में सक्षम बनाएगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि अमेरिका द्वारा वापस लिए गए वैक्यूम से पिछले दो दशकों के दौरान लाभ प्राप्त न हो।

बिंदुओं को जोड़ने पर:

- "अफगान नेतृत्व, अफगान स्वामित्व और अफगान नियंत्रित" शांति प्रक्रिया के लिए भारत का रुख विकसित हो रहा है। टिप्पणी कीजिये।

सीमा शुल्क (व्यापार समझौतों के तहत उत्पत्ति के नियमों का प्रशासन) नियम, 2020 (CAROTAR, 2020) लागू होगा

GS प्रीलिम्स और GS- II - नीतियां और हस्तक्षेप; अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध **का हिस्सा**

समाचार में

- सीमा शुल्क (व्यापार समझौतों के तहत मूल के नियमों का प्रशासन) नियम, 2020 (CAROTAR, 2020), 21 सितंबर 2020 से लागू होगा।
- यह पर 21 अगस्त 2020 को अधिसूचित किया गया था ।
- नए नियम आयातक के मूल देश का सही पता लगाने, रियायती शुल्क का दावा करने और सीमा शुल्क अधिकारियों को FTAs के तहत वैध आयात की सुगम निकासी में सहायता करने का दावा करेंगे।

मुख्य बिन्दु

- आयातकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि आयातित सामान मुक्त व्यापार समझौतों (FTAs) के तहत सीमा शुल्क की रियायती दर का लाभ उठाने के लिए निर्धारित 'मूल नियमों' को पूरा करते हैं।
- आयातकों को यह साबित करना होगा कि आयातित उत्पादों के मूल देशों में कम से कम 35% मूल्यवर्धन हुआ है।
- इससे पहले, निर्यात देश में एक अधिसूचित एजेंसी द्वारा जारी केवल मूल प्रमाण पत्र का एक देश, FTAs के लाभों का लाभ उठाने के लिए पर्याप्त था।
- सीमा शुल्क अधिकारियों को संदेह है कि चीन आसियान राष्ट्रों के माध्यम से भारत को अपनी आपूर्ति की अनुमति देता है ताकि मूल नियमों का दुरुपयोग किया जा सके ताकि वह अवैध रूप से शुल्क मुक्त बाजार का लाभ उठा सके।

क्या आप जानते है?

- भारत में प्रमुख आयात पांच आसियान देशों - इंडोनेशिया, मलेशिया, थाईलैंड, सिंगापुर और वियतनाम से आते हैं।
- घरेलू उद्योग को FTAs के दुरुपयोग से बचाया जाएगा।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- ASEAN के साथ मुक्त व्यापार समझौते (FTA) का मतलब है कि इन देशों से आने वाले सामान हमारी सीमाओं पर शून्य या उससे कम सीमा शुल्क / आयात शुल्क का सामना करेंगे।
- दस्तावेज़ का नाम जो दर्शाता है कि किस विशेष देश से माल आ रहा है, उसे " उदगम प्रमाण पत्र" कहा जाता है।
- " उदगम का नियम" के माध्यम से देश को उत्पत्ति / मूल देश माना जाएगा। वे देश से देश और FTA से FTA के बीच भिन्न होते हैं।

उत्पत्ति के नियमों से संबंधित तीन मामले:

- **ASEAN में पूरी तरह से उत्पादित / निर्मित माल** : " उदगम प्रमाण पत्र " में उल्लेख किया जाएगा कि सामान की उत्पत्ति ASEAN से हुई है और उन्हें अधिमान्य / शून्य शुल्क मिलेगा।
- **चीन से खरीदे गए इनपुट, मूल्यवर्धन आसियान में हुआ और उसके बाद सामान भारत में पहुंच रहा है** : माल को आसियान से उत्पन्न माना जाएगा, यदि चीन में मूल्यवर्धन 60% से कम है।
- **आसियान में कुछ मूल्यवर्धन हुआ, फिर चीन द्वारा खरीदे गए सामान / इनपुट और फिर भारत में प्रवेश** : इसे हमेशा चीन से उत्पन्न होने वाले सामान के रूप में माना जाएगा और उन्हें ASEAN FTA के तहत लाभ नहीं मिलेगा।

संयुक्त राष्ट्र और नई बहुपक्षीयता

संदर्भ: संयुक्त राष्ट्र के लिए सितंबर माह उत्सव का क्षण होना चाहिए - इसकी स्थापना की 75 वीं वर्षगांठ। कोरोनावायरस ने द्वितीय विश्व युद्ध के खंडहरों के बीच स्थापित संयुक्त राष्ट्र प्रणाली की संरचनात्मक कमजोरी को उजागर किया है

महामारी के मद्देनजर संयुक्त राष्ट्र की आलोचना

- संयुक्त राष्ट्र एक सदी के वैश्विक संकट के प्रभावी रूप से जवाब देने में असमर्थ रहा है जो कोरोनोवायरस द्वारा ट्रिगर किया गया है।
- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में, चीन ने संकट की उत्पत्ति और स्रोतों पर एक गंभीर चर्चा को अवरुद्ध कर दिया।
- जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने उस दिशा में थोड़ा कदम बढ़ाया, लेकिन अमेरिका परिणाम से संतुष्ट नहीं था और मंच से बाहर चला गया।

पिछले कुछ वर्षों में अंतर्राष्ट्रीय राजनीति ने संयुक्त राष्ट्र के कामकाज को कैसे प्रभावित किया है?

- **संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के मूल में यथार्थवाद** :संयुक्त राष्ट्र, डिजाइन से मतलब था, महान शक्तियों का एक सहवादन कार्यक्रम है जो सुरक्षा परिषद में एक स्थाई सीट थी । महान शक्तियों के बीच सहयोग सुरक्षा के क्षेत्र में इसकी सफलता के लिए पूर्व शर्त थी
- **शीत युद्ध के दौरान** , वाशिंगटन और मॉस्को एक दूसरे से रुष्ट थे और UNSC में गतिरोध था।
- **1990 के दशक के संक्षिप्त एकध्रुवीय आंदोलन के दौरान** , सोवियत सोवियत रूस वैश्विक सुरक्षा के लिए व्यापक अमेरिकी एजेंडे को स्वीकार करने के लिए तैयार था। चीन बहुपक्षीय संस्थानों के आसपास अपना मार्ग महसूस कर रहा था और अमेरिका और पश्चिमी देशों को किसी भी चुनौती से बचा रहा था।
- **2000 के दशक में** , रूस और चीन ने अमेरिकी प्रभुत्व के प्रतिरोध की पेशकश करना शुरू किया।
- **वर्तमान स्थिति राजनीतिक विखंडन की है:** एक तरफ अमेरिका और दूसरी ओर चीन और रूस के बीच संघर्ष पूर्ण रूप से विकसित हो गया है। मामलों को और अधिक जटिल बनाने के लिए, पश्चिम स्वयं विभाजित है

आने वाले दिनों में संयुक्त राष्ट्र में भारत की संभावनाएं क्या हैं?

- **निराशावादी सोच:** अगले जनवरी 2021 से शुरू होने वाले UNSC में भारत के दो साल के कार्यकाल के लिए मौजूदा राजनीतिक विखंडन खराब है।
- **आशावादी सोच** : यह संयुक्त राष्ट्र में भारत के पारंपरिक दृष्टिकोण के पुनर्गठन का एक अवसर है।
- **सक्रियतावादी सोच** : भारत की बहुपक्षीय स्थिति को बढ़ाने की बहुत बड़ी संभावनाएं हैं।

संयुक्त राष्ट्र के संबंध में भारत को भविष्य में क्या कदम उठाने चाहिए?

- **वास्तविकता को समझना:** भारत को निकट भविष्य में UNSC के विस्तार के भ्रम को दूर करना चाहिए। इस वास्तविकता को स्वीकार करना चाहिए कि जल्द ही UNSC सुधार होने की संभावना नहीं है
- **बहुपक्षीय एजेंडा विकसित करना:** भारत को UNSC के बावजूद अपने स्वयं के बहुपक्षीय एजेंडे को विकसित करना चाहिए, जैसा कि उसने अतीत में किया था (शीत युद्ध के समय में विघटन, निरस्त्रीकरण और नए अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक आदेश)

- **बहुपक्षवाद के उद्देश्य को समझना:** भारत के वर्तमान बहुपक्षवाद का प्राथमिक उद्देश्य आक्रामक चीन और पाकिस्तान के मद्देनजर अपनी क्षेत्रीय अखंडता सुनिश्चित करना होगा।
- **नियम बनाने में सक्रिय भूमिका निभाना:** आर्थिक, तकनीकी और पर्यावरणीय क्षेत्रों को नियंत्रित करने वाले नियम अब एक महत्वपूर्ण बदलाव के लिए तैयार हैं और भारत को एजेंडा निर्धारित करने में मदद करनी चाहिए।
- **संयुक्त राष्ट्र के बजट में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाना**: भारत सरकार सस्ते में अपने अंतरराष्ट्रीय प्रभाव का विस्तार करने की उम्मीद नहीं कर सकती है। संयुक्त राष्ट्र के बजट में भारत की हिस्सेदारी 0.7 प्रतिशत है। चीन, जापान और अमेरिका के शेयर क्रमशः 8, 10 और 22 प्रतिशत पर हैं। भारत सरकार के योगदान को कम से कम एक प्रतिशत तक बढ़ाकर अपने सहयोगियों को समझा सकता है कि भारत एक अधिक जोरदार बहुपक्षवाद को आगे बढ़ाने के लिए गंभीर है।

निष्कर्ष

- नए नियमों को लिखने और वैश्विक व्यवस्था को फिर से आकार देने में, भारत को एक अधिक गतिशील गठबंधन निर्माण के लिए अपनी हाल की बारी को मजबूत करने की आवश्यकता है।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- अमेरिका WHO से निकल गया
- WHO और इसकी फंडिंग

FinCEN और FIU-IND

GS प्रीलिम्स और GS - II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध और GS - III - मनी लॉन्ड्रिंग **का हिस्सा** :

समाचार में

- हाल ही में, संयुक्त राज्य अमेरिका के राजकोष के वित्तीय अपराध प्रवर्तन नेटवर्क (FinCEN) विभाग के साथ बैंकों द्वारा 2100 से अधिक संदिग्ध गतिविधि रिपोर्ट (SARs) दायर की गई थीं ।
- FinCEN फाइलें बैंकों और वित्तीय संस्थानों के अनुपालन अधिकारियों द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग या अन्य आपराधिक गतिविधि के संभावित सबूत के रूप में चिह्नित किए गए 1999 और 2017 के बीच लेनदेन में कम से कम USD 2 ट्रिलियन की पहचान करेगी ।

- अलग-अलग मामलों में भारतीय एजेंसियों द्वारा जांच की जा रही व्यक्तियों और कंपनियों को FinCEN को दिए गए SAR का हिस्सा है।
- जैसे, 2 जी घोटाले, अगस्ता-वेस्टलैंड घोटाले, आदि मामलों में नामित भारतीय संस्थाओं के लेनदेन सभी मामलों को फिनकेन के साथ सूचीबद्ध किया गया है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

FinCEN

- इसकी स्थापना 1990 में की गई थी।
- यह मनी लॉन्ड्रिंग के खिलाफ लड़ाई में अग्रणी वैश्विक नियामक के रूप में कार्य करता है ।
- यह घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय धन शोधन, आतंकवादी वित्तपोषण, और अन्य वित्तीय अपराधों से निपटने के लिए वित्तीय लेनदेन के बारे में जानकारी एकत्र करता है और उसका विश्लेषण करता है।

संदेहास्पद गतिविधि रिपोर्ट

- SAR संयुक्त राज्य अमेरिका FinCEN को संदिग्ध गतिविधि की रिपोर्ट करने के लिए बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा दायर एक दस्तावेज है ।
- इनका उपयोग अपराध का पता लगाने के लिए किया जाता है लेकिन कानूनी मामलों को साबित करने के लिए प्रत्यक्ष सबूत के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है

क्या आप जानते है?

- **मनी लॉन्ड्रिंग:** अवैध रूप से प्राप्त आय की पहचान को छिपाने या छिपाने के लिए ताकि वे वैध स्रोतों से उत्पन्न हुए प्रतीत हों। यह अक्सर ड्रग्स तस्करी, डकैती या जबरन वसूली जैसे अपराधों का एक घटक है।
- वित्तीय खुफिया इकाई-भारत (FIU-IND) संयुक्त राज्य अमेरिका में FinCEN के रूप में ही कार्य करता है। वित्त मंत्रालय के तहत, यह 2004 में संदिग्ध वित्तीय लेनदेन से संबंधित जानकारी प्राप्त करने, विश्लेषण और प्रसार के लिए नोडल एजेंसी के रूप में स्थापित किया गया था ।

बारबाडोस द्वारा रानी एलिजाबेथ द्वितीय को अधिप के पद (सम्राट) से मुक्त कर दिया गया

GS प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध **का हिस्सा**

समाचार में

- महारानी एलिजाबेथ द्वितीय, जो ब्रिटेन में राज्य की प्रमुख हैं और 2021 में बारबाडोस द्वारा 15 अन्य राष्ट्रमंडल देशों को सम्राट के रूप में मुक्त कर दिया गया है।

मुख्य बिन्दु

- बारबाडोस का लक्ष्य ब्रिटेन से स्वतंत्रता की अपनी 55 वीं वर्षगांठ से पहले एक गणतंत्र बनने की प्रक्रिया को नवंबर 2021 में पूरा करना है।
- इसके साथ, यह ब्रिटिश राजपरिवार से संबंध विच्छेद करने और गणतंत्र बनने वाला लगभग तीन दशकों में पहला देश बन जाएगा।

क्या आप जानते है?

- बारबाडोस, एक पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश, ने 1966 में अपनी स्वतंत्रता प्राप्त की।
- हालांकि यह एक स्वतंत्र राज्य है, लेकिन महारानी एलिजाबेथ इसकी संवैधानिक प्रमुख बनी हुई थी।
- राष्ट्रमंडल राष्ट्र के सदस्य बने रहेगा।
- राष्ट्रों के राष्ट्रमंडल का 54-देश का समूह, जो पूर्व ब्रिटिश उपनिवेशों का प्रमुख है, जिसका नेतृत्व रानी के हाथों में है और इसमें भारत भी शामिल है।

भारत और मालदीव के बीच सीधी कार्गो नाव व्यवस्था का शुभारंभ

GS प्रीलिम्स और GS - II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध **का हिस्सा** :

समाचार में

- भारत और मालदीव के बीच प्रत्यक्ष कार्गो नाव व्यवस्था हाल ही में ई-लॉन्च की गई थी।
- **मंत्रालय:** भारतीय जहाजरानी मंत्रालय और मालदीव के परिवहन और नागरिक उड्डयन मंत्रालय
- शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया **द्वारा संचालित**

मुख्य बिन्दु

- अपनी पहली यात्रा के दौरान, 21 सितंबर, 2020 को तूतीकोरिन से कोच्चि के लिए एक जहाज, जहाँ से यह उत्तर मालदीव में कुलधुफुशी बंदरगाह और फिर माले बंदरगाह तक जाएगा।
- यह नाव व्यवस्था महीने में दो बार होगी ।
- यह भारत और मालदीव के बीच माल के परिवहन के लिए एक प्रभावी प्रभावी और वैकल्पिक साधन प्रदान करेगा।
- यह लोगों से लोगों के बीच संपर्क को बढ़ाएगा और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देगा।

सार्क और CICA बैठक आयोजित

GS प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध **का हिस्सा**

समाचार में

- हाल ही में, सार्क के विदेश मंत्रियों की बैठक और एशिया (CICA) में सहभागिता और विश्वास-निर्माण उपायों पर सम्मेलन एक आभासी तरीके से हुआ।

मुख्य बिन्दु

- भारत ने SAARC देशों को आतंकवाद के संकट को हराने के लिए सामूहिक रूप से हल करने के लिए कहा , जिसमें आतंक और संघर्ष के वातावरण का पोषण, समर्थन और प्रोत्साहित करना शामिल है।
- पाकिस्तान ने "लंबे समय से चले आ रहे विवादों" के समाधान पर एक विस्तृत बयान दिया।
- सभी सार्क देशों ने कोरोनोवायरस महामारी से निपटने में सहयोग करने की आवश्यकता पर एक साझा रुख बनाया ।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

एशिया में सहभागिता और विश्वास निर्माण उपायों पर सम्मेलन (CICA)

- यह एशिया में शांति, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने की दिशा में सहयोग बढ़ाने के लिए एक बहु-राष्ट्रीय मंच है ।
- CICA की पहली मंत्रिस्तरीय बैठक सितंबर, 1999 में हुई।
- इसमें एशिया से 27 सदस्य राष्ट्र शामिल हैं जिनमें अफगानिस्तान, बांग्लादेश, कंबोडिया, चीन, मिस्र, भारत आदि शामिल हैं।
- जापान, इंडोनेशिया, अमरीका आदि इसके कुछ पर्यवेक्षक राष्ट्र हैं।
- ताजिकिस्तान गणराज्य 2018-2020 की अवधि के लिए CICA अध्यक्ष है।

आर्मेनिया-अजरबैजान संघर्ष (मानचित्र-आधारित)

GS प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध **का हिस्सा** :

समाचार में

- हाल ही में, नागोर्नो-करबाख क्षेत्र पर अर्मेनिया और अजरबैजान के बीच क्षेत्रीय विवाद भारी संघर्ष के साथ फिर से शुरू हो गया है।

- आर्मेनिया और अज़रबैजान ट्रांसकेशिया या दक्षिण काकेशिया का हिस्सा हैं। यह पूर्वी यूरोप और पश्चिमी एशिया की सीमा पर जॉर्जिया, अर्मेनिया और अज़रबैजान के दक्षिणी काकेशस पर्वत के आसपास का एक भौगोलिक क्षेत्र है।
- काकेशस दक्षिण-पूर्व यूरोप में एक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पर्वतीय क्षेत्र है। सदियों से, इसाई और मुस्लिम दोनों क्षेत्रों की विभिन्न शक्तियों ने वहां नियंत्रण के लिए संघर्ष किया है।

क्या आप जानते है?

- नागोर्नो-करबाख क्षेत्र में जातीय अर्मेनियाई के रूप में 95% आबादी है और उनके द्वारा नियंत्रित किया जाता है, लेकिन इसे अंतर्राष्ट्रीय रूप से अजरबैजान के हिस्से के रूप में मान्यता प्राप्त है।

गिलगित-बाल्टिस्तान को पाकिस्तानी प्रांत बनाना (मानचित्र आधारित)

GS प्रीलिम्स और GS - II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध **का हिस्सा** :

समाचार में

- हाल ही में, पाकिस्तान ने गिलगित-बाल्टिस्तान को एक पूर्ण प्रांत के रूप में दर्जा देने का फैसला किया है।

- गिलगित-बाल्टिस्तान भारत के विवादित क्षेत्रों में से एक है।

मुख्य बिन्दु

- गिलगित-बाल्टिस्तान अब एक स्वायत्त क्षेत्र है और इसी साथ, यह पाकिस्तान का 5 वां प्रांत बन जाएगा।
- वर्तमान में, पाकिस्तान के चार प्रांत हैं - बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा, पंजाब और सिंध।
- इस आदेश से राष्ट्रीय सभा और सीनेट सहित सभी संवैधानिक निकायों पर प्रांत से पर्याप्त प्रतिनिधित्व प्राप्त होगा।
- सरकार चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (CPEC) के तहत मोकपोंडस विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) पर भी काम करना शुरू करेगी।
- भारत ने माना है कि पाकिस्तान सरकार या उसकी न्यायपालिका के पास अवैध रूप से और जबरन उसके कब्जे वाले क्षेत्रों पर कोई स्थानीय अधिकार नहीं है।

संयुक्त राष्ट्र और बहुपक्षवाद से पीछे हटना

संदर्भ: संयुक्त राष्ट्र ने 21 सितंबर, 2020 को अपनी 75 वीं वर्षगांठ मनाई।

संयुक्त राष्ट्र के लिए चुनौतियां हैं

1. पश्चिम से नेतृत्व की वापसी

- बहुपक्षवाद के लिए चुनौती, इसके गैर-सदस्यों से नही , बल्कि तंत्र के मुख्य हितधारकों से आ रही है।
- अमेरिका, जिसे आज हम जानते हैं कि अंतरराष्ट्रीय प्रणाली का निर्माण किया गया है, अब इसके "स्थान का गारंटर" बनने के लिए तैयार नहीं है।
- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने "अमेरिका फर्स्ट" पर बार-बार जोर दिया है और सुझाव दिया है कि दूसरों को भी अपने देशों को पहले रखना चाहिए।
- बहुपक्षवाद से हटने में अमेरिका अकेला नहीं है। ब्रेक्सिट ने दिखाया है कि यूरोप में राष्ट्रवाद मजबूत है

2. चीन अमेरिका द्वारा छोड़े गए स्थान पर कब्जा करने के लिए तैयार नहीं है

- विश्व मंच पर भूमिका की चीन की मुखरता बहुपक्षवाद के विचार का नहीं है।
- इसके प्रमुख बेल्ट और रोड इनिशिएटिव में बहुपक्षीय परामर्श या निरीक्षण के लिए बिना किसी मैकेनिज्म वाले देशों के साथ द्विपक्षीय क्रेडिट समझौतों की एक श्रृंखला शामिल है।

3. विश्व का बढ़ता ध्रुवीकरण

- राष्ट्रपति ट्रम्प ने अक्सर महामारी के प्रसार में चीन की दोषीता को उजागर किया है।
- उन्होंने कहा कि चीन ने आंतरिक उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया था लेकिन वुहान से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को जारी रखने की अनुमति दी। इसने COVID-19 के प्रसार को बढ़ावा दिया है।
- राष्ट्रपति शी ने COVID-19 के खिलाफ लड़ाई को अंतरराष्ट्रीय समुदाय की सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में पेश करने की मांग की।
- अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध ने दो देशों के बीच दुश्मनी को और बढ़ा दिया है और दुनिया को दो आर्थिक शिविरों में विभाजित करने की धमकी दी है

4. संयुक्त राष्ट्र के लिए संसाधन की कमी

- 40 से अधिक संयुक्त राष्ट्र के राजनीतिक मिशन और शांति अभियानों में 95,000 सैनिक, पुलिस और नागरिक कर्मी शामिल हैं। प्रभावी होने के लिए, उन्हें एक ध्वनि वित्तीय आधार पर रखा जाना चाहिए।
- संयुक्त राष्ट्र शांति बजट, $ 8 बिलियन से थोड़ा अधिक, 2019 में किए गए $ 1.9 ट्रिलियन सैन्य व्यय सरकारों का एक छोटा सा अंश है।

- वित्तीय वर्ष के अंत तक शांति गतिविधियों के लिए 1.7 अरब डॉलर का बकाया मूल्यांकन योगदान था

5. संयुक्त राष्ट्र के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के लिए संभावनाएं धूमिल लगती हैं

- संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसियों के अधिकांश मानवीय सहायता, विकासात्मक कार्य और बजट स्वैच्छिक योगदान पर आधारित हैं। इसलिए, सार्वजनिक-निजी भागीदारी बढ़ाने के लिए कॉल हैं
- UN, दुनिया के सुदूर हिस्सों में शांति और विकास के संदर्भ में 'सार्वजनिक सामान' प्रदान करता है और संयुक्त राष्ट्र की पहल को निधि देने के लिए निगमों की ओर से पर्याप्त भूख नहीं हो सकती है

6. SDGs और जलवायु लक्ष्यों को चेतावनी मिल रही है

- COVID-19 महामारी ने 1930 के दशक के बाद से दुनिया में जो सबसे गहरी मंदी देखी है, वह सबके सामने आई है
- इससे संयुक्त राष्ट्र ने अपनाए गए सतत विकास लक्ष्यों (**SDGs**) को हासिल करना और कठिन हो गया है।

आगे का मार्ग

- बहुपक्षीयता से पीछे हटने से संयुक्त राष्ट्र की विभिन्न चुनौतियों का सामना करने की क्षमता कमजोर हो जाएगी।
- हमें न केवल सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों की श्रेणी का विस्तार करने के लिए, बल्कि महासभा की भूमिका को भी पुनर्जीवित करने के लिए सुधार का समर्थन करने की आवश्यकता है, क्योंकि यह विकासशील देशों के लिए अधिक से अधिक राजनीतिक स्थान देता है।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- SAARC का महत्व - कारण और परिणाम

आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत गिरफ्तारी

GS प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध और GS- III - सुरक्षा **का हिस्सा** :

समाचार में

- हाल ही में, दिल्ली पुलिस ने आधिकारिक गुप्तचर अधिनियम (OSA), 1923 के तहत एक सामरिक मामलों के विश्लेषक को चीनी खुफिया अधिकारियों को सीमा पर भारतीय सैनिकों की तैनाती जैसी सूचना पारित करने के लिए गिरफ्तार किया है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम (OSA)

- OSA मोटे तौर पर दो पहलुओं के साथ सौदों-जासूसी या गुप्तचरी और सरकार की गुप्त जानकारी का खुलासा किया है
- हालाँकि, OSA गुप्त जानकारी को परिभाषित नहीं करता है।
- आम तौर पर गुप्त जानकारी में कोई आधिकारिक कोड, पासवर्ड, स्केच, योजना, मॉडल, लेख, नोट, दस्तावेज़ या जानकारी शामिल होती है।
- दोषी होने पर, एक व्यक्ति को 14 साल तक का कारावास, जुर्माना या दोनों हो सकता है। सूचना को संप्रेषित करने वाले व्यक्ति और सूचना प्राप्त करने वाले व्यक्ति को OSA के तहत दंडित किया जा सकता है।

भारत-श्रीलंका आभासी द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन हुआ

GS प्रीलिम्स और GS - II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध **का हिस्सा** :

समाचार में

- हाल ही में, भारतीय प्रधान मंत्री और श्रीलंकाई PM ने पहली बार भारत-श्रीलंका आभासी द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन आयोजित किया।

मुख्य बिन्दु

- श्रीलंका को 15 मिलियन डॉलर की अनुदान सहायता प्रदान की जाएगी।
- अनुदान बौद्ध धर्म के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच लोगों से लोगों के बीच संबंधों को गहरा करने में सहायता करेगा।
- वे इस बात पर सहमत हुए कि भारतीय पक्ष श्रीलंका के पहले तीर्थयात्री कुशीनगर जाने वाले बौद्ध तीर्थयात्रियों के एक प्रतिनिधिमंडल की यात्रा की सुविधा प्रदान करेगा।
- दोनों पक्ष आयुर्वेद और योग के क्षेत्रों में अवसरों का पता लगाने के लिए भी सहमत हुए।

- भारत और श्रीलंका ने 2020 तक शुरू होने वाली पांच साल की अवधि के लिए उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजनाओं पर समझौता ज्ञापन का विस्तार करने के लिए एक समझ हासिल की है।
- दोनों नेताओं ने सफल भारतीय आवास परियोजना को जारी रखने पर सहमति व्यक्त की और संबंधित अधिकारियों को बागान क्षेत्र में 10,000 घरों के निर्माण को तेजी से ट्रैक करने के निर्देश दिए।
- श्रीलंका के संविधान में 13 वें संशोधन के कार्यान्वयन पर भी जोर दिया गया क्योंकि शांति और सामंजस्य की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने और समानता के लिए तमिलों की अपेक्षाओं को साकार करने के लिए यह आवश्यक है।

क्या आप जानते है?

- कुशीनगर हवाई अड्डे को हाल ही में एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में नामित किया गया था जो एक बौद्ध स्थल के रूप में जाना जाता है।

मेडिकन्स (भूमध्यसागरीय तूफान) की आवृत्ति में वृद्धि

GS प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध **का हिस्सा** :

समाचार में

- हाल ही में, वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि भूमध्य सागर में अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय तूफान, जिसे ' **मेडिकन्स** ' या ' भूमध्यसागरीय तूफान ' के नाम से जाना जाता है, मानव प्रेरित जलवायु परिवर्तन के कारण अधिक बार हो सकता है ।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

मेडिकन्स

- भूमध्य सागर के ऊपर बने उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की तरह होते हैं।
- आसपास की शुष्क जलवायु और समुद्र के अपेक्षाकृत उथले पानी के साथ, उष्णकटिबंधीय जैसे चक्रवात की घटना अक्सर होती है।
- वे आम तौर पर गिरावट या सर्दियों के महीनों में बनते हैं और वर्ष में एक या दो बार होते हैं।
- 18 सितंबर, 2020 को, लानोस नामक एक दवा ने ग्रीस के तट के साथ भूस्खलन किया और ग्रीस और आसपास के द्वीपों में भारी वर्षा और बाढ़ का कारण बना।

विश्व बैंक का मानव पूंजी सूचकांक 2020

GS प्रीलिम्स और GS- III - मानव संसाधन **का हिस्सा** :

समाचार में

- हाल ही में, विश्व बैंक ने 2020 के लिए मानव पूंजी सूचकांक (HCI) रिपोर्ट जारी की।
- भारत को HCI 2020 में 116 वाँ स्थान दिया गया है।
- पिछले साल भारत 157 देशों में से 115 वें स्थान पर था।
- भारत का स्कोर 2018 में 2020 में बढ़कर 0.49 हो गया।

मुख्य बिन्दु

- **HCI में प्रयुक्त पैरामीटर** : मार्च 2020 तक 174 देशों के बच्चों का स्वास्थ्य और शिक्षा डेटा।
- यह दुनिया की 98% आबादी को शामिल करता है।
- महामारी ने मानव पूंजी के निर्माण में दशक की प्रगति, स्वास्थ्य, जीवित रहने की दर, स्कूल नामांकन में सुधार सहित, और कम वृद्धि जैसे जोखिम उत्पन्न किये है
- 1 बिलियन से अधिक बच्चे स्कूल से बाहर हो गए हैं और वे औसतन, स्कूली शिक्षा का आधा वर्ष व्यर्थ कर चुके है।
- इसने महिलाओं और बच्चों के लिए आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण व्यवधान पैदा किया है, जिससे कई बच्चे महत्वपूर्ण टीकाकरण से वंचित रह गए हैं।
- इसने आय असमानता में वृद्धि की है, इसका आर्थिक प्रभाव विशेष रूप से महिलाओं और सबसे वंचित परिवारों के लिए, खाद्य असुरक्षा और गरीबी की चपेट में आने के कई कारणों से गहरा रहा है।

भारत और दुनिया

मुंबई शहरी परिवहन परियोजना -3 के लिए AIIB ऋण

GS-प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध; वैश्विक समूहन **का हिस्सा** :

समाचार में :

- हाल ही में मुंबई शहरी परिवहन परियोजना-III (MUTP-III) के लिए 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर के लिए एक ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।
- **हस्ताक्षरकर्ता:** केंद्र सरकार, महाराष्ट्र सरकार, मुंबई रेलवे विकास निगम और एशियन अवसरंचना इन्वेस्टमेंट बैंक (AIIB)

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

मुंबई शहरी परिवहन परियोजना- III (MUTP-III)

- यह मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (MMRDA) द्वारा पर्यवेक्षण और कार्यान्वित परियोजना है।
- **उद्देश्य:** मुंबई की उपनगरीय रेलवे प्रणाली की नेटवर्क क्षमता, सेवा की गुणवत्ता और सुरक्षा को बढ़ाना।
- **पूरा होने की समय सीमा:** 2022
- **प्रमुख उद्देश्य** : (1) MMR में यातायात और परिवहन की स्थिति में सुधार करना (2) संस्थागत विकास और मजबूती।
- क्षेत्र में नेटवर्क क्षमता बढ़ेगी।
- गतिशीलता बढ़ेगी।
- यात्रियों का समय और घातक दुर्घटनाओं में कमी आएगी।
- कार्बन उत्सर्जन कम हो जाएगा क्योंकि यात्री उच्च कार्बन सड़क परिवहन से दूर हो जाएंगे।

क्या आप जानते है?

द एशियन अवसरंचना इन्वेस्टमेंट बैंक

- यह एक बहुपक्षीय विकास बैंक है जिसका उद्देश्य एशिया में आर्थिक और सामाजिक परिणामों में सुधार करना है।

- वर्तमान में बैंक में 103 सदस्य हैं और साथ ही दुनिया भर के 21 संभावित सदस्य हैं
- भारत अवसंरचना परियोजनाओं के लिए AIIB वित्तपोषण का सबसे बड़ा लाभार्थी है। भारत में कुछ प्रमुख AIIB-अनुमोदित परियोजनाएं है:
    a. बैंगलोर मेट्रो रेल परियोजना (USD 335 मिलियन)।
    b. गुजरात ग्रामीण सड़कें (MMGSY) परियोजना (329 मिलियन अमरीकी डालर)।
    c. भारत अवसरंचना फंड।
    d. आंध्र प्रदेश 24 × 7 - सभी परियोजना के लिए बिजली।
    e. भारत के लिए कोविड -19 समर्थन के लिए USD 750 मिलियन।

---

17 वीं भारत-वियतनाम बैठक हुई

GS-प्रीलिम्स और GS - II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध **का हिस्सा** :

समाचार में :

- हाल ही में, व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग पर भारत-वियतनाम संयुक्त आयोग की 17 वीं बैठक हुई।
- भारत-वियतनाम व्यापक रणनीतिक साझेदारी (2016 के बाद से) में हाल के घटनाक्रमों की समीक्षा की गई।

मुखय बिन्दु

- दोनों देश भारत के भारत-प्रशांत महासागरीय पहल (IPOI) के अनुरूप अपने द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने पर सहमत हुए।
- दोनों पक्ष संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) और ASEAN जैसे बहुपक्षीय और क्षेत्रीय मंचों पर निकट समन्वय के लिए सहमत हुए ।
- वे उभरते हुए क्षेत्रों जैसे नागरिक परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष, समुद्री विज्ञान और नई प्रौद्योगिकियों में निकट सहयोग का पता लगाने के लिए सहमत हुए।
- भारत ने भारत की नई आर्थिक क्षमताओं और मांगों का लाभ उठाने के लिए वियतनाम को भी आमंत्रित किया

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

भारत-प्रशांत महासागरीय पहल (IPOI)

- पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (2019) में भारतीय प्रधान मंत्री **द्वारा लॉन्च किया गया** ।
- **फोकस:** समुद्री सुरक्षा, समुद्री पारिस्थितिकी, समुद्री संसाधन, आपदा जोखिम में कमी और प्रबंधन, समुद्री परिवहन, आदि।

क्या आप जानते है?

- 2021 में भारत और वियतनाम दोनों UNSC के गैर-स्थायी सदस्यों के रूप में कार्य करेंगे।

वैश्विक नवाचार सूचकांक 2020 जारी किया गया है

GS प्रीलिम्स और GS- III- नवाचार **का हिस्सा:**

समाचार में

- वैश्विक नवाचार सूचकांक (GII) 2020 हाल ही में जारी किया गया था।
- विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (WIPO) **द्वारा जारी**

मुख्य बिन्दु

- **भारत का रैंक** : 48 वाँ

- भारत 4 स्थान ऊपर चल गया है।
- इसके साथ, भारत वैश्विक नवाचार सूचकांक में पहली बार शीर्ष 50 देशों में स्थान पर रहा।
- **विश्व की सबसे नवीन अर्थव्यवस्थाएँ** : (1) स्विट्जरलैंड, (2) स्वीडन, (3) USA , (4) UK और (5) नीदरलैंड
- भारत ICT सेवाओं के निर्यात, सरकारी ऑनलाइन सेवाओं, विज्ञान और इंजीनियरिंग में स्नातक और R & D गहन वैश्विक कंपनियों जैसे संकेतकों में शीर्ष 15 में आता है।
- IT दिल्ली और बॉम्बे, IIS बेंगलुरु और अन्य शीर्ष वैज्ञानिक प्रकाशन जैसे विश्वविद्यालयों के कारण भारत सबसे कम नवाचार वाली मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्था है।

क्या आप जानते है?

- भारत 2019 में 52 वें स्थान पर था और वर्ष 2015 में 81 वें स्थान पर था।
- WIPO ने भारत को मध्य और दक्षिणी एशियाई क्षेत्र में 2019 के अग्रणी नवाचार प्राप्तकर्ताओं में से एक के रूप में भी स्वीकार किया था।
- GII का 2020 संस्करण 131 अर्थव्यवस्थाओं की वार्षिक नवाचार रैंकिंग प्रस्तुत करता है।
    - इसके 80 संकेतक नवाचार की एक व्यापक दृष्टि का पता लगाते हैं, जिसमें राजनीतिक वातावरण, शिक्षा, अवसरंचना और व्यावसायिक परिष्कार शामिल हैं।
    - **GII, 2020 का विषय** - वित्त नवाचार कौन करेगा?

भारत-बांग्लादेश अंतर्देशीय जलमार्ग

GS प्रीलिम्स और GS- II- अंतर्राष्ट्रीय संबंध **का हिस्सा:**

समाचार में

- बांग्लादेश के दाउदकंडी से त्रिपुरा के सोनामुरा तक एक नए नदी मार्ग पर पूर्व परीक्षण हाल ही में शुरू हुआ
- गोमती नदी द्वारा 93 km की दूरी तय की जाएगी।
- यह मार्ग पहली बार अंतर्देशीय जलमार्ग का उपयोग करते हुए त्रिपुरा को बांग्लादेश से जोड़ेगा।
- यह बांग्लादेश और भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के बीच संपर्क को बहुत बढ़ाएगा, जिससे बांग्लादेश के साथ द्विपक्षीय व्यापार बढ़ेगा।

- नए मार्ग का उद्घाटन मई 2020 में अंतर्देशीय जल व्यापार और पारगमन (PIWTT) के लिए प्रोटोकॉल के लिए 2 परिशिष्ट पर हस्ताक्षर करने के बाद हुआ जिसने दो नए मार्ग खोले।

क्या आप जानते है?

- दोनों देशों को अंतर्देशीय जलमार्ग के माध्यम से जोड़ने के लिए 1972 में भारत और बांग्लादेश के बीच PIWTT पर हस्ताक्षर किए गए थे।

आठवीं पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन आर्थिक मंत्रियों की बैठक

GS प्रीलिम्स और GS- II- वैश्विक समूहन; अंतर्राष्ट्रीय संबंध और GS- III - व्यापार **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में, 8 वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के आर्थिक मंत्रियों की बैठक (EAS-EMM) वस्तुतः आयोजित की गई थी।
- 10 आसियान के सदस्यों और भारत, अमरीका, और चीन सहित आठ अन्य देशों **द्वारा भाग लिया** ।

मुख्य बिन्दु

- कोविड -19 महामारी के समय में उन्हें लचीला बनाने और आर्थिक विकास को बढ़ाने के लिए क्षेत्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने के महत्व पर प्रकाश डाला गया।
- कोविड -19 के प्रभाव को दूर करने के लिए लगाए गए किसी भी व्यापार-प्रतिबंधक आपातकालीन उपायों को विश्व व्यापार संगठन के नियमों के अनुरूप होना चाहिए।
- उन्हें व्यापार में अनावश्यक बाधाएँ नहीं बनानी चाहिए।
- विश्व व्यापार संगठन में आवश्यक सुधारों के लिए समर्थन पर भी चर्चा की गई।
- सीमाओं के पार लोगों के आवश्यक गतिविधि की सुविधा।
- आपूर्ति श्रृंखला संपर्क और आवश्यक वस्तुओं को शामिल करने की सुविधा के लिए प्रतिबद्धता।
- प्रतिबंधित आंदोलन द्वारा उत्पन्न चुनौतियों को दूर करने के लिए डिजिटल अर्थव्यवस्था के अवसरों का उपयोग ।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

<u>पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन</u>

- इसकी स्थापना 2005 में हुई थी।
- यह भारत-प्रशांत क्षेत्र के सामने प्रमुख राजनीतिक, सुरक्षा और आर्थिक चुनौतियों पर रणनीतिक संवाद और सहयोग के लिए 18 क्षेत्रीय नेताओं का एक मंच है।
- भारत पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के संस्थापक सदस्यों में से एक है।
- **सदस्यता** : आसियान के सदस्य और 8 अन्य देश अर्थात् ऑस्ट्रेलिया, चीन, जापान, भारत, न्यूज़ीलैंड, दक्षिण कोरिया, रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका।
- यह एक ASEAN- केंद्रित मंच है इसलिए इसे केवल एक ASEAN सदस्य द्वारा अध्यक्षता की जा सकती है।
- **आसियान के सदस्य:** ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम।

आसियान-भारत आर्थिक मंत्रियों के परामर्श

GS प्रीलिम्स और GS- II- अंतर्राष्ट्रीय संबंध; वैश्विक समूहन **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में, 17 वें आसियान-भारत आर्थिक मंत्रियों के परामर्श को वस्तुतः भारत और वियतनाम द्वारा सह-अध्यक्षता में आयोजित किया गया था।

मुख्य बिन्दु

- बैठक में सभी 10 आसियान (दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संघ) देशों के व्यापार मंत्रियों ने भाग लिया।
- मंत्रियों ने कोविड -19 महामारी के आर्थिक प्रभाव को कम करने के लिए सामूहिक कार्रवाई करने की अपनी प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की।
- उन्होंने व्यापक आर्थिक और वित्तीय स्थिरता और लचीला आपूर्ति श्रृंखला कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने का भी संकल्प लिया।
- आसियान इंडिया बिजनेस काउंसिल (AIBC) की रिपोर्ट जारी की गई ।
- यह भी सिफारिश की गई थी कि पारस्परिक लाभ के लिए आसियान भारत व्यापार माल समझौते (AITIGA) की समीक्षा की जाए।
- आसियान भारत व्यापार माल समझौते (AITIGA) की समीक्षा पर चर्चा हुई।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- आसियान इंडिया बिजनेस काउंसिल (**AIBC**) की स्थापना मार्च 2003 में भारत और आसियान देशों के प्रमुख निजी क्षेत्र के निवेशकों को एक मंच पर व्यापार नेटवर्किंग और विचारों को साझा करने के लिए एक मंच के रूप में की गई थी।
- **AITIGA** एक मुक्त व्यापार समझौता (FTA) आसियान देशों और भारत के बीच जो जनवरी, 2010 में अस्तित्व में आया है।
- **आसियान देश** : ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम।

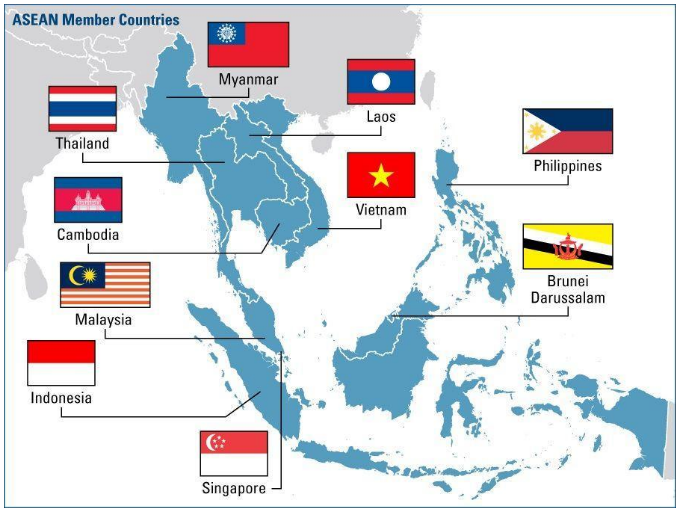

आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन पहल का प्रस्ताव

GS प्रीलिम्स और GS- III- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन **का हिस्सा:**

समाचार में

- चीन और अमरीका के बीच कोविड -19 और व्यापार तनाव आपूर्ति श्रृंखलाओं को खतरा है।
- इस प्रकार, जापान ने आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन पहल (**SCRI**) को व्यापार के लिए एक त्रिपक्षीय दृष्टिकोण के रूप में प्रस्तुत किया है, जिसमें भारत और ऑस्ट्रेलिया प्रमुख भागीदार के रूप में हैं।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन पहल (SCRI)

- पहल का उद्देश्य अकेले देश (वर्तमान चीन में) पर निर्भरता को कम करना है।
- SCRI व्यक्तिगत कंपनियों और चीनी राजनीतिक व्यवहार और आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान के बारे में चिंतित अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक सीधी प्रतिक्रिया है।
- पहल बाद में अन्य एशियाई और प्रशांत निकटवर्ती देशों को भी संभावित रूप से देखती है।

उद्देश्य :

- भारत-प्रशांत को "आर्थिक महाशक्ति" में बदलने के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित करना।
- भागीदार देशों के बीच पारस्परिक रूप से पूरक संबंध बनाने के लिए।
- अस्तित्व की आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क पर निर्माण की योजना बनाने के लिए।

इंटरनेशनल कमीशन ऑफ़ ज्यूरिस्ट्स (ICJ) भारत में आपराधिक अवमानना कानूनों की समीक्षा का आग्रह करता है

GS प्रीलिम्स और GS - II- अंतर्राष्ट्रीय संबंध; महत्वपूर्ण संगठन; न्यायतंत्र **का हिस्सा:**

समाचार में

अंतर्राष्ट्रीय न्यायिक आयोग (ICJ) ने भारत में आपराधिक अवमानना कानूनों की समीक्षा के लिए आग्रह किया है,

इसने अधिवक्ता प्रशांतभूषण को आपराधिक अवमानना का दोषी ठहराने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर अपनी चिंता व्यक्त की है।

मुख्य बिन्दु

- ICJ के लिए, सजा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और वकीलों की भूमिका पर अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ असंगत प्रतीत होती है।
- यह मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा में मुक्त भाषण और अभिव्यक्ति की सामान्य सुरक्षा के खिलाफ जाता है।
- यह नागरिक और राजनीतिक अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय वाचा द्वारा गारंटीकृत अभिव्यक्ति कानून की स्वतंत्रता के साथ भी असंगत है।
- यह वकीलों की भूमिका पर संयुक्त राष्ट्र के बुनियादी सिद्धांतों के तहत निहित सिद्धांतों के खिलाफ जाता है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

अदालत की अवमानना

- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 129 और 215, SC और उच्च न्यायालयों को क्रमशः लोगों को उनके संबंधित अवमानना के लिए दंडित करने का अधिकार देता है।
- **अनुच्छेद 142:** यह SC को उसकी अवमानना के लिए दंडित करने का अधिकार देता है।
- हालाँकि, अदालत द्वारा प्रति अवमानना को भारतीय संविधान द्वारा परिभाषित नहीं किया गया है।
- न्यायालय की अवमानना अधिनियम, 1971, अदालत की अवमानना की अवधारणा से संबंधित है।
- अधिनियम अवमानना को सिविल और आपराधिक अवमानना में विभाजित करता है।

क्या आप जानते है?

- SC ने हाल ही में प्रशांत भूषण को उनके दो ट्वीट के बारे में विचार करने के लिए अदालत में 'घोटाले करने' का दोषी पाया था । प्रशांत भूषण पर 1 रुपए का जुर्माना लगाया गया ।

पहला विश्व सौर प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन

GS प्रीलिम्स और GS- III- ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोत **का हिस्सा:**

समाचार में

पहला विश्व सौर प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन (WSTS) 8 सितंबर, 2020 को अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

- भारतीय वाणिज्य और उद्योग महासंघ (FICCI) **द्वारा आयोजित**।

- FICCI नवाचार पर ISA वैश्विक नेतृत्व कार्य बल का संयोजक भी है।

मुख्य बिन्दु

- 149 देशों के 26000 से अधिक प्रतिभागियों ने आभासी समिट में शामिल होने के लिए पंजीकरण किया है।
- इससे सस्ती और टिकाऊ स्वच्छ हरित ऊर्जा में तेजी लाने के लिए सुर्खियों में आने की उम्मीद है।
- तीन समझौतों की घोषणा की जाएगी: (1) ISA और अंतर्राष्ट्रीय प्रशीतन संस्थान, (2) ISA और वैश्विक हरित विकास संस्थान और (3) ISA और राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम लिमिटेड
- भारत के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते को भी निर्धारित किया गया है।
- ISA की प्रौद्योगिकी पत्रिका, सौर कम्पास 360 को भी शिखर सम्मेलन के दौरान लॉन्च किया जाएगा।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA)

- संयुक्त राष्ट्र के जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (COP -21) के 21 वें सत्र में पेरिस, फ्रांस में भारतीय प्रधान मंत्री और पूर्व फ्रांसीसी राष्ट्रपति द्वारा आईएसए के प्रक्षेपण की घोषणा 30 नवंबर 2015 को की गई थी।
- **मुख्यालय:** गुरुग्राम, भारत
- **उद्देश्य:** प्रौद्योगिकी और वित्त की लागत को कम करना और इस तरह सौर ऊर्जा की 1,000 GW से अधिक निर्माण की सुविधा और सदस्य देशों में 2030 तक 1,000 अरब डॉलर से अधिक सौर ऊर्जा में एकत्र करना ।
- इसकी कल्पना अपनी विशेष ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए सौर संसाधन संपन्न देशों के गठबंधन के रूप में की गई थी (जो या तो पूरी तरह से या आंशिक रूप से कर्क रेखा और मकर रेखा के बीच हैं) ।
- ISA फ्रेमवर्क समझौते पर 67 देशों ने हस्ताक्षर किए और पुष्टि की।
    - ISA की सभा सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था है जिसमें प्रत्येक सदस्य देश के प्रतिनिधि शामिल होते हैं।

- यह सार्वभौमिक ऊर्जा पहुंच लक्ष्य (SDG 7) को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

ADB ने दिल्ली-मेरठ RRTS कॉरिडोर के लिए $ 500 मिलियन ऋण पर हस्ताक्षर किए

GS प्रीलिम्स और GS- II- अंतर्राष्ट्रीय संबंध; वैश्विक समूहन **का हिस्सा:**

समाचार में

- एशियाई विकास बैंक (ADB) और भारत सरकार ने आधुनिक, उच्च गति वाले 82 किलोमीटर दिल्ली-मेरठ क्षेत्रीय रैपिड पारवहन प्रणाली (RRTS) गलियारे के निर्माण के लिए $ 500 मिलियन ऋण पर हस्ताक्षर किए।
- यह कुल 1 अरब डॉलर की सुविधा की पहली खेप है।

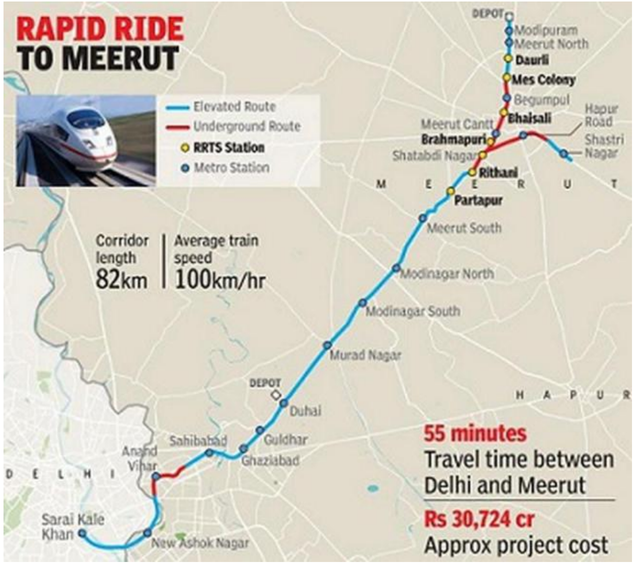

मुख्य बिन्दु

- यह भारत के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और गतिशीलता में सुधार करेगा।
- पहला किश्त ऋण दिल्ली से सटे राज्यों में अन्य शहरों को जोड़ने के लिए NCR क्षेत्रीय योजना 2021 के तहत योजनाबद्ध तीन प्राथमिकता वाले रेल गलियारों में से पहली के निर्माण का समर्थन करेगा।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

एशियाई विकास बैंक (ADB)

- यह 19 दिसंबर 1966 को स्थापित एक क्षेत्रीय विकास बैंक है, जिसका मुख्यालय **मनीला, फिलीपींस में है** ।
- ADB का उद्देश्य एशिया में सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।
- बैंक संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग एशिया और प्रशांत (UNESCAP) और गैर-क्षेत्रीय विकसित देशों के सदस्यों को स्वीकार करता है।

क्या आप जानते है?

- ADB को विश्व बैंक पर बारीकी से तैयार किया गया था, और इसमें एक समान भारित मतदान प्रणाली है।
- इसकी स्थापना के समय 31 सदस्यों में से ADB के अब 68 सदस्य हैं।
- ADB एक आधिकारिक संयुक्त राष्ट्र पर्यवेक्षक है।
    - भारत 1966 में एशियाई विकास बैंक (ADB) का संस्थापक सदस्य था और अब वह बैंक का चौथा सबसे बड़ा शेयरधारक और शीर्ष उधारकर्ता है।
    - 31 दिसंबर 2019 तक, एडीबी के पांच सबसे बड़े शेयरधारक जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका (कुल शेयरों में से 15.6%), पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (6.4%), भारत (6.3%), और ऑस्ट्रेलिया (5.8%) हैं।

भारत-चीन रक्षा मंत्री की बैठक हुई

GS प्रीलिम्स और GS- II- वैश्विक समूहन; अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध **का हिस्सा**

समाचार में

- भारत-चीन रक्षा मंत्री स्तर की बैठक हाल ही में मास्को, रूस में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के रक्षा मंत्रियों की बैठक के मौके पर हुई।

मुख्य बिन्दु

- भारत ने SCO सदस्य देशों के शांतिपूर्ण, स्थिर और सुरक्षित क्षेत्र पर जोर दिया।
- भारत ने अफगानिस्तान में सुरक्षा स्थिति पर भी चिंता व्यक्त की
- भारत ने खाड़ी देशों से परस्पर सम्मान के आधार पर उनके बीच के मतभेदों को सुलझाने का आह्वान किया।
- भारत ने सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद की असमान रूप से निंदा की।

- इसने पारंपरिक और गैर-पारंपरिक दोनों खतरों से निपटने के लिए संस्थागत क्षमता का निर्माण करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

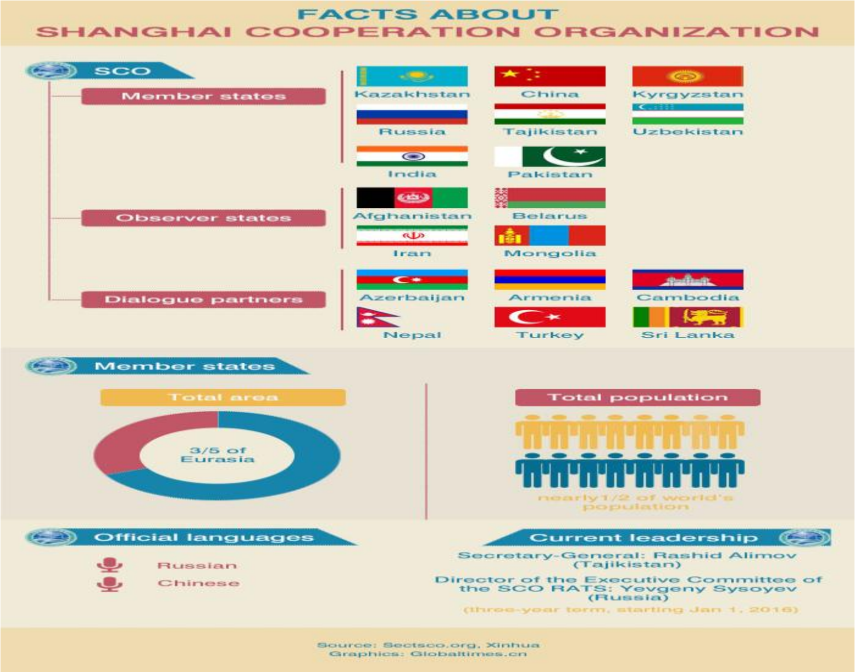

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

शंघाई सहयोग संगठन (SCO)

- **गठन** : 2001
- **प्रकार** : पारस्परिक सुरक्षा, राजनीतिक, आर्थिक संगठन
- **मुख्यालय** : बीजिंग, चीन।
- यह एक प्रमुख यूरेशियन संगठन है जो दुनिया की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करता है।
- यह एक स्थायी अंतर सरकारी संगठन है।
- भारत 2017 में SCO में शामिल हुआ।
- **संगठन के दो स्थायी निकाय हैं** - SCO सचिवालय (बीजिंग, चीन) और क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना (RATS) (ताशकंद, उज्बेकिस्तान) की कार्यकारी समिति।
- **महत्व** : इसमें उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन के पतिसंतुलन की क्षमता है।

भारत और चीन पांच सूत्री योजना पर सहमत हैं

GS प्रीलिम्स और GS - II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध और GS- III - साइबर स्पेस **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में, भारत और चीन ने सैनिकों को हटाने और वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) के साथ तनाव कम करने के लिए एक पाँच बिंदुओं पर सहमति व्यक्त की है ।
- भारतीय और चीनी सैनिक साढ़े चार महीने से बेनतीजा अपनी जगह पर अड़े हैं ।
- रूस में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) की बैठक के दौरान वार्ता हुई।

पांच सूत्री योजना

- दोनों पक्षों को भारत-चीन संबंधों को विकसित करने पर वुहान और महाबलिपुरम शिखर सम्मेलन से मार्गदर्शन लेना चाहिए। मतभेदों को विवाद बनने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।
- सीमा सैनिकों को अपना संवाद जारी रखना चाहिए, जल्दी से विघटन करना चाहिए, उचित दूरी बनाए रखना चाहिए और तनाव कम करना चाहिए।
- दोनों पक्ष चीन-भारत सीमा मामलों पर सभी मौजूदा समझौतों और प्रोटोकॉल का पालन करेंगे और ऐसे मामलों से बच सकते हैं जो मामलों को आगे बढ़ा सकते हैं।
- विशेष प्रतिनिधि तंत्र, और सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय (WMCC) के लिए कार्य तंत्र की बैठकों के माध्यम से निरंतर संचार।
- नए विश्वास निर्माण उपायों को पूरा करने के लिए कार्य करना।

क्या आप जानते है?

- सीमा प्रश्न पर विशेष प्रतिनिधि (SRs) 2003 में स्थापित किया गया था।
- इसने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में सीमा क्षेत्रों में शांति और शांति सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया।
- WMCC की स्थापना 2012 में हुई थी।

---

5 वें ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक हुई

GS प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध; वैश्विक समूहन **का हिस्सा:**

समाचार में

- 5 वें ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक एक वीडियो सम्मेलन के माध्यम से आयोजित की गई थी।
- **अध्यक्षता:** रूसी संघ

मुख्य बिन्दु

- ब्रिक्स देशों में सांस्कृतिक क्षेत्र पर कोविड -19 स्थिति के प्रभाव पर चर्चा की गई।
- ब्रिक्स के भीतर संयुक्त सांस्कृतिक ऑनलाइन-परियोजनाओं के संभावित कार्यान्वयन की समीक्षा की गई।
- भारत ने ब्रिक्स एलायंस ऑफ म्यूजियम के तत्वावधान में 2021 के अंत में एक साझा विषय पर डिजिटल ऑनलाइन प्रदर्शनी की मेजबानी करने की संभावनाओं का पता लगाने का सुझाव दिया।
- राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय, नई दिल्ली 2021 में ब्रिक्स कला संग्रहालय और गैलरी संघ के तत्वावधान में ब्रिक्स संयुक्त प्रदर्शनी की मेजबानी करेगा, जिसका शीर्षक 'संबंध क्षेत्र और सांस्कृतिक सिनर्जी की कल्पना करना' होगा।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

ब्रिक्स

- ब्रिक्स ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का एक संघ है।
- सभी G20 के सदस्य हैं।
- 3.1 बिलियन से अधिक लोग, विश्व की 41% जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- 2018 तक, BRICS के पास US $ 40.55 ट्रिलियन (विश्व GDP PPP का 32%) है।
- ब्रिक्स राष्ट्रों के बीच द्विपक्षीय संबंध गैर-हस्तक्षेप, समानता और पारस्परिक लाभ के आधार पर आयोजित किए जाते हैं।
- ब्रिक्स के वित्तीय ढांचे को बनाने वाले दो घटक हैं: (1) न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB) (ब्रिक्स डेवलपमेंट बैंक); (2) आकस्मिक रिजर्व व्यवस्था (CRA)

क्या आप जानते है?

- मंच की अध्यक्षता प्रतिवर्ष B-R-I-C-S सदस्यों के बीच उनके अक्षर के अनुसार आती है।
- 2014 में फोर्टालेजा (ब्राजील) में छठे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान, नेताओं ने न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB - शंघाई, चीन) की स्थापना के समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- उन्होंने सदस्यों को अल्पकालिक तरलता सहायता प्रदान करने के लिए ब्रिक्स आकस्मिक रिजर्व व्यवस्था पर भी हस्ताक्षर किए।

महिलाओं की स्थिति पर भारत को आयोग का सदस्य चुना गया

GS प्रीलिम्स और GS - I - समाज; महिला सशक्तिकरण और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध **का हिस्सा:**

समाचार में

- भारत को आर्थिक और सामाजिक परिषद (ECWOC) के निकाय, महिला आयोग (CSW) के आयोग के सदस्य के रूप में चुना गया है।
- भारत चार साल (2021 से 2025) के लिए सदस्य रहेगा।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

महिलाओं की स्थिति पर आयोग (CSW)

- CSW प्रमुख वैश्विक अंतर सरकारी निकाय है जो विशेष रूप से लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए समर्पित है।
- यह ECOSOC का कार्यात्मक आयोग है।
- इसे 21 जून 1946 के ECOSOC संकल्प 11 (II) द्वारा स्थापित किया गया था।
- यह महिलाओं के अधिकारों को बढ़ावा देता है, दुनिया भर में महिलाओं के जीवन की वास्तविकता को दर्शाता है और लैंगिक समानता और महिलाओं के सशक्तिकरण पर वैश्विक मानकों को आकार देने में मदद करता है।
- संयुक्त राष्ट्र के 45 सदस्य राष्ट्र किसी भी समय आयोग के सदस्य के रूप में कार्य करते हैं।

भारत-जापान लॉजिस्टिक समझौता

GS प्रीलिम्स और GS - II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में भारत और जापान के बीच लॉजिस्टिक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे ।

मुख्य बिन्दु

- इसका उद्देश्य अधिक से अधिक समुद्री सहयोग से है।
- यह भारत-जापान नौसैनिक अभ्यासों को नवीनीकरण कर सकता है।
- यह आपूर्ति और सेवाओं के पारस्परिक प्रावधान में दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच घनिष्ठ सहयोग के लिए सक्षम ढांचे की स्थापना करता है।
- यह अंतर-सुरक्षा को भी बढ़ाएगा, क्षेत्रीय सुरक्षा को बनाए रखने में सहायता करेगा और द्विपक्षीय रक्षा व्यस्तताओं को और बढ़ाएगा।

- यह 10 साल तक लागू रहेगा और 10 साल की अवधि के लिए स्वचालित रूप से बढ़ाया जाएगा जब तक कि पार्टियों में से कोई एक इसे समाप्त करने का फैसला नहीं करता।

भारत और अब्राहम समझौते

संदर्भ: 15 सितंबर 2020 को व्हाइट हाउस समारोह ने संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन के साथ इजरायल के संबंधों के औपचारिक सामान्यीकरण को चिह्नित करते हुए क्षेत्रीय इतिहास और भू-राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ बिंदु बनाया है।

समझौते के तहत, **संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन इजरायल के साथ संबंधों को सामान्य करेगा** , जिससे बेहतर आर्थिक, राजनीतिक और सुरक्षा जुड़ाव होगा।

क्या आप जानते है?

- जॉर्डन और मिस्र को छोड़कर, इजराइल के फिलिस्तीनियों के साथ लंबे समय से चले आ रहे संघर्ष के कारण खाड़ी अरब राज्यों के साथ राजनयिक संबंध नहीं हैं
- इजरायल ने **1979 में मिस्र के साथ और 1994 में जॉर्डन के** साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए थे ।

15 सितंबर का सुलह पिछले शांति समझौतों (1979 और 1994) से कैसे अलग है?

- सबसे पहले, UAE और बहरीन का इजरायल के साथ **कोई क्षेत्रीय विवाद नहीं है** और न ही वे इसके साथ कभी युद्ध में रहे हैं।
- यद्यपि औपचारिक रूप से एक **अरब सर्वसम्मति** (फिलिस्तीन के दो-राज्य का प्रस्ताव) के लिए प्रतिबद्ध है, UAE और बहरीन ने हाल के वर्षों में इजरायल के साथ महत्वपूर्ण संबंध होने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाया है।
- इसलिए, संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन के साथ किए गए अब्राहम समझौते इसराइल द्वारा किसी भी भौतिक क्विड प्रो के बिना शांति के लिए शांति सौदों रहे हैं ।

भारत के लिए अब्राहम समझौते के निहितार्थ

- **भारत का रुख:** भू-राजनीतिक रूप से, भारत ने UAE और इज़राइल के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना का स्वागत किया है, अपने स्वयं के सहयोगियों को बुला रहा है
- **विदेश नीति का महत्व:** भारत के पास इजरायल और खाड़ी देशों के साथ मजबूत, बहुपक्षीय और बढ़ते सामाजिक आर्थिक जुड़ाव हैं। इसलिए, क्षेत्रीय गतिशीलता में कोई भी परिवर्तन इस क्षेत्र में भारत के सामरिक हितों को प्रभावित करेगा।

- **भारत का संतुलन अधिनियम लागू करता है:** नया समझौता फिलिस्तीन विवाद के शांतिपूर्ण समाधान के लिए उदारवादी निर्वाचन क्षेत्र को चौड़ा करता है, जिससे भारत के राजनयिक संतुलन अधिनियम को आसान बनाया जा सकता है।
- **प्रॉक्सी युद्ध का नया अखाड़ा:** दक्षिणी खाड़ी की संभावना ईरान और इजरायल के बीच छद्म युद्ध का नया क्षेत्र बनने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है, विशेष रूप से शिया जेब में। भारत को ऐसे संघर्षों पर नजर रखने के लिए अपने पहरे पर रहना होगा।
- **जिहादी फ्रिंज आंदोलन पर प्रतिक्रिया**: इजरायल- GCC संबंध जिहादी फ्रिंज और मुख्यधारा के बीच नए ध्रुवीकरण को भड़का सकते हैं।
- **आर्थिक चुनौतियां** : भारत ने एक बड़े और पुरस्कृत क्षेत्रीय पदचिह्न का अधिग्रहण किया है, विशेष रूप से जनशक्ति, खाद्य उत्पादों, फार्मास्यूटिकल्स, मणि और आभूषण, प्रकाश इंजीनियरिंग वस्तुओं, आदि के पसंदीदा स्रोत के रूप में। इस स्थिति को इज़राइल द्वारा चुनौती दी जा सकती है, जिसकी रक्षा, सुरक्षा, सौर में आला ताकत है बिजली, बागवानी आदि
- **भारत - ईरान संबंध प्रभावित:** दशकों से, पश्चिम एशिया में अस्थिरता के मुख्य स्रोतों में से एक सऊदी अरब (सुन्नी) और ईरान (शिया) के बीच शीत युद्ध रहा है। इस समझौते से दरार व्यापक और अधिक हिंसक हो सकती है, इस प्रकार भारत-ईरान संबंधों का परीक्षण किया जा सकता है।

निष्कर्ष

- भारत को इस अवसर का उपयोग खुद को एक ऐसे क्षेत्र में एक बड़ी भूमिका देने के लिए करना चाहिए जो उसके रणनीतिक पिछवाड़े है।
- यह सौदा भारत के लिए खाड़ी में क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता में बहुत बड़ी भूमिका निभाने के नए अवसरों को खोलता है, जहां नई दिल्ली अबू धाबी और यरुशलम दोनों के साथ विशेष संबंध रखती है।
- विकसित परिदृश्य में, एक लाभदायक त्रिपक्षीय तालमेल की गुंजाइश हो सकती है, लेकिन भारत एक दिए गए के रूप में अपना पक्ष नहीं ले सकता है।

बिंदुओं को जोड़ने पर:

- इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष
- संयुक्त राज्य अमेरिका की पश्चिम एशिया शांति योजना

सार्क - COVID -19 का मुकाबला करने के लिए एकजुट होना

संदर्भ: महामारी का कोई संकेत नहीं दिखा, दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्र, दक्षिण एशिया के लिए विकास की संभावनाएं गंभीर हैं।

दक्षिण एशिया में COVID-19

- भारत में अमेरिका के बाद दुनिया में COVID-19 मामलों की दूसरी सबसे बड़ी संख्या (55 लाख से अधिक) है
- बांग्लादेश में लगभग 3.5 लाख मामले हैं।
- भूटान और मालदीव एक उच्च परीक्षण दर के कारण बड़े पैमाने पर सामुदायिक प्रसारण करने और लंबे समय तक लॉकडाउन से बचने में कामयाब रहे।
- **कम मृत्यु दर:** अन्य क्षेत्रों के विपरीत, दक्षिण एशियाई देशों में उच्च संक्रमण दर होने के बावजूद मृत्यु दर कम हो रही है।
- **कम मृत्यु दर के कारण** : इस क्षेत्र की उष्णकटिबंधीय जलवायु, तपेदिक के टीके (बीसीजी), मलेरिया के संपर्क में आने से, और वायरस के कमजोर दबाव से होने वाली सुरक्षा को कम मृत्यु दर के कुछ कारणों में से एक माना जाता है।

क्या दक्षिण एशिया में सरकारों ने प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की है?

- **भारत** ने मार्च के अंत में, गरीबी में रहने वाले अनुमानित 800 मिलियन लोगों की आजीविका को बचाने के लिए खाद्य सुरक्षा और नकदी हस्तांतरण सुनिश्चित करने के लिए $ 22.5 बिलियन के राहत पैकेज की घोषणा की। RBI ने व्यवसायों के लिए तरलता बनाने के लिए रेपो और रिवर्स रेपो दर को घटा दिया।
- **बांग्लादेश** ने अप्रैल की शुरुआत में निर्यात उन्मुख उद्योगों के लिए $ 595 मिलियन प्रोत्साहन पैकेज के अलावा लगभग 8 बिलियन डॉलर के प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की।
- **पाकिस्तान** ने मार्च के अंत में 6.76 बिलियन डॉलर के व्यापक राजकोषीय प्रोत्साहन पैकेज का अनावरण किया। इसके केंद्रीय बैंक ने भी ब्याज दर को घटा दिया।
- **मालदीव** ने अप्रैल के अंत में $ 161.8 मिलियन का आपातकालीन कोष जुटाया और **अफगान** सरकार ने COVID-19 से लड़ने के लिए लगभग $ 25 मिलियन का आवंटन किया।

चिंताएं :

- **अपर्याप्त परीक्षण:** भारत जैसे मामलों में वृद्धि का सामना करने वाले देश, परीक्षण की संख्या बढ़ाकर वक्र को चपटा कर सकते थे
- **डेटा विश्वसनीयता:** दक्षिण एशिया में वैश्विक आबादी का एक-चौथाई हिस्सा है और वैश्विक गरीबों का एक-तिहाई, कई COVID-19 मौतें बिना सूचना, बिना लाइसेंस या यहां तक कि रिपोर्ट की गई हैं।

- **आर्थिक पैकेज का क्रियान्वयन:** हालांकि भारत और बांग्लादेश जैसे देशों ने वित्तीय और सामग्री प्रोत्साहन पैकेजों की घोषणा की, लेकिन वितरण संबंधी चिंताएँ बनी हुई हैं
- **निष्क्रिय सार्क COVID-19 कोष:** यह कोष भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी के दक्षिण एशियाई नेताओं के आह्वान के बाद बनाया गया था, लेकिन सरकारें अभी भी इसके तौर-तरीकों पर फैसला नहीं कर पाई हैं।
- **संकीर्ण भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता:** इस संकट के परिणामस्वरूप दक्षिण एशिया में लंबे समय तक आर्थिक मंदी की संभावना है जो संकीर्ण भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता से और जटिल हो जाएगा।

आगे का मार्ग- एक समन्वित प्रतिक्रिया तंत्र

- दक्षिण एशिया क्षेत्र संकट का प्रभावी ढंग से जवाब देने के लिए SAARC की छतरी के नीचे अपने मौजूदा संस्थागत ढांचे का लाभ उठा सकता है।
- उदाहरण के लिए, सार्क खाद्य बैंक आसन्न क्षेत्रीय खाद्य संकट से निपटने के लिए सक्रिय हो सकता है,
- क्षेत्रीय आर्थिक नीति प्रतिक्रिया तैयार करने के लिए सार्क वित्त मंच को सक्रिय किया जा सकता है

बिंदुओं को जोड़ने पर

- बिम्सटेक
- शंघाई सहयोग संगठन

विश्व राइनो (गेंडा) दिवस

GS प्रीलिम्स और GS - III - पर्यावरण; जैव विविधता; संरक्षण **का हिस्सा** :

समाचार में

- 22 सितंबर को विश्व राइनो दिवस मनाया गया।
- **उद्देश्य:** दुनिया भर में राइनोसेरोज़ के खतरों के बारे में जागरूकता पैदा करना।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- विश्व राइनो दिवस की घोषणा पहली बार विश्व वन्यजीव कोष (WWF) - दक्षिण अफ्रीका ने 2010 में की थी।
- यह राइनो की सभी पांच प्रजातियों को मनाता है - काला, सफ़ेद, अधिक से अधिक एक सींग वाला, सुमात्रा और जावन गैंडे।
- यह उनकी भलाई के बारे में मुद्दों के बारे में जागरूकता भी पैदा करता है।
- **खतरे** : अवैध शिकार, शहरीकरण और प्रदूषण।
- यह एशिया की एकमात्र बड़ी स्तनपायी प्रजाति है जो 2008 में IUCN लाल सूची में लुप्तप्राय होने से खतरे में है।

क्या आप जानते है?

- भारतीय पर्यावरण मंत्रालय ने 2019 में एक बड़े सींग वाले गैंडों के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय राइनो संरक्षण रणनीति शुरू की है ।
- यह भारत में प्रजातियों के लिए अपनी तरह की पहली योजना है जिसका उद्देश्य प्रजातियों के संरक्षण के लिए काम करना है।
- **उद्देश्य:** (1) सुरक्षा को मजबूत करना; (2) वितरण परास का विस्तार करना; (3) अनुसंधान और निगरानी; (4) पर्याप्त और निरंतर धन।
- भारत दुनिया में सबसे अधिक एक सींग वाले गैंडों का आवास है
- इसकी आबादी असम, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में 3000 जानवरों की श्रेणी में है।

अर्थव्यवस्था

भारत की GDP में पहली तिमाही में 23.9% गिरावट: NSO डेटा

GS-प्रीलिम्स और GS - III - अर्थव्यवस्था **का हिस्सा** :

समाचार में :

- राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) के अनुसार, अप्रैल-जून 2020-21 में लगातार कीमतों पर GDP की वृद्धि दर (वास्तविक GDP) -23.9% है।
- इसे पिछले वर्ष 2019-20 की इसी तिमाही से मापा गया था।

मुख्य बिन्दु

- सभी क्षेत्रों में कृषि को छोड़कर ऋणात्मक वृद्धि देखी गई है जहाँ विकास 3.4% था।
- भारत को वर्तमान तिमाही (जुलाई से सितंबर) में ऋणात्मक वृद्धि का सामना करना पड़ेगा, जिसे जुलाई-सितंबर 2019-20 से भी मापा जाएगा।
- जैसा कि हम सभी जानते हैं कि अर्थव्यवस्था में सकल घरेलू उत्पाद की माँग चार क्षेत्रों से आती है: घरेलू (उपभोग - C), निजी क्षेत्र (निवेश - I), सरकार (उपभोग + निवेश G द्वारा प्रतिनिधित्व), निर्यात - आयात (XM)
- वर्तमान परिदृश्य में, मंदी शुरू हो गई है क्योंकि लॉकडाउन के कारण उत्पादन बंद हो गया था, तब लोगों ने नौकरियां खो दीं और उनकी (उपभोक्ता) मांग कम हो गई।
- फिर, व्यवसायियों ने उत्पादन कम कर दिया और पूंजीगत वस्तुओं / कच्चे माल / मध्यवर्ती माल की मांग कम हो गई।

क्या आप जानते है?

- एक बार जब कोई देश ऋणात्मक वास्तविक विकास के दो लगातार तिमाहियों (पिछले वर्ष की इसी तिमाही से मापा जाता है) का सामना करता है, तो उसे मंदी घोषित किया जाता है।
- वर्तमान वर्ष में भारत को वास्तविक GDP में एक पूर्ण वर्ष के संकुचन में लगभग 5% की वृद्धि देखने की उम्मीद है।
- भारत को अब तक 1957-58 में चार बार मंदी का सामना करना पड़ा है (-1.2% सूखा), 1965-66 (-3.66% - सूखा), 1972-73 (-0.32% - तेल संकट) और 1979-80 (-5.2% - तेल संकट/सूखा) ।

GST सुधार के लिए नए भव्य सौदे की जरूरत है

संदर्भ: 40 वीं परिषद की बैठक और राज्यों को मुआवजे के बारे में बढ़ती आवाजें।

क्या आप जानते है?

- GST से पहले, राज्यों में आर्थिक गतिविधि पर कुछ अप्रत्यक्ष करों को लगाने की शक्ति थी। इसलिए, GST शासन लागू होने के बाद (2017 में), केंद्र ने पहले पांच वर्षों के लिए राज्यों को मुआवजे की गारंटी का वादा किया था, क्योंकि वे पहले की प्रणाली से शिफ्ट होने के बाद खो गए राजस्व के लिए।
- मुआवजे की गणना आधार वर्ष के रूप में 2015-16 को रखते हुए 14% की वृद्धि दर से की जाती है।

महामारी के समय GST के लिए चुनौती

- **कमी** : कर संग्रह में काफी गिरावट आई है, जबकि व्यय की आवश्यकताएं तेजी से अधिक हैं, विशेष रूप से राज्य स्तर पर लड़ाई की अग्रिम पंक्ति में ।
- **केंद्र के उत्तरदायित्व की जिम्मेदारी** : वाणिज्यिक अनुबंधों में फोर्स मजेरे खंड के समकक्ष का उपयोग करते हुए, केंद्र राज्यों को GSटी राजस्व में 14% की वृद्धि में कमी के लिए बनाने की अपनी जिम्मेदारी का त्याग कर रहा है (मुआवजा राशि)
- **राज्यों को स्वयं के हाल पर छोड़ दिया है** : ऐसा लगता है कि राज्यों को कहा गया है कि वे राजस्व में कमी को पूरा अपने दम पर ही करें।

केंद्र खुद को गलत मानने के लिए राज्यों पर आरोप क्यों लगा रहा है?

- **सीमित रास्ते** : राज्यों के पास ऐसे कई विकल्पों का सहारा नहीं है, जैसे केंद्र के पास संप्रभु बांड (डॉलर या रुपये में) या RBI से सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई के शेयरों के खिलाफ ऋण है।
- **कम सौदेबाजी की शक्ति:** केंद्र वैसे भी राज्यों की तुलना में बाजारों से उधार लेने की बहुत कम दरों का आदेश दे सकता है।
- **रेटिंग एजेंसियां अंतर नहीं कर पा रही हैं:** सार्वजनिक क्षेत्र के ऋण लेने के मामले में, यह ऋण बाजारों के लिए कोई फर्क नहीं पड़ता है, न ही रेटिंग एजेंसियों, चाहे वह राज्यों या केंद्र हैं जो अपनी ऋणग्रस्तता बढ़ा रहे हैं।
- **वृहद आर्थिक स्थिरता केंद्र का विषय है**: बढ़ी हुई राजकोषीय उत्तेजना के माध्यम से इस मंदी से लड़ना मूल रूप से **वृहद आर्थिक स्थिरता** का काम है, जो **केंद्र का विषय** है।
- **संघीय ट्रस्ट का क्षरण:** सबसे महत्वपूर्ण बात, मुआवजे के महत्वपूर्ण वादे को तोड़ते हुए, COVID-19 महामारी का उपयोग करके केंद्र और राज्यों के बीच बने विश्वास में एक गंभीर सेंध लगाई जाती है।

आगे का मार्ग - GST2.0

- **कर आधार का विस्तार** : GST एक गंतव्य-आधारित उपभोग कर है, जिसमें सभी वस्तुओं और सेवाओं को बहुत कम अपवादों के साथ शामिल करना चाहिए, जैसे कि भोजन और दवा ।
- **कम और स्थिर एकल दर** : कर आधार को चौड़ा करने से हम 12% की मानक दर की मूल सिफारिश पर वापस जा सकेंगे, जिसे कम से कम पाँच साल की अवधि के लिए तय किया जाएगा।
- राज्यों के राजस्व स्वायत्तता के लिए कुछ अतिरिक्त पर्याप्त स्थान राज्यों को शराब, तंबाकू, SUVs जैसे प्रदूषणकारी वस्तुओं और डीजल, विमानन टरबाइन ईंधन और कोयले जैसे औद्योगिक ईंधनों जैसे "sin" वस्तुओं की एक छोटी सूची पर गैर वैटेबल अधिभार की अनुमति देकर प्राप्त किया जा सकता है ।
- **सरकार के तीसरे स्तर के साथ साझा करना:** 12% GST के अनुसार, 10% राज्यों और केंद्र के बीच समान रूप से साझा किया जा सकता है, और 2% विशेष रूप से शहरी और ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए निर्धारित किया जाना चाहिए, जो उन्हें कुछ बुनियादी राजस्व स्वायत्तता सुनिश्चित करता है । पंचायतों, जिलों और शहरों में वास्तविक वितरण संबंधित राज्य वित्त आयोगों द्वारा दिया जाएगा।

निष्कर्ष

GST एक महत्वपूर्ण और दीर्घकालिक संरचनात्मक सुधार है जो भविष्य की राजकोषीय जरूरतों को संबोधित कर सकता है, सहकारी संघवाद को प्राप्त करने के लिए सही और वांछित संतुलन पर प्रहार करता है और आर्थिक विकास को भी बढ़ाता है।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- वन नेशन वन राशन कार्ड के लिए GST से सबक

---

10 वर्षों में सकल राजस्व समायोजित किया जाना है

GS प्रीलिम्स और GS- III- कराधान का **भाग:**

समाचार में

- हाल ही में, SC ने टेलीकॉम कंपनियों (telcos) को सरकार को उनके समायोजित सकल राजस्व (AGR) बकाया का भुगतान करने के लिए 10 वर्ष का समय दिया ।

मुख्य बिन्दु

- दूरसंचार विभाग 31 मार्च 2021 तक दूरसंचार विभाग द्वारा मांग के अनुसार कुल बकाया का 10% भुगतान करेगा।
- वार्षिक किश्त 1 अप्रैल, 2021 से शुरू होकर 31 मार्च, 2031 तक होगी।

- हर साल 31 मार्च तक किश्तों का भुगतान करना होगा।
- वार्षिक किस्तों का भुगतान करने में किसी भी चूक की स्थिति में, अदालत के संदर्भ के बिना जुर्माना के साथ-साथ जुर्माना और ब्याज के साथ समझौते के अनुसार ब्याज लगाया जाएगा।
- इसके अलावा, अदालत की अवमानना के लिए यह दंडनीय होगा।
- हर साल 7 अप्रैल को टेलीकॉम और दूरसंचार विभाग द्वारा अदालत के आदेश का अनुपालन किया जाना चाहिए।
- राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (NCLT) द्वारा टेलीस्कोस द्वारा इनसॉल्वेंसी कार्यवाही का सामना करते हुए स्पेक्ट्रम की बिक्री का निर्णय लिया जाएगा।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

समायोजित सकल राजस्व

- AGR 'निर्धारित लाइसेंस शुल्क' मॉडल से 1999 में 'राजस्व बंटवारा शुल्क' मॉडल में शिफ्ट होने वाले सरकार और टेलीकॉम के बीच एक शुल्क-बंटवारा तंत्र है।
- इस पाठ्यक्रम में, टेलिकॉम को सरकार के साथ AGR का एक प्रतिशत साझा करना होगा।
- दूरसंचार क्षेत्र को राष्ट्रीय दूरसंचार नीति, 1994 के तहत उदारीकृत किया गया था जिसके बाद एक निश्चित लाइसेंस शुल्क के बदले में कंपनियों को लाइसेंस जारी किए गए थे।

MEIS योजना के लाभ का दोहन

GS प्रीलिम्स और GS- III- अर्थव्यवस्था; आयात और निर्यात **का हिस्सा:**

समाचार में

- केंद्र सरकार ने सितंबर-दिसंबर, 2020 के दौरान जावक लदान पर माल निर्यात इंडिया स्कीम (MEIS) के तहत प्रति निर्यातक 2 करोड़ रूपये में निर्यात प्रोत्साहन देने का निर्णय लिया है।

मुख्य बिन्दु

- यह सुनिश्चित करने के लिए कि कुल दावा इस अवधि के लिए आवंटित 5,000 करोड़ रुपये से अधिक नहीं है, यह सुनिश्चित करने के लिए अधिकतम सीमा में गिरावट के अधीन होगी।

- 1 सितंबर को या उसके बाद प्राप्त नया आयात निर्यात कोड (IEC) निर्यात के लिए किसी भी MEIS दावे को प्रस्तुत करने के लिए अयोग्य होगा।
- भारत सरकार ने एक नई WTO-अनुपालन योजना की घोषणा की है जिसका नाम है निर्यात उत्पादों पर शुल्क या करों की छूट (RoDTEP) जो 1 जनवरी 2021 से शुरू होने वाले MEIS की जगह लेगा।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

माल निर्यात इंडिया स्कीम (MEIS)

- इसे विदेश व्यापार नीति (FTP) 2015-20 में पेश किया गया था
- **उद्देश्य:** MSME क्षेत्र द्वारा उत्पादित / निर्मित उत्पादों सहित भारत में उत्पादित / निर्मित वस्तुओं / उत्पादों के निर्यात में शामिल अवसंरचनात्मक अक्षमताओं और संबंधित लागतों की भरपाई करना।

निर्यात उत्पाद पर शुल्क या कर की छूट (RoDTEP)

- नई योजना 1 जनवरी 2020 से लागू की गई है।
- यह भारत में निर्यात बढ़ाने में मदद करने के लिए GST में इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) के लिए पूरी तरह से स्वचालित मार्ग बनाता है।
- यह केंद्र / राज्य / स्थानीय स्तर पर वसूले जा रहे सभी करों / कर्तव्यों / शुल्क की प्रतिपूर्ति करेगा जो वर्तमान में किसी भी योजना के तहत वापस नहीं किए जाते हैं, लेकिन विनिर्माण और वितरण प्रक्रिया में खर्च किए जाते हैं।
- वित्त मंत्रालय ने RoDTEP के तहत दरों को अंतिम रूप देने के लिए पूर्व वाणिज्य और गृह सचिव जी.के. पिल्लई की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया है।

RBI की आकस्मिकता निधि (CF)

GS प्रीलिम्स और GS- III- अर्थव्यवस्था **का हिस्सा:**

समाचार में

RBI ने आकस्मिकता निधि (CF) में स्थानांतरित करके RBI के भीतर 73,615 करोड़ रुपये की राशि को बरकरार रखा है।

- इससे चालू वर्ष में सरकार को अधिशेष के हस्तांतरण में तीव्र गिरावट आएगी।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

आकस्मिकता निधि (CF)

- यह अप्रत्याशित और अप्रत्याशित आकस्मिकताओं को पूरा करने के लिए एक विशिष्ट प्रावधान है।

- इसमें प्रतिभूतियों के मूल्य में मूल्यह्रास, मौद्रिक / विनिमय दर नीति संचालन से उत्पन्न जोखिम, प्रणालीगत जोखिम और रिज़र्व बैंक पर संलग्न विशेष जिम्मेदारियों के कारण कोई जोखिम शामिल है।
- यह राशि RBI के भीतर रखी गई है।
- **RBI अधिनियम की धारा 47:** विभिन्न आकस्मिक प्रावधान करने के बाद, RBI के लाभ या अधिशेष को सरकार को हस्तांतरित किया जाना है।
- **RBI के मुख्य जोखिम प्रावधान खाते:** आकस्मिकता निधि, मुद्रा और स्वर्ण पुनर्मूल्यांकन खाता (CGRA), निवेश पुनर्मूल्यांकन खाता विदेशी प्रतिभूतियां (IRA-FS) और निवेश पुनर्मूल्यांकन खाता-रुपया प्रतिभूतियां (IRA-RS)।

मुद्रा और स्वर्ण पुनर्मूल्यांकन खाता (CGRA)

- यह मुद्रा जोखिम, ब्याज दर जोखिम और सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव का ध्यान रखने के लिए RBI द्वारा बनाया गया है।
- विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों (FCA) और सोने के मूल्यांकन पर अप्राप्त लाभ या हानि आय खाते में नहीं ली जाती है बल्कि इसके बजाय CGRA में रखा जाता है।

RBI की ऋण पुनर्खरीद योजना निर्दिष्ट

GS प्रीलिम्स और GS- III- अर्थव्यवस्था **का हिस्सा:**

समाचार में

- RBI ने 26 क्षेत्रों में COVID-19 से संबंधित तनावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के लिए पांच वित्तीय अनुपात और क्षेत्र-विशिष्ट सीमाएं निर्दिष्ट कीं, जिनमें ऑटो घटक, विमानन और पर्यटन शामिल हैं।

मुख्य बिन्दु

- तनावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के लिए जारी परिपत्र केवी कामथ समिति की सिफारिशों पर आधारित है।
- 26 क्षेत्रों में ऑटोमोबाइल, बिजली, पर्यटन, सीमेंट, रसायन, रत्न और आभूषण, लॉजिस्टिक्स, खनन, विनिर्माण, रियल एस्टेट, और अन्य के लिए लदान शामिल हैं।
- पुनरावर्ती योजना पर निर्णय लेते समय पांच वित्तीय मैट्रिक्स को ध्यान में रखा जाना चाहिए: (a) कुल बकाया देनदारियां/समायोजित मूर्त निवल मूल्य, (b) कुल ऋण/

एबिटडा, (c) वर्तमान अनुपात, (d) ऋण सेवा कवरेज अनुपात, और (e) औसत ऋण सेवा कवरेज अनुपात ।

- इनमें से प्रत्येक पैरामीटर के लिए, RBI ने एक मंजिल या एक छत निर्धारित की है।
- समिति ने योजना को लागू करने और एक अंतर लेनदार समझौते (ICA) को अनिवार्य करने के लिए 180 दिन निर्धारित किए हैं।
- ऋण की अवधि अधिकतम दो वर्षों तक, अधिस्थगन के साथ या उसके बिना बढ़ाई जा सकती है।
- प्रस्ताव प्रक्रिया को एक बार लागू करने के रूप में माना जाएगा क्योंकि ऋणदाता मूल्य द्वारा 75% का प्रतिनिधित्व करते हैं और 60% की संख्या उसी को लागू करने के लिए सहमत होते हैं।

बिजली ग्रिड की संपत्ति का मुद्रीकरण

GS प्रीलिम्स और GS- III- अर्थव्यवस्था; अवसंरचना **का हिस्सा:**

समाचार में

- आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति बिजली ग्रिड की संपत्ति के मुद्रीकरण को मंजूरी दे दी है।
- यह ऊर्जा मंत्रालय के तहत एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम (PSU) है, जो अवसंरचना निवेश ट्रस्ट (InvIT) मॉडल के माध्यम से है।
- यह पहली बार है जब पावर सेक्टर में कोई भी PSU InvIT मॉडल के माध्यम से अपनी संपत्ति का मुद्रीकरण करके संपत्ति पुनर्चक्रण करेगा।
- यह नए और निर्माणाधीन पूंजी परियोजनाओं को निधि देने के लिए आय का उपयोग करेगा।
- इस अनुमोदन से पावरग्रिड को पहले लॉट में कमाई करने में मदद मिलेगी, 7000 करोड़ से अधिक के सकल ब्लॉक मूल्य वाली संपत्ति।
- ये परिसंपत्तियां, जो मुख्य रूप से उच्च वोल्टेज ट्रांसमिशन लाइनें और सबस्टेशन हैं, विशेष प्रयोजन वाहनों (SPVs) के रूप में पावरग्रिड द्वारा आयोजित की जाती हैं।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

अवसंरचना निवेश ट्रस्ट **(InvIT)**

- यह म्यूचुअल फंड की तरह है।

- यह रिटर्न के रूप में आय के एक छोटे हिस्से को अर्जित करने के लिए अवसरंचना में संभव व्यक्तिगत / संस्थागत निवेशकों से छोटी मात्रा में धन का प्रत्यक्ष निवेश करने में सक्षम बनाता है।

क्या आप जानते है?

- बिजली ग्रिड , भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में एक सार्वजनिक कंपनी है, जिसने अपना व्यावसायिक संचालन वर्ष 1992-93 में शुरू किया था और आज, एक महारत्न कंपनी है, जो पॉवर ट्रांसमिशन के व्यवसाय में लगी हुई है।

संशोधित प्राथमिकता क्षेत्र उधार दिशानिर्देश

GS प्रीलिम्स और GS- III- बैंकिंग; अर्थव्यवस्था **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में, RBI ने संशोधित प्राथमिकता क्षेत्र उधार (PSL) दिशानिर्देश जारी किए।
- दिशानिर्देश उभरती हुई राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ संरेखित होते हैं और समावेशी विकास पर तीव्र ध्यान केंद्रित करते हैं।

प्राथमिकता क्षेत्र ऋण (PSL) क्षेत्रों में नए अतिरेक

- बैंक स्टार्ट-अप के लिए 50 करोड़ रुपये वित्त देगा
- ग्रिड से जुड़े कृषि पंपों के सौरीकरण के लिए सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना के लिए किसानों को ऋण और संपीड़ित बायोगैस संयंत्र स्थापित करने के लिए ऋण।
- पूर्व निर्धारित मूल्य पर अपनी उपज के सुनिश्चित विपणन के साथ किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) के लिए उच्च ऋण सीमा।
- 'आयुष्मान भारत' के तहत आने वाली परियोजनाओं सहित नवीकरणीय ऊर्जा, स्वास्थ्य अवसरंचना के लिए ऋण सीमा दोगुनी कर दी गई है।
- इसमें जिला स्तर पर प्राथमिकता वाले सेक्टर क्रेडिट के प्रवाह में क्षेत्रीय असमानताओं से संबंधित मुद्दों का समाधान करना है जिसमें शामिल हैं:
- प्राथमिकता वाले क्षेत्र में प्रति व्यक्ति ऋण प्रवाह के आधार पर रैंकिंग जिले।
- तुलनात्मक रूप से कम प्रवाह वाले जिलों के लिए एक प्रोत्साहन ढांचा तैयार करना और प्राथमिकता वाले क्षेत्र ऋण के तुलनात्मक रूप से उच्च प्रवाह वाले जिलों के लिए एक प्रोत्साहन प्रोत्साहन ढांचा तैयार करना।

- 'चिन्हित जिलों 'में प्राथमिकता क्षेत्र के ऋण को उच्च भार सौंपा गया है जहां प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रवाह तुलनात्मक रूप से कम है

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

प्राथमिकता क्षेत्र ऋण

- RBI बैंकों को अपने धन का एक निश्चित हिस्सा कृषि, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME), निर्यात ऋण, शिक्षा, आवास, सामाजिक अवसंरचना, नवीकरणीय ऊर्जा जैसे अन्य क्षेत्रों में उधार देने के लिए बाध्य करता है।
- सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों और विदेशी बैंकों (भारत में एक बड़ी उपस्थिति के साथ) को इन क्षेत्रों में ऋण देने के लिए अपने समायोजित नेट बैंक क्रेडिट (ANDC) के 40% को अलग करने के लिए अनिवार्य है।
- क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, सहकारी बैंकों और छोटे वित्त बैंकों को पीएसएल को 75% ANDC आवंटित करना है।
- इसके पीछे विचार यह सुनिश्चित करना है कि पर्याप्त संस्थागत ऋण अर्थव्यवस्था के कुछ कमजोर क्षेत्रों तक पहुंच जाए, जो अन्यथा लाभप्रद दृष्टिकोण से बैंकों के लिए आकर्षक नहीं हो सकता है।

महामारी सरकार को और अधिक उधार लेने के लिए मजबूर कर सकती है

GS प्रीलिम्स और GS- III- अर्थव्यवस्था **का हिस्सा:**

समाचार में

- COVID-19 के कारण भारत में राजस्व की कमी सरकार को और अधिक उधार लेने के लिए मजबूर करने की संभावना है, लेकिन यह केवल एक अंतिम उपाय के रूप में अपने घाटे का मुद्रीकरण करने पर विचार करेगी।
- वित्तीय वर्ष की दूसरी छमाही की उधार योजनाओं की समीक्षा सरकार और RBI के अधिकारियों द्वारा सितंबर में की जाएगी।
- ऋण के मुद्रीकरण की संभावना पर पहले ही चर्चा की जा चुकी है लेकिन अभी तक तय नहीं की गई है।

मुख्य बिन्दु

- पहले सरकार ' घाटे से कमाई ' करती थी

- RBI और भारत सरकार के बीच 1997 में एक समझौते पर हस्ताक्षर करके इस प्रथा को रोक दिया गया था।
- यह भी FRBM अधिनियम 2003 में शामिल किया गया था ।
- अभी सरकार घाटे के मुद्रीकरण को पसंद नहीं करती है लेकिन वह इसे अंतिम उपाय के रूप में विचार कर सकती है ।

क्या आप जानते है?

- मुद्रीकरण से अर्थव्यवस्था में अतिरिक्त धन पहुँचता है जो मुद्रास्फीति की ओर जाता है और इससे 'सर्वश्रेष्ठ रेटिंग' नीचे हो सकती है जो देश में निवेश को नुकसान पहुँचाती है।
- RBI खुले बाजार संचालन के माध्यम से अर्थव्यवस्था में तरलता को पंप कर सकता है।
- इससे ब्याज दर में कमी होगी (अधिक धन आपूर्ति का अर्थ है कम ब्याज दर), जो मूल रूप से कम ब्याज दर पर बाजार से धन जुटाने में सरकार की मदद करेगा ('घाटे का वित्तपोषण' बल्कि 'घाटे का मुद्रीकरण')।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

विमुद्रीकरण / ऋण के विमुद्रीकरण / विमुद्रीकरण के मुद्रीकरण

- इसका मतलब है कि अगर सरकार को घाटा होता है, तो वह RBI को नोट छापने के लिए कहेगी और इसे सरकार को देगी और बदले में सरकार अपने बॉन्ड RBI को देगी।
- तो, यह मूल रूप से सरकार पर कर्ज होगा।
- वास्तव में 'मुद्रीकृत' शब्द का मुद्रा / नोट / नकदी से संबंध है।

वित्त की कमी

- इसका आमतौर पर मतलब है कि सरकार को घाटा हो रहा है (व्यय प्राप्तियों से अधिक है) और यह घाटे के वित्तपोषण के लिए व्यवस्था करेगा।
- इस घाटे को बाजार से उधार लेने या विदेश से उधार लेने पर वित्तपोषित किया जा सकता है या सरकार से अधिक धन छापकर अपने घाटे का वित्तपोषण करने के लिए RBI से पूछना चाहिए।
- इसलिए, घाटे के वित्तपोषण में वित्त के विभिन्न विकल्प हो सकते हैं और इनमें से एक विकल्प RBI द्वारा धन छाप के हो सकता है।

NITI आयोग एक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI) की तैयारी के लिए एक उन्नत स्तर पर

GS प्रीलिम्स और GS- II - गरीबी और संबंधित मुद्दे और GS- III- अर्थव्यवस्था **का हिस्सा:**

समाचार में

- NITI आयोग एक राज्य सुधार कार्य योजना (SRAP) के साथ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को रैंक करने के लिए एक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI) पैरामीटर डैशबोर्ड तैयार करने के लिए एक उन्नत स्तर पर है।

मुख्य बिन्दु

- MPI के लिए नोडल एजेंसी के रूप में, NITI आयोग ने एक बहुआयामी गरीबी सूचकांक समन्वय समिति (MPICC) का गठन किया है।
- MPICC, सुश्री संयुक्तासमदर की अध्यक्षता में, सलाहकार (SDG) के पास संबंधित मंत्रालयों और विभागों के सदस्य हैं।
- समिति ने 2 सितंबर, 2020 को अपनी पहली बैठक आयोजित की।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

ग्लोबल MPI

- ग्लोबल MPI 29 चुनिंदा वैश्विक सूचकांकों पर देश के प्रदर्शन की निगरानी करने के सरकार के फैसले का हिस्सा है।
- यह 107 विकासशील देशों को कवर करने वाली बहुआयामी गरीबी का एक अंतर्राष्ट्रीय उपाय है।
- इसे पहली बार 2010 में ऑक्सफोर्ड गरीबी और मानव विकास पहल और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा विकसित किया गया था।
- यह प्रत्येक वर्ष जुलाई में संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास पर उच्च-स्तरीय राजनीतिक फोरम (HLPF) में जारी किया जाता है।
- गरीबी का आयाम स्वास्थ्य सुविधाओं, शिक्षा और जीवन स्तर के अभावों से है।
- कुपोषण, बाल मृत्यु दर, स्कूली शिक्षा के वर्षों, स्कूल में उपस्थिति, खाना पकाने के ईंधन, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, आवास और घरेलू संपत्ति के आधार पर प्रत्येक सर्वेक्षण किए गए घर को 10 मापदंडों पर स्कैन करके इसकी गणना की जाती है।

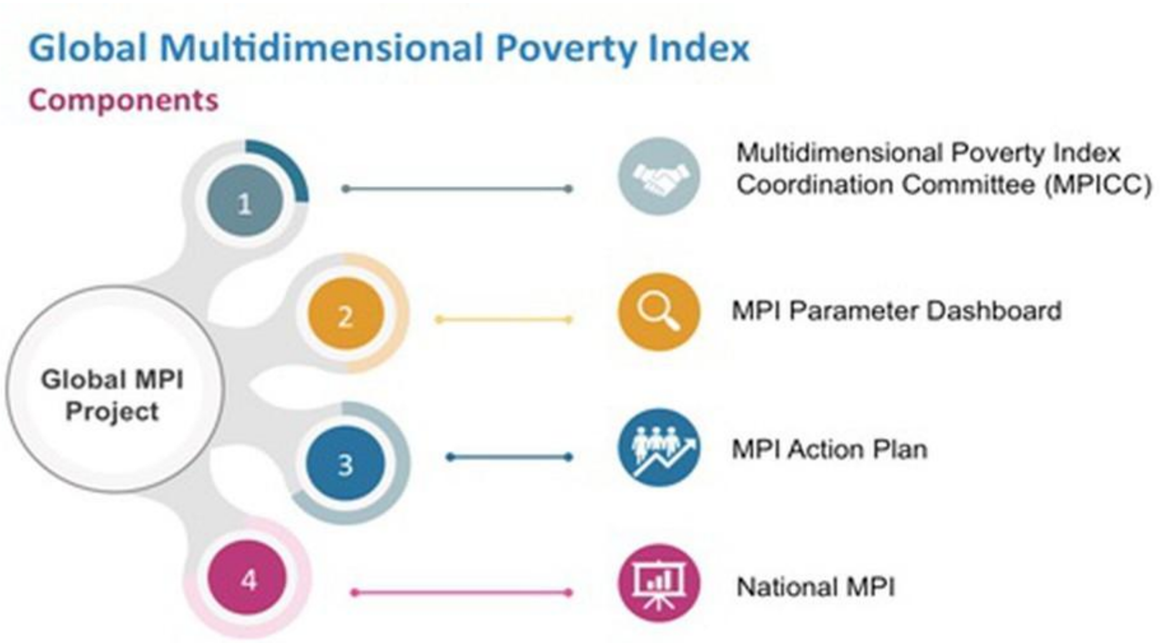

भारतीय कारपोरेटों पर तालाबंदी (लॉकडाउन) का प्रभाव

GS प्रीलिम्स और GS- III - अर्थव्यवस्था; व्यासायिक क्षेत्र **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में एक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी विश्लेषण ने भारतीय कॉर्पोरेट क्षेत्र पर लंबे समय तक देशव्यापी तालाबंदी (लॉकडाउन) के प्रभाव को देखा ।

मुख्य बिन्दु

- लगभग 500 कंपनियों का सर्वेक्षण किया गया।
- उन्होंने वित्त वर्ष 2021 की पहली तिमाही में साल दर साल आधार पर 31.1% की कुल आय का अनुबंध दिखाया है।
- ऐसे **क्षेत्र जो सबसे अधिक प्रभावित थे:** उपभोक्ता-उन्मुख क्षेत्र, एयरलाइंस, होटल, खुदरा, मोटर वाहन और उपभोक्ता टिकाऊ, औद्योगिक और बुनियादी ढाँचा-क्षेत्र, गैर-फार्मा निर्यातक, रियल एस्टेट और निर्माण कंपनियां और बैंकिंग क्षेत्र।
- ऐसे **क्षेत्र जो कम प्रभावित हुए:** FMCG, उपभोक्ता खाद्य पदार्थ, IT, दूरसंचार, चीनी और फार्मास्यूटिकल्स

राज्यों की व्यापार रैंकिंग में आसानी: DPIIT

GS प्रीलिम्स और GS- III - व्यापार करने में सुगमता **का हिस्सा:**

समाचार में

- राज्य व्यापार सुधार कार्य योजना (राज्य BRAP) के आधार पर व्यापार करने में सुगमता रैंकिंग का चौथा संस्करण हाल ही में जारी किया गया था।
- इसका **विमोचन:** उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
- **शीर्ष राज्य:** (1) आंध्र प्रदेश; (2) उत्तर प्रदेश; (3) तेलंगाना; (4) मध्य प्रदेश; (5) झारखंड
- **सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले राज्य** : (1) त्रिपुरा; (2) सिक्किम; (3) ओडिशा

S. No	State/UT	Rank 2019
1	Andhra Pradesh	1
2	Uttar Pradesh	2
3	Telangana	3
4	Madhya Pradesh	4
5	Jharkhand	5
6	Chhattisgarh	6
7	Himachal Pradesh	7
8	Rajasthan	8
9	West Bengal	9
10	Gujarat	10
11	Uttarakhand	11
12	Delhi	12
13	Maharashtra	13
14	Tamil Nadu	14
15	Lakshadweep	15
16	Haryana	16
17	Karnataka	17
18	Daman and Diu	18
19	Punjab	19

S. No.	State/UT	Rank 2019
18	Daman and Diu	18
19	Punjab	19
20	Assam	20
21	Jammu and Kashmir	21
22	Andaman & Nicobar	22
23	Dadra & N. Haveli	23
24	Goa	24
25	Mizoram	25
26	Bihar	26
27	Puducherry	27
28	Kerala	28
29	Arunachal Pradesh	29
30	Chandigarh	29
31	Manipur	29
32	Meghalaya	29
33	Nagaland	29
34	Odisha	29
35	Sikkim	29
36	Tripura	29

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

व्यापार करने में सुगमता (EODB)

- **संयुक्त पहल:** उद्योग और आंतरिक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए विभाग (DPIIT) और विश्व बैंक की पहल
- **उद्देश्य** : राज्यों में समग्र कारोबारी माहौल में सुधार करना।

व्यापार सुधार कार्य योजना

- 2015 **में शुरू की गई** ।

- BRAP 2019 में 19 राज्य विभागों द्वारा लागू किए जाने वाले 80 सुधारों (187 सुधार कार्रवाई बिंदुओं) की एक सूची है।
- ये सुधार 12 व्यावसायिक नियामक क्षेत्रों जैसे कि सूचना तक पहुंच, एकल खिड़की प्रणाली, श्रम, पर्यावरण, आदि को कवर करते हैं।
- **उद्देश्य** : राज्यों के बीच एक स्वस्थ प्रतियोगिता को प्रोत्साहित करना।
- इससे प्रत्येक राज्य में निवेश को आकर्षित करने और व्यापार करने में सुगमता को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

SAROD- बंदरगाह : विवाद समाधान तंत्र का शुभारंभ

GS प्रीलिम्स और GS- III - व्यापार करने में सुगमता **का हिस्सा:**

समाचार में

- नई दिल्ली में हाल ही में आभासी समारोह के माध्यम से 'SAROD-बंदरगाह' (विवादों के किफायती निवारण के लिए समाज-बन्दरगाह) का शुभारंभ किया गया।
- केंद्रीय जहाजरानी मंत्रालय **द्वारा लॉन्च किया गया** :

मुख्य बिन्दु

- सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के **तहत स्थापित:**
- SAROD-बंदरगाह ' भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) द्वारा गठित SAROD-रोड के रूप में राजमार्ग क्षेत्र में उपलब्ध प्रावधान के समान है ।
- **संरचना:** भारतीय पातन संघ (IPA) और भारतीय निजी बंदरगाह और टर्मिनल संघ (IPTTA) के सदस्य
- कार्य: (1) SAROD- बंदरगाह समुद्री क्षेत्र में मध्यस्थता के माध्यम से विवादों के निपटान में सलाह और सहायता करेंगे।
- लाभ: (1) SAROD- बंदरगाह भारत के बंदरगाह क्षेत्र में उम्मीद(आशा), विश्वास (विश्वास) और न्याय (न्याय) का निर्णायक तंत्र बन जाएगा; (2) इससे बड़ी मात्रा में कानूनी व्यय और समय की बचत होगी; (3) पत्र और भावना में रियायत समझौतों का प्रवर्तन।

क्या आप जानते हैं ?

- एक रियायत समझौता एक अनुबंध है जो किसी कंपनी को सरकार के अधिकार क्षेत्र में या किसी अन्य फर्म की संपत्ति पर, विशेष शर्तों के अधीन एक विशिष्ट व्यवसाय संचालित करने का अधिकार देता है।

- यह तेजी, समय पर, लागत प्रभावी और मजबूत विवाद समाधान तंत्र की वजह से समुद्री क्षेत्र में व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देगा।
- यह निजी खिलाड़ियों में आत्मविश्वास जगाएगा।

सिकुड़ती अर्थव्यवस्था और शहरी नौकरियां

संदर्भ:

अर्थव्यवस्था के संकुचन पर अर्थव्यवस्था और रोजगार के हालिया आंकड़ों के अनुसार, सिकुड़ते सेक्टर जो सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं - निर्माण (-50%), व्यापार, होटल और अन्य सेवाएं (-47%), विनिर्माण (-39) %), और खनन (-23%) - वे हैं जो अर्थव्यवस्था में अधिकतम नए रोजगार पैदा करते हैं।

अर्थव्यवस्था में संकुचन और मांग में कमी को देखते हुए, शहरी रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण गिरावट होगी।

भारत में रोजगार में कमी:

- कमजोर रोज़गार को **अपर्याप्त कमाई, कम उत्पादकता और काम की कठिन परिस्थितियों की विशेषता है** जो श्रमिकों के मूल अधिकारों को कमजोर करते हैं।
- यह विश्व या दक्षिण एशिया क्षेत्र की तुलना में भारत में अधिक है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार , 2019 में भारत में **75%** श्रम बल में खराब गुणवत्ता वाली नौकरियां होंगी।

भारत एक दिलचस्प मामला प्रस्तुत करता है क्योंकि पूंजी और श्रम एक क्षेत्र में कम मूल्य वर्धित गतिविधियों से दूसरे क्षेत्र में जा रहे हैं, लेकिन उच्च मूल्य वर्धित गतिविधियों के लिए नहीं । इससे ऐसी स्थिति पैदा हो जाती है कि सृजित नौकरियों का एक बड़ा हिस्सा खराब गुणवत्ता का होता है ।

शहरी नौकरियों के मुद्दे से निपटने के लिए बहु-आयामी रणनीति:

- शहरीकरण के पैमाने को देखते हुए, शहरी रोजगार सृजन कार्यक्रमों पर ध्यान **स्थानीय सरकारों के समन्वय में** होना चाहिए । स्थानीय स्तर पर अभिनेताओं को अपने निपटान में अधिक संसाधनों की आवश्यकता होती है।
- **रोजगार गहन निवेश नीतियों** को सरकार के साथ-साथ दोनों निजी उद्यमियों को भी गले लगाना चाहिए। श्रम और पूंजी के बीच अनुकूल संविदात्मक संबंधों द्वारा निजी निवेश को सुगम बनाने की आवश्यकता है। श्रम और पूंजी के बीच के हितों को संतुलित करने के लिए छोटे और सूक्ष्म उद्यमों को अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता होती है।

- **श्रम गहन शहरी अवसरंचना को प्राथमिकता देना** : नगर निगम के अवसरंचना के निर्माण के लिए एक श्रम गहन दृष्टिकोण पूंजीगत गहन दृष्टिकोण के लिए एक प्रभावी लागत विकल्प हो सकता है क्योंकि मजदूरी दरें कम हैं। अवसंरचना निवेश से रोजगार और आमदनी होगी। पूरे भारत में शहरों और कस्बों में कम लागत के आवास का निर्माण, बड़े पैमाने पर चिकित्सा, स्वास्थ्य और स्वच्छता अवसरंचना का निर्माण किया जा सकता है।
- जबकि MGNREGA या इसके विकल्प श्रमिकों के एक महत्वपूर्ण अनुपात को अवशोषित नहीं कर पाएंगे (महामारी की स्थिति के दौरान आजीविका के नुकसान के कारण लाखों श्रमिक अपने गृह राज्यों में लौट आए हैं), **MGNREGA को मजबूत करने की आवश्यकता है और उनकी क्षमता में वृद्धि हुई है** । इसका विस्तार बजटीय आवंटन और कार्य की न्यूनतम दिनों की न्यूनतम संख्या को बढ़ाकर किया जा सकता है।

निष्कर्ष:

शहरी क्षेत्रों में श्रमिकों के लिए अधिक रोजगार उत्पन्न करने की आवश्यकता है और कमजोर मजदूरी और कुछ प्रकार की नौकरी सुरक्षा प्रदान करके कमजोरियों को कम करने की आवश्यकता है।

बिंदुओं को जोड़ने पर:

- असुरक्षित रोजगार से आपका क्या अभिप्राय है? भारत में शहरी नौकरियों के मुद्दे से निपटने वाली सबसे खराब गुणवत्ता वाली नौकरियों में से एक महत्वपूर्ण है।
- हालिया आंकड़े भारतीय अर्थव्यवस्था के संकुचन पर प्रकाश डालते हैं। इस रोशनी में शहरी नौकरियों के मुद्दे से निपटने के लिए बहु-आयामी रणनीति की आवश्यकता है। टिप्पणी।

मल्टी-कैप फंड निवेश पर सीमा

GS प्रीलिम्स और GS- III - निवेश **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) ने मल्टी-कैप फंड पर कुछ सीमाएं लगाई हैं।

मुख्य बिन्दु

- इक्विटी और इक्विटी से संबंधित उपकरणों में अपनी कुल संपत्ति का न्यूनतम 75% निवेश करने के लिए एक मल्टी कैप फंड की आवश्यकता होगी।
- वर्तमान में, नियम में इक्विटी में न्यूनतम 65% का निवेश करना है।
- लार्ज कैप कंपनियों, मिड कैप कंपनियों और स्मॉल कैप कंपनियों के बीच 75% का न्यूनतम निवेश आवंटित किया जाना चाहिए, जिसमें प्रत्येक में न्यूनतम शेयर 25% होगा।
- बाकी 25% का निवेश निवेशक की पसंद के अनुसार किया जा सकता है।
- अब तक, मल्टी कैप म्यूचुअल फंड के फंड मैनेजर अपनी पसंद के अनुसार बाजार पूंजीकरण में निवेश कर रहे थे।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

मल्टी-कैप फंड

- मल्टी-कैप फंड वे हैं जो अपने निवेश को तीनों श्रेणियों (छोटे, मध्यम और बड़े-कैप) में विविधता प्रदान करते हैं।
- ये फंड शेयरों के बाजार पूंजीकरण द्वारा निवेश करते हैं।
- **बड़े कैप स्टॉक** : पूर्ण बाजार पूंजीकरण के मामले में शीर्ष 100 सूचीबद्ध कंपनियों के शेयर।
- **मिडकैप शेयर** : पूर्ण बाजार पूंजीकरण के मामले में शीर्ष 101 से 250 कंपनियों के शेयर।
- **स्मॉल-कैप स्टॉक** : पूर्ण बाजार पूंजीकरण के संदर्भ में 251 से ऊपर की कंपनियों के **शेयर** ।

क्या आप जानते हैं ?

- बाजार पूंजीकरण कंपनी के मौजूदा शेयर मूल्य और बकाया शेयरों की कुल संख्या के आधार पर कुल मूल्यांकन है।
- इसकी गणना कंपनी के कुल बकाया शेयरों के साथ कंपनी के शेयर के वर्तमान बाजार मूल्य को गुणा करके की जाती है।

जुलाई फैक्टरी आउटपुट में संकुचन: IIP

GS प्रीलिम्स और GS- III - अर्थव्यवस्था; उद्योग **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) ने डेटा जारी किया है जिसने लगातार पाँचवें महीने कारखाने के उत्पादन (औद्योगिक उत्पादन भी कहा जाता है) में गिरावट को दर्ज किया है ।
- जुलाई 2019 की तुलना में जुलाई 2020 में 10.4% का संकुचन हुआ।
- जून में देखे गए 15.8% संकुचन से डेटा में एक क्रमिक सुधार भी दर्ज किया गया। यह लॉकडाउन प्रतिबंधों को हटाने के साथ औद्योगिक गतिविधि में कुछ बहाली को दर्शाता है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP)

- यह एक संकेतक है जो एक निश्चित अवधि के दौरान औद्योगिक उत्पादों के उत्पादन की मात्रा में परिवर्तन को मापता है।
- यह राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) द्वारा मासिक रूप से संकलित और प्रकाशित किया जाता है।
- **मंत्रालय** : सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय।
- IIP के लिए आधार वर्ष 2011-2012 है।
- कोर क्षेत्र उद्योग में IIP में शामिल वस्तुओं की भारिता का 40.27% शामिल है।
- **उनकी भारिता के घटते क्रम में आठ प्रमुख उद्योग** : (1) रिफाइनरी उत्पाद; (२) बिजली; (3) स्टील; (4) कोयला; (5) कच्चा तेल; (6) प्राकृतिक गैस; (7) सीमेंट; (8) उर्वरक।

क्या आप जानते हैं ?

- IIP का महत्व: (1) इसका उपयोग सरकारी एजेंसियों द्वारा नीति-निर्माण के उद्देश्यों के लिए किया जाता है; (2) यह तिमाही और अग्रिम GDP अनुमानों की गणना के लिए अत्यंत प्रासंगिक है।

भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना

छह नियामक:

भारत में डिजिटल व्यवसाय छह से कम नियामकों द्वारा नियंत्रण की संभावना को देख रहे हैं

- गैर-व्यक्तिगत डेटा (NPD) पर एक विशेषज्ञ समिति ने एक NPD प्राधिकरण के निर्माण का सुझाव दिया है। यह एक पर्यवेक्षी निकाय होगा जो डेटा साझा करने और डेटा अनुरोधों को लागू करने में सक्षम होगा।

- हाल ही में अधिसूचित केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (CCPA) इसे डिजिटल व्यवसायों की निगरानी प्रदान करेगा।
- व्यक्तिगत डेटा के साथ-साथ ई-कॉमर्स के लिए एक नियामक प्रस्तावित किया गया है।
- भारत का प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) और भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (TRAI) डिजिटल अनुप्रयोगों के भविष्य के लाइसेंस के रूप में पहले से ही मौजूद हैं।

तेजी से गतिमान तकनीक और गैर- चुस्त शासन ढांचा:

- प्रौद्योगिकी ने पिछले एक दशक में मूलभूत परिवर्तनों को उत्प्रेरित किया है, जिसके परिणामस्वरूप रचनात्मक अभिव्यक्ति, संचार और ज्ञान निर्माण के नए डिजिटल चैनल हैं। इन विकासों ने बदलावों का मार्गदर्शन करने और बाजार की विफलताओं का जवाब देने के लिए नए शासन ढांचे का होना महत्वपूर्ण बना दिया है।
- डिजिटल व्यवसाय प्रतिस्पर्धा और जीवित रहने के लिए नवाचार करते हैं, और फलस्वरूप उनके कार्य और क्षमताएं तेजी से बदलती हैं।
- परम्परागत शासन के ढाँचे पर्याप्त नहीं रहते हैं।

भ्रमित नीति निर्धारण:

भारत में डिजिटल बाजारों की परिवर्तनकारी क्षमता को नियंत्रित करने के लिए एक एकीकृत और घनीभूत रणनीति का अभाव है, और इसके परिणामस्वरूप भ्रमित नीति निर्धारण हुआ है।

- प्रस्तावित NPD प्राधिकरण से व्यवसायों और सरकार के बीच डेटा-साझाकरण व्यवस्था की निगरानी की उम्मीद है। व्यक्तिगत डेटा संरक्षण बिल, 2019 में एक समान प्रावधान नियामक को डेटा प्रदान करने का अधिकार देता है। ई-कॉमर्स नीति के तहत प्रस्तावित ई-कॉमर्स नियामक के पास भी समान शक्तियां हैं।

- **क्षेत्राधिकार अधिव्याप्त:** CCPA भ्रामक विज्ञापनों की ऑनलाइन निगरानी करेगा, साथ ही तीसरे पक्ष को व्यक्तिगत जानकारी का खुलासा करेगा। राष्ट्रीय ई-कॉमर्स नीति का मसौदा समान उपायों का प्रस्ताव करता है।
- नियम जो सरकारी विभागों की पर्यवेक्षी सीमाओं का सीमांकन करते हैं वे भी अस्पष्ट रहते हैं। उदाहरण- उद्योग और आंतरिक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए विभाग को ई-कॉमर्स से संबंधित सभी मामलों को सौंपा गया है। हालांकि, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 का प्रशासन, जो ई-कॉमर्स को कानूनी मान्यता प्रदान करता है, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साथ टिकी हुई है।

- यदि क्षेत्राधिकार संबंधी भ्रम बना रहता है, तो विवादों का पालन होने की संभावना है। इस तरह के विवाद समस्याग्रस्त हैं क्योंकि वे राज्य की पर्यवेक्षी क्षमता में आर्थिक मूल्य और विश्वास को नष्ट करते हैं।

आगे का मार्ग:

भारत को प्रौद्योगिकी द्वारा उठाए गए संस्थागत चुनौतियों को दूर करने के लिए नियम बनाने के लिए **"संपूर्ण सरकार" दृष्टिकोण की** आवश्यकता **है** ।

- 2018-19 के आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि " **आर्थिक नीति की अनिश्चितता** को **कम** करना महत्वपूर्ण है क्योंकि घरेलू आर्थिक नीति अनिश्चितता में वृद्धि से घरेलू निवेश और विदेशी निवेश दोनों दृढ़ता से प्रभावित होते हैं"।
- सरकारी निकायों के बीच संवाद और सहयोग में वृद्धि।
- बहु-हितधारक परामर्श और उद्योग द्वारा स्व-नियमन को बढ़ावा देना प्रकाश-स्पर्श शासन के लिए समान रूप से आवश्यक है जो नवाचार को प्रोत्साहित करता है।
- प्रौद्योगिकी के सीमा पार आयामों को संबोधित करने के लिए नियामक प्रभाव आकलन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग जैसी अच्छी प्रथाएं ।
- भारत को निजी निवेश पर कोई अड़चन पैदा करने से बचना चाहिए और एक ट्रिलियन डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए एक स्पष्ट रास्ता तैयार करना चाहिए।
- विनियमन की गुणवत्ता में सुधार के लिए नए संस्थानों की जवाबदेही महत्वपूर्ण है।
- **निष्कर्ष:**

  डिजिटल अर्थव्यवस्था के नियमन के आसपास शासन में सुधार एक डिजिटल महाशक्ति बनने की देश की यात्रा का एक महत्वपूर्ण कदम है और इस पर काम किया जाना चाहिए।

बिंदुओं को जोड़ने पर:

- भारत में डिजिटल बाजारों की परिवर्तनकारी क्षमता को नियंत्रित करने के लिए एक एकीकृत और घनीभूत रणनीति का अभाव है, और इसके परिणामस्वरूप भ्रमित नीति निर्धारण हुआ है।

स्टार्ट-अप गांव उद्यमिता कार्यक्रम

GS प्रीलिम्स और GS- III - स्टार्ट-अप; उद्यमिता **का हिस्सा:**

समाचार में

- स्टार्ट-अप गांव उद्यमिता कार्यक्रम (SVEP) के तहत महिला स्वयं सहायता समूह (SHG) ने चल रहे कोविड -19 महामारी के दौरान प्रभावी अग्रिम पंक्ति के उत्तरदाताओं के रूप में कदम रखा।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

स्टार्ट-अप गांव उद्यमिता कार्यक्रम (SVEP)

- SVEP दीनदयालअनत्योदययोग -राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY- NRLM) की एक उप-योजना है ।
- **मंत्रालय:** ग्रामीण विकास मंत्रालय।
- **कार्यान्वित:** 2016
- इसने अगस्त 2020 तक 23 राज्यों के 153 ब्लॉकों में व्यावसायिक सहायता सेवाओं और पूंजी जलसेक को बढ़ाया है।
- **साझेदार** : उद्यमिता विकास संस्थान (EDII), अहमदाबाद।
- **उद्देश्य:** (1) गरीबी से बाहर आने के लिए ग्रामीण गरीबों का समर्थन करना; (2) उद्यमों को स्थिर करने के लिए लोगों को समर्थन देने और समर्थन प्रदान करने के लिए समर्थन दें; (3) वित्तीय सहायता और प्रशिक्षण के साथ स्व-रोजगार के अवसर प्रदान करना
- यह ग्रामीण स्टार्ट-अप के तीन प्रमुख स्तंभों जैसे कि वित्त, ऊष्मायन और कौशल पारिस्थितिकी प्रणालियों को संबोधित करता है।

स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के समर्थन पर राज्यों की रैंकिंग: DPIIT

GS प्रीलिम्स और GS- III - स्टार्ट-अप; उद्यमिता **का हिस्सा:**

समाचार में

- स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के समर्थन पर राज्यों की रैंकिंग के दूसरे संस्करण के परिणाम हाल ही में जारी किए गए थे।
- **मंत्रालय** : उद्योग और आंतरिक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय।
- DPIIT ने हाल ही में राज्य व्यापार सुधार कार्य योजना के आधार पर व्यापार करने में आसानी रैंकिंग -2019 जारी किया है।

मुख्य बिन्दु

- **उद्देश्य** : स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के उत्थान की दिशा में सतत रूप से कार्य करने के लिए प्रतिस्पर्धा, पारस्परिक शिक्षा और प्रोपेल स्टेट्स एंड यूनियन टेरिटरीज़ (UTs) को बढ़ावा देना।

- **फ्रेमवर्क** : 2019 रैंकिंग फ्रेमवर्क में सात व्यापक सुधार क्षेत्र हैं, जिसमें 30 कार्य बिन्दु शामिल हैं - संस्थागत समर्थन, सहजता अनुपालन, सार्वजनिक खरीद मानदंडों में छूट, ऊष्मायन समर्थन, बीज धन सहायता, उद्यम निधि सहायता और जागरूकता और आउटरीच।
- **भागीदारी** : 22 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेश।
- **राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 2 श्रेणियाँ** : (1) श्रेणी Y: असम को छोड़कर दिल्ली और उत्तर पूर्व भारत के सभी राज्यों को छोड़कर सभी केंद्र शासित प्रदेश; (2) श्रेणी X: दिल्ली के अन्य सभी राज्य और केन्द्र शासित प्रदेश।
- **सर्वश्रेष्ठ कलाकार** : (1) गुजरात; (2) कर्नाटक; (३) केरल।
- **सबसे खराब प्रदर्शन** : (1) उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु।
- **श्रेणी Y में सर्वश्रेष्ठ राज्य**: अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
- **श्रेणी Y में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला राज्य:** सिक्किम

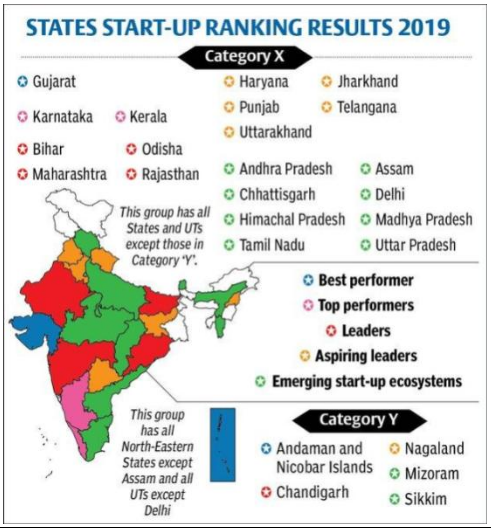

रक्षा क्षेत्र में नई FDI नीति को मंजूरी

GS प्रीलिम्स और GS- III - रक्षा; प्रत्यक्ष विदेशी निवेश **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रक्षा क्षेत्र में एक नई प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) नीति को मंजूरी दी ।
- यह स्वचालित अनुमोदन के माध्यम से FDI को 49% से बढ़ाकर 74% करने की अनुमति देता है।

- हालाँकि, नई नीति में एक शर्त के रूप में 'राष्ट्रीय सुरक्षा' खंड है जिसे वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित किया गया है।

मुख्य बिन्दु

- अधिक उदारीकृत FDI नीति के माध्यम से सरकार भारत में विनिर्माण इकाइयों की स्थापना के लिए विदेशी खिलाड़ियों को आकर्षित करना चाहती है।
- यह विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए एक इंजन के रूप में कार्य करने के लिए रक्षा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।
- यह 2025 तक 35,000 करोड़ रुपये के निर्यात सहित 1.75 लाख करोड़ रुपये का कारोबार हासिल करने का लक्ष्य है।

क्या आप जानते हैं ?

- सरकार रक्षा उत्पादन और निर्यात प्रोत्साहन नीति 2020 (DPEPP 2020) का मसौदा लेकर आई है ।
- सरकार ने रक्षा उपकरणों के लिए एक नकारात्मक आयात सूची भी लाई है।
- घरेलू उद्योग से पूंजी अधिग्रहण के लिए एक समर्पित बजट भी तैयार किया जाता है।

सरकार ने फ्लैगशिप 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए दो रक्षा औद्योगिक गलियारों का उद्घाटन किया है ।

आत्मनिर्भर भारत ARISE-अटल नया भारत चैलेंज लॉन्च

GS प्रीलिम्स और GS- III - स्टार्ट-अप; नवाचार **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में आत्म निर्भर भारत ARISE-अटल नया भारत चैलेंज (ANIC) प्रोग्राम लॉन्च किया गया था।
- यह एक राष्ट्रीय पहल है।

मुख्य बिन्दु

- **उद्देश्य:** (1) अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए; (2) भारतीय स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए; (3)

क्षेत्रीय समस्याओं के अभिनव समाधानों की सुविधा के लिए मंत्रालयों और संबद्ध उद्योगों के साथ सहयोग करना।

- पहल अटल नवाचार मिशन के तहत की जाएगी।
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) और चार मंत्रालयों: (1) रक्षा मंत्रालय; (2) खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय; (3) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय; और (4) आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय **द्वारा कार्यान्वित**
- **विशेषताएं** : (1) अपनी विशाल क्षमता के कारण तकनीकी-प्रसार को बढ़ावा देना; (2) 15 क्षेत्र-विशिष्ट चुनौतियाँ जहाँ तीन चुनौतियाँ प्रत्येक मंत्रालय के लिए हैं; (3) स्टार्टअप को न्यूनतम उपयोग करने योग्य प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए 9 से 12 महीने की अवधि के लिए 50 लाख रुपये तक की निधि दी है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

अटल नवाचार मिशन (AIM)

- AIM भारत सरकार की प्रमुख पहल है।
- **उद्देश्य:** (1) नवाचार और उद्यमशीलता की संस्कृति को बढ़ावा देना; (2) अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए नए कार्यक्रमों और नीतियों को विकसित करना; (3) विभिन्न हितधारकों के लिए मंच और सहयोग के अवसर प्रदान करना; (4) देश के नवप्रवर्तन पारिस्थितिकी तंत्र की देखरेख के लिए जागरूकता पैदा करना और एक छत्र संरचना बनाना।

योग्य वित्तीय अनुबंध विधेयक, 2020 का द्विपक्षीय नेटिंग पारित

GS प्रीलिम्स और GS- III - अर्थव्यवस्था **का हिस्सा** :

समाचार में

- संसद ने राज्यसभा द्वारा इसे अनुमोदित करने के साथ योग्य वित्तीय अनुबंध विधेयक, 2020 के द्विपक्षीय नेटिंग को पारित कर दिया है।

मुख्य बिन्दु

- विधेयक योग्य वित्तीय अनुबंधों के द्विपक्षीय जाल के लिए एक कानूनी ढांचा प्रदान करता है।
- **लागू करने** योग्य **:** दो योग्य वित्तीय बाजार सहभागियों के बीच योग्य वित्तीय अनुबंध जहां कम से कम एक पार्टी निर्दिष्ट प्राधिकारी RBI, SEBI, IRDAI, PFRDA या IFSCA द्वारा विनियमित इकाई है।

महत्व

- द्विपक्षीय जाल के बिना, भारतीय बैंकों को बाज़ार में खुले रूप से अपने व्यापारों के खिलाफ उच्च पूंजी को अलग करना पड़ा है, जो बाजार में भाग लेने की उनकी क्षमता को प्रभावित करता है । इसके अलावा डिफॉल्ट के दौरान यह प्रणालीगत जोखिम भी बढ़ाता है।
- द्विपक्षीय जाल से बैंकों, प्राथमिक डीलरों और अन्य बाजार निर्माताओं के लिए प्रतिरक्षा लागत और तरलता की जरूरतों को कम करने में मदद मिलेगी, जिससे काउंटर व्युत्पन्न पर बाजार में भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा।
- यह कॉर्पोरेट डिफॉल्ट स्वैप बाजार को विकसित करने में भी मदद करेगा, जो बदले में कॉर्पोरेट बॉन्ड बाजार के विकास को सहायता प्रदान करेगा।
- इससे निवेशकों का विश्वास भी सुधरेगा और क्रेडिट डिफॉल्ट स्वैप के दायरे का विस्तार होगा।

क्या आप जानते हैं ?

- द्विपक्षीय जाल एक बैंक और एक प्रतिपक्ष के बीच कानूनी रूप से लागू करने योग्य व्यवस्था है जो सभी शामिल व्यक्तिगत अनुबंधों को कवर करते हुए एक एकल कानूनी दायित्व बनाता है।
- इसका मतलब यह है कि किसी पक्ष की डिफ़ॉल्ट या दिवालिया होने की स्थिति में एक बैंक का दायित्व, द्विपक्षीय नेटिंग व्यवस्था में शामिल अनुबंधों के सभी सकारात्मक और नकारात्मक उचित मूल्यों का शुद्ध योग होगा।
- नेटिंग से तात्पर्य एक पक्ष से दूसरे पक्ष को देय या देय प्राप्य राशि का निर्धारण करने के लिए दो पक्षों के बीच व्यवहार से उत्पन्न सभी दावों की भरपाई से है।

सतत वसूली पर विशेष रिपोर्ट जारी

GS प्रीलिम्स और GS- III - अर्थव्यवस्था **का हिस्सा** :

समाचार में

- सतत वसूली पर विशेष रिपोर्ट जारी की गई है।
- अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) और नीति आयोग **द्वारा प्रस्तुत** :

मुख्य बिन्दु

- यह IEA की प्रमुख विश्व ऊर्जा आउटलुक श्रृंखला का एक हिस्सा है।
- यह ऊर्जा प्रणाली को स्वच्छ और अधिक लचीला बनाते हुए अर्थव्यवस्थाओं को पुनर्जीवित करने और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए अगले तीन वर्षों में कई कार्रवाई कर सकता है।

- रिपोर्ट के अनुसार, 2008-09 के वित्तीय संकट के बाद, हरे रंग के उपायों का कुल प्रोत्साहन उपायों के लगभग 16% के लिए जिम्मेदार है।
- महामारी से उबरने के लिए स्वच्छ निवेश के प्रति अधिक महत्वाकांक्षी और निर्णायक होना जरूरी है।
- **रोजगार सृजित करने के लिए प्रमुख क्षेत्र** : बिजली, परिवहन, भवन, उद्योग और स्थायी जैव ईंधन और नवाचार।

क्या आप जानते हैं ?

- अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी 1973 के तेल संकट के मद्देनजर 1974 में आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD) के ढांचे में स्थापित एक अंतर सरकारी संगठन है।
- इसका मुख्यालय पेरिस, फ्रांस में है।

उपकर और करारोपण का गैर-उपयोग

GS प्रीलिम्स और GS- III - कर **का हिस्सा** :

समाचार में

- हाल ही में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) ने संसद को बताया कि केंद्र ने वित्तीय वर्ष 2018-19 में उपकर/कर से होने वाली आय का केवल 60 फीसद हिस्सा संबंधित रिजर्व फंडों को हस्तांतरित किया है और भारत की संचित निधि (CFI) में शेष राशि को बरकरार रखा है।

क्या आप जानते हैं ?

- एकत्र किए गए उपकर और कर को पहले नामित आरक्षित निधि में स्थानांतरित किया जाना चाहिए और संसद द्वारा निर्धारित विशिष्ट उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाना चाहिए।
- उपकर और अन्य कर के साथ केंद्रीय करों के माध्यम से एकत्रित फंड CFI में जाते हैं। CFI में कर और अधिभार एक विभाज्य पूल में पार्क किया जाता है और कुल का 42% राज्यों को विचलन के रूप में दिया जाता है ।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

भारत का समेकित कोष

- यह भारत के संविधान के **अनुच्छेद 266 (1)** के तहत गठित किया गया था ।

संरचना:

- करों (आयकर, केंद्रीय उत्पाद शुल्क, सीमा शुल्क और अन्य प्राप्तियों) और सभी गैर-कर राजस्व के माध्यम से केंद्र द्वारा प्राप्त सभी राजस्व।
- **केंद्र** द्वारा सार्वजनिक अधिसूचना, ट्रेजरी बिल (आंतरिक ऋण) और विदेशी सरकारों और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों (बाहरी ऋण) द्वारा जारी **किए गए** सभी **ऋण** ।
- **सभी सरकारी व्यय इस कोष से किए जाते हैं,** असाधारण मदों को छोड़कर जो **आकस्मिकता निधि** या **सार्वजनिक खाते** से मिलते हैं ।
- **संसद से प्राधिकरण के** बिना फंड से कोई राशि नहीं निकाली जा सकती है **।**
- CAG फंड का ऑडिट करता है और प्रबंधन पर संबंधित विधानसभाओं को रिपोर्ट करता है।

उपकर

- उपकर एक करदाता के आधार कर देयता के ऊपर और ऊपर लगाए गए **कर** का एक **रूप है** ।

अधिभार

- एक अधिभार एक **अतिरिक्त शुल्क, शुल्क, या कर** है जो शुरू में उद्धृत मूल्य से परे एक अच्छी या सेवा की लागत पर जोड़ा जाता है।

आदिवासी कल्याण: GI टैग ST उद्यमियों को फलने-फूलने में मदद कर सकता है

संदर्भ: समावेशी विकास के युग में अनुसूचित जनजातियों (ST) के सशक्तीकरण, जो बड़े पैमाने पर आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े हैं, ने विशेष महत्व ग्रहण किया है।

अनुसूची जनजाति को सशक्त बनाने का एक स्थायी तरीका उन्हें स्व-नियोजित उद्यमी बनने में मदद करना है।

अनुसूची जनजाति के बीच स्वरोजगार पहले से ही अधिक है

- आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) 2018-19 रिपोर्ट के अनुसार, अनुसूचित जनजाति के श्रमिकों का एक बड़ा हिस्सा (57%) स्वरोजगार कर रहे हैं, मूल रूप से कृषि और संबद्ध गतिविधियों और हस्तशिल्प में ।
- लगभग 30% आकस्मिक और कृषि श्रम हैं और केवल 13% वेतनभोगी रोजगार में लगे हुए हैं।
- इसलिए, कौशल मार्ग का पता लगाना आवश्यक है जो उन्हें एक ही व्यवसाय में अधिक कमाने में मदद करेगा।

क्या GI टैग जनजातियों को उद्यमी बनने में मदद करेगा?

- एक भौगोलिक संकेत (GI) एक संकेत है जो उन उत्पादों पर उपयोग किया जाता है जिनकी एक विशिष्ट भौगोलिक उत्पत्ति होती है और उन गुणों या प्रतिष्ठा होती है जो उस मूल के कारण होती हैं
- GI स्थानीय ST समुदायों के लिए संभावित GI वन उत्पादों की व्यापक विविधता के **विकास और बाजार मूल्य** को **बढ़ाने** की क्षमता रखता है।
- कई समुदायों ने अपने पारंपरिक उत्पादों को दी गई GI मान्यता से आर्थिक रूप से बहुत लाभ उठाया है।
- उदाहरण के लिए, GI टैग पोस्ट, की कीमत **कड़कनाथ चिकन,** मध्य प्रदेश में धार और झाबुआ जिलों में से एक देशी नस्ल और मुख्य रूप से द्वारा पोषित **भील आदिवासियों** में काफी बढ़ गई है।
- **टैग किए गए सैनिक खुशबूदार अरकु घाटी कॉफी** , मूल रूप से जनजातीय आबादी द्वारा उत्पादित **आंध्र प्रदेश** , अब एक प्रीमियम जीवन शैली और स्वास्थ्य उत्पाद के रूप में निर्यात किया जा रहा है

क्या आदिवासी आबादी को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए GI टैग मिलना पर्याप्त होगा?

ST के पारंपरिक उत्पादों के लिए GI टैग देने से जुड़ी विभिन्न चुनौतियां हैं, जिनमें से कुछ हैं:

- **बिचौलियों की चुनौतियां:** GI पंजीकृत जनजातीय उत्पाद का लाभ, कई मामलों में, कलाकार को नहीं बल्कि व्यापारियों या बिचौलियों को मिलता है।
- **नकली और फर्जी उत्पाद जारी करना**: पारंपरिक हाथ से बुने हुए डिजाइनों को अक्सर बड़े पैमाने पर उत्पादन के माध्यम से कम कीमत पर दोहराया और बेचा जाता है, जो जनजातियों को उनकी वैध आय से वंचित करता है
- बिंदु में एक मामला GI पंजीकृत अद्वितीय हाथ से बुनी हुई कढ़ाई और कपड़ा डिजाइन है जो नीलगिरी के टोडा जनजाति द्वारा बनाया गया है।
- **विपणन और ब्रांड संवर्धन की चुनौतियाँ:** GI टैग मूल्य को बढ़ाता है - बिक्री और मुनाफे के संदर्भ में - केवल उन उत्पादों के बारे में जो ज्ञात हैं, पहले से ही लाभदायक हैं

आगे का मार्ग

- **सक्रिय राज्य सरकार**: राज्यों को पारंपरिक उत्पादों की पहचान करने की कोशिश करनी चाहिए, जो अनुसूचित जनजातियों के ज्ञान और कौशल को शामिल करते हैं, और ऐसे उत्पादों के लिए GI टैग प्राप्त करने का प्रयास करते हैं।

- GI **प्रावधान का प्रभावी कार्यान्वयन** : GI **प्रावधानों के** किसी भी उल्लंघन, जैसे कि नकली और फर्जी उत्पादों के प्रसार के मामलों से गंभीर रूप से निपटा जाना चाहिए।
- **समावेशी GI टैग मान्यता:** GI अधिनियम, 1999 को अपग्रेड करने की आवश्यकता है और इसे जमीनी वास्तविकताओं के लिए अधिक समावेशी और उत्तरदायी बनाना है ताकि अधिक उत्पाद GI पंजीकृत है।
- **नागरिक समाज का समर्थन:** यह भी महत्वपूर्ण है कि NGO और कॉर्पोरेट GI उत्पादों की ब्रांडिंग और मार्केटिंग का समर्थन करते हैं। वास्तव में, एक अंतरराष्ट्रीय ब्रांड के रूप में अरकू वैली कॉफी की स्थापना का श्रेय एक गैर सरकारी संगठन के विपणन प्रयासों और कॉर्पोरेट्स का चयन करने के लिए आवश्यक है।
- **उद्यम सुविधा मंच:** जैसे वाणिज्य मंडल, सरकारी हेल्प डेस्क या GI को समर्पित एक स्वैच्छिक संगठन का गठन किया जाना चाहिए। यह खरीदार को मूल विक्रेता / आदिवासी के साथ जोड़ने में मदद करेगा, जिससे GI पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर मालिक और विक्रेता के बीच शोषणकारी खाई को कम करने में मदद मिलेगी।
- **कानूनी सहायता:** वाणिज्य और स्वैच्छिक संगठनों के कक्ष के भीतर कानूनी सहायता सेवाओं का समावेश भी जनजातियों के अधिकारों की रक्षा करने में मदद करता है।

निष्कर्ष

ऐसे समय में जब सरकार 'एक जिला, एक उत्पाद' योजना पर काम कर रही है और बेहतर परिणामों के लिए GI टैग के इस्तेमाल पर विचार कर रही है, अनुसूचित जनजातियों का अनुभव प्रभावित कर सकता है

अंतर्राष्ट्रीय खुदरा व्यापार के विकास पर IFSCA समिति की रिपोर्ट

GS प्रीलिम्स और GS- III - अर्थव्यवस्था; व्यापार; निवेश **का हिस्सा** :

समाचार में

- अंतर्राष्ट्रीय खुदरा व्यापार विकास पर अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (IFSCA) विशेषज्ञ समिति ने अपनी अंतरिम रिपोर्ट प्रस्तुत की है।
- **समिति का उद्देश्य:** यह सुझाव देना कि अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (IFSC) में अंतर्राष्ट्रीय खुदरा व्यापार कैसे विकसित किया जाए।

समिति का सुझाव है कि IFSC निम्न लक्ष्य बना सकता है-

- अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों और व्यापार के लिए भारत के विकास की कहानी का प्रवेश द्वार बनना
- IFSC से वित्तीय सेवाओं की एक व्यापक श्रेणी के साथ भारतीय प्रवासी और एशिया और अफ्रीका के व्यक्तियों को प्रदान करना
- उदारीकृत प्रेषण योजना का लाभ उठाने वाले घरेलू निवासियों की सेवा करना।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- भारत सरकार ने श्री आई. श्री निवास को इसके अध्यक्ष के रूप में IFSCA का गठन किया था।
- **उद्देश्य:** भारत में IFSC में वित्तीय सेवा बाजार को विकसित और विनियमित करना; (2) GIFT सिटी को लंदन, हांगकांग, सिंगापुर और दुबई की तर्ज पर अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवाओं के लिए एक वैश्विक केंद्र बनाना।

गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक (GIFT) सिटी

- यह साबरमती नदी के तट पर स्थित है।
- यह भारत का पहला परिचालन स्मार्ट सिटी और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र है।
- इसे हरितफील्ड परियोजना के रूप में गुजरात सरकार द्वारा बढ़ावा दिया गया था।

घरेलू व्यवस्थित रूप से महत्वपूर्ण बीमाकर्ता (D-SII)

GS प्रीलिम्स और GS- III - बीमा **का हिस्सा** :

समाचार में

- भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (IRDAI) ने 2020-21 के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC), जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (GIC) और न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी को घरेलू प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण बीमाकर्ताओं (D-SIIs) के रूप में पहचाना है।

मुख्य बिन्दु

- तीन सार्वजनिक क्षेत्र के बीमाकर्ता कॉर्पोरेट प्रशासन के स्तर को बढ़ाएंगे, सभी प्रासंगिक जोखिमों की पहचान करेंगे और एक ध्वनि जोखिम प्रबंधन संस्कृति को बढ़ावा देंगे।
- D-SII के रूप में, उन्हें भी विनियामक पर्यवेक्षण के अधीन किया जाएगा।
- D-SII को वार्षिक आधार पर सूचीबद्ध किया जाएगा।
- कुल राजस्व के संदर्भ में आकार, जिसमें प्रीमियम अंडरराइट किया गया है और प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियों का मूल्य उन मापदंडों में से है, जिन पर बीमाकर्ता की पहचान की गई है

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- D-SIIs ऐसे आकार, बाजार महत्व और घरेलू और वैश्विक परस्पर संबंध के बीमाकर्ताओं को संदर्भित करता है जिनकी संकट या विफलता घरेलू वित्तीय प्रणाली में एक महत्वपूर्ण अव्यवस्था का कारण होगी।
- राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में बीमा सेवाओं की निर्बाध उपलब्धता के लिए उनकी निरंतर कार्यप्रणाली महत्वपूर्ण है।
- D-SII को ऐसे बीमाकर्ता के रूप में माना जाता है जो विफल होने के लिए बहुत बड़े या बहुत महत्वपूर्ण हैं। इस तरह की धारणा और सरकारी समर्थन की उम्मीद जोखिम को बढ़ा सकती है, बाजार अनुशासन को कम कर सकती है, प्रतिस्पर्धी विकृतियां पैदा कर सकती है और भविष्य में संकट की संभावना को बढ़ा सकती है।

सेस पूल: GST पर CAG की रिपोर्ट

संदर्भ: भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG) द्वारा केंद्र सरकार के खातों का नवीनतम लेखा-जोखा संसद में उपलब्ध था।

उपकर क्या है?

- **परिभाषा** : उपकर एक करदाता के आधार कर देयता के ऊपर और ऊपर लगाए गए कर का एक प्रकार है।
- **विशिष्ट प्रयोजन के लिए उपयोग किया जाता है:** आमतौर पर राज्य या केंद्र सरकार विशिष्ट उद्देश्यों के लिए धन जुटाने के लिए एक उपकर अतिरिक्त रूप से लगाया जाता है। उदाहरण के लिए, सरकार प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा के वित्तपोषण के लिए अतिरिक्त राजस्व उत्पन्न करने के लिए एक शिक्षा उपकर लगाती है।
- **अस्थायी कर** : उपकर सरकार के लिए राजस्व का एक स्थायी स्रोत नहीं है, और इसे तब ही बंद कर दिया जाता है जब इसका उद्देश्य पूरा होता है।

- **राज्यों के साथ कोई साझेदारी नहीं** : केंद्र सरकार को कुछ अन्य करों के विपरीत, आंशिक रूप से या पूर्ण रूप से राज्य सरकार के साथ उपकर साझा करने की आवश्यकता नहीं है।
- **लागू करने में आसान** : उपकर लगाने की प्रक्रिया तुलनात्मक रूप से करों को पेश करने के लिए किए गए प्रावधानों की तुलना में सरल है, जिसका अर्थ है आमतौर पर कानून में बदलाव। उपकर को संशोधित करना और समाप्त करना भी आसान है।
- **दोनों प्रकार के कर पर छूट** : उपकर को अप्रत्यक्ष और प्रत्यक्ष करों दोनों पर लगाया जा सकता है
- **उपकर की प्रक्रिया:** जबकि सभी कर भारत के समेकित कोष (CFI) में जाते हैं, उपकर प्रारंभ में CFI में जा सकता है लेकिन इसका उपयोग उस प्रयोजन के लिए किया जाना चाहिए जिसके लिए इसे एकत्र किया गया था।
- **अनपेक्षित उपकर राशि** : यदि किसी विशेष वर्ष में एकत्र किया गया उपकर **अनिर्दिष्ट** हो जाता है, तो उसे अन्य प्रयोजनों के लिए आवंटित नहीं किया जा सकता है। यह राशि अगले वर्ष तक पहुंच जाती है और इसका उपयोग केवल उस कारण के लिए किया जा सकता है, जिसके लिए इसका उपयोग किया गया था
- **जिस उद्देश्य के लिए यह लगाया जाता है** : सरकार किसी भी प्रयोजन के लिए उपकर लगा सकती है जैसे आपदा राहत, नदियों की सफाई के लिए धन पैदा करना आदि। उदाहरण के लिए, वर्ष 2018 में केरल में बाढ़ के बाद, राज्य सरकार ने 1% का उपकर लगाया। GSTी और ऐसा करने वाला पहला राज्य बन गया
- **उपकर और GST:** GST (माल और सेवा कर) शासन के तहत, कुछ पाप सामान और विलासिता की वस्तुएं भी उपकर को आकर्षित करती हैं।

सेस (उपकर) से संबंधित CAG की रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष

- केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने 2018-19 में भारत के समेकित कोष (CFI) में सभी उपकरों के 40% से अधिक को चुपचाप बनाए रखा।
- वर्ष में 35 विभिन्न उपकरों, करों और शुल्कों से-2.75-लाख करोड़ की आय हुई, लेकिन अभी लगभग 1.64-लाख करोड़ विशिष्ट आरक्षित निधि के लिए निकाले गए, जिसके लिए इन उपकरों को लगाया गया था।
- **कच्चे तेल का उपकर:** 10 वर्षों में कच्चे तेल पर एकत्रित 1.25 लाख करोड़ उपकरों में से एक पैसा भी एक तेल उद्योग के विकास निकाय को हस्तांतरित नहीं किया गया था जो कि वित्त के लिए था।

- पेट्रोल और डीजल पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क के रूप में एकत्र किए गए भारी उपकर के कुछ हिस्सों को वित्त सड़कों और अवसरंचना के लिए CFI में समान रूप से बनाए रखा गया था।
- **आयकर** पर **एक नया 4% स्वास्थ्य और शिक्षा उपकर** आंशिक रूप से शिक्षा के लिए तैनात किया गया था, लेकिन स्वास्थ्य के लिए कोई फंड नहीं बनाया गया था। एक समाज कल्याण अधिभार के साथ सीमा शुल्क पर लगाया गया।
- 47,272 करोड़ के साथ **GST क्षतिपूर्ति उपकर** , GST के पहले दो वर्षों में अपने सही खाते में प्रेषित नहीं किया गया था

उपरोक्त निष्कर्षों का विश्लेषण

- **संघ की राजकोषीय स्थिति की विकृति:** संघ सरकार द्वारा इस प्रकार के उपकर प्रथाओं से भारत के राजस्व और राजकोषीय घाटे की संख्या को समझने में मदद मिली
- **उपकर उद्देश्य को पूरा नहीं किया गया** : जिन उद्देश्यों के लिए संसद ने ऐसे उपकरों को मंजूरी दी - चाहे वह स्वास्थ्य हो, शिक्षा हो या बुनियादी ढाँचे का विकास हो - नहीं मिले।
- **राजकोषीय संघवाद की विकृति:** राज्यों को क्षतिपूर्ति उपकर अंतरण को राज्यों को अनुदान-सहायता के रूप में, केंद्र-राज्यों के राजकोषीय गणित को विकृत करने के लिए जिम्मेदार माना गया।
- **उपकर पर निर्भरता में वृद्धि** : राजस्व बढ़ाने के लिए उपकर और सरचार्ज पर केंद्र की निर्भरता विशेष रूप से 14 वें वित्त आयोग के सुझावों के अनुरूप करों के विभाज्य पूल का हिस्सा 42% तक बढ़ाए जाने के बाद बढ़ी है।
- **कर संरचना की शिकायत करता है:** इस बात पर बहस होती है कि क्या इस तरह के लेवी राष्ट्र के साथ तालमेल बैठा रहे हैं जो अपनी कर व्यवस्था को सरल बनाने की कोशिश कर रहे हैं

आगे का मार्ग

- पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क के साथ शुरू होने वाले उपकरों को युक्तिसंगत बनाने की जरूरत है।
- उपकर रसीदों के प्रबंधन में पारदर्शिता की आवश्यकता है ताकि संसद और लोगों को लेखापरीक्षा निष्कर्षों की प्रतीक्षा करने की आवश्यकता न हो

बिंदुओं को जोड़ने पर

- GST के कामकाज का विश्लेषण

पूर्वव्यापी कराधान: वोडाफोन केस

संदर्भ: हेग में स्थायी न्यायालय ने वोडाफोन मामले पर एक सर्वसम्मत निर्णय दिया।

क्या मामला है?

- मई 2007 में, वोडाफोन इंटरनेशनल होल्डिंग (डच संस्था) ने हचिसन व्हामपोआ में 11 अरब डॉलर में 67% हिस्सेदारी खरीदी थी। इसमें भारत में मोबाइल टेलीफोन व्यवसाय और हचिसन की अन्य संपत्तियां शामिल थीं
- सितंबर 2007 में, पहली बार भारत सरकार ने पूंजीगत लाभ में 7,990 करोड़ रुपये की मांग की और वोडाफोन से कर वापस ले लिया।
- सरकार ने तर्क दिया कि हचिसन को भुगतान करने से पहले वोडाफोन को स्रोत पर कर में कटौती करनी चाहिए थी।
- वोडाफोन ने बॉम्बे उच्च न्यायालय में मांग नोटिस को चुनौती दी, जिसने आयकर विभाग के पक्ष में फैसला सुनाया। इसके बाद, वोडाफोन ने उच्च न्यायालय के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी
- 2012 में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि वोडाफोन समूह की 1961 के आयकर अधिनियम की व्याख्या सही थी और इसके लिए उसे हिस्सेदारी खरीद के लिए कोई कर नहीं देना पड़ता था।

उच्चतम न्यायालय के निर्णय को खत्म करने की सरकार ने कैसे कोशिश की?

- 2012 में, दिन की सरकार **ने वित्त अधिनियम में संशोधन का** प्रस्ताव देकर SC के फैसले को दरकिनार कर दिया , जिससे आयकर विभाग को इस तरह के सौदों पर पूर्वव्यापी कर लगाने की शक्ति मिली ।
- तब तक मामला 'पूर्वव्यापी कराधान मामले' के रूप में बदनाम हो चुका था।
- एक बार जब संसद ने 2012 में वित्त अधिनियम में संशोधन पारित किया, तो करों का भुगतान करने का अधिकार वोडाफोन पर वापस गिर गया

पूर्वव्यापी कराधान क्या है?

- जैसा कि नाम से पता चलता है, पूर्वव्यापी कराधान एक देश को कुछ उत्पादों, वस्तुओं या सेवाओं और सौदों पर कर लगाने का नियम देता है और उन कंपनियों से शुल्क वसूलता है, जिन पर कानून पारित हुआ है।

- देश अपनी कराधान नीतियों में **किसी भी तरह की विसंगतियों को ठीक करने के लिए इस मार्ग का उपयोग करते** हैं, अतीत में, कंपनियों ने ऐसी कमियों का लाभ उठाने की अनुमति दी थी।
- **वैश्विक नियम:** भारत के अलावा, अमेरिका, ब्रिटेन, नीदरलैंड, कनाडा, बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया और इटली सहित कई देशों में पूर्वव्यापी टैक्स वाली कंपनियां हैं, जिन्होंने पिछले कानून में खामियों का फायदा उठाया था।

बाजार पर पूर्वव्यापी कराधान का परिणाम

- **कंपनी को चोट पहुंचाती है:** हालांकि सरकारें अक्सर मौजूदा कानूनों को "स्पष्ट" करने के लिए कराधान कानूनों में पूर्वव्यापी संशोधन का उपयोग करती हैं, लेकिन यह उन कंपनियों को आहत करती है जिन्होंने जानबूझकर या अनजाने में कर नियमों की अलग व्याख्या की थी ।
- **निवेशकों के विश्वास को ठेस पहुंचाता है:** संशोधन की विश्व स्तर पर निवेशकों द्वारा आलोचना की गई थी, जिन्होंने कहा कि कानून में बदलाव प्रकृति में "विकृत" था। इसने बाजार की धारणा और विदेशी फंडों के भारत में प्रवाह को प्रभावित किया।

सरकार ने वैश्विक नाराजगी के बाद वोडाफोन मामले को कैसे संभालने की कोशिश की?

- अंतर्राष्ट्रीय आलोचना के बाद, भारत ने वोडाफोन के साथ मामले को सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटाने की कोशिश की, लेकिन ऐसा करने में असमर्थ रहा
- 2014 तक, टेल्को और वित्त मंत्रालय द्वारा इस मुद्दे को निपटाने के सभी प्रयास विफल हो गए थे।
- 2014 में, वोडाफोन समूह ने भारत और नीदरलैंड के बीच **द्विपक्षीय निवेश संधि (BIT)** के अनुच्छेद 9 के तहत हेग स्थित स्थायी न्यायालय में भारत के खिलाफ मध्यस्थता शुरू की ।
- नई राजग सरकार के सत्ता में आने के बाद, उसने कहा कि यह पूर्वव्यापी कर मार्ग का उपयोग करने वाली कंपनियों के लिए कोई नई कर देनदारियाँ नहीं बनाएगा। लेकिन वित्त अधिनियम में प्रावधान बना रहा।

द्विपक्षीय निवेश संधि क्या है?

- 1995 में, भारत और नीदरलैंड ने दूसरे देश के अधिकार क्षेत्र में प्रत्येक देश की कंपनियों द्वारा निवेश को बढ़ावा देने और संरक्षण के लिए BIT पर हस्ताक्षर किए थे।

- दोनों देश BIT के तहत यह सुनिश्चित करेंगे कि एक-दूसरे के अधिकार क्षेत्र में मौजूद कंपनियां "हर समय निष्पक्ष और न्यायसंगत उपचार के लिए रहेंगी और दूसरे के क्षेत्र में पूर्ण सुरक्षा और सुरक्षा का आनंद लेंगी"।
- भारत और नीदरलैंड के बीच BIT 22 सितंबर, 2016 को समाप्त हो गई।

हेग स्थित पंचाट न्यायालय ने क्या कहा?

- अदालत ने फैसला किया कि 2007 के सौदे के लिए वोडाफोन पर लगाए गए पूंजीगत लाभ और रोक के रूप में भारत की 22,100 करोड़ रुपये की पूर्वव्यापी मांग " **उचित और न्यायसंगत उपचार की गारंटी के उल्लंघन में** " थी।
- अदालत ने फैसला सुनाया कि भारतीय आदेश संयुक्त राष्ट्र आयोग का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून (UNCITRAL) के उल्लंघन में था।
- अदालत ने **भारत से** वोडाफोन समूह के खिलाफ **कर की मांग को आगे नहीं बढ़ाने के लिए** भी कहा है

सत्तारूढ़ का निहितार्थ

- **नीतिगत झटका:** वोडाफोन के पक्ष में फैसला देश की पूर्वव्यापी कराधान नीतियों के लिए एक झटका है।
- **एक मिसाल कायम करता है:** सत्तारूढ़ अन्य मामलों की संभावना को भी इसी तरह तय करता है मध्यस्थता के तहत।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- आर्थिक रूप से परस्पर जुड़ी दुनिया में संरक्षणवाद
- द्विपक्षीय निवेश संधियाँ और चिंताएँ

औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 पारित

GS प्रीलिम्स और GS- III - उद्योग **का हिस्सा** :

समाचार में

- लोकसभा ने औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 पारित की ।

विवादों को शीघ्रता से हल करने के लिए सरकार द्वारा संहिता के तहत किए गए प्रयास

- औद्योगिक न्यायाधिकरण में एक सदस्य के बजाय दो सदस्यों के लिए प्रावधान।
- विवाद सुलझने की स्थिति में मामले को सीधे अदालत में ले जाने का प्रावधान।
- अदालत पुरस्कार के बाद 30 दिनों में पुरस्कार का कार्यान्वयन।
- निश्चित अवधि रोजगार की मान्यता के बाद, श्रमिकों को अनुबंध श्रम के बजाय निश्चित अवधि रोजगार का विकल्प मिलेगा।
- इसके तहत, उन्हें काम के घंटे, वेतन, सामाजिक सुरक्षा और नियमित कर्मचारी जैसे अन्य कल्याणकारी लाभों का लाभ मिलेगा।
- किसी भी विवाद पर बातचीत करने के लिए "वार्ता संघ" और "वार्ता परिषद" के लिए एक प्रावधान किया गया है।

क्या आप जानते हैं ?

- केंद्रीय और राज्य स्तर पर ट्रेड यूनियनों को मान्यता देने के लिए भी प्रावधान किया गया है। ट्रेड यूनियन अधिक सकारात्मक और अधिक प्रभावी ढंग से योगदान करने में सक्षम होंगे।
- पुन: कौशल फंड का प्रावधान पहली बार उन कामगारों को बचाने के लिए बनाया गया है, जिन्हें अपनी नौकरी से निकाल दिया गया है, ताकि वे फिर से रोजगार पा सकें।

व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्तों पर कोड, 2020 पारित

GS प्रीलिम्स और GS- III - उद्योग **का हिस्सा**

समाचार में

- लोकसभा ने व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और काम की स्थिति संहिता, 2020 पर संहिता पारित की।

मुख्य बिन्दु

- नियोक्ता द्वारा वर्ष में एक बार नि: शुल्क स्वास्थ्य जांच, एक निश्चित आयु से अधिक उम्र के श्रमिकों के लिए।
- श्रमिकों को नियुक्ति पत्र मिलने का कानूनी अधिकार।
- सिनेमा वर्कर को ऑडियो विजुअल वर्कर के रूप में नामित किया गया है, ताकि अधिक से अधिक कार्यकर्ता OSH कोड के तहत शामिल किया जा सकें।

आर्थिक स्थिति

संदर्भ: भारत के लिए 2020 सहित कई बहुपक्षीय संस्थानों और रेटिंग एजेंसियों द्वारा वैश्विक विकास की संभावनाओं का अनुमान लगाया गया है।

वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि संख्या

- **महामारी की भयावह वृद्धि** : 2020-21 की पहली तिमाही में भारत की वृद्धि () 23.9% विश्व स्तर पर उच्चतम अनुबंध में से एक थी
- **वास्तविक GDP वृद्धि की प्रगति** : भारतीय रिजर्व बैंक के व्यावसायिक पूर्वानुमान सर्वेक्षण में भारत के लिए 2020-21 वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि का अनुमान -5.8% है,जबकि गोल्डमैन सैक्स इसे -14.8% के रूप में अनुमानित है ।
- OECD ने अपने सितंबर 2020 में अंतरिम आर्थिक आउटलुक में भारत के लिए FY21 में -10.2% कम हुआ है।

क्या ऐसे क्षेत्र हैं जो विकास पुनरुद्धार की आशा रखते हैं?

- सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा जारी किया गया नवीनतम डेटा अगस्त 2020 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) 6.7% की मुद्रास्फीति दर का संकेत देता है।
- 2020-21 के पहले पांच महीनों के दौरान औसत CPI मुद्रास्फीति 6.6% अनुमानित है।
- प्रणाली में आवधिक तरलता के इंजेक्शन और मुद्रास्फीति के रुझान को देखते हुए, एक पूरे के रूप में वर्ष 7% के करीब CPI मुद्रास्फीति दिखा सकता है।
- चूंकि अपस्फीतिकारक-आधारित मुद्रास्फीति CPI मुद्रास्फीति से कम होती है, इसलिए यह लगभग 5% या उससे कम हो सकती है।

क्या ऐसे क्षेत्र हैं जो विकास पुनरुद्धार की आशा रखते हैं?

- उम्मीद थी कि कुछ प्रमुख क्षेत्र जैसे कि कृषि और संबंधित क्षेत्र, सार्वजनिक प्रशासन, रक्षा सेवाएं और अन्य सेवाएँ सामान्य रूप से या बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं जो स्वास्थ्य, राहत और पुनरुद्धार व्यय की मांग को देखते हुए सामान्य से बेहतर है।
- हालाँकि, हाल ही में जारी किए गए राष्ट्रीय आय आंकड़े 2020-21 की पहली तिमाही के लिए ऐसी कोई आशा नहीं है।
- Q1 के आंकड़ों में सबसे आश्चर्य की बात यह है कि क्षेत्र सार्वजनिक प्रशासन, रक्षा और अन्य सेवाएँ का अनुबंध (-)10.3% है। इसका मतलब यह है कि कोई राजकोषीय प्रोत्साहन नहीं था।
- स्वतंत्र अनुमान बताते हैं कि **राज्यों के पूंजीगत व्यय में 43.5% की गिरावट आई है।**

- राजकोषीय घाटे के बिगड़ने से व्यय में वृद्धि की तुलना में राजस्व में गिरावट के कारण प्रतीत होता है

राजस्व क्षरण

- 2020-21 की पहली तिमाही में केंद्र का सकल कर राजस्व (-) 32.6% और 19 राज्यों से संबंधित CAG आधारित आंकड़ों से संकुचित (-) अपने स्वयं के कर राजस्व में 45% का संकुचन दिखा।
- बजट की राजस्व गणना इस धारणा पर की गई थी कि देश की नाममात्र आय 10% बढ़ेगी।
- नाममात्र की वृद्धि (-5%) में भी एक संकुचन की संभावना के साथ, केंद्र की कर राजस्व बजट राशियों की तुलना में काफी कमी दिखाएगा।
- कुछ अनुमानों से संकेत मिलता है कि चालू वित्त वर्ष में कर और गैर-कर राजस्व और गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियां 5 लाख करोड़ से अधिक की राशि से बजट अनुमानों से काफी कम हो सकती हैं।
- **एकमात्र रास्ता:** केंद्र और राज्यों के संयुक्त राजकोषीय घाटे को कर और गैर-कर राजस्व में कमी के लिए करना होगा, अगर बजटीय व्यय का स्तर बनाए रखना है।

राजकोषीय घाटा

- केंद्र सरकार को बजटीय व्यय के स्तर को बनाए रखने और अतिरिक्त प्रोत्साहन के लिए भी प्रदान करने के लिए, इसके राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के अनुमानित 8.8% के करीब तक बढ़ाना पड़ सकता है।
- यदि कोई केंद्र के और राज्यों के राजकोषीय घाटे को जोड़ता है, तो संयुक्त राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 13.8% है।
- यह ध्यान दिया जा सकता है कि 2021 के Q1 के लिए GDP अनुपात में केंद्र का राजकोषीय घाटा 17.4% था। 2020-21 के पहले चार महीनों के दौरान केंद्र का राजकोषीय लक्षित बजट का प्रतिशत 103.1% था।

उच्च राजकोषीय घाटे को कैसे वित्तपोषित किया जाए?

- GDP के लगभग 14% राजकोषीय घाटे का समर्थन करने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं।
- इस सब के लिए RBI से पर्याप्त समर्थन की आवश्यकता होगी जो केंद्रीय प्रत्यक्ष ऋण का एक हिस्सा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से स्वयं लेना होगा।

- प्रत्यक्ष मोड में, RBI सरकार से सीधे सहमत दर पर ऋण लेता है।
- अप्रत्यक्ष मोड में RBI केवल द्वितीयक बाजार में OMO (खुले बाजार संचालन) मार्ग के माध्यम से काम करेगा । OMO में रुपये की तरलता की स्थिति को समायोजित करने के लिए RBI द्वारा द्वितीयक बाजार से सरकारी प्रतिभूतियों की बिक्री और खरीद शामिल है
- ऋण और ओएमओ के प्रत्यक्ष मुद्रीकरण में मुद्रा आपूर्ति का विस्तार शामिल है जो मुद्रास्फीति में संभावित रूप से परिणाम ला सकता है।

निष्कर्ष

आर्थिक स्थिति के वारंट ने सरकारी खर्च को बढ़ाया; नीतिगत चुनौती विकास की गिरावट को कम करना है

बिंदुओं को जोड़ने पर

- 1991 के भुगतान संकट का संतुलन
- 2008 वैश्विक वित्तीय संकट

MSP का आधार

संदर्भ: नया कृषि व्यापार विधेयक पारित - किसानों का उत्पादन व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) विधेयक - ने चिंता जताई है कि किसानों को अब उनकी फसल के लिए MSP सुनिश्चित नहीं किया जा सकता है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) क्या है?

- MSP सरकार द्वारा किसानों से फसलों की खरीद के लिए निर्धारित मूल्य है, जो भी फसलों के लिए बाजार मूल्य हो सकता है।
- **कृषि लागत और मूल्य आयोग (CACP)** की सिफारिशों के आधार पर बुवाई के समय से पहले आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा MSP की घोषणा की जाती है
- समर्थन मूल्य आम तौर पर किसानों के फैसलों को अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं, फसलों के लिए भूमि आवंटन, उत्पादित फसलों की मात्रा आदि के बारे में
- MSP बाजार को एक स्पष्ट मूल्य संकेत प्रदान करने के अलावा किसानों को कृषि आय का आश्वासन देता है
- किसानों को संकट से उबारने और सार्वजनिक वितरण के लिए खाद्यान्नों की खरीद का प्रमुख उद्देश्य है।

अधिप्राप्ति मूल्य क्या है?

- कभी-कभी, सरकार MSP से अधिक कीमत पर खरीद करती है। यहां, मूल्य को खरीद मूल्य के रूप में संदर्भित किया जाएगा।
- **फसल** खरीद के तुरंत **बाद** खरीद मूल्य की घोषणा की जाएगी ।
- आम तौर पर, खरीद मूल्य MSP से अधिक होगा, लेकिन बाजार मूल्य से कम होगा।
- जिस मूल्य पर PDS के माध्यम से खरीद और बफर भंडार खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाता है उसे निर्गम मूल्य कहा जाता है।

MSP के संबंध में किसान क्या मांग कर रहे हैं?

- वे नए कानून में मौजूदा न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) आधारित खरीद शासन की निरंतरता की रक्षा के लिए एक प्रावधान की मांग कर रहे हैं।
- नए कानून में इस आशय का एक मात्र वाक्य कि इस अधिनियम में कुछ भी सरकार को MSP की घोषणा करने और इन दरों पर पहले की तरह फसल खरीद करने से नहीं रोकेगा।

MSP के बारे में नया कानून क्या कहता है?

- किसानों का उत्पादन व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) विधेयक MSP को कोई वैधानिक समर्थन नहीं देता है।
- संसद द्वारा पारित विधेयक में या तो " MSP" या "खरीद" का उल्लेख नहीं है
- सरकार ने इस कदम को सही ठहराया है कि नए कानून का " MSP से कोई लेना-देना नहीं है"। इसके बजाय, इसका उद्देश्य केवल किसानों और व्यापारियों को एपीएमसी मंडियों के परिसर के बाहर कृषि उपज बेचने और खरीदने की पसंद की स्वतंत्रता देना है।
- MSP और खरीद, सरकार के अनुसार, पूरी तरह से अलग मुद्दे हैं
- MSP पहले किसी कानून का हिस्सा नहीं था। न ही यह आज किसी कानून का हिस्सा है।

क्या MSP के लिए कोई कानूनी समर्थन है?

- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 (NFSA), सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) के लिए कानूनी आधार प्रदान करता है जो पहले केवल एक नियमित सरकारी योजना के रूप में संचालित होता था।
- NFSA ने PDS के लिए एक अधिकार बनाया है, जिसमें "प्राथमिकता वाले घर" से संबंधित प्रत्येक व्यक्ति को उचित दरों के साथ भोजन अनाज प्राप्त करने का अधिकार है।

- MSP, इसके विपरीत, **किसी भी कानूनी समर्थन से रहित है** । पीडीएस के माध्यम से सब्सिडी वाले अनाज के विपरीत, MSP तक पहुंच किसानों के लिए अधिकार नहीं है। वे इसे अधिकार के मामले के रूप में नहीं मांग सकते।
- सरकार चाहे तो MSP पर खरीद सकती है। कोई कानूनी मजबूरी नहीं है। न ही यह दूसरों (निजी व्यापारियों, संगठित खुदरा विक्रेताओं, प्रोसेसर या निर्यातकों) को भुगतान करने के लिए मजबूर कर सकता है

फिर MSP का आधार क्या है?

- यह केवल एक सरकारी नीति है जो प्रशासनिक निर्णय लेने का हिस्सा है।
- सरकार फसलों के लिए MSP घोषित करती है, लेकिन उनके कार्यान्वयन को अनिवार्य करने वाला कोई कानून नहीं है -
- केंद्र ने वर्तमान में CACP की सिफारिशों पर 23 कृषि जिंसों के लिए MSP तय किया है -
    - **7 अनाज** - धान, गेहूं, मक्का, बाजरा, ज्वार, रागी और जौ
    - **5 दालें** - चना, अरहर / अरहर, उड़द, मूंग और मसूर
    - **7 तिलहन** - रेपसीड-सरसों, मूंगफली, सोयाबीन, सूरजमुखी, सीसम, कुसुम और निगर
    - **4 व्यावसायिक फसलें** - कपास, गन्ना, खोपरा और कच्चा जूट
- CACP अपने आप में कोई वैधानिक निकाय नहीं है, बल्कि कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय का एक संलग्न कार्यालय है। यह MSPs की सिफारिश कर सकता है, लेकिन फिक्सिंग (या फिक्सिंग नहीं भी) और प्रवर्तन पर निर्णय आखिरकार सरकार के पास रहता है।

गन्ने की फसल में क्या है खासियत?

- एकमात्र फसल जहां एमएसपी भुगतान में कुछ वैधानिक तत्व गन्ना है
- यह इसकी कीमत गन्ना (नियंत्रण) आदेश, 1966 द्वारा आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत जारी किए जाने के कारण है।
- यह आदेश, बदले में, प्रत्येक चीनी वर्ष (अक्टूबर-सितंबर) के दौरान गन्ने के लिए एक 'उचित और पारिश्रमिक मूल्य' (FRP) के निर्धारण के लिए प्रदान करता है।
- लेकिन यहां तक कि एफआरपी - जो, संयोगवश, 2008-09 तक 'वैधानिक न्यूनतम मूल्य' या एसएमपी कहलाता था - **सरकार द्वारा देय नहीं है।**

- गन्ना खरीद के 14 दिनों के भीतर किसानों को FRP भुगतान करने की जिम्मेदारी केवल चीनी मिलों के पास है।

क्या MSP विधायी समर्थन देने के लिए कोई कदम उठाया गया है?

- CACP, ने 2018-19 खरीफ विपणन सत्र के लिए अपनी मूल्य नीति रिपोर्ट में किसानों को 'MSP पर बेचने का अधिकार' पर एक कानून बनाने का सुझाव दिया था।
- यह, यह महसूस किया गया कि, "किसानों के बीच उनकी उपज की खरीद के लिए विश्वास पैदा करना" आवश्यक था।
- हालांकि यह सलाह सरकार द्वारा स्वीकार नहीं की गई थी।

निष्कर्ष

नए कृषि विधेयकों के माध्यम से परिकल्पित कृषि विपणन के लिए बाजार सुधारों के साथ-साथ, सरकार को सार्वजनिक खेत के अवसरंचना को भी बढ़ाना चाहिए जो मुक्त बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा पैदा करेगा।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- किसान की आय दोगुनी करने पर अशोक दलवई समिति
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम

दिवाला और दिवालियापन संहिता (दूसरा संशोधन) विधेयक पारित

GS प्रीलिम्स और GS- III - अर्थव्यवस्था **का हिस्सा** :

समाचार में

- राज्यसभा ने दिवाला और दिवालियापन संहिता (दूसरा संशोधन) विधेयक पारित किया, जिससे कॉर्पोरेट दिवालिया संकल्प प्रक्रिया की शुरुआत को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया ।

मुख्य बिन्दु

- यह दिवाला और दिवालियापन कोड, 2016 में संशोधन करता है।
- विधेयक में संहिता के तहत कॉरपोरेट दिवालियापन संकल्प प्रक्रिया (CIRP) की दीक्षा को अस्थायी तौर पर निलंबित करने की बात कही गई है।

- जब कोई दिवालिया होता है, तो कोड कंपनी या कंपनी के लेनदारों को राष्ट्रीय कंपनी कानून ट्रिब्यूनल (NCLT) के समक्ष आवेदन दायर करके CIRP शुरू करने की अनुमति देता है।
- विधेयक में प्रावधान है कि 25 मार्च, 2020 से छह महीनों के दौरान उत्पन्न होने वाली चूक के लिए, CIRP को कंपनी या उसके लेनदारों द्वारा कभी भी शुरू नहीं किया जा सकता है।
- केंद्र सरकार अधिसूचना के माध्यम से इस अवधि को एक वर्ष तक बढ़ा सकती है। विधेयक स्पष्ट करता है कि इस अवधि के दौरान, 25 मार्च, 2020 से पहले उत्पन्न होने वाली किसी भी चूक के लिए CIRP की शुरुआत की जा सकती है।

वोडाफोन केस: राज्य की अधिकता का जोखिम

संदर्भ: वोडाफोन समूह ने अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत विदेशी निवेशक और भारतीय राज्य को शामिल करते हुए सबसे उच्च दांव वाली कानूनी लड़ाई जीती है।

क्या आप जानते है?

- **आयकर अधिनियम की 2012 संशोधन:** गैर-निवासियों के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भारत में स्थित पूंजीगत संपत्ति के हस्तांतरण के माध्यम से अर्जित आय को 1 अप्रैल, 1962 से प्रभावी रूप से पूर्वव्यापी माना जाता है।
- यह संशोधन वोडाफोन के पक्ष में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को रद्द करने के लिए किया गया था।
- न्यायालय ने माना कि वोडाफोन ने हशिसन एस्सार में एक अपतटीय लेनदेन के माध्यम से 67% हिस्सेदारी प्राप्त करने के लिए वोडाफोन के खाते पर कोई कर नहीं दिया है।

नियम क्या था?

- भारत-नीदरलैंड द्विपक्षीय निवेश संधि (BIT) के तहत गठित एक निवेशक-राज्य विवाद निपटान (ISDS) न्यायाधिकरण ने भारत के BIT दायित्वों के उल्लंघन पर वोडाफोन पर कर देयता crore 22,000 करोड़ की करने का फैसला किया है।

क्या सरकार निर्णय को चुनौती दे सकती है?

- यह संभावना है कि सरकारी पीठ पंचनिर्णय को चुनौती दे सकती है या भारतीय अदालतों में इस निर्णय की प्रवर्तनीयता का विरोध कर सकती है, यह आरोप लगा सकती है कि यह सार्वजनिक नीति का उल्लंघन करता है।

- अगर सरकार वास्तव में इन विकल्पों का अनुसरण करती है, तो वोडाफोन के लिए एक लंबा, भयंकर मार्ग है।
- सरकार को इस मार्ग का रोकना एक बुरा कदम माना जाएगा, क्योंकि इसका मतलब यह होगा कि भारत अपने अंतर्राष्ट्रीय कानून दायित्व का सम्मान नहीं करता है

केस से प्रमुख सबक

- **लोकतांत्रिक मानदंडों की भावना के विरुद्ध:** खेल के नियमों को लगातार बदलकर विदेशी निवेशकों से धन निकालने के लिए कर निरीक्षकों को एकजुट करना एक ऐसा लक्षण नहीं है, जिस पर उदार लोकतंत्र को गर्व होना चाहिए।
- **पूर्वव्यापी संशोधन को कर आतंकवाद कहा जाता है:** जिस दिन के विरोध ने पूर्वव्यापी संशोधन की आलोचना की, उसे "कर आतंकवाद" कहा।
- **निवेशक की भावना:** भारत को यह सीखना चाहिए कि एक ऐसा देश होना जो कानून के शासन को महत्व देता है, विदेशी निवेशकों और अंतर्राष्ट्रीय सद्भावना के विश्वास को जीतने के लिए एक महत्वपूर्ण गुण है।
- **करदाता के पैसे का उपयोग:** ट्रिब्यूनल ने भारत को आदेश दिया है कि इस मामले से लड़ने में वोडाफोन द्वारा 40 करोड़ रुपए से अधिक की कानूनी लागत की प्रतिपूर्ति की जाए, जो करदाता के पैसे से आएगा
- **गैर-अनुपालन की लागत:** यदि आदेश का अनुपालन नहीं किया जाता है, तो यह विदेशी निवेशकों को इस भावना को पुष्ट करता है कि भारत में व्यापार करना वास्तव में कष्टदायी है।
- **अंतर्राष्ट्रीय कानून का सम्मान करना:** भारतीय राज्य के सभी तीन अंगों- संसद, कार्यपालिका, और न्यायपालिका - को भारत के BIT और अन्य अंतर्राष्ट्रीय कानून दायित्वों को आंतरिक बनाने की आवश्यकता है। इन अंगों को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि वे अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप अपनी सार्वजनिक शक्तियों का उपयोग करें।
- **अन्य विवादों पर प्रभाव:** इस फैसले का दो अन्य ISDS दावों पर प्रभाव पड़ सकता है, जिनमें कहा गया है कि भारत करेन एनर्जी और वेदांत के साथ पूर्वव्यापी करों के आरोपों में शामिल है।
- BIT **को और सख्त करने से रोकना:** विदेशी निवेशकों द्वारा BIT निरस्त करने के लिए भारत पर मुकदमा शुरू करने के बाद भारत ने लगभग सभी BIT को एकतरफा समाप्त कर दिया। भारत सरकार में यह विश्वास है कि ISDS का शासन भारत की संप्रभुता पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इसलिए यह बहुत संभव है कि भारत इस निर्णय का उपयोग

ISDS और BIT के खिलाफ अपने विरोधी रुख को और सख्त करने के लिए कर सकता है, जिसका विरोध किया जाना चाहिए।

निष्कर्ष

- यह मामला इस बात की याद दिलाता है कि ISDS शासन अपनी कमजोरियों के बावजूद कानून के अंतरराष्ट्रीय शासन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है ।
- यदि सरकार विदेशी निवेश को लुभाने के लिए गंभीर है, तो भारत को तुरंत निर्णय का अनुपालन करना चाहिए और पूर्वव्यापी प्रावधान को निरस्त करना चाहिए जो अभी भी क़ानून की किताबों में बना हुआ है।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- आर्थिक रूप से परस्पर जुड़ी दुनिया में संरक्षणवाद
- द्विपक्षीय निवेश संधियाँ और चिंताएँ

कृषि

किसान रेल

- अनंतपुर और नई दिल्ली के बीच दक्षिण भारत की पहली और देश की दूसरी किसान रेल का उद्घाटन हाल ही में किया गया।
- केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री **द्वारा उद्घाटन किया गया** ।
- पहली किसान रेल को साप्ताहिक सेवा के रूप में देवलाली (महाराष्ट्र) और दानापुर (बिहार) के बीच रवाना किया गया था।
- **किसान रेल का उद्देश्य:** कृषि क्षेत्र को प्राथमिकता प्रदान करना और देश भर के विभिन्न बाजार स्थानों के लिए खराब कृषि उत्पादों के परिवहन की सुविधा प्रदान करना।
- अनंतपुर तेजी से आंध्र प्रदेश का फलों का कटोरा बन रहा है।
- अनंतपुर - नई दिल्ली के बीच ट्रेन सेवा 40 घंटे में 2150 किलोमीटर की दूरी तय करेगी।

त्रुटिपूर्ण दावे के रूप में कृषि-आधारित पुनरुद्धार

संदर्भ: भारत के COVID-19 प्रेरित आर्थिक मंदी के बीच में दावा करता हूं कि कृषि भारत के आर्थिक पुनरुत्थान का नेतृत्व करेगी।

उपरोक्त दावे का समर्थन करने के तर्क क्या हैं?

1. **रबी खरीद:** 2020-21 में *रबी* गेहूं की खरीद 2019-20 की तुलना में 12.6% अधिक थी। 2019-20 में भारत का खाद्यान्न उत्पादन 2018-19 की तुलना में 3.7% अधिक था।
2. **मुद्रास्फीति और कीमतें** : भोजन की निरंतर मांग के कारण, 2020-21 की Q1 में खाद्य मुद्रास्फीति 9.2% पर पिछले वर्ष की तुलना में अधिक थी। यह कृषि के पक्ष में व्यापार की शर्तों की एक पारी को दर्शाता है।
3. **उच्च खरीफ बुआई:** 2020-21 में *खरीफ* बुवाई के तहत क्षेत्र 2019-20 में 14% अधिक था। उच्च *खरीफ* बुवाई उच्च ट्रैक्टर और उर्वरक की बिक्री के साथ हुई थी, जो आर्थिक सुधार के लिए अच्छा है।
4. **पैकेज से रिसाव:** कृषि के लिए सरकार का आर्थिक पैकेज - lakh 20-लाख करोड़ के हिस्से के रूप में। भारत का भारत पैकेज - पुनरुद्धार के इंजन के रूप में कृषि को आगे बढ़ाएगा।

प्रत्येक दावे का महत्वपूर्ण विश्लेषण

1. रबी अधिप्राप्ति - बाजार में आवक देखने की आवश्यकता है

- उच्च अधिप्राप्ति का दावा इससे अधिक प्रकट होता है।
- आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, भारत में केवल 13.5% धान किसान और 16.2% गेहूं किसान अपनी फसल को एक सुनिश्चित न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर खरीद एजेंसी को बेचते हैं। बाकी अपने उत्पादन को एमएसपी से कम कीमत पर निजी व्यापारियों को बेचते हैं।
- एक, इसलिए, खरीद नहीं **बल्कि बाजार की आवक देखनी चाहिए**
    - प्रमुख 15 फसलों का बाजार आगमन 2019 की तुलना में 2020 में कम था।
    - गेहूं, जौ, आलू, फूलगोभी, गोभी और भिंडी में, 2020 में बाजार की आवक 50% और 2019 में बाजार की 75% आवक के बीच थी।
    - यह धान, मसूर, टमाटर और केले में ही था कि 2020 में बाजार की आवक 2019 में 75% से अधिक बाजार में पहुंच गई।
- इसके अलावा, **दूध, मांस और पोल्ट्री क्षेत्रों में बड़े नुकसान हुए** ; उद्योग संघों का अनुमान है कि पोल्ट्री उद्योग के लिए कुल नुकसान। 25,000 करोड़ का होगा।

- इस प्रकार, तालाबंदी (लॉकडाउन) के दौरान किसानों के सामने सबसे महत्वपूर्ण समस्या थी , **बाजारों** की **हानि,** आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान, *मंडियों का* बंद होना और उपभोक्ता खाद्य मांग में गिरावट।
- उच्च खरीद मुश्किल से किसानों को हुए नुकसान को कम कर रही थी

2. मुद्रास्फीति और कीमतें - इसने किसानों को लाभान्वित किया है यह गलत धारणा है

- उपभोक्ता मूल्य सूचकांकों का उपयोग करते हुए मुद्रास्फीति की दर किसान की कीमतों का प्रतिनिधि नहीं है।
- आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और व्यापारी मार्जिन में वृद्धि के कारण मुद्रास्फीति काफी हद तक थी
- भारत में उच्च ग्रामीण मुद्रास्फीति का अंधेरा पक्ष यह है कि छोटे और सीमांत किसान शुद्ध विक्रेता नहीं हैं, लेकिन भोजन के शुद्ध खरीदार हैं। तो, यह सिर्फ यह नहीं था कि किसानों की कीमतें गिर गईं; अधिकांश को भोजन की खरीद के लिए अधिक भुगतान करने के लिए भी मजबूर किया गया था।

3. खरीफ की अधिक बुवाई - ग्रामीण बेरोजगारी में वृद्धि

- यह देखते हुए कि तालाबंदी (लॉकडाउन) के दौरान *रबी की* आय में गिरावट आई है, कई ग्रामीण घरों में भोजन या आय-सुरक्षा के लिए खेती या गहन खेती की ओर लौट सकते हैं।
- लाखों प्रवासी श्रमिक शहरी क्षेत्रों से अपने गाँवों में लौट आए। उन्होंने पहले की परती या असिंचित भूमि में कृषि को लिया है।
- यह जश्न का कोई कारण नहीं है क्योंकि ग्रामीण बेरोजगारी दर 2020 में तेजी से बढ़कर 22.8% (अप्रैल), 21.1% (मई) और 9.5% (जून) हो गई है।

4. पैकेज से रिसाव- ताजा खर्च अल्प है

- भारत के सकल मूल्य वर्धित (GVA) में कृषि का योगदान केवल 15% है। इस प्रकार, भले ही कृषि 4% से बढ़ती है, यह जीवीए वृद्धि में केवल 0.6 प्रतिशत अंक का योगदान करने की संभावना है।
- जीवीए वृद्धि में पूर्ण एक प्रतिशत अंक का योगदान करने के लिए, कृषि को 6% बढ़ाना होगा, जो 2020-21 में होने की संभावना नहीं है।
- पैकेज में कृषि के लिए कुल ताजा खर्च एक चाल है: ▯ 5,000 करोड़ से कम। बाकी योजनाएं पहले से ही पुराने बजट में शामिल हैं, कोई वित्तीय बहिर्गमन या बैंकों के माध्यम से पारित किए गए तरलता / ऋण उपायों की घोषणाएं।

आगे का मार्ग

- **आय हस्तांतरण** को दोगुना करना: सरकार को PM-किसान की किस्तों को आगे बढ़ाने के बजाय, किसानों को प्रति वर्ष 6,000 से 12,000 प्रति वर्ष के भुगतान को दोगुना करना चाहिए था।
- **व्यापक लागत पर MSPs:** खरीफ धान के लिए MSPs को 53 रुपये या कपास से 260 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाने के बजाय सरकार को उत्पादन के C2 लागत (व्यापक लागत) के 150% पर सभी MSPs निर्धारित करना चाहिए।
- **ब्याज की माफी:** सरकार को ऋण अदायगी पर रोक के बजाय, 2019 और 2020 में किसानों द्वारा लिए गए ऋण पर ब्याज को माफ कर देना चाहिए था।
- **पशुपालन क्षेत्र के लिए विशेष पैकेज: पशुपालन** में अस्पष्ट ऋण आधारित योजनाओं के बजाय, सरकार को संकटग्रस्त मुर्गी पालन और मांस क्षेत्रों के लिए कम से कम 20,000 करोड़ की सहायता के लिए प्रत्यक्ष सहायता के पैकेज की घोषणा करनी चाहिए।

निष्कर्ष

- सरकार को एक निष्क्रिय पर्यवेक्षक के रूप में अपनी भूमिका को छोड़ देना चाहिए, और एक पर्याप्त राजकोषीय प्रोत्साहन के साथ ग्रामीण भारत में निर्णायक हस्तक्षेप करना चाहिए।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- PM किसान सम्मान निधि
- किसान की आय दोगुनी करने पर अशोक दलवई समिति

बांस क्लस्टर लॉन्च किया गया

GS प्रीलिम्स और GS- II - नीतियां और हस्तक्षेप और GS- III - प्रमुख फसलें **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में, 9 राज्यों में 22 बांस क्लस्टर का वस्तुतः उद्घाटन किया गया था
- **शामिल राज्य:** गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, असम, नागालैंड, त्रिपुरा, उत्तराखंड और कर्नाटक।
- **मंत्रालय:** केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय
- राष्ट्रीय बांस मिशन (NBM) के लिए एक लोगो भी जारी किया गया है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

सरकार के प्रयास

- स्टेट ऑफ़ एनवायरनमेंट रिपोर्ट 2018 के अनुसार, चीन के बाद भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बाँस का खेती करने वाला देश है, जिसकी 136 प्रजातियाँ और 23 जेनेरा 13.96 मिलियन हेक्टेयर में फैले हुए हैं।
- कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय बांस मिशन, को आजीविका और पर्यावरणीय उत्थान को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया है।
- इसके अतिरिक्त, 2017 में, संसद ने गैर-वन भूमि पर 'बांस' को 'एक वृक्ष' के रूप में अवर्गीकृत कर दिया।
- इसी प्रकार, पारंपरिक उद्योगों और बांस कारीगरों को बढ़ावा देने के लिए, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSME) मंत्रालय द्वारा SFURTI (पारंपरिक उद्योगों के उत्थान के लिए कोष की योजना) नामक एक योजना लागू की जा रही है।
- केंद्र सरकार द्वारा 2017 में लाए गए 100 साल पुराने भारतीय वन अधिनियम में संशोधन लाया गया है, जिसके परिणामस्वरूप, बांस के माध्यम से आजीविका के अवसरों को बढ़ाने के लिए घर में उगने वाले बांस को इसमें से छूट दी गई है।
- बांस प्रौद्योगिकी पार्क जम्मू और कश्मीर और लद्दाख में भी स्थापित किए गए थे ।

धान की कटाई के उपयोग के लिए विकल्प

GS प्रीलिम्स और GS- III - कृषि से संबंधित मुद्दे; प्रदूषण और उसका शमन **का हिस्सा:**

समाचार में

- पंजाब सरकार के सहयोग से पंजाब ऊर्जा विकास एजेंसी (PEDA) धान के भूसे के उपयोग के लिए विकल्प तैयार कर रही है ।

वैकल्पिक रूप से धान की पराली का उपयोग

- **बायोमास बिजली संयंत्र:** इन संयंत्रों में, प्रतिवर्ष 8.80 लाख मीट्रिक टन धान की पराली का उपयोग बिजली बनाने के लिए किया जाता है
- **बायो CNG का उत्पादन:** इनको सालाना लगभग 3 लाख मीट्रिक टन धान के तने की आवश्यकता होगी।
- **बायो एथेनॉल परियोजना:** इसके लिए सालाना 2 लाख मीट्रिक टन धान की पराली की आवश्यकता होगी।

इन परियोजनाओं के लाभ

- इन सभी परियोजनाओं के चालू होने के बाद, पंजाब 1.5 मिलियन टन (कुल का 7%) धान के भूसे का उपयोग करने में सक्षम होगा।
- अगर किसान धान की पराली को जलाने के बजाय उद्योग को बेच सकते हैं तो उन्हें इससे काफी फायदा हो सकता है।
- इससे मल के जलने से होने वाले प्रदूषण में कमी आएगी।
- मिट्टी की उर्वरता भी संरक्षित रहेगी।
- युवा-स्टार्ट-अप 'अवधारणा के तहत ऐसी परियोजनाएँ शुरू कर सकते हैं, जो उनमें उद्यमशीलता पैदा करेंगी।
- ग्रामीण पंजाब में शिक्षित बेरोजगार युवाओं को नौकरी के बड़े अवसर मिल सकते हैं।

सीमाएं

- इन पौधों में पराली का वर्तमान उपयोग, पराली की पीढ़ी की तुलना में बहुत कम है।

नई कृषि बिल और इसका विरोध

संदर्भ: तालाबंदी (लॉकडाउन) के दौरान जारी अध्यादेशों को बदलने के लिए संसद में कृषि सुधारों पर तीन विधेयकों को पेश किया गया था

- किसानों का उत्पादन व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) विधेयक, 2020

- मूल्य आश्वासन और कृषि सेवा विधेयक, 2020 का किसान (सशक्तीकरण और संरक्षण) समझौता
- आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक, 2020

क्या आप जानते है?

- अध्यादेशों के खिलाफ देश भर के किसान और किसान संगठनों ने विरोध किया। जुलाई में पंजाब और हरियाणा के किसानों द्वारा ट्रैक्टर विरोध इन के विरोध में था।
- पंजाब विधानसभा ने 28 अगस्त को केंद्र के अध्यादेशों को खारिज करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया।

अध्यादेशों में क्या वर्णित है ?

किसानों के उत्पादन व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) अध्यादेश में निम्नलिखित प्रावधान हैं

- **किसानों के लिए** अधिसूचित कृषि उपज बाजार समिति (APMC) मंडियों के बाहर **कृषि बिक्री और विपणन को खोलता है**
- अंतर-राज्य व्यापार के लिए बाधाओं को दूर करता है
- कृषि उपज के **इलेक्ट्रॉनिक व्यापार** के **लिए** एक **रूपरेखा** प्रदान करता है ।
- राज्य सरकारों को एपीएमसी बाजारों के बाहर व्यापार के लिए बाजार शुल्क, उपकर या लेवी एकत्र करने से रोकता है ।

मूल्य आश्वासन और कृषि सेवा अध्यादेश का किसान (सशक्तिकरण और संरक्षण) **अनुबंध खेती से संबंधित है।** इसके निम्नलिखित प्रावधान हैं

- कृषि उपज की बिक्री और खरीद के लिए व्यापार समझौतों पर रूपरेखा प्रदान करता है।
- **आपसी सहमति लाभकारी मूल्य ढांचे** विधान एक है कि रक्षा और सशक्तिकरण किसानों होगा के रूप में बताया गया है में परिकल्पित ।
- लिखित कृषि समझौता, किसी भी कृषि उपज के उत्पादन या पालन से पहले दर्ज किया गया, आपूर्ति और गुणवत्ता, ग्रेड, मानकों और कृषि उपज और सेवाओं की कीमत के लिए नियम और शर्तों को सूचीबद्ध करता है।

आवश्यक वस्तु (संशोधन) अध्यादेश

- आवश्यक वस्तुओं की सूची से अनाज, दालें, तिलहन, खाद्य तेल, प्याज और आलू को हटाता है। संशोधन इन खाद्य वस्तुओं **के उत्पादन, भंडारण** , संचलन और वितरण को निष्क्रिय कर देगा।
- केंद्र सरकार को ऐसे समय में निर्यातकों और प्रोसेसर के लिए छूट प्रदान करते हुए युद्ध, अकाल, असाधारण मूल्य वृद्धि और प्राकृतिक आपदा के दौरान आपूर्ति के विनियमन की अनुमति है।
- **कृषि उपज पर किसी भी भंडार सीमा का प्रभाव** मूल्य वृद्धि पर आधारित होना चाहिए। एक भंडार सीमा केवल तभी लगाई जा सकती है जब बागवानी उत्पादों के खुदरा मूल्य में 100% वृद्धि हो; और गैर-खाद्य कृषि खाद्य पदार्थों के खुदरा मूल्य में 50% की वृद्धि

इन विधेयकों का विरोध क्यों किया जा रहा है?

1. सहकारी संघवाद की आत्मा के खिलाफ

- चूंकि कृषि और बाजार राज्य के अधीन हैं - सूची 2 में क्रमशः प्रविष्टि 14 और 28 में है - अध्यादेशों को राज्यों के कार्यों पर प्रत्यक्ष कब्जे के रूप में देखा जा रहा है
- प्रावधानों को संविधान में निहित सहकारी संघवाद की भावना के विरुद्ध देखा जाता है।
- **केंद्र द्वारा औचित्य:** केंद्र, हालांकि, तर्क देता है कि खाद्य पदार्थों में व्यापार और वाणिज्य समवर्ती सूची का हिस्सा है, इस प्रकार यह संवैधानिक स्वामित्व देता है।

2. MSP का अंत

- आलोचकों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर खाद्यान्न की सुनिश्चित खरीद को समाप्त करने के संकेत के रूप में APMCs के एकाधिकार के विघटन को देखते हैं।
- केंद्र के 'एक राष्ट्र, एक बाजार' के आह्वान पर आलोचकों ने 'एक राष्ट्र, एक MSP की मांग की है।
- आलोचकों का तर्क है कि बड़ी संख्या में किसानों को उनकी उपज के लिए MSP प्राप्त करना और APMCs में कमजोरी को दूर करना है, इसके बजाय इन राज्य तंत्रों को निरर्थक बनाना समय की आवश्यकता है।

3. मूल्य निर्धारण के लिए कोई तंत्र नहीं

- मूल्य शोषण विधेयक, किसानों को मूल्य शोषण के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करते हुए, मूल्य निर्धारण के लिए तंत्र को निर्धारित नहीं करता है।
- इस बात की आशंका है कि निजी कॉरपोरेट घरानों को दिए गए फ्री हैंड **से किसान का शोषण** हो सकता है ।

- कृषि क्षेत्र की असंगठित प्रकृति और निजी कॉर्पोरेट संस्थाओं के साथ **कानूनी लड़ाई के लिए संसाधनों की कमी के** कारण औपचारिक अनुबंध दायित्वों के बारे में आलोचक आशंकित हैं ।

4. खाद्य सुरक्षा को कमजोर कर दिया गया

- खाद्य पदार्थों के नियमन में आसानी से निर्यातकों, प्रोसेसर और व्यापारियों को फ़सल के मौसम के दौरान फ़सल के **उत्पादन** की प्राप्ति होगी, जब कीमतें आमतौर पर कम होती हैं, और कीमतें बढ़ने पर बाद में इसे जारी करती हैं।
- इससे खाद्य सुरक्षा कमजोर हो सकती है क्योंकि राज्यों को राज्य के भीतर भंडार की उपलब्धता के बारे में कोई जानकारी नहीं होगी।
- आलोचकों ने आवश्यक और **बढ़े हुए कालाबाजारी** के मूल्यों में अतार्किक अस्थिरता का अनुमान लगाया है ।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- कृषि उपज मंडी समितियों का इतिहास (APMCs)

बाँस की शूट सबसे सस्ती प्रतिरक्षा बूस्टर में से एक हो सकती है

GS प्रीलिम्स और GS- III - कृषि विपणन **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में, 11 देशों के 25 से अधिक विशेषज्ञों का ध्यान केंद्रित किया गया था, जो 'विश्व बाँस दिवस' को चिह्नित करने के लिए डिजिटल रूप से परिवर्तित हुए थे, जो न्यूट्रास्यूटिकल बाँस शूट (अंकुर) पर था।

मुख्य बिन्दु

- बांस के शूट उच्च-मूल्य और सुरक्षित खाद्य पदार्थ के रूप में उभर रहे हैं।
- वे अन्य सभी मूल्य वर्धित बांस उत्पादों के साथ विश्व स्तर पर उगाए जा रहे हैं।
- ताजे बांस के अंकुर में प्रोटीन की मात्रा, जिसे न्यूट्रास्युटिकल (पौष्टिक-औषधीय) माना जाता है, यह 1.49-4.04% के बीच हो सकता है।
- इनमें 17 अमीनो एसिड भी होते हैं, जिनमें से आठ मानव शरीर के लिए आवश्यक हैं।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- राष्ट्रीय बांस मिशन के अनुसार भारत में बांस के तहत सबसे अधिक क्षेत्रफल (13.96 मिलियन हेक्टेयर) है और 136 प्रजातियों के साथ बांस विविधता के मामले में चीन के बाद दूसरा सबसे अत्यधिक पैदावार वाला देश है।
- भारत में बांस का वार्षिक उत्पादन 14.6 मिलियन टन है और 2017 में देश में बांस-रतन उद्योग का मूल्य 28,005 करोड़ रुपये था।
- बांस वायरस हमलों के लिए मानव शरीर के प्रतिरोध को बढ़ाने के लिए सबसे सस्ता प्रतिरक्षा बूस्टर के बीच हो सकता है

क्या आप जानते हैं ?

- पूर्वोत्तर भारत में बाँस को जीवन की घास माना जाता है।
- नोवल कोरोनोवायरस से लड़ने के लिए फिलिपिनो वैज्ञानिकों द्वारा विकसित नए रोगाणुरोधी साबुनों और सैनिटाइजर में बांस एक प्रमुख घटक रहा है।
- 'न्यूट्रास्युटिकल' शब्द का उपयोग औषधीय या पोषण संबंधी कार्यात्मक खाद्य पदार्थों का वर्णन करने के लिए किया जाता है।
- बांस का अंकुर बारहमासी घास के खाद्य अंकुरित हैं।

रबी फसलों के लिए MSP बढ़ा दिया गया है ।

GS प्रीलिम्स और GS- III - कृषि मूल्य निर्धारण **का हिस्सा** :

समाचार में

- हाल ही में, आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 2021-22 के लिए छह रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) में मामूली वृद्धि की है ।

मुख्य बिन्दु

- गेहूं, जौ, चना, मसूर दाल (मसूर), कुसुम और रेपसीड और सरसों के लिए MSP दरों में बढ़ोतरी की गई ।
- MSP में वृद्धि MSP को अखिल भारतीय भारित उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर तय करने के सिद्धांत के अनुरूप है, जैसा कि केंद्रीय बजट 2018-19 में घोषित किया गया है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

न्यूनतम समर्थन मूल्य

- MSP वह दर है जिस पर सरकार किसानों से अनाज खरीदती है ।

- यह उनकी आपूर्ति में भिन्नता, बाजार एकीकरण की कमी और सूचना विषमता जैसे कारकों के कारण कृषि वस्तुओं की मूल्य अस्थिरता का मुकाबला करने के लिए है।
- कृषि लागत और मूल्य आयोग (CACP), कृषि मंत्रालय की सिफारिशों के आधार पर 23 फसलों के लिए MSP तय है ।
- भारतीय खाद्य निगम (FCI), भारत सरकार की नोडल केंद्रीय एजेंसी, अन्य राज्य एजेंसियों के साथ मिलकर फसलों की खरीद का कार्य करती है।

क्या आप जानते हैं ?

- रबी की फसलें कृषि फसलें हैं जिन्हें सर्दियों में बोया जाता है और भारत में वसंत में काटा जाता है । उदाहरण के लिए गेहूँ, जौ, सरसों आदि।

कृतज्ञ हैकाथॉन ने कृषि यंत्रीकरण को बढ़ाने की योजना बनाई है

GS प्रीलिम्स और GS- III - कृषि **का हिस्सा** :

समाचार में

- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) द्वारा राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना (NAHEP) के तहत "कृतज्ञ" नाम के हैकाथॉन की योजना बनाई गई है।
- **उद्देश्य:** महिलाओं के अनुकूल उपकरणों पर विशेष जोर देने के साथ कृषि यंत्रीकरण को बढ़ाने के लिए संभावित प्रौद्योगिकी समाधानों को बढ़ावा देना।

मुख्य बिन्दु

- **पात्रता:** देश भर के किसी भी विश्वविद्यालय / तकनीकी संस्थान से छात्र, संकाय और नवप्रवर्तक / उद्यमी, एक समूह के रूप में आवेदन कर सकते हैं और भाग ले सकते हैं।
- भाग लेने वाले छात्र स्थानीय स्टार्ट-अप, प्रौद्योगिकी संस्थानों के छात्रों के साथ सहयोग कर सकते हैं।
- नकद पुरस्कार शामिल हैं।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (NAHEP)

- ICAR ने 2017 में NAHEP शुरू किया।
- यह भारत सरकार और विश्व बैंक की परियोजना है।

- **उद्देश्य:** छात्रों को अधिक प्रासंगिक और बेहतर गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने वाली राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान और शिक्षा प्रणाली का समर्थन करना।

चंदन स्पाइक रोग

GS प्रीलिम्स और GS- III - कृषि से संबंधित मुद्दे **का हिस्सा** :

समाचार में

- चंदन स्पाइक रोग (SSD) के कारण भारत के चंदन के पेड़ गंभीर खतरे का सामना कर रहे हैं।
- MM पहाड़ी (मलईमहादेश्वर वन्यजीव अभयारण्य) सहित केरल के मेरीमूर संदल जंगल और कर्नाटक के विभिन्न आरक्षित जंगलों में चंदन की प्राकृतिक आबादी SSD से अधिक संक्रमित है ।

महत्त्वपूर्ण बिन्दु

चंदन स्पाइक रोग

- यह एक संक्रामक रोग है जो फाइटोप्लाज्मा के कारण होता है।
- पादप ऊतक पादप ऊतकों के जीवाणु परजीवी होते हैं।
- वे कीट वैक्टर द्वारा प्रेषित होते हैं और पौधे-से-पौधे संचरण में शामिल होते हैं।
- संक्रमण के लिए अभी तक कोई इलाज नहीं है।
- बीमारी को फैलने से रोकने के लिए संक्रमित पेड़ को काटना होगा।

पर्यावरण प्रदूषण

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम को संशोधित किया गया है

GS प्रीलिम्स और GS- III- प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन **का हिस्सा:**

समाचार में

- राष्ट्रीय हरित ट्रिब्यूनल (NGT) ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) को राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP) को संशोधित करने का निर्देश दिया है
- NCAP ने 2024 तक वायु प्रदूषण में 20-30% की कमी का प्रस्ताव किया है।

मुख्य बिन्दु

NGT के निर्देश

- 2024 तक वायु प्रदूषण को 20-30% तक कम करने की समय सीमा को कम करने की आवश्यकता है।
- कटौती का लक्ष्य बढ़ाना
- ई-वाहनों और CNG वाहनों को स्थानांतरित करने, सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों को तेज करने, सड़कों की यांत्रिक सफाई, ईंधन की गुणवत्ता में सुधार आदि के मामले में कार्रवाई की समीक्षा करना
- छह महीने के भीतर परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली की अपेक्षित संख्या का मूल्यांकन और स्थापना सुनिश्चित करें।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

NCAP

- इसे जनवरी 2019 में MoEFCC द्वारा लॉन्च किया गया था।
- समयबद्ध कटौती लक्ष्य के साथ वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय रूपरेखा तैयार करने का भारत में यह पहला प्रयास है।
- यह तुलना के आधार वर्ष के रूप में 2017 के साथ, अगले पांच वर्षों में PM10 और PM2.5 की एकाग्रता में कम से कम 20% की कटौती करना चाहता है।
- योजना में 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 102 गैर-प्राप्ति वाले शहर शामिल हैं,
- 2011 और 2015 के बीच उनकी परिवेशी वायु गुणवत्ता के आंकड़ों के आधार पर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) द्वारा उनकी पहचान की गई थी।

तितलियों का प्रारंभिक प्रवास

GS प्रीलिम्स और GS- III- जैव विविधता; जलवायु परिवर्तन **का हिस्सा:**

समाचार में

- पूर्वी घाट की पहाड़ी श्रृंखलाओं से पश्चिमी घाट की ओर तितलियों का वार्षिक प्रवास पहले 2020 (जुलाई और अगस्त के महीनों में) देखा गया है।
- आमतौर पर, ये तितलियाँ दक्षिण भारत के पूर्वी क्षेत्रों पर दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम के दौरान प्रजनन करती हैं और उनकी संतान अक्टूबर-नवंबर में पश्चिमी घाट की ओर वापस चली जाती हैं।

मुख्य बिन्दु

- यरकौड पहाड़ियों (शेवारॉय पहाड़ियों), पचमलाई, कोल्ली पहाड़ियों, कलवारायण के पूर्वी घाट परिसर प्रवासियों की प्रजातियों के लिए प्रमुख मूल स्थान हैं।
- **प्रारंभिक प्रवासन के संभावित कारण** : वर्षा पैटर्न में बदलाव, धूप के दिनों की संख्या में काफी वृद्धि और तितलियों का प्रकोप।

क्या आप जानते हैं ?

- डैनीनाई परिवार से संबंधित दूधिया तितलियों की चार प्रजातियां मुख्य रूप से प्रवास में शामिल हैं - डार्क ब्लू टाइगर, ब्लू टाइगर, कॉमन क्रो और डबल-ब्रांडेड (आमतौर पर बाघ और कौवे के रूप में जाना जाता है)।
- दक्षिण भारत में मिल्कवीड तितलियों के प्रवास पारिस्थितिकी का अध्ययन करने के लिए फर्न नेचर कंज़र्वेशन सोसायटी (FNCS) ने 2018 में नागरिक विज्ञान परियोजना की शुरूआत की ।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

तितलियां

- तितलियां कीड़ों को फाइलम आर्थ्रोपोडा के लेपिडोप्टेरा से कीट होते हैं जिसमें पतंगे भी शामिल हैं।
- वयस्क तितलियों में बड़े, अक्सर चमकीले रंग के पंख, और विशिष्ट, फड़फड़ाने वाली उड़ान होती है।
- किसी भी क्षेत्र में तितलियों की प्रचुरता समृद्ध जैव विविधता का प्रतिनिधित्व करती है।

नीली आसमान के लिए स्वच्छ वायु के अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर आयोजित वेबिनार

GS प्रीलिम्स और GS- III- प्रदूषण **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में, पहली बार अंतर्राष्ट्रीय वायु स्वच्छ आकाश के लिए ब्लू स्काईज के अवसर पर एक वेबिनार आयोजित किया गया था।
- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) **द्वारा आयोजित:**
- **नीले आसमान के लिए स्वच्छ हवा के अंतरराष्ट्रीय दिवस का उद्देश्य**: अन्य पर्यावरणीय / विकासात्मक चुनौतियों के लिए वायु गुणवत्ता की **घनिष्ठता** को प्रदर्शित करना और सभी स्तरों पर वायु गुणवत्ता से संबंधित जन जागरूकता बढ़ाना।

मुख्य बिन्दु

वायु प्रदूषण से निपटने के लिए भारत सरकार के प्रयास:

- यह 122 सबसे प्रदूषित शहरों में वायु प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है।
- 2014 में, वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) लॉन्च किया गया था जो वर्तमान में आठ मानकों पर प्रदूषण के स्तर को ट्रैक करता है।
- **पैरामीटर:** भू स्तरिय ओजोन, कणिका तत्व (PM) 10, PM 2.5, कार्बन मोनोऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, अमोनिया और शीशा।
- **सबसे हानिकारक प्रदूषक** : जमीनी स्तर के ओजोन और वायु के कण
- राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP) के तहत संयुक्त वायु प्रदूषण के लिए एकीकृत उपायों पर एक ब्रोशर भी वेबिनार में लॉन्च किया गया था।

सुधार हेतु सुझाव

- राज्यों को शहर-विशिष्ट योजनाओं के साथ काम करना चाहिए, क्योंकि हर शहर में प्रदूषण का एक अलग स्रोत है।
- शहरों में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए सबसे प्रभावी तरीका हॉटस्पॉट्स की पहचान करना और फिर निधियों का वितरण करना है।
- इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और सार्वजनिक परिवहन का आधुनिकीकरण किया जाना चाहिए।
- अपशिष्ट प्रबंधन को संवर्धित करना आवश्यक है।
- कार-पूलिंग और सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

क्या आप जानते हैं ?

- भारत BS-VI मानकों, गुणवत्ता पेट्रोल और डीजल की ओर पलायन कर चुका है, जो प्रदूषण से लड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है।

- **ईंधन मानक तय करने के लिए मंत्रालय जिम्मेदार:** पर्यावरण मंत्रालय।
- केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) **ईंधन मानकों द्वारा लागू**

राष्ट्रीय वन नीति 1988 की समीक्षा

GS प्रीलिम्स और GS- III- वानिकी; वातावरण **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में वन महानिदेशक ने राष्ट्रीय वन नीति, 1988 में संशोधन की वकालत की है।
- यह प्राकृतिक संसाधन मंच, एक संयुक्त राष्ट्र सतत विकास जर्नल में 2016 में प्रकाशित एक शोध पत्र पर आधारित है ।
- शोध पत्र ने प्रमाणिकता, संरक्षण और उत्पादन द्वारा समान रूप से प्रमाणित प्रमाणीकरण और नीति के आधार पर स्थायी वन प्रबंधन का आह्वान किया।

शोध पत्र से मुख्य बिन्दु

- बढ़ते भंडार, लकड़ी की खपत और उत्पादन से संबंधित विश्वसनीय आंकड़ों की कमी है।
- पेड़ों के बाहर के जंगलों (TOF) से लकड़ी उत्पादन की संभावनाएं अर्थात सरकारी रिकॉर्ड वन क्षेत्रों (RFAs) के बाहर उगाया जाना चाहिए और दोहन किया जाना चाहिए।
- चूंकि घरेलू लकड़ी के उत्पादन में गिरावट आई है और आयात में कई गुना वृद्धि हुई है। निर्यात-आयात नीति की समीक्षा करने की आवश्यकता है।
- कागज ने घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए भारतीय वन नीति को संशोधित करने पर जोर दिया।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- भारत के वन वर्तमान में राष्ट्रीय वन नीति, 1988 द्वारा शासित हैं।
- इस नीति के केंद्र में पर्यावरण संतुलन और आजीविका है।
- कुछ विशेषताएं और लक्ष्य: (1) पर्यावरण संतुलन के संरक्षण और पारिस्थितिक संतुलन की बहाली के माध्यम से; (2) प्राकृतिक विरासत का संरक्षण (मौजूदा); (3) नदियों, झीलों

और जलाशयों के जलग्रहण क्षेत्रों में मृदा क्षरण और निस्तारण की जाँच करना; (४) राजस्थान के रेगिस्तानी इलाकों और तटीय इलाकों में रेत के टीलों का विस्तार

- राष्ट्रीय वन नीति का एक प्रारूप 2019 में जारी किया गया था।
- मसौदे का मूल जोर आदिवासियों और वन-आश्रित लोगों के हितों की सुरक्षा के साथ-साथ वनों का संरक्षण, संरक्षण और प्रबंधन है।

मृत प्रवाल भित्ति का महत्व

GS प्रीलिम्स और GS- III - पर्यावरण; जैव विविधता **का हिस्सा:**

समाचार में

- ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड विश्वविद्यालय (UQ) के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक ताजा अध्ययन के अनुसार, जीवित प्राणियों के लिए मृत प्रवाल अवशेषों से अधिक जीवन का समर्थन किया जा सकता है

मुख्य बिन्दु

- शोधकर्ताओं ने गुप्त जीवों का सर्वेक्षण करने के लिए मलबा जैव विविधता नमूना (RUB) नामक तीन आयामी-मुद्रित प्रवाल स्टैक डिजाइन किए है।
- शोधकर्ताओं ने प्रवाल भित्ति के भोजन जाले में लापता संबंध पाया।
- यह डेटा महत्वपूर्ण ज्ञान अंतराल भरता है, जैसे कि कैसे छोटे गुप्त जानवर खाद्य श्रृंखला के नीचे से प्रवाल भित्तियों का बड़े शिकारियों तक सभी तरह से समर्थन करते हैं।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

प्रवाल-भित्ति

- ये बड़े पानी के नीचे की संरचनाएं हैं जो प्रवासीय समुद्री अकशेरुकी के कंकालों से बनी हैं जिन्हें **प्रवाल** कहा जाता है।
- **प्रवाल** एक कठोर, टिकाऊ बाहय कंकाल बनाने के लिए समुद्री जल से कैल्शियम कार्बोनेट निकालते हैं जो उनके नरम, थैलीनुमा शरीर रक्षा करता है।
- ये बाहय कंकाल **प्रवाल-भित्ति** बनाने के लिए समय के साथ करोड़ों प्रवाल के ढेर पर बने रहते हैं।
- प्रवाल का सूक्ष्म शैवाल नामक शैवाल के साथ एक सहजीवी संबंध है।
- ये शैवाल मूंगा पॉलीप के शरीर के अंदर रहते हैं और भोजन के साथ मूंगा प्रदान करते हैं। जन्तु, बदले में, शैवाल के लिए एक घर और कार्बन डाइऑक्साइड प्रदान करते हैं।
- ये शैवाल प्रवाल के रंगों की विविधता के लिए जिम्मेदार हैं।

क्या आप जानते हैं ?

- प्रवाल भित्तियाँ समुद्र तल के 1% से भी कम को कवर करती हैं लेकिन वे पृथ्वी पर सबसे अधिक उत्पादक और विविध पारिस्थितिक तंत्रों में से हैं।
- उन्हें अपनी जैव विविधता के लिए "समुद्र के वर्षावन" के रूप में जाना जाता है,
- जब प्रदूषण या ग्लोबल वार्मिंग सहित किसी भी परिवर्तन के कारण प्रवाल तनावग्रस्त हो जाते हैं, तो वे शैवाल को निष्कासित कर सकते हैं और प्रक्षालित हो सकते हैं, जिसका अर्थ है **प्रवाल-भित्ति** की 'मृत्यु'।
- मृत प्रवाल भित्तियाँ गुप्त समुद्री जीवों जैसे मछलियों, घोंघे, छोटे केकड़ों और कृमियों का समर्थन करती हैं, जो भविष्यवाणी से खुद को बचाने के लिए इसके मलबे के नीचे छिप जाते हैं।

बैंकिंग सुधार सूचकांक में आसानी

GS प्रीलिम्स और GS- III - बैंकिंग; अर्थव्यवस्था **का हिस्सा:**

समाचार में

- केंद्रीय वित्त मंत्री ने हाल ही में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (PSB) द्वारा डोरस्टेप बैंकिंग सेवाओं का उदघाटन किया।
- EASE बैंकिंग सुधार सूचकांक पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बैंकों को भी सुविधा प्रदान की गई।

मुख्य बिन्दु

- डोरस्टेप बैंकिंग सेवाएँ EASE सुधार का हिस्सा हैं।
- कॉल सेंटर, वेब पोर्टल या मोबाइल एप के सार्वभौमिक स्पर्श बिंदु के जरिए ग्राहकों को उनके दरवाजे पर बैंकिंग सेवाएं देने पर विचार किया जा रहा है।
- ग्राहक इन चैनलों के माध्यम से अपने सेवा अनुरोध को भी ट्रैक कर सकते हैं।
- देश भर के 100 केंद्रों पर चयनित सेवा प्रदाताओं द्वारा तैनात डोरस्टेप बैंकिंग एजेंटों द्वारा सेवाएं प्रदान की जाएंगी।
- नाममात्र शुल्क पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के ग्राहकों द्वारा सेवाओं का लाभ उठाया जा सकता है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

EASE 2.0 बैंकिंग सुधार सूचकांक

- यह PSB के लिए एक आम सुधार एजेंडा है।
- **उद्देश्य:** स्वच्छ और स्मार्ट बैंकिंग को संस्थागत बनाना।
- यह जनवरी 2018 **में लॉन्च किया गया था ।**
- PSBs ने EASE 2.0 सुधार एजेंडा के लॉन्च के बाद से चार तिमाहियों में अपने प्रदर्शन में एक स्वस्थ प्रक्षेपवक्र दिखाया है।
- **शीर्ष प्रदर्शन करने वाले बैंक:** (1) बैंक ऑफ बड़ौदा, (2) भारतीय स्टेट बैंक, (3) ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स
- **शीर्ष सुधारक:** (1) बैंक ऑफ महाराष्ट्र, (2) सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, (3) कॉर्पोरेशन बैंक।

Top 3 banks in each theme

Top 3 banks for EASE 2.0 Index	Theme 1: Responsible Banking	Theme 4: UdyamMitra for MSMEs
• Bank of Baroda • State Bank of India • Oriental Bank of Commerce	• Bank of Baroda • State Bank of India • Punjab National Bank	• Oriental Bank of Commerce • State Bank of India • Union Bank of India
Top 3 banks in improvement from March baseline	**Theme 2: Customer Responsiveness**	**Theme 5: Deepening FI & Digitalisation**
• Bank of Maharashtra • Central Bank of India • Corporation Bank	• State Bank of India • Oriental Bank of Commerce • Bank of Baroda	• Bank of Baroda • Canara Bank • Punjab National Bank
	Theme 3: Credit Off-take	**Theme 6: Governance and HR**
	• Oriental Bank of Commerce • Union Bank of India • State Bank of India	• State Bank of India • Bank of Baroda • Punjab National Bank

जलवायु स्मार्ट शहर मूल्यांकन फ्रेमवर्क (CSCAF) 2.0 लॉन्च किया गया

GS प्रीलिम्स और GS- II - नीतियां और हस्तक्षेप और GS- III - जलवायु परिवर्तन **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में, जलवायु स्मार्ट शहर मूल्यांकन फ्रेमवर्क (CSCAF) 2.0 और लोगों के लिए चुनौती का मार्ग आरंभ किया गया।
- **मंत्रालय:** आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA)।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

जलवायु स्मार्ट शहर मूल्यांकन फ्रेमवर्क (CSCAF) 2.0

- **उद्देश्य:** (1) निवेश सहित अपने कार्यों की योजना और कार्यान्वयन करते समय जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए शहरों के लिए एक स्पष्ट रोडमैप प्रदान करना; (2) भारत में शहरी नियोजन और विकास के लिए एक जलवायु-संवेदनशील दृष्टिकोण विकसित करना।
- फ्रेमवर्क में पाँच श्रेणियों में 28 संकेतक हैं; (i) ऊर्जा और हरित भवन, (ii) शहरी योजना, हरित कवर और जैव विविधता, (iii) गतिशीलता और वायु गुणवत्ता, (iv) जल प्रबंधन और (v) अपशिष्ट प्रबंधन।

- राष्ट्रीय शहरी मामलों के संस्थान (NIUA) और MoHUA के तहत शहरों के लिए जलवायु केंद्र **द्वारा कार्यान्वित किया गया है।**

लोगों को चुनौती के लिए मार्ग

- यह शहरों को अधिक चलने योग्य और पैदल अनुकूल बनाने की आवश्यकता की प्रतिक्रिया है।
- यह MoHUA द्वारा जारी की गई एडवाइजरी पर बनाता है।
- यह हितधारकों और नागरिकों के परामर्श से लोगों के लिए मार्गों की एक एकीकृत दृष्टि विकसित करने के लिए देश भर के शहरों का समर्थन करेगा।
- फिट इंडिया मिशन, युवा मामले और खेल मंत्रालय के तहत और परिवहन विकास और नीति संस्थान (ITDP) के भारत कार्यक्रम ने चुनौती का समर्थन करने के लिए स्मार्ट सिटी मिशन के साथ भागीदारी की है ।

लिविंग प्लैनेट रिपोर्ट 2020

GS प्रीलिम्स और GS- III - पर्यावरण; जलवायु परिवर्तन **का हिस्सा:**

समाचार में

- WWF की लिविंग प्लेनेट रिपोर्ट 2020 हाल ही में जारी की गई थी।

रिपोर्ट से मुख्य बिन्दु

- 1970 और 2016 के बीच वैश्विक वन्यजीव आबादी में 68% की कमी आई है।
- पृथ्वी की 75% बर्फ मुक्त भूमि की सतह में पहले ही काफी बदलाव किया जा चुका है।
- अधिकांश महासागर प्रदूषित हैं।
- इस अवधि में आर्द्रभूमि का 85% से अधिक क्षेत्र खो गया है।
- **जैव विविधता के नुकसान का सबसे महत्वपूर्ण कारण:** भू-उपयोग परिवर्तन - कृषि प्रणालियों और महासागरों में प्राचीन आवासों का रूपांतरण अधिक हो गया है।
- **भूमि उपयोग परिवर्तन के कारण सर्वाधिक जैव विविधता हानि** : (1) यूरोप और मध्य एशिया में 57.9%; (2) उत्तरी अमेरिका 52.5 %; (3) लैटिन अमेरिका और कैरेबियन 51.2% पर; (4) अफ्रीका 45.9% पर; (5) एशिया 43 % पर।

- **सबसे बड़ा वन्यजीव जनसंख्या नुकसान** : 94% की खतरनाक स्थिति में लैटिन अमेरिका।
- **सबसे अधिक खतरे वाली जैव विविधता में से एक:** मीठे पानी की जैव विविधता (समुद्रों या जंगलों में इससे भी तेज गिरावट)।

क्या आप जानते हैं ?

- वैश्विक मैपिंग से हाल ही में पता चला है कि इंसानों ने लाखों किलोमीटर की नदियों को किस हद तक बदल दिया है।

IUCN रेड लिस्ट के अनुसार, दुनिया के केवल 2.4% भूभाग में पौधों की 45,000 से अधिक प्रजातियों के साथ एक "मेगा विविध देश", पहले ही विलुप्त होने के लिए छह पौधों की प्रजातियों को खो चुका है।

दिल्ली मास्टर प्लान 2041

GS प्रीलिम्स और GS- II - नीतियां और हस्तक्षेप और GS- III - प्रदूषण; जलवायु परिवर्तन **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में, दिल्ली विकास प्राधिकरण (DDA) ने दिल्ली 2041 के मास्टर प्लान की तैयारी के लिए सार्वजनिक परामर्श आयोजित करने का निर्णय लिया है।
- यह दिल्ली के विकास के लिए एक दृष्टि दस्तावेज है।

मास्टर प्लान 2041 के मुख्य बिन्दु :

- **फोकस:** स्थिरता, समावेशिता और न्यायसम्य, ब्लू-हरित अवसरंचना, साइकलिंग अवसरंचना, पैदल चलने वालों के लिए सर्किट, प्रदूषण के सभी स्रोतों और अनधिकृत कालोनियों को हटाना
- **उद्देश्य:** सक्रिय और दूरंदेशी होना
- **विशेषताएं:** योग के लिए स्थान, सक्रिय खेल, खुली हवा में प्रदर्शनियां, संग्रहालय और सूचना केंद्र और अन्य कम प्रभाव वाले सार्वजनिक उपयोग।
- यह सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के विभिन्न प्रावधानों को पूरा करेगा, जैसे: (1) SDG 6 - स्वच्छ पानी और स्वच्छता; (2) SDG 11- स्थायी शहर और समुदाय; (3) SDG 14- पानी के नीचे जीवन; (5) SDG 15- जमीन पर जीवन।

जंगल और वृक्ष आवरण का नुकसान: संरक्षण प्रणाली के लिए नकद के माध्यम से संरक्षण

संदर्भ:

अमेरिका के तीन पश्चिमी राज्यों में वन्यजीवों की अभूतपूर्व चौड़ाई, उनकी तीव्रता, पैमाने, गति और अवधि को मिलाकर, उन्हें नियंत्रण में लाने की क्षमता को बहुत जटिल कर दिया है। 500,000 एकड़ की आग कैलिफ़ोर्निया में अब तक की सबसे बड़ी आग है।

जंगल की आग का प्रभाव:

जबकि प्राकृतिक आग में पुनर्योजी गुण होते हैं, बड़े पैमाने पर मानवजनित आग का विनाशकारी पर्यावरणीय प्रभाव पड़ता है।

- जंगल की आग नदियों और झीलों की गुणवत्ता पर दीर्घकालिक प्रभाव हो सकता है, और तूफान पानी अपवाह चैनलों पर । चूंकि राख-कार्बनिक पदार्थ है जिसका अवक्षय नहीं हुआ है, के साथ सूखी मिट्टी हाइड्रोफोबिक हो जाती है और पानी के अवशोषण को रोकती है ।
- जंगल की आग कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य हरितहाउस गैसों का उत्सर्जन करते हैं जो भविष्य में ग्रह को अच्छी तरह से गर्म करना जारी रखेंगे। वे जंगलों को नुकसान पहुंचाते हैं जो अन्यथा हवा से CO_2 निकाल देते हैं।
- जैव विविधता बेहद प्रभावित होती है

दुनिया भर में गंभीर स्थिति:

- 2019 में, दुनिया ने हर छह सेकंड में वर्षावन का एक फुटबॉल मैदान खो देता है।
- 2019 में 11.9 मिलियन हेक्टेयर में वृक्षों का आवरण नष्ट हो गया। यह कार्बन डाइऑक्साइड की 1.8 गीगाटन या लगभग 400 मिलियन कारों के वार्षिक उत्सर्जन के बराबर है (दुनिया की कारों की कुल संख्या 1 बिलियन आंकी गई है)।
- ब्राजील, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और इंडोनेशिया ने हाल के वर्षों में सबसे उष्णकटिबंधीय प्राथमिक वन आवरण खो दिया है।
- नवीनतम ऑस्ट्रेलियाई गर्मियों के दौरान बड़े पैमाने पर जंगल की आग ने ऑस्ट्रेलिया में लाखों पेड़ों के नुकसान के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया में अब तक का सबसे बुरा पेड़ नुकसान दर्ज किया है।

भारत की स्थिति:

भारत में लगभग 31 मिलियन हेक्टेयर या इसके क्षेत्र का 11% वन क्षेत्र है। पिछले 20 वर्षों में, भारत ने 328,000 हेक्टेयर आर्द्र प्राथमिक जंगल खो दिया है।

वेटलैंड्स का वनों की कटाई और विनाश केरल और मुंबई और चेन्नई के शहरों में भारी शहरीकृत क्षेत्रों में वार्षिक बाढ़ के प्रमुख कारणों में से हैं।

उम्मीद की किरण:

- कोलम्बिया और कोस्टा रिका जैसे कुछ देश वन हानि को धीमा करने में सक्षम हैं।
- एक ओर जहां वन हानि में योगदान दे रहा है, वहीं चीन, अमेरिका, इथियोपिया और भारत ने भी पिछले एक दशक में अरबों पेड़ लगाए हैं।
- केन्याई नोबेल विजेता वांगारीमाथाई से प्रेरित **बिलियन वृक्ष अभियान** एक ट्रिलियन **वृक्ष** अभियान में शामिल हो गया है।

पर्यावरणविदों का अनुमान है कि एक ट्रिलियन पेड़ लगाने से मानवजनित उत्सर्जन के एक दशक के घातक प्रभाव को रद्द किया जा सकता है।

पारिस्थितिक तंत्र सेवाओं के लिए "संरक्षण के लिए नकद" या भुगतान:

- जंगलों की परिधि पर रहने वाली आबादी को अक्सर वन भूमि पर खेती करने या चारागाह के लिए इसका उपयोग करने में लाभ होता है, जिसके परिणामस्वरूप वनों की कटाई की उच्च दर होती है।
- वन आच्छादन के खतरनाक नुकसान का एक उपाय यह है कि वनों की परिधि पर सीमांत आबादी की भरपाई की जाए और उन्हें वनों को समतल न करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।
- PES कोस्टा रिका में अग्रणी था, और मैक्सिको में इसका सफलतापूर्वक उपयोग किया गया है।
- दुनिया का सबसे लंबा चलने वाला PES कार्यक्रम US कंजर्वेशन रिजर्व प्रोग्राम है, जो पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील भूमि पर खेती करने से किसानों को प्रति वर्ष लगभग 1.8 बिलियन डॉलर का भुगतान करता है।
- अनुबंध के लिए इन किसानों को मिट्टी-कटाव के प्रबंधन, पानी की गुणवत्ता में सुधार और जैव विविधता को बढ़ाने के लिए संसाधन-संरक्षण कवर लगाने की आवश्यकता है।
- चीन की अनाज के लिए हरित योजना प्रति वर्ष लगभग $ 4 बिलियन का भुगतान करती है ताकि अनाज और नकदी देकर मिट्टी के कटाव का खतरा होने वाले ढलानों (25 डिग्री से अधिक) का संरक्षण किया जा सके। कार्यक्रम के लक्ष्यों में से एक यांग्त्ज़ी और हुआंग हे नदियों में वार्षिक गाद जमा को कम करना है।

सावधानी :

PES सिस्टम डिजाइन और कार्यान्वयन के लिए जटिल हैं क्योंकि उन्हें सूक्ष्म-जलवायु परिस्थितियों के साथ-साथ स्थानीय आबादी की प्रथाओं के लिए बहुत विशिष्ट होना चाहिए।

निष्कर्ष:

जैसा कि दुनिया जीवाश्म ईंधन छोड़ने की कोशिश करती है, भौतिक खपत को कम करती है, घर से अधिक काम करती है और शाकाहारी, वनीकरण और PES कार्यक्रम जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण ताकत जोड़ सकती है।

भारत को अपने पहले वन क्षेत्र को बनाए रखने और फिर बढ़ाने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को स्थापित करना चाहिए।

बिंदुओं को जोड़ने पर:

- वनों की कटाई की जाँच के लिए पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं (PES) के लिए भुगतान एक प्रभावी तरीका हो सकता है। टिप्पणी।
- जंगल की आग क्या है? इसके प्रभाव क्या हैं?

भारत में अपशिष्ट प्रबंधन

" विरासत अपशिष्ट "

वर्षों की उपेक्षा, दूरदर्शिता की कमी और शहरी नियोजन की पूर्ण अनुपस्थिति ने भारत को अपशिष्ट-भूमिभराव, अपशिष्ट-चोक नालियों, जल निकायों और नदियों के पहाड़ों के साथ छोड़ दिया है। इसे "विरासत अपशिष्ट" कहा जाता है, दशकों की उपेक्षा और दूरदर्शिता की कमी का एक संचयी परिणाम।

भारत **के पास ताजा रोजमर्रा के कचरे के** एक साथ और **निरंतर संचय के** साथ, **विरासत के कचरे** के इलाज और **छुटकारा पाने की** चुनौती है ।

कितना चौंका देने वाला मुद्दा है?

- भारत विश्व स्तर पर सबसे अधिक अपशिष्ट उत्पन्न करता है, प्रति वर्ष लगभग 275 मिलियन टन अपशिष्ट उत्पन्न होता है।
- लगभग 20-25% की वर्तमान अपशिष्ट उपचार दरों के साथ, कचरे का बहुमत अनुपचारित, ढेर में, लैंडफिल पर और नालियों और नदी निकायों में एक समान मात्रा में रहता है।
- नालियाँ और जल निकाय, जो भारतीय नदियों में निकलते हैं, उन्हें भी बेकार की मात्रा में ले जाते हैं। गंगा दुनिया की शीर्ष 10 प्रदूषित नदियों में शामिल है, कुल मिलाकर समुद्र के प्रदूषण का 90% हिस्सा है।
- केंद्र, राज्य, शहर और नगरपालिका सरकारें, दशकों से, न तो स्थिति को रोक पाई हैं, न ही इसके पैमाने से निपट पाई हैं।
- कुल 92 बड़े WTE (अपशिष्ट-से-ऊर्जा) संयंत्रों में से केवल एक छोटा अंश ही चालू है। जो प्लांट चालू हैं, वे सबॉप्टीमल क्षमता पर चलते हैं।

सुझाए गए समाधान:

भारत को सस्ती, विकेंद्रीकृत, अनुकूलित समाधान की आवश्यकता है:

- नगरपालिकाओं को सस्ती तकनीक तक पहुंच की आवश्यकता है।
- स्थानीय स्थितियों को स्थानीय समाधानों की आवश्यकता होती है: आज अपशिष्ट प्रबंधन के लिए आवश्यक अधिकांश प्रौद्योगिकी / उपकरण आयातित, महंगे और अक्सर हमारी विभिन्न स्थानीय स्थितियों में अनुकूल नहीं होते हैं। जल निकायों को साफ करने के लिए एम्फीबियन उपकरण आयात किए जाते हैं और बड़े जल निकायों के लिए अच्छा काम कर सकते हैं। छोटे नालों और जल निकायों के लिए इस तरह के उपकरणों का डिजाइन और निर्माण आवश्यक है।

- आत्मनिर्भर भारत को तुरंत गति प्रदान करने की जरूरत है।

प्रौद्योगिकी और उपकरणों की खरीद में आसानी:

प्रौद्योगिकी और उपकरणों की खरीद के लिए एक कम बोझिल प्रक्रिया का विकास अनिवार्य है। प्रौद्योगिकी की कमी और कठोर खरीद प्रणाली के कारण राज्य सरकारें दोहरी मार झेल रही हैं।

नीति परिवर्तन:

नीति जो अपशिष्ट को हटाने में तेजी लाने के लिए एक दिशा प्रदान करती है, की आवश्यकता है।

- एक तरह से, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस्तेमाल किया, भूमिभराव के तहत भूमि मूल्य अनलॉक करने के लिए है । एजेंसियों, कंपनियों या उद्योग है कि स्पष्ट अपशिष्ट, भूमि का मालिक होना सफाई की अनुमति प्रदान करता है।

- अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्रों के संग्रह, संचालन और रखरखाव से अपशिष्ट प्रबंधन श्रृंखला को संचालित करने और बनाए रखने के लिए **कुशल और प्रशिक्षित पेशेवर कर्मियों** का **विकास** ।
- **शून्य-अपशिष्ट कचरे वाले समाज की ओर** बढ़ना ।
- केंद्रीय, और सफलता के लिए अभिन्न, डिजाइन है। संग्रह में डिजाइन, केंद्रीकृत और विकेन्द्रीकृत अपशिष्ट उपचार संयंत्रों और प्रयुक्त उपकरणों का। **अपशिष्ट प्रबंधन का डिजाइन** एक सुनियोजित स्मार्ट शहर, शहर या गांव **का आधार होना चाहिए** ।

निष्कर्ष:

विज्ञान और प्रौद्योगिकी को देश के सामने आने वाली बेकार चुनौतियों का समाधान प्रदान करने के लिए जरूरी होना चाहिए, एक चुनौती जो तत्काल और महत्वपूर्ण दोनों है, और हमारी अपनी जोखिम को नजरअंदाज किया जा सकता है।

बिंदुओं को जोड़ने पर:

- एक सुव्यवस्थित अपशिष्ट प्रबंधन रणनीति, भारतीय बाधाओं का संज्ञान, स्वच्छ भारत , स्वच्छ भारत और उन्नाव भारत की पहचान होनी चाहिए ।
- भारत को ताजे रोजमर्रा के कचरे के एक साथ और निरंतर संचय के साथ, विरासत कचरे के इलाज और छुटकारा पाने की चुनौती का सामना करना पड़ता है। इस प्रकाश में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक बहु-आयामी रणनीति की आवश्यकता होती है।

वनों का शुद्ध वर्तमान मूल्य

GS प्रीलिम्स और GS- III - वन **का हिस्सा:**

समाचार में

- खान मंत्रालय ने वन सलाहकार समिति को निवल वर्तमान मूल्य (NPV) से उत्खनन करने वाले बोरहोल की खुदाई करने की छूट देने का अनुरोध किया है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

शुद्ध वर्तमान मूल्य

- यह एक बार का भुगतान अनिवार्य है जो कि उपयोगकर्ता को वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के तहत गैर-वन उपयोग के लिए वनभूमि को बदलने के लिए करना है।
- इसकी गणना वनों की सेवाओं और पारिस्थितिक मूल्य के आधार पर की जाती है।
- यह जंगल के स्थान और प्रकृति और औद्योगिक उद्यम के प्रकार पर निर्भर करता है जो किसी विशेष जंगल के पार्सल को बदल देगा।
- ये भुगतान क्षतिपूरक वनीकरण कोष (CAF) में जाते हैं और वनीकरण और पुनर्वितरण के लिए उपयोग किए जाते हैं।
- वन सलाहकार समिति द्वारा निर्धारित।
- समिति का गठन पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF & CC) द्वारा किया जाता है और यह तय करता है कि परियोजनाओं के लिए वनों को मोड़ने के लिए किया जा सकता है और NPV को चार्ज किया जाना है।

- यह वन (संरक्षण) अधिनियम 1980 द्वारा गठित एक वैधानिक निकाय है।

छूट

- कुछ परियोजनाओं में NPV का भुगतान करने से छूट प्रदान की गई है जैसे स्कूल, अस्पताल, गाँव के टैंक, ऑप्टिकल फाइबर का निर्माण आदि।
- भूमिगत खनन और पवन ऊर्जा संयंत्रों जैसी परियोजनाओं को NPV से 50% छूट दी गई है।

क्या आप जानते हैं ?

- एन. गोडवर्मन थिरुमुलपाद वी. यूनियन ऑफ़ इंडिया केस, 2008 में सुप्रीम कोर्ट ने NPV के भुगतान को अनिवार्य कर दिया।
- कंचन गुप्ता समिति ने इस मामले के बाद NPV की अवधारणा विकसित की।
- **अन्वेषक बोरहोल** : यह एक संसाधन (कोयला, धातु या पेट्रोलियम) की विशेषताओं, स्थान, मात्रा और गुणवत्ता की पहचान करने के उद्देश्य से ड्रिल किया जाता है। यह खनन और निष्कर्षण गतिविधियों के लिए भविष्य में उपयोग के लिए एक साइट की पूर्वसूचना का एक हिस्सा है।

ब्रह्मपुत्र नदी घाटी पर कम ओजोन पाई गई है

GS प्रीलिम्स और GS- III - जलवायु परिवर्तन **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में आर्यभट्ट शोध प्रेक्षण विज्ञान संस्थान (ARIES) नैनीताल के वैज्ञानिकों ने ब्रह्मपुत्र नदी घाटी (BRV) में सतह के पास ओजोन का मूल्यांकन किया है।
- उन्होंने ओजोन के उत्सर्जन स्रोत और उसके पूर्वजों, विशेष रूप से मीथेन (CH_4) और गैर-मीथेन हाइड्रोकार्बन (NMHCs) की पहचान करने के लिए ओजोन की मौसमी विशेषताओं का आकलन किया।

मुख्य बिन्दु

- वैज्ञानिकों ने भारत के अन्य शहरी स्थानों की तुलना में BRV (गुवाहाटी - असम) पर ओज़ोन की अपेक्षाकृत कम सांद्रता पाई है।
- BRV में ओजोन सांद्रता के पैटर्न ने संकेत दिया कि यह निकटवर्ती राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ नाइट्रोजन के स्थानीय आक्साइड (NO_x) स्रोतों से काफी प्रभावित था और संभावित प्रमुख स्रोत था।
- उच्च ओजोन शीतकालीन सांद्रता देखी गई।

- यह स्थानीय बायोमास जलने के कारण हो सकता है जो प्रतिक्रियाशील वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों (VOCs) प्रदान करता है जो ओजोन गठन में योगदान देता है।
- प्री-मॉनसून सीज़न में, ओ 3 के फोटोकैमिकल गठन पर सौर विकिरण (SR) का प्रभाव देखा गया था।

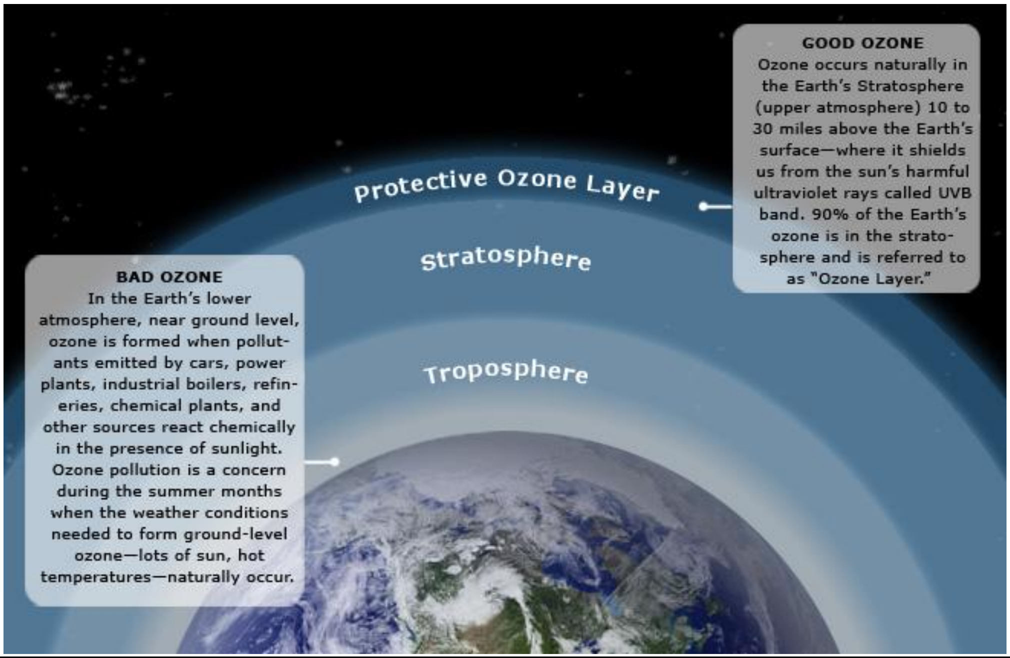

जलवायु परिवर्तन पर भारत का नज़रिया: कोयले पर निवेश बढ़ा?

संदर्भ:

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो ग्युटेरेस ने भारत से 2020 के बाद कोयले में कोई नया निवेश नहीं करने और 2030 तक उत्सर्जन को 45% तक कम करने का आह्वान किया है।

भारत का ट्रैक रिकॉर्ड:

- भारत उन कुछ देशों में से एक है जो वर्तमान में अपनी पेरिस समझौते की प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए ट्रैक पर है।
- हाल के दशकों के त्वरित आर्थिक विकास के बावजूद, भारत का वार्षिक उत्सर्जन 0.5 टन प्रति व्यक्ति है, जो वैश्विक औसत 1.3 टन से कम है। पूर्ण शब्दों में, यह चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ (EU) के नीचे है, जो कि पूर्ण अवधि में तीन प्रमुख उत्सर्जक हैं

- संचयी उत्सर्जन के संदर्भ में, 2017 तक भारत का योगदान 1.3 बिलियन की आबादी के लिए केवल 4% था, जबकि केवल 448 मिलियन की आबादी वाला यूरोपीय संघ, 20% के लिए जिम्मेदार था।

विकसित देशों की क्या स्थिति हैं?

- खुद UNFCCC ने रिपोर्ट किया है कि 1990 और 2017 के बीच, विकसित देशों (रूस और पूर्वी यूरोप को छोड़कर) ने अपने वार्षिक उत्सर्जन में केवल 1.3% की कमी की है।
- वैश्विक उत्तर तेल और प्राकृतिक गैस पर अपनी निर्भरता को जारी रखता है, दोनों समान रूप से जीवाश्म ईंधन, उनके चरण-आउट के लिए कोई समयरेखा नहीं है।
- प्रथम विश्व पर्यावरणवादी राय के बड़े वर्ग जलवायु कार्रवाई के लिए आवश्यक घरेलू राजनीतिक समर्थन को बुलाने में असमर्थ रहे हैं।
- उन्होंने विकासशील देशों पर जलवायु शमन का खामियाजा उठाने के लिए दबाव बनाया है।

मुद्दे:

- जलवायु कार्रवाई पर किसी भी चर्चा में जलवायु सम्मेलन के मुख्य सिद्धांतों (जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क सम्मेलन (UNFCCC)) का संदर्भ होना चाहिए - वैश्विक और अंतर्राष्ट्रीय इक्विटी और सामान्य लेकिन विभेदित जिम्मेदारियों का सिद्धांत
- विकसित राष्ट्रों के विपरीत, भारत कोयले को तेल और गैस के द्वारा पर्याप्त रूप से प्रतिस्थापित नहीं कर सकता है। इस वृद्धि का एक बड़ा हिस्सा सौर से आने की जरूरत है, जिसके लिए स्थायी प्रौद्योगिकी अभी तक विकसित नहीं हुई है।
- नवीकरणीय, वर्तमान परिदृश्य में, सेवा क्षेत्र से आवासीय उपभोग और मांग के कुछ हिस्से को पूरा कर सकते हैं।
- **प्रौद्योगिकी का अभाव:** नवीकरण के माध्यम से सभी पीढ़ी की क्षमता का 70% से 80% प्रदान करना संभव है या नहीं, इसमें सुधार सहित प्रौद्योगिकी विकास पर निर्भर करता है:
    a) अपने स्रोत से बिजली में ऊर्जा के रूपांतरण की दक्षता।
    b) इसी बिजली ग्रिड का प्रबंधन।
    c) भंडारण प्रौद्योगिकियों में सुधार।

जलवायु परिवर्तन शमन प्रौद्योगिकियों में प्रौद्योगिकी विकास ने 2009-10 से 2017 तक, सभी उप-क्षेत्रों में और सभी विकसित देशों में महत्वपूर्ण गिरावट दर्ज की है।

- नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों और उनके बड़े पैमाने पर संचालन में उत्पादन क्षमता में कमी, इस पैमाने पर तैनाती भारत को बाहरी स्रोतों और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर बढ़ती और गंभीर निर्भरता को उजागर करेगी।
- कोयले के साथ नवीकरण, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से, अकेले नवीकरण से कहीं अधिक रोजगार पैदा करेगा।

निष्कर्ष:

संयुक्त राष्ट्र के जनरलों का आहवान देश को औद्योगीकृत करने और जनसंख्या को स्थायी रूप से कम विकास के जाल में छोड़ने का आहवान प्रतीत होता है ।

बिंदुओं को जोड़ने पर:

- भारत को ग्लोबल वार्मिंग की चुनौती के लिए एक समान प्रतिक्रिया के लिए अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दोहराना होगा।

भूमंडलीकरण और प्रवाल भित्ति कार्यक्रम को कम करने के लिए वैश्विक पहल

GS प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध और GS- III - जलवायु परिवर्तन **का हिस्सा:**

समाचार में

- G20 देशों की पर्यावरण मंत्रिस्तरीय बैठक (EMM) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई।
- सऊदी अरब साम्राज्य के अधीन
- भूमि क्षरण और प्रवाल भित्ति कार्यक्रम को कम करने के लिए वैश्विक पहल के शुभारंभ की सराहना की गई ।
- उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन के प्रबंधन से संबंधित जलवायु परिवर्तन पर दो दस्तावेज भी लॉन्च किए गए।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

भूमंडलीकरण को कम करने की वैश्विक पहल

- इसका उद्देश्य G 20 सदस्य राज्यों के भीतर और विश्व स्तर पर भूमि गिरावट को रोकने, रोकने और मौजूदा ढांचों के कार्यान्वयन को मजबूत करना है।

वैश्विक प्रवाल प्रवाल R&D त्वरक प्लेटफार्म

- यह एक अभिनव क्रिया-उन्मुख पहल है।

उद्देश्य: (1) एक वैश्विक अनुसंधान और विकास कार्यक्रम बनाना; (2) अग्रिम अनुसंधान, नवाचार और क्षमता निर्माण के लिए; (3) प्रवाल भित्तियों के संरक्षण में वृद्धि करना।

भारत का अपना इको-लेबल BEAMS लॉन्च किया

GS प्रीलिम्स और GS- III - पर्यावरण; जलवायु परिवर्तन; प्रदूषण **का हिस्सा:**

समाचार में

- भारत का अपना इको-लेबल बीच पर्यावरण और सौंदर्य प्रबंधन प्रबंधन सेवा (BEAMS) हाल ही में शुरू किया गया था।
- **मंत्रालय** : पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC)।
- ध्वज #IAMSAVINGMYBEACH को हाल ही में नीले ध्वज समुद्र तटों के रूप में मान्यता प्राप्त आठ तटों पर एक साथ ई-फहराया गया था।

मुख्य बिन्दु

- **उद्देश्य:** (1) तटीय जल में प्रदूषण को कम करने के लिए; (2) समुद्र तट सुविधाओं के सतत विकास को बढ़ावा देना; (3) तटीय पारिस्थितिक तंत्र और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा और संरक्षण करना।
- BEAMS (बीच पर्यावरण और सौंदर्य प्रबंधन प्रबंधन) MoEFCC के ICZM (एकीकृत तटीय क्षेत्र प्रबंधन) परियोजना के तहत अत्यधिक प्रशंसित कार्यक्रम है।
- कार्यक्रम तटीय क्षेत्रों के सतत विकास को सुनिश्चित करेगा।
- यह कार्यक्रम प्रकृति के साथ पूर्ण सामंजस्य में समुद्र तट मनोरंजन को बढ़ावा देता है।

ब्लू फ्लैग प्रमाणन के लिए भारतीय समुद्र तटों की सिफारिश की गई

GS प्रीलिम्स और GS- III - पर्यावरण; जलवायु परिवर्तन; प्रदूषण **का हिस्सा:**

समाचार में

- पहली बार भारत के आठ समुद्र तटों को प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय इको-लेबल, ब्लू फ्लैग प्रमाणन के लिए अनुशंसित किया गया है।
- **मंत्रालय** : पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC)।

मुख्य बिन्दु

- सिफारिशें एक स्वतंत्र राष्ट्रीय जूरी द्वारा की जाती हैं जो प्रख्यात पर्यावरणविदों और वैज्ञानिकों से बनी होती हैं।
- आठ समुद्र तट हैं: (1) शिवराजपुर (गुजरात); (2) घोघला (दमन और दीव); (3) कासरकोड और (4) पदुबिद्री (कर्नाटक); (5) कप्पड (केरल); (6) रुशिकोंडा (आंध्र प्रदेश); (7) गोल्डन बीच (ओडिशा); (8) राधानगर (अंडमान और निकोबार)।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

ब्लू फ्लैग प्रमाणीकरण

- 'ब्लू फ्लैग' एक प्रमाणन है जो समुद्र तट, मरीना या स्थायी नौका विहार पर्यटन ऑपरेटर द्वारा प्राप्त किया जा सकता है।
- यह एक इको-लेबल के रूप में कार्य करता है।
- प्रमाणन को उच्च पर्यावरण और गुणवत्ता मानकों के संकेत के रूप में जाना जाता है।
- ब्लू फ्लैग समुद्र तटों को दुनिया का सबसे साफ समुद्र तट माना जाता है।
- प्रमाणन को डेनमार्क स्थित गैर-लाभकारी फाउंडेशन द्वारा पर्यावरण शिक्षा (FEE) द्वारा समुद्र तटों के लिए चार प्रमुख प्रमुखों के तहत 33 कड़े मानदंडों के साथ सम्मानित किया जाता है: (i) पर्यावरण शिक्षा और सूचना (ii) स्नान जल गुणवत्ता (iii) पर्यावरण प्रबंधन और संरक्षण और (iv) सुरक्षा और सेवाएँ।

ब्लू फ्लैग कार्यक्रम की शुरुआत 1985 में फ्रांस में और यूरोप के बाहर के क्षेत्रों में 2001 से हुई

कोमोडो ड्रैगन विलुप्त हो सकता है

GS प्रीलिम्स और GS- III - जैव विविधता; संरक्षण; जलवायु परिवर्तन **का हिस्सा** :

समाचार में

- ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों द्वारा किए गए एक हालिया अध्ययन में पता चला है कि जलवायु परिवर्तन के कारण कोमोडो ड्रैगन अगले कुछ दशकों में विलुप्त हो सकता है ।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

कोमोडो ड्रैगन

- वैज्ञानिक नाम: वरानस कोमोडोएनिस

- वे पृथ्वी पर सबसे बड़ी और भारी छिपकली हैं।
- उनके पास लंबे, सपाट सिर हैं जिनमें गोल घोंघे, पपड़ीदार त्वचा, झुके हुए पैर और विशाल, मांसल पूंछ हैं।
- वे अकशेरुकी, पक्षियों और स्तनधारियों सहित लगभग कुछ भी खा सकते हैं ।
- उनके पास विष से भरी हुई विष ग्रंथियाँ होती हैं जो थक्कारोधी का स्राव करती हैं ।
- **निवास स्थान:** कोमोडो नेशनल पार्क, एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, कोमोडो (पूर्वी इंडोनेशिया) के द्वीप में स्थित है और इस छिपकली की प्रजातियों का एकमात्र निवास स्थान है।
- **खतरे** : (1) मानवजनित कारक; (2) कम शिकार; (3) जलवायु परिवर्तन
- **संरक्षण** : (1) IUCN स्थिति: कमजोर; (2) CITES: परिशिष्ट

क्या आप जानते हैं ?

- फरवरी 2019 में, ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने आधिकारिक तौर पर मानव-प्रेरित जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप एक स्तनपायी (ब्रैम्बल के मेलोमी) के पहले ज्ञात विलुप्त होने की घोषणा की

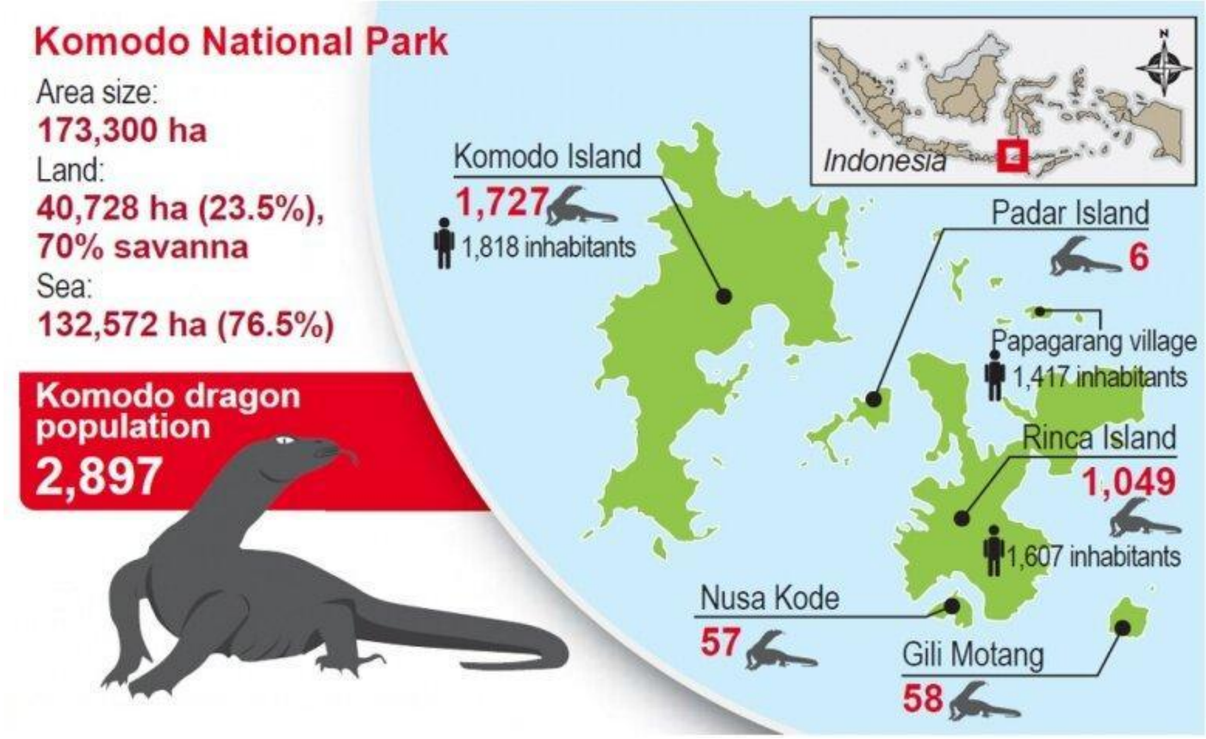

विश्व जोखिम सूचकांक 2020 जारी किया गया

GS प्रीलिम्स और GS- III - जलवायु परिवर्तन **का हिस्सा** :

समाचार में

- विश्व जोखिम सूचकांक (**WRI**) 2020 के अनुसार, भारत 'जलवायु वास्तविकता' से निपटने के लिए 'खराब रूप से तैयार' है, जिसके कारण यह चरम प्राकृतिक आपदाओं की चपेट में है।
- महाद्वीपों में, ओशिनिया सबसे अधिक जोखिम में है, इसके बाद अफ्रीका और अमेरिका हैं।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

विश्व जोखिम सूचकांक

- यह संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय पर्यावरण और मानव सुरक्षा (UNU-EHS), बुंडनिस एंटविक्लुंग हिल्फ़ट और जर्मनी में स्टटगार्ट विश्वविद्यालय द्वारा जारी विश्व जोखिम रिपोर्ट 2020 का हिस्सा है।
- इसकी गणना एक देश से दूसरे देश के आधार पर, जोखिम और भेद्यता के गुणन के माध्यम से की जाती है।
- यह विभिन्न देशों और क्षेत्रों के लिए आपदा जोखिम का वर्णन करता है।
- यह 2011 से सालाना जारी किया जाता है।
- यह बताता है कि कौन से देश अत्यधिक प्राकृतिक घटनाओं से निपटने और उनका पालन करने के उपायों को मजबूत करने की सबसे बड़ी जरूरत हैं।

सैकड़ों लंबे पंखो वाली पायलट व्हेल मर रही हैं

GS प्रीलिम्स और GS- III - संरक्षण **का हिस्सा** :

समाचार में

- ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े रिकॉर्डेड मास-स्ट्रैंडिंग इवेंट में 450 से अधिक लंबे पंख वाले पायलट व्हेल्स की मृत्यु हो गई है।
- व्हेल को तस्मानिया के पश्चिमी तट में एक दूरस्थ समुद्र तट पर रखा गया था।

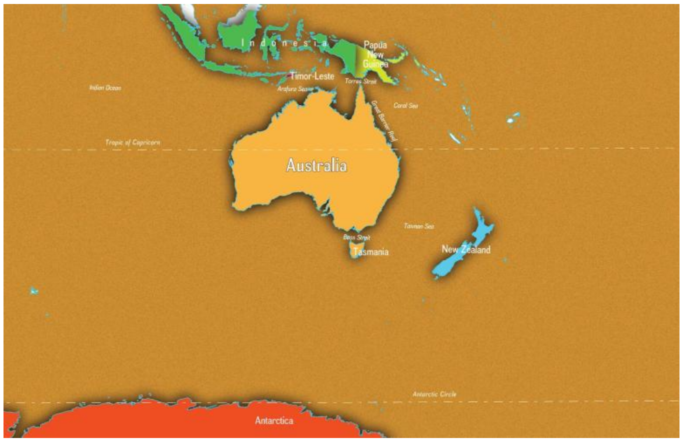

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

बीचिंग

- यह डॉल्फ़िन और व्हेल की परिघटनाओं को संदर्भित करता है जो समुद्र तटों पर स्वयं को स्थानीय अंतरपणन (कैद होना) किए हुये है।
- दुनिया भर में प्रत्येक वर्ष लगभग 2,000 स्ट्रैंडिंग होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप जानवरों की मृत्यु हो जाती है।
- व्हेल समुद्र तटों पर या तो अकेले या समूहों में खुद को फँसा लेती है।
- जबकि एकल स्ट्रैंडिंग को ज्यादातर चोट या बीमारी के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है, यह स्पष्ट नहीं है कि व्हेल वास्तव में खुद को समूहों में क्यों रखती है।

लंबे पंख वाले पायलट व्हेल

- वैज्ञानिक नाम: ग्लोबिसफेलमेलस
- ये पायलट व्हेल की दो प्रजातियों में से एक हैं, साथ ही छोटे पंख वाले पायलट व्हेल भी हैं।

- ये उप-महासागरीय जल में गहरे समशीतोष्ण को पसंद करते हैं।
- वे कुछ क्षेत्रों में तटीय जल में पाए जाते हैं।
- उन्हें अंटार्कटिक समुद्री बर्फ के पास प्रलेखित किया गया है और यह ठंडा बेंगुएला और हम्बोल्ट धाराओं के साथ जुड़ा हुआ है, जो उनकी सामान्य सीमा का विस्तार कर सकता है।
- संरक्षण की स्थिति: (1) CITES: परिशिष्ट II; (२) IUCN: कम से कम चिंता

पर्यावरणवाद: एक हरित आपूर्ति श्रृंखला

संदर्भ: संयुक्त राष्ट्र सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों और विश्व बैंक समूह की वैश्विक प्रथाओं ने पर्यावरणीय स्थिरता को वैश्विक महत्व के एक आवश्यक मुद्दे के रूप में मान्यता दी है।

पर्यावरणीय स्थिरता को समझा जाता है

- हरियाली उत्पाद खरीदना
- खतरनाक पदार्थों से बचना
- ऊर्जा अनुकूलन
- अपशिष्ट में कमी।

पर्यावरणीय स्थिरता प्राप्त करने की चुनौतियाँ

- **लाभ खोने का डर** : कुछ फर्म अभी भी पर्यावरणीय रूप से लाभकारी गतिविधियों में संलग्न होने के लिए अनिच्छुक हैं क्योंकि वे आर्थिक लाभों से समझौता करने से डरते हैं
- **बल द्वारा अभिग्रहण**: कुछ कंपनियों ने कानून और सरकारी प्रतिबद्धताओं के कारण पर्यावरणीय प्रथाओं को सबसे आगे रखा है, लेकिन स्वैच्छिक आधार पर नहीं।
- **अल्पकालिक हरित प्रथाएं**: विनिर्माण क्षेत्र, कचरे में कमी और ऊर्जा दक्षता में सुधार के कम लटके हुए फलों के बारे में इतने गंभीर हो जाते हैं कि वे अपने सीखने की क्षमता के पुनर्गठन की आवश्यकता को पहचानने में विफल होते हैं और पर्यावरणवाद की बड़ी तस्वीर देखते हैं

आगे का मार्ग - हरित आपूर्ति श्रृंखला

- इनमें हरित अधिप्राप्ति, हरित निर्माण, हरित वितरण और रिवर्स लॉजिस्टिक्स शामिल हैं।
- उपयोग किए गए उत्पादों, कर्मचारियों, आपूर्तिकर्ताओं, वितरकों, खुदरा विक्रेताओं और ग्राहकों के निपटान / पुन: उपयोग / पुनर्चक्रण के लिए पर्यावरण के अनुकूल कच्चे माल

के अधिग्रहण से शुरू होने वाली प्रथाओं के साथ एक फर्म के दैनिक कार्यों में पर्यावरण संबंधी चिंताओं को एकीकृत करने में सक्षम होगा

- यह सुनिश्चित करता है कि पर्यावरणीय स्थिरता स्रोत (इच्छा) से है न कि बल (नियमों) के माध्यम से।

हरित आपूर्ति श्रृंखला के लाभ

- **आग्नेयास्त्रों और पारिस्थितिकी तंत्र के पुनर्गठन में सक्षम:** हरित आपूर्ति श्रृंखला प्रथाएं पर्यावरणीय स्थिरता में संगठनात्मक सीखने को सक्षम बनाती हैं। यह आगे आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण में सभी खिलाड़ियों में पर्यावरणवाद को बढ़ावा देता है।
- **फर्मों को भविष्य की जरूरतों के लिए बेहतर रणनीति बनाने में मदद करता है:** परिणामी शिक्षण प्रणाली संगठन में ज्ञान प्रवाह को सुचारू बनाती है और बेहतर प्रदर्शन के लिए कंपनियों को मदद करने में मदद करती है, पर्यावरणीय पहलुओं को ध्यान में रखते हुए।
- **लंबे समय में उच्च आर्थिक प्रदर्शन की ओर जाता है** : अनुसंधान से पता चलता है कि हरित आपूर्ति श्रृंखला न केवल पर्यावरणीय प्रदर्शन के लिए एक लंबे समय तक चलने वाले प्राकृतिक ड्राइव की ओर जाता है, बल्कि उच्च आर्थिक प्रदर्शन के लिए भी
- **मुनाफे पर समाज को प्राथमिकता दी जाएगी** : पर्यावरण लिंक को समझना प्रबंधकों और विशेषज्ञों को अपने संगठनात्मक मूल्यों, कार्य प्रथाओं और समाज के अधिक अच्छे के लिए प्रदर्शनों को आकार देने में सक्षम करेगा।

निष्कर्ष

नीति निर्माताओं को इस सोच (हरित आपूर्ति श्रृंखला) का समर्थन न केवल पर्यावरणीय प्रथाओं को नियामक मानदंडों के रूप में करना चाहिए बल्कि विनिर्माण में हरित आपूर्ति श्रृंखला-आधारित शिक्षण प्रणालियों के निर्माण पर जोर देना चाहिए।

FAME योजना के तहत इलेक्ट्रिक बसें मंजूर

GS प्रीलिम्स और GS- II - नीतियां और GS- III - जलवायु परिवर्तन; प्रदूषण **का हिस्सा** :

समाचार में

- इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दिशा में एक बड़ा धक्का, सरकार ने विभिन्न राज्यों में 670 इलेक्ट्रिक बसों को मंजूरी दी है।

- **राज्यों:** महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात और चंडीगढ़ और मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, गुजरात और 241 चार्जिंग स्टेशन FAME इंडिया स्कीम के चरण- II के तहत।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

FAME (तेजी से अभिग्रहण और निर्माण (हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहन)

- 2015 में भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय **द्वारा लॉन्च किया गया**
- **उद्देश्य:** इलेक्ट्रिक वाहनों और हाइब्रिड वाहनों सहित पर्यावरण के अनुकूल वाहनों के उत्पादन और संवर्धन को प्रोत्साहित करना
- **योजना के दो चरण** : **चरण I** : 2015 में शुरू हुआ और 31 मार्च, 2019 को पूरा हुआ; (2) **चरण II**: 1 अप्रैल 2019 से शुरू होकर 31 मार्च 2022 तक पूरा हो जाएगा।

FAME II मुख्य विशेषतायें

- यह सार्वजनिक परिवहन में इलेक्ट्रिक वाहनों (EVs) को एक धक्का देने का प्रस्ताव करता है।
- यह बाजार निर्माण और मांग एकत्रीकरण के माध्यम से EV को अपनाने को प्रोत्साहित करना चाहता है।
- यह EV उद्योग के समग्र विकास की परिकल्पना करता है, जिसमें चार्जिंग अवसरंचना, अनुसंधान और EV प्रौद्योगिकियों के विकास और अधिक से अधिक स्वदेशीकरण की ओर धकेलना शामिल है।
- FAME 2 योजना के लिए 2022 तक तीन वर्षों के लिए 10,000 करोड़ रूपये का परिव्यय बनाया गया है।
- भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने का भी प्रावधान है।
- इस योजना में प्लग-इन हाइब्रिड वाहनों और एक बड़ी लिथियम आयन बैटरी और इलेक्ट्रिक मोटर के साथ उन लोगों को भी शामिल किया जाएगा।
- FAME 2 निर्माताओं को प्रोत्साहन प्रदान करेगा, जो इलेक्ट्रिक वाहनों और इसके घटकों को विकसित करने में निवेश करते हैं।

प्रोत्साहन पाने की पात्रता : केवल बसों की कीमत 2 करोड़, हाईब्रिड और 15 लाख से कम, तीन-पहिया वाहनों की कीमत 5 लाख से कम और दोपहिया वाहनों की 1.5 लाख से कम है।

कार्बन कर के लाभ

संदर्भ: चीन, सबसे बड़ा कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जक, ने घोषणा की कि वह 2060 से पहले उन्हें ऑफसेट करने के उपायों के साथ अपने कार्बन उत्सर्जन को संतुलित करेगा। अब स्पॉटलाइट अमेरिका और भारत पर है, जो उत्सर्जन में दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

क्या आपको पता है?

- भारत वैश्विक जलवायु जोखिम सूचकांक 2020 में पांचवें स्थान पर है।
- 1998 और 2017 के बीच, आपदा प्रभावित देशों ने संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न 77% के साथ, प्रत्यक्ष आर्थिक नुकसान में $ 2.9 ट्रिलियन की सूचना दी।

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए भारत की प्रतिबद्धताएं क्या हैं?

- भारत ने 2030 तक 40% बिजली की क्षमता गैर-जीवाश्म ईंधन से की है
- भारत ने भी 2005 के स्तर से सकल घरेलू उत्पाद के उत्सर्जन के अनुपात को एक तिहाई कम कर दिया है
- इसने अपने वन आवरण को बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है जो 2030 तक 2.5 से 3 बिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2, ग्लोबल वार्मिंग के लिए जिम्मेदार मुख्य गैस) को अवशोषित करेगा ।

एक मजबूत कार्रवाई की आवश्यकता है - कार्बन का मूल्य निर्धारण

यह 2030 से पहले मजबूत कार्रवाई करने के लिए भारत के हित में है, 2050 तक शुद्ध कार्बन वृद्धि के लिए अग्रणी। एक स्मार्ट दृष्टिकोण मूल्य निर्धारण कार्बन है जो निम्नलिखित तरीकों से किया जा सकता है:

1. उत्सर्जन व्यापार

- कार्बन को कीमत देने का एक तरीका उत्सर्जन व्यापार के माध्यम से है, अर्थात, उद्योगों से अधिकतम स्वीकार्य अपशिष्टों की मात्रा निर्धारित करना और कम उत्सर्जन वाले लोगों को उनके अतिरिक्त स्थान को बेचने की अनुमति देना।
- यह प्रदूषकों के उत्सर्जन को कम करने के लिए आर्थिक प्रोत्साहन प्रदान करके प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए एक बाजार आधारित दृष्टिकोण है ।
- यह सरकारों द्वारा लगाए गए कमांड-एंड-कंट्रोल पर्यावरण नियमों के विपरीत है

2. कार्बन टैक्स

- दूसरा तरीका आर्थिक गतिविधियों पर कार्बन टैक्स लगाना है - उदाहरण के लिए, कोयले जैसे जीवाश्म ईंधन के उपयोग पर, जैसा कि कनाडा और स्वीडन में किया जाता है।

- एक कार्बन टैक्स जीवाश्म ईंधन की कार्बन सामग्री पर एक शुल्क है
- यह एक शक्तिशाली मौद्रिक विघटनकारी है जो अर्थव्यवस्था में स्वच्छ ऊर्जा के लिए संक्रमण को प्रेरित करता है, बस इसे गैर-कार्बन ईंधन और ऊर्जा दक्षता में स्थानांतरित करने के लिए और अधिक आर्थिक रूप से पुरस्कृत करता है।
- **उदाहरण** : कनाडा ने 2019 में CO_2 उत्सर्जन में $ 20 प्रति टन कार्बन टैक्स लगाया, अंत में 50 डॉलर प्रति टन तक बढ़ गया। यह 2022 तक 80 से 90 मिलियन टन के बीच हरितहाउस गैस प्रदूषण को कम करने का अनुमान है।
- **मूल्य निर्धारण कार्बन से राजकोषीय लाभ बड़ा हो सकता है** । भारत में कार्बन उत्सर्जन का प्रति टन 35 डॉलर प्रति CO2 उत्सर्जन पर 2030 के माध्यम से सकल घरेलू उत्पाद का कुछ 2% उत्पन्न करने में सक्षम होने का अनुमान है।

3. आयात पर कार्बन टैरिफ

- भारत जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं को भी यूरोपीय संघ द्वारा परिकल्पित कार्बन टैरिफ लगाने के लिए, वैश्विक व्यापार या अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में एक बड़े खरीदार की शक्ति का उपयोग करना चाहिए।
- व्यापार पर ध्यान केंद्रित करना महत्वपूर्ण है क्योंकि यदि उत्पादन कार्बन-सघन रहता है तो उत्पादन की घरेलू कार्बन सामग्री को कम करने से नुकसान नहीं होगा

निष्कर्ष

कार्बन मूल्य निर्धारण के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन को कम करने से स्वास्थ्य लाभ होते हैं। भारत के जीडीपी के 3% प्रतिशत से अधिक का एक महत्वपूर्ण हिस्सा वर्तमान में प्रदूषण से प्रेरित बीमारियों पर खर्च किया जाएगा

बिंदुओं को जोड़ने पर

- पेरिस जलवायु सौदा
- ड्राफ्ट EIA अधिसूचना और पर्यावरण मानकों पर इसका प्रभाव

प्लास्टिक पार्क योजना शुरू की

GS प्रीलिम्स और GS- II - जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण से संबंधित हस्तक्षेप **का हिस्सा** : **समाचार में**

- रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने देश में 10 प्लास्टिक पार्क स्थापित करने को मंजूरी दी है।
- **पार्कों की स्थापना राज्यों में की जा रही है:** असम, मध्य प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, झारखंड, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़।
- एक प्लास्टिक पार्क एक औद्योगिक क्षेत्र है जो प्लास्टिक उद्यमों और इसके संबद्ध उद्योगों को समर्पित है।
- **लागू किया गया** : एक विशेष उद्देश्य वाहन (SPV) अंतिम अनुमोदन की तारीख से तीन साल की अवधि में प्लास्टिक पार्क की स्थापना को पूरा करेगा।

मुख्य बिन्दु

- प्लास्टिक पार्क मूल्य श्रृंखला को आगे बढ़ाने और अर्थव्यवस्था में अधिक प्रभावी ढंग से योगदान करने के लिए प्लास्टिक क्षेत्र को सक्षम करेगा।
- **प्रमुख उद्देश्य** :

(1) आधुनिक सेमेस्टर के अनुकूलन के माध्यम से घरेलू डाउनस्ट्रीम प्लास्टिक प्रसंस्करण उद्योग में प्रतिस्पर्धात्मकता, बहुलक अवशोषण क्षमता और मूल्यवर्धन में वृद्धि;

(2) अपशिष्ट प्रबंधन, पुनर्चक्रण इत्यादि के नवीन तरीकों के माध्यम से पर्यावरण की सतत वृद्धि को प्राप्त करना।

- केंद्र सरकार प्रति प्रोजेक्ट 40 करोड़ रुपये के अधीन परियोजना लागत का 50% तक अनुदान अनुदान प्रदान करती है।
- शेष परियोजना लागत राज्य सरकार, लाभार्थी उद्योगों और वित्तीय संस्थानों से ऋण द्वारा वित्त पोषित है।

लक्सर पारिस्थितिकी तंत्र

GS प्रीलिम्स और GS- III - जैव विविधता **का हिस्सा** :

समाचार में

- हाल ही में, लकसर पारिस्थितिकी तंत्र समाचार में था।
- वैश्विक निगरानी वर्षावन एक्शन नेटवर्क (RAN) की एक जांच से पता चला है कि विभिन्न खाद्य, सौंदर्य प्रसाधन और वित्त कंपनियों के पास उन कंपनियों के साथ संबंध हैं जो ल्यूसर पारिस्थितिकी तंत्र के विनाश के लिए जिम्मेदार हैं।
- यह सुमात्रा, इंडोनेशिया के द्वीप पर एक वन क्षेत्र है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

ल्यूसर पारिस्थितिकी तंत्र

- यह विज्ञान द्वारा प्रलेखित सबसे प्राचीन और जीवन-समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्रों में से एक है।
- यह जैव विविधता का विश्वस्तरीय हॉटस्पॉट है।
- यह व्यापक रूप से दक्षिण पूर्व एशिया में छोड़े गए बरकरार वर्षावन के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक माना जाता है।
- यह यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल है।
- पारिस्थितिकी तंत्र इक्का और उत्तरी सुमात्रा, इंडोनेशिया प्रांत में फैला है।
- इसके विविध परिदृश्य में तराई और मोंटेन वर्षावन और कार्बन युक्त पीटलैंड शामिल हैं।

क्या आप जानते हैं ?

- यह सुमित्रन बाघों, वनमानुषों, गैंडों, हाथियों, बादल वाले तेंदुओं और सूर्य भालू जैसी दुर्लभ प्रजातियों की व्यवहार्य आबादी आवास है।
- यह अपने पीटलैंड और खड़े जंगलों में भारी मात्रा में कार्बन का भंडारण करके वैश्विक जलवायु को नियंत्रित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- **खतरे** : (1) ताड़ के तेल, लुगदी और कागज के बागानों और खनन के लिए औद्योगिक विकास; (2) इस व्यापक विनाश से हुई आग ने बड़े धुंध प्रदूषण का कारण बना है

जलजीवन मिशन के तहत ग्राम पंचायतों और पानी समिति के लिए मार्गादर्शिया का अनावरण

GS प्रीलिम्स और GS- III -जल स्त्रोत **का हिस्सा** :

समाचार में

- भारतीय प्रधानमंत्री ने जलजीवन मिशन के लिए नया लोगो जारी किया ।
- 'जलजीवन मिशन' के तहत ग्राम पंचायतों और पानी समिति के लिए 'मार्गदर्षिका' (ग्राम पंचायतों और जल समितियों के लिए दिशानिर्देश) का भी अनावरण किया गया।

मुख्य बिन्दु

- मार्गदर्शिका का उल्लेख करते हुए, इस बात पर प्रकाश डाला गया कि वे ग्राम पंचायतों, ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और सरकारी तंत्र के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

- मार्गदर्शिका दिशानिर्देश सही निर्णय लेने में जल समिति और ग्राम पंचायतों के सदस्यों का मार्गदर्शन करेगा।
- देश के हर स्कूल और आंगनवाड़ी में पेयजल कनेक्शन सुनिश्चित करने के लिए जलजीवन मिशन के तहत इस वर्ष 2 अक्टूबर को विशेष 100-दिवसीय अभियान चलाया जा रहा है।

क्या आप जानते हैं ?

- जलजीवन मिशन का उद्देश्य देश के प्रत्येक ग्रामीण घरों में पाइप-पानी कनेक्शन उपलब्ध कराना है।
- मिशन का नया लोगो पानी की प्रत्येक बूंद को बचाने की आवश्यकता को प्रेरित करता रहेगा।
- जलजीवन मिशन नीचे से शीर्ष दृष्टिकोण को अपनाता है, जहाँ गाँवों में उपयोगकर्ता और पानी समितियां (जल समितियाँ) इसके कार्यान्वयन से लेकर रखरखाव और संचालन तक की पूरी परियोजना की कल्पना करते हैं।
- मिशन ने यह भी सुनिश्चित किया है कि जल समिति की कम से कम 50% सदस्य महिलाएँ होंगी।

नमामि गंगे मिशन के तहत 6 मेगा विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया

GS प्रीलिम्स और GS- III - प्रदूषण; जलवायु परिवर्तन; जल संसाधन **का हिस्सा** :

समाचार में

- भारतीय प्रधानमंत्री ने नमामि गंगे मिशन के तहत उत्तराखंड में 6 मेगा विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया ।

मुख्य बिन्दु

- हरिद्वार में गंगा नदी पर अपनी तरह का पहला गंगा अवलोकन संग्रहालय का भी उद्घाटन किया गया।
- " Rowing Down the Ganges" पुस्तक भी जारी की गई थी जिसमें विस्तार से बताया गया है कि कैसे गंगा नदी भारत की संस्कृति, आस्था और विरासत के एक चमकते हुए प्रतीक के रूप में है।
- मलजल प्रक्रिया संयंत्र (STP) की ये छह मेगा परियोजनाएं हरिद्वार, ऋषिकेश, मुनि कीर्ति, चूरानी और बद्रीनाथ में निर्मित हैं।
- सरकार डेवलपर (विकासक) को काम शुरू करने के लिए परियोजना लागत का लगभग 40% प्रदान करेगी और शेष 60% निजी पार्टी द्वारा वहन किया जाएगा।

समाचारों में जानवर/ नेशनल पार्क

प्रोजेक्ट डॉल्फिन की घोषणा की

GS प्रीलिम्स और GS- III - पर्यावरण; जैव विविधता **का हिस्सा:**

समाचार में

- भारतीय प्रधान मंत्री ने अपने हालिया स्वतंत्रता दिवस भाषण में एक परियोजना डॉल्फिन लॉन्च करने की सरकार की योजना की घोषणा की है।
- **उद्देश्य:** नदी और समुद्री डॉल्फिन दोनों को बचाने के लिए।
- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय **द्वारा लागू**
- प्रोजेक्ट डॉल्फिन प्रोजेक्ट टाइगर की तर्ज पर होगा ।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

गांगेय डॉल्फिन

- वैज्ञानिक नाम: प्लैटनिस्टैगैंगेटिका
- ये आमतौर पर अंधे होते हैं।
- वे अपने शिकार को एक अल्ट्रासोनिक ध्वनि से पकड़ते हैं जो शिकार तक पहुँचता है।
- इन्हें सुसु भी कहा जाता है।
- यह मुख्य रूप से भारतीय उपमहाद्वीप में पाया जाता है, विशेष रूप से गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना और कर्णफुली-सांगु नदी प्रणालियों में और गंगा की सहायक नदियों में।
- **खतरे:** निर्माण, प्रदूषण, अत्यधिक सिल्टिंग और रेत खनन।
- इसे भारत सरकार ने अपने राष्ट्रीय जलीय पशु के रूप में मान्यता दी है
- यह गुवाहाटी, असम का आधिकारिक पशु है।
- **IUCN स्थिति** : लुप्तप्राय

क्या आप जानते हैं ?

- वे संकटग्रस्त प्रजाति (CITES) में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन के परिशिष्ट I (सबसे लुप्तप्राय) में शामिल हैं ।
- वे प्रवासी प्रजाति (CMS) पर सम्मेलन के परिशिष्ट II में भी शामिल हैं ।
- स्वच्छ गंगा के लिए राष्ट्रीय मिशन 5 अक्टूबर को राष्ट्रीय गंगा नदी डॉल्फिन दिवस के रूप में मनाता है।

भारत में पशुओं का कल्याण

संदर्भ:

पिछले एक साल में, जानवरों के यौन शोषण, एसिड हमलों, छतों से फेंके जाने और जिंदा जलाए जाने की खबरें आई हैं।

कानूनी ढांचे में दोष: पशु क्रूरता की रोकथाम (PCA) अधिनियम, 1960

- यह कानून पशु हिंसा के सबसे गंभीर रूपों को 50 रुपये के मामूली जुर्माने के साथ दंडित करता है।
- धारा 11 में अपराधों की एक श्रृंखला है, जो किसी जानवर को छोड़ने से लेकर उस पर लात मारने, उसे मारने या मारने तक के लिए अलग है और इन सभी अपराधों के लिए एक ही सजा निर्धारित है। गंभीर अपराधों का इलाज कम गंभीर लोगों के साथ किया जाता है।
- वर्तमान में, अधिनियम के तहत अधिकांश अपराध गैर-संज्ञेय हैं, जिसका अर्थ है कि पुलिस अपराध की जांच नहीं कर सकती या मजिस्ट्रेट की अनुमति के बिना अभियुक्त को गिरफ्तार नहीं कर सकती। यह पुलिस निष्क्रियता की सुविधा देता है।
- PCA अधिनियम अपवादों का ढेर बनाता है जो जानवरों के लिए उपलब्ध सुरक्षा को काफी पतला करता है। धारा 11 (3) पशुपालन प्रक्रियाओं जैसे कि सींग निकालना, बंध्याकरण, नाक-बींधना और ब्रांडिंग के लिए अपवाद प्रदान करती है।
  कानून इन प्रक्रियाओं के लिए कोई दिशानिर्देश प्रदान नहीं करता है। यह व्यक्तियों को क्रूर तरीकों का सहारा लेने की अनुमति देता है।
- परिभाषा में अस्पष्टता: कानून "अनावश्यक दर्द या जानवरों पर दुख के दण्ड को रोकने के लिए अधिनियमित किया गया था." हालांकि, इस वाक्यांश को अधिनियम में कहीं भी परिभाषित नहीं किया गया है। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि क्या "अनावश्यक" का गठन पूरी तरह से व्यक्तिपरक मूल्यांकन की बात है ।

आगे का मार्ग:

- अपराधों को उनकी गंभीरता के अनुसार ग्रेड करने के लिए एक संशोधन की आवश्यकता है, और तदनुसार सजा निर्दिष्ट करें। इसके अलावा, अधिक गंभीर अपराधों को संज्ञेय और गैर-जमानती बनाया जाना चाहिए।
- पशुपालन प्रक्रियाओं के उचित नियम: पेटा (पीपुल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स) की एक याचिका में सुझाव दिया गया है कि बधिया से पहले संवेदनाहारी के उपयोग को अनिवार्य करने का सुझाव देता है, नाक की जगह-चेहरे पर लगाम लगाने और रेडियो फ्रीक्वेंसी के साथ ब्रांडिंग की बात कहता है । आस ने मवेशियों को भगाने का विरोध किया, यह अनुशंसा की गई कि किसान सींग रहित मवेशी पैदा करें।

निष्कर्ष:

संविधान में सभी नागरिकों को "जीवित प्राणियों के लिए दया" की आवश्यकता है। हमें अपने बीच के सबसे कमजोर लोगों की रक्षा करनी चाहिए। हमारे पशु कल्याण कानूनों में एक बदलाव की जरूरत है।

बिंदुओं को जोड़ने पर:

- ऐसे देश के लिए जो अहिंसा के पालन का दावा करता है , भारत का अपने जानवरों के साथ व्यवहार एक नैतिक विफलता को धोखा देता है।

नंदनकानन जूलॉजिकल पार्क: ओडिशा

GS प्रीलिम्स और GS- III - जूलॉजिकल पार्क **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में, नंदनकानन जूलॉजिकल पार्क दो काहिली भालू की मौत के कारण खबरों में था।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

नंदनकानन जूलॉजिकल पार्क

- यह भुवनेश्वर, ओडिशा के पास स्थित है।
- 1960 में इसका उद्घाटन किया गया था।
- यह विश्व चिड़ियाघर और एक्वैरियम (WAZA) का सदस्य बनने वाला भारत का पहला चिड़ियाघर है।
- इसे भारतीय पैंगोलिन और सफेद बाघ के प्रजनन के लिए एक अग्रणी चिड़ियाघर के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- तेंदुए, माउस हिरण, शेर, रैल और गिद्ध भी यहां नस्ल हैं।
- यह दुनिया का पहला कैप्टिव मगरमच्छ प्रजनन केंद्र था, जहाँ 1980 में घड़ियालों को कैद में रखा गया था।
- नंदनकानन का राजकीय वनस्पति उद्यान ओडिशा के अग्रणी पादप संरक्षण और प्रकृति शिक्षा केंद्रों में से एक है।

काहिली **भालू**

- **वैज्ञानिक नाम** : Melursusursinus (मेलुरसुसुरसिनस)
- जिसे मधु भालू भी कहा जाता है, हिंदी भालु।
- **निवास स्थान** : भारत और श्रीलंका के उष्णकटिबंधीय या उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र।
- **सुरक्षा स्थिति** : (1) IUCN रेड लिस्ट में असुरक्षित; (2) CITES में परिशिष्ट I; (3) भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची 1
- **खतरे** : शरीर के अंगों के अवैध शिकार, प्रदर्शन में उपयोग के लिए कब्जा कर लिया और उनके आक्रामक व्यवहार और फसलों के विनाश के कारण शिकार किया।

क्या आप जानते हैं ?

- WAZA क्षेत्रीय संघों, राष्ट्रीय महासंघों, चिड़ियाघरों और एक्वैरियम का वैश्विक गठजोड़ है, जो दुनिया भर के जानवरों और उनके आवासों की देखभाल और संरक्षण के लिए समर्पित है।

सायनोबैक्टीरिया के कारण अफ्रीकी हाथी मर रहा है

GS प्रीलिम्स और GS- III - पर्यावरण; जैव विविधता **का हिस्सा** :

समाचार में

- हाल ही में, सायनोबैक्टीरिया द्वारा उत्पादित पानी में न्यूरो-विषाक्त पदार्थों ने ओकावांगो डेल्टा क्षेत्र, बोत्सवाना, दक्षिण अफ्रीका में 300 से अधिक अफ्रीकी हाथियों को मार डाला

महत्त्वपूर्ण जोड़

सायनोबैक्टीरिया

वे नीले-हरे शैवाल हैं।

- वे प्राकृतिक रूप से मिट्टी और सभी प्रकार के पानी में पाए जाते हैं।
- ये जीव अपना भोजन बनाने के लिए सूर्य के प्रकाश का उपयोग करते हैं।
- गर्म, पोषक तत्वों से भरपूर (फॉस्फोरस और नाइट्रोजन में उच्च) वातावरण में, साइनोबैक्टीरिया जल्दी से गुणा कर सकते हैं।
- जहरीले नीले-हरे शैवाल अधिक बार हो रहे हैं क्योंकि जलवायु परिवर्तन वैश्विक तापमान बढ़ाता है।

अफ्रीकी हाथी

- यह पृथ्वी पर चलने वाला सबसे बड़ा जानवर है।
- उनके झुंड अफ्रीका के 37 देशों में घूमते हैं।

- **IUCN स्थिति:** असुरक्षित
- **बोत्सवाना, नामीबिया, दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे में अफ्रीकी हाथी:** CITES परिशिष्ट II

बोत्सवाना

- यह दक्षिणी अफ्रीका का एक लैंडलॉक (भूमि से घिरा) देश है।
- अर्ध-शुष्क कलिहारी रेगिस्तान बोत्सवाना की सतह का लगभग 70% है।
- यह ज्यादातर विभिन्न प्रकार के बबूल के पेड़ों का घर है; शेर, चीता, तेंदुआ, लकड़बग्घा, मृग, मेर्केट्स, साथ ही कई पक्षियों की प्रजातियां और सरीसृप जैसे जानवर।
- यह जनजातियों का भी आवास है जैसे- सैन लोग (बुशमेन), त्सवाना, कलगागाड़ी और हेरो लोग।
- **ओकावांगो डेल्टा** : यह दुनिया के सबसे बड़े अंतर्देशीय डेल्टाओं में से एक है।

क्या आप जानते हैं ?

- न्यूरो-टॉक्सिंस ऐसे पदार्थ हैं जो तंत्रिका ऊतक के कामकाज को नुकसान, नष्ट या ख़राब करते हैं।
- एक जलीय प्रणाली में शैवाल या सायनोबैक्टीरिया की आबादी में तेजी से वृद्धि होती है।

अवसरंचना / ऊर्जा

हरित टर्म अहेड मार्केट (GTAM) लॉन्च किया

GS-प्रीलिम्स और GS- III - अवसरंचना; ऊर्जा संसाधन **का हिस्सा** :

समाचार में :

- बिजली में पैन-इंडिया हरित टर्म अहेड मार्केट (GTAM) हाल ही में लॉन्च किया गया था।
- केंद्रीय राज्य मंत्री (आईसी) बिजली और नई और नवीकरणीय ऊर्जा **द्वारा शुरू किया गया**
- **उद्देश्य:** भारतीय अल्पकालिक बिजली बाजार को हरा देना।

मुख्य बिन्दु

- दुनिया में अक्षय ऊर्जा क्षेत्र के लिए बाजार पहला विशेष उत्पाद है।
- GTAM के माध्यम से लेन-देन प्रकृति में द्विपक्षीय होगा।
- संबंधित खरीदारों और विक्रेताओं की स्पष्ट पहचान उपलब्ध होगी।
- अक्षय खरीद दायित्व (RPO) के लिए लेखांकन में कोई कठिनाई नहीं होगी।
- GTAM कॉन्ट्रैक्ट को सौर RPO और गैर-सौर RPO में अलग किया जाएगा।
- इसके अलावा, दो खंडों के भीतर GTAM अनुबंधों में हरित इंट्राडे, डे अहेड आकस्मिकता, दैनिक और साप्ताहिक अनुबंध होंगे।
- मूल्य की खोज निरंतर आधार पर होगी।
- बाजार की स्थितियों को देखते हुए, खुली नीलामी दैनिक और साप्ताहिक अनुबंधों के लिए शुरू की जा सकती है।

कोल इंडिया लिमिटेड (CIL) ने कोयले से जुड़ी 500 परियोजनाओं में निवेश किया

GS-प्रीलिम्स और GS- III - अवसरंचना : ऊर्जा **का हिस्सा** :

समाचार में :

- कोल इंडिया लिमिटेड (CIL) लगभग 500 परियोजनाओं के विकास पर 1.22 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी।
- परियोजनाएं भारत में कोयला निकासी, अवसरंचना , परियोजना विकास, अन्वेषण और स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकियों से संबंधित होंगी।

मुख्य बिन्दु

- निवेश का उद्देश्य भारत को कोयले के मामले में आत्मनिर्भर बनाना और 2023-2024 तक 1 बिलियन टन का उत्पादन लक्ष्य हासिल करना है।
- 49 फर्स्ट मिल कनेक्टिविटी परियोजनाओं के लिए निवेश दो चरणों में होगा।
- प्रथम मिल कनेक्टिविटी, पिथेड्स से प्रेषण बिंदुओं तक कोयले का परिवहन है।
- सड़क के माध्यम से परिवहन की मौजूदा पद्धति को बदलने के लिए कोयले की कंप्यूटर युक्त लोडिंग तकनीक विकसित की जा रही है।
- CIL ने हरितफ़ील्ड की 15 परियोजनाओं की भी पहचान की है जो माइन डेवलपर और ऑपरेटर (MDO) मॉडल के तहत संचालित की जाएंगी।
- इसने अपने हितधारकों की अधिक भागीदारी के लिए छूट और छूट के उपायों की भी घोषणा की।
- खनन निविदाओं के लिए अनुभव मानदंड 65% से घटाकर 50% कर दिया गया है।
- कार्य अनुभव मानदंड में 50% की छूट दी गई है।

विश्व का सबसे बड़ा सौर वृक्ष विकसित हुआ

GS प्रीलिम्स और GS- III- ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोत **का हिस्सा:**

समाचार में

- भारतीय वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद - केंद्रीय यांत्रिक अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (CSIR-CMERI) ने विश्व का सबसे बड़ा सौर वृक्ष विकसित किया है।
- यह CSIR-CMERI आवासीय कॉलोनी, दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल में स्थापित है।

मुख्य बिन्दु

- सौर वृक्ष की स्थापित क्षमता 11.5 किलोवाट चोटी (kWp) से ऊपर है।
- इसमें स्वच्छ और हरित ऊर्जा की 12,000-14,000 इकाइयों को उत्पन्न करने की वार्षिक क्षमता है।

- प्रत्येक पेड़ में 330 wp की क्षमता वाले कुल 35 सौर पीवी पैनल हैं।
- सौर पीवी पैनलों को पकड़ने वाले हथियारों का झुकाव लचीला होता है और इसे आवश्यकता के अनुसार समायोजित किया जा सकता है।
- छत पर लगाये सौर सुविधाओं में यह सुविधा उपलब्ध नहीं है।
- प्रत्येक सौर वृक्ष पर 7.5 लाख रुपये खर्च होंगे।
- इच्छुक MSME अक्षय ऊर्जा आधारित ऊर्जा ग्रिड विकसित करने के लिए किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवम उत्थान महाभियान (PM कुसुम) योजना के साथ अपने बिजनेस मॉडल को संरेखित कर सकते हैं।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

प्रधानमंत्री-कुसुम योजना

- मंत्रालय- नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE)
- इस योजना का लक्ष्य 2022 तक सौर और अन्य नवीकरणीय क्षमता को 25,750 मेगावाट जोड़ना है।
- यह सौर पंपों की स्थापना, ग्रिड से जुड़े नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्रों और मौजूदा ग्रिड से जुड़े कृषि पंपों के सौरकरण के लिए प्रदान करता है।
- यह योजना राज्य सरकार की एजेंसियों के माध्यम से कार्यान्वित की जा रही है।
- PM कुसुम योजना के तीन घटक हैं।
- घटक-A- विकेन्द्रीकृत भूमि पर ग्रिड से जुड़े नवीकरणीय बिजली संयंत्रों का 10,000 मेगावाट
- घटक-B- 17.50 लाख स्टैंडअलोन सौर ऊर्जा संचालित कृषि पंपों की स्थापना और
- घटक-C- 10 लाख ग्रिड से जुड़े सौर ऊर्जा संचालित कृषि पंपों का सौरीकरण

क्या आप जानते हैं ?

- घटक -A और घटक -C को पायलट मोड पर 1000 मेगावाट क्षमता और क्रमशः एक लाख ग्रिड से जुड़े कृषि पंपों के लिए लागू किया जाएगा और इसके बाद पायलट रन की सफलता पर स्केल-अप किया जाएगा।
- घटक-B को पूर्ण तरीके से लागू किया जाएगा।

कोयला गैसीकरण और द्रवीकरण वेबिनार आयोजित

GS प्रीलिम्स और GS- III- ऊर्जा संसाधन **का हिस्सा:**

समाचार में

- केंद्रीय कोयला मंत्रालय ने हाल ही में कोयला गैसीकरण और द्रवीकरण पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

मुख्य बिन्दु

- भारत का लक्ष्य 2030 तक 100 मिलियन टन (MT) कोयला गैसीकरण है, जिसमें 4 लाख करोड़ रुपये, प्रहलाद जोशी, केंद्रीय कोयला और खान मंत्री ने कहा।
- ईंधन के स्वच्छ स्रोतों के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए, सरकार ने गैसीकरण के लिए उपयोग किए जाने वाले कोयले के राजस्व हिस्सेदारी पर 20% की रियायत प्रदान की है।
- इससे उर्वरकों के लिए सिंथेटिक प्राकृतिक गैस, ऊर्जा ईंधन और यूरिया का उत्पादन और अन्य रसायनों के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।

क्या आप जानते हैं ?

- भारत में भूतल कोयला गैसीकरण के विकास के लिए, NITI आयोग के सदस्य, डॉ वीके सारस्वत, कोयला मंत्रालय के सदस्यों की अध्यक्षता में एक संचालन समिति का गठन किया गया है।
- CIL ने वैश्विक निविदा के माध्यम से BOO आधार (बिल्ड-ओन-ओपर-ऑपरेट) पर कम से कम 3 गैसीकरण संयंत्र (दनकुनी के अलावा) स्थापित करने की योजना बनाई है और सिंथेटिक प्राकृतिक गैस के विपणन के लिए गेल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

कोयला गैसीकरण

- यह सिनगैस के उत्पादन की प्रक्रिया है - मुख्य रूप से कार्बन मोनोऑक्साइड, हाइड्रोजन, कार्बन डाइऑक्साइड, प्राकृतिक गैस और जल वाष्प से - कोयला और जल, वायु और / या ऑक्सीजन युक्त मिश्रण।

कोयला द्रवीकरण

- यह कोयले को तरल हाइड्रोकार्बन में परिवर्तित करने की एक प्रक्रिया है: तरल ईंधन और पेट्रोकेमिकल्स।

AREAS का स्थापना दिवस

GS प्रीलिम्स और GS- III- ऊर्जा संसाधन; ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोत **का हिस्सा**

समाचार में

- राज्यों की नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसियों की एसोसिएशन (क्षेत्र) के 6वें स्थापना दिवस (27 अगस्त 2020) पर सरकार ने क्षेत्रों के लिए एक वेबसाइट और टेलीफोन निर्देशिका शुरू की है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

AREAS

- **AREAS के पीछे एजेंडा**: नवीकरणीय ऊर्जा (RE) के लिए राज्य नोडल एजेंसियां (SNAs) एक-दूसरे के अनुभवों से बातचीत करती हैं और सीखती हैं और प्रौद्योगिकियों और योजनाओं / कार्यक्रमों के बारे में अपनी सर्वोत्तम प्रथाओं और ज्ञान को साझा करती हैं।
- **सदस्य** : केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री (NRE) एसोसिएशन और सचिव के संरक्षक हैं, MNRE एसोसिएशन के पदेन अध्यक्ष हैं। सभी SNA एसोसिएशन के सदस्य हैं।
- **गठन** : यह सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत 27 अगस्त 2014 को पंजीकृत हुआ।

EIA 2020 पर संयुक्त राष्ट्र के विशेष संबंध

GS प्रीलिम्स और GS- II - वैश्विक समूहन और GS- III- पर्यावरण **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र (UN) के विशेष दूत के एक समूह ने पर्यावरण प्रभाव आकलन (EIA) अधिसूचना, 2020 के मसौदे पर चिंता व्यक्त की है।

EIA के ड्राफ्ट का विश्लेषण, 2020 भाग I

EIA ड्राफ्ट का विश्लेषण, 2020 भाग II

मुख्य बिन्दु

- समूह ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि प्रस्तावित अधिसूचना में ऐसे खंड दिखाई दिए जो सुरक्षित, स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण के लिए लोगों के अधिकारों को बाधित करते हैं।
- ऐसे खंड हैं जो सार्वजनिक परामर्श से कई बड़े उद्योगों और परियोजनाओं को छूट देते हैं।
- इसमें केंद्र सरकार द्वारा लेबल की गई परियोजनाओं के लिए सार्वजनिक परामर्श की सूचना या प्रकाशन को 'रणनीतिक विचारों को शामिल करने' की आवश्यकता नहीं है।
- यह परियोजनाओं के लिए वास्तविक स्वीकृति के बाद अनुमति देता है। इसका अर्थ है कि परियोजनाओं के लिए मंजूरी दी जा सकती है भले ही उन्होंने निर्माण शुरू कर दिया हो या बिना पर्यावरणीय मंजूरी के चरण चल रहे हों।
- समूह ने सरकार से इस पर प्रतिक्रिया मांगी है कि अधिसूचना के प्रावधान अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत भारत के दायित्वों के अनुरूप कैसे हैं।

भारत सरकार की प्रतिक्रिया

- पर्यावरण मंत्रालय ने माना है कि प्रस्तावित EIA, 2020 में संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकारों की घोषणा का उल्लंघन नहीं किया गया है और इस संबंध में चिंताओं को गलत माना गया है।
- यह अभी भी एक मसौदा है और सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी किया गया था।
- नई अधिसूचना में मौजूदा EIA की खामियों में संशोधन किया जाएगा।

क्या आप जानते हैं ?

- विशेष दूत संयुक्त राष्ट्र की ओर से काम करने वाले स्वतंत्र विशेषज्ञ हैं। वे संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (UNHRC) द्वारा निर्दिष्ट किसी देश या विषयगत अधिदेश पर काम करते हैं।

बिहार में पेट्रोलियम परियोजनाओं का उद्घाटन

GS प्रीलिम्स और GS- III - अवसरंचना - ऊर्जा **का हिस्सा**

समाचार में

- भारतीय प्रधान मंत्री ने हाल ही में बिहार में पेट्रोलियम क्षेत्र से संबंधित तीन प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

- **मंत्रालय:** पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय
- **कमीशन:** इंडियन ऑयल और HPCL

मुख्य बिन्दु

- परियोजनाओं में पारादीप-हल्दिया-दुर्गापुर पाइपलाइन विस्तार परियोजना के दुर्गापुर-बांका खंड (लगभग 200 किमी) और बांका और चंपारण में दो LPG बॉटलिंग संयंत्र शामिल हैं।
- पारादीप - हल्दिया से जाने वाली लाइन को अब पटना, मुज़फ़्फ़रपुर तक बढ़ाया जाएगा और कांडला से आने वाली पाइपलाइन जो गोरखपुर तक पहुँच चुकी है, उसे भी इससे जोड़ा जाएगा।
- ये LPG संयंत्र गोड्डा, देवघर, दुमका, साहिबगंज, पाकुड़ जिलों और उत्तर प्रदेश और झारखंड के कुछ क्षेत्रों की LPG आवश्यकताओं को पूरा करेंगे।

गढ़चिरौली में महत्वपूर्ण पुलों और सड़क सुधार परियोजनाओं का उद्घाटन

GS प्रीलिम्स और GS- III - अवसरंचना - रोडवेज **का हिस्सा:**

समाचार में

- महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में तीन महत्वपूर्ण पुलों और दो सड़क सुधार परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया।
- वैनगंगा, बांदिया, पेरिकोटा और पेरिमिली नदियों पर चार अन्य प्रमुख पुल परियोजनाओं के लिए नींव के पत्थर भी रखे गए थे।
- **मंत्रालय:** सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

वैनगंगा पुल परियोजना

- वैनगंगा नदी ,जो गढ़चिरौली और चंद्रपुर जिलों को विभाजित करती है, महाराष्ट्र राज्य की महत्वपूर्ण नदियों में से एक है।
- लोगों की कठिनाइयों को खत्म करने के लिए, केंद्रीय मंत्री ने राष्ट्रीय राजमार्ग 353 B के साथ वैनगंगा नदी पर पुल बनाने के लिए एक महत्वाकांक्षी परियोजना का निर्माण किया, 99 करोड़, NHAI और PWD द्वारा पूरा किया जाना है।

हाइड्रोजन ईंधन सेल वाहनों की सुरक्षा के मूल्यांकन के लिए मानक

GS प्रीलिम्स और GS- III - ऊर्जा संसाधन **का हिस्सा** :

समाचार में

- हाल ही में हाइड्रोजन ईंधन सेल वाहनों के सुरक्षा मूल्यांकन के मानकों को अधिसूचित किया गया था।
- **मंत्रालय** : सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय।

मुख्य बिन्दु

- श्रेणी M और श्रेणी N के मोटर वाहन, संपीड़ित गैसीय हाइड्रोजन ईंधन सेल पर चल रहे हैं, AIS 157:2020 के अनुसार होगा, जैसा कि समय-समय पर संशोधित किया जाता है, जब तक कि भारतीय मानक अधिनियम, 2016 के संगत ब्यूरो तक विनिर्देशन अधिसूचित नहीं किया जाता है। ।
- इसके अलावा, ईंधन सेल वाहनों के लिए हाइड्रोजन ईंधन विनिर्देश ISO 14687 के अनुसार होगा।
- केंद्रीय मोटर वाहन नियम 1989 में संशोधन के माध्यम से उन्हें सूचित किया गया।
- ये मानक उपलब्ध अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप भी हैं।
- इससे भारत में हाइड्रोजन फ्यूल सेल आधारित वाहनों को बढ़ावा मिलेगा।
- हाइड्रोजन ईंधन सेल आधारित वाहन ऊर्जा कुशल और पर्यावरण के अनुकूल हैं।

राज्यों ने सड़क यातायात के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर मुहर लगाने की सलाह दी

GS प्रीलिम्स और GS- III - अवसरंचना **का हिस्सा** :

समाचार में

- सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को उनके द्वारा जारी किए गए IDP के अंतर्राष्ट्रीय ड्राइविंग परमिट के पहले पृष्ठ पर 19 सितंबर 1949 के सड़क यातायात के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर मुहर लगाने की सलाह दी है।
- कई देश 19 सितंबर 1949 के सड़क यातायात के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अनुसार IDP के सत्यापन के लिए मांग करते हैं।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- सड़क यातायात पर सम्मेलन को आमतौर पर सड़क यातायात पर जिनेवा सम्मेलन के रूप में जाना जाता है।
- यह अनुबंधित पक्षों के बीच कुछ समान नियमों की स्थापना करके अंतर्राष्ट्रीय सड़क यातायात के विकास और सुरक्षा को बढ़ावा देने वाली एक अंतर्राष्ट्रीय संधि है।
- अधिवेशन बोर्ड में होने के लिए आवश्यक न्यूनतम यांत्रिक और सुरक्षा उपकरणों को संबोधित करता है।
- यह वाहन की उत्पत्ति की पहचान करने के लिए एक पहचान चिह्न को परिभाषित करता है।
- सम्मेलन 23 अगस्त से 19 सितंबर 1949 तक जेनेवा में आयोजित रोड एंड मोटर ट्रांसबंदरगाह पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन द्वारा हस्ताक्षर के लिए तैयार और खोला गया था। यह 26 मार्च 1952 को लागू हुआ।

विज्ञान और तकनीक

एस्ट्रोसैट द्वारा आरंभिक गैलेक्सी का पता लगाया गया

GS-प्रीलिम्स और GS-III- विज्ञान और प्रौद्योगिकी; विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियां **का हिस्सा** :

समाचार में :

- एस्ट्रोसैट का उपयोग करके AUDFs01 नामक शुरुआती आकाशगंगाओं में से एक की खोज की गई है।
- पुणे स्थित खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी के लिए इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर (IUCAA) के वैज्ञानिकों की एक टीम ने इसकी **खोज** की है।
- टीम में भारत, स्विट्जरलैंड, फ्रांस, अमेरिका, जापान और नीदरलैंड के वैज्ञानिक शामिल हैं।

मुख्य बिन्दु

- आकाशगंगा, हबल एक्सट्रीम डीप फील्ड में स्थित है, जो पृथ्वी से 9.3 बिलियन प्रकाश वर्ष दूर है।
- एस्ट्रोसैट पर अल्ट्रा वायलेट इमेजिंग टेलीस्कोप (UVIT) का इस्तेमाल करते हुए आकाशगंगा की खोज की गई थी ।
- एस्ट्रोसैट ने आकाशगंगा से चरम पराबैंगनी प्रकाश का पता लगाया।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

एस्ट्रोसैट

- यह IRS-क्लास (भारतीय रिमोट सेंसिंग-क्लास) उपग्रह पर 650-km, निकट-भूमध्यरेखीय कक्षा में एक बहु-तरंग दैर्ध्य खगोल मिशन है।
- ISRO द्वारा भारतीय लॉन्च वाहन PSLV द्वारा लॉन्च किया गया है।
- यह पहला समर्पित भारतीय खगोल विज्ञान मिशन है।
- **उद्देश्य** : एक्स-रे में आकाशीय स्रोतों का अध्ययन करने के लिए, ऑप्टिकल और UV वर्णक्रमीय बैंड एक साथ अपने पांच अद्वितीय एक्स-रे और पराबैंगनी दूरबीन के साथ मिलकर काम करते हैं।
- एस्ट्रोसैट मिशन एक ही उपग्रह के साथ विभिन्न खगोलीय पिंडों की एक साथ बहु-तरंग दैर्ध्य टिप्पणियों को सक्षम बनाता है।

क्वांटम स्टेट इंटरफेरोग्राफी पाई गई

GS-प्रीलिम्स और GS-III- विज्ञान और प्रौद्योगिकी; विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियां **का हिस्सा** :

समाचार में :

- भारतीय वैज्ञानिकों ने एक हस्तक्षेप पैटर्न से एक प्रणाली की स्थिति (2-D क्वैबिट और उच्च-आयामी क्वैबिट) का एक नया तरीका खोजा है।
- इसे 'क्वांटम स्टेट इंटरफेरोग्राफी' (QSI) की संज्ञा दी गई है।
- क्वांटम राज्यों में हेरफेर करने के लिए नए तरीकों का प्रयोग किया जा रहा है ताकि उन्हें कंप्यूटिंग, संचार और मेट्रोलॉजी के लिए दोहन किया जा सके।
- QSI जोड़तोड़ को सरल बनाने में मदद कर सकता है ताकि क्वांटम प्रौद्योगिकियों में कई महत्वपूर्ण संचालन कम बोझिल हो जाएं।
- सेटअप के लिए केवल दो इंटरफेरोमीटर की आवश्यकता होती है जिसमें से राज्य को फिर से संगठित करने के लिए कई इंटरफेरोग्राम प्राप्त किए जा सकते हैं।

डेटा को कॉमन के रूप में जाना जाता है

संदर्भ: गोपालकृष्णन समिति ने सरकार द्वारा गैर-व्यक्तिगत डेटा के लिए एक शासन ढांचा विकसित करने पर गठित की, जिसने हाल ही में सार्वजनिक परामर्श के लिए अपनी मसौदा रिपोर्ट रखी।

अवसरंचना के रूप में डेटा

- औद्योगिक युग का बुनियादी ढांचा - सड़क, बिजली, आदि - अक्सर सार्वजनिक रूप से स्वामित्व में थे। यहां तक कि अगर कुछ निजी भूमिका थी, तो इन्हें सार्वजनिक उपयोगिताओं को बारीकी से नियंत्रित किया गया।
- यह विचार सभी के लिए इस तरह के अवसंरचनात्मक तत्वों की व्यापक उपलब्धता सुनिश्चित करने और व्यर्थ दोहराव से बचने के लिए था।
- एक डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए सोसायटी के डेटा की प्रकृति समान है।
- एक डिजिटल अर्थव्यवस्था के दो प्रमुख अवसंरचनात्मक घटक हैं: डेटा और क्लाउड कंप्यूटिंग (डेटा का विश्लेषण)।

डेटा अवसरंचना के नियमन की आवश्यकता क्यों है?

- **अवसरंचना** सभी व्यवसायों के लिए समान रूप से प्रदान की जानी है। डेटा में समान विशेषताएं हैं।
- बहुत कम निगमों ने किसी भी डिजिटल सेवा के वितरण में शामिल सभी डिजिटल घटकों को लंबवत रूप से एकीकृत किया है, जिससे एकाधिकार का निर्माण होता है
- प्रमुख डिजिटल निगम अपने प्रमुख व्यावसायिक लाभ के रूप में किसी भी क्षेत्र के डेटा पर विशेष नियंत्रण बना रहे हैं।
- क्या है, हालांकि, **डेटा को अवसरंचना , या 'कॉमन्स' के** रूप में माना जाता है **,** ताकि डेटा सभी व्यवसायों के लिए व्यापक रूप से उपलब्ध हो।
- **डेटा अवसंरचना विनियमन का प्रभाव:** डिजिटल व्यवसाय तब उपभोक्ताओं के लाभ के लिए डिजिटल सेवाओं को तैयार करने के लिए उपलब्ध डेटा को नियोजित करने के लिए डेटा तक अनन्य पहुंच से अपने प्रमुख व्यावसायिक लाभ को स्थानांतरित करते हैं।

गोपालकृष्णन समिति डेटा को कैसे देखती है?

- गोपालकृष्णन समिति डेटा को ढांचागत दृष्टिकोण में रखती है।
- विभिन्न समुदायों से एकत्र किए गए डेटा को संबंधित समुदाय द्वारा 'स्वामित्व' माना जाता है।
- **सामुदायिक स्वामित्व का** अर्थ है कि डेटा को उन सभी लोगों के साथ वापस साझा किया जाना चाहिए जिन्हें समाज में इसकी आवश्यकता है, चाहे वे घरेलू डिजिटल व्यवसाय विकसित करने के लिए हों या महत्वपूर्ण डिजिटल घरेलू सामान का उत्पादन करने के लिए।

- समाज या सामुदायिक स्रोतों से, गैर-निजी स्वामित्व वाले स्रोतों से एकत्र किए गए डेटा को केवल अनुरोध करने पर साझा किया जाना चाहिए। निजी स्वामित्व वाले स्रोतों का डेटा निजी रहता है।
- **महत्व:** सामुदायिक स्वामित्व एक मजबूत घरेलू डेटा / एआई उद्योग बनाने में मदद करेगा, इस प्रकार अमेरिका और चीनी कंपनियों पर निर्भरता को कम करेगा।

समिति किन संस्थागत तंत्रों की सिफारिश करती है?

- **सामुदायिक संरक्षक:** चूंकि एक समुदाय को अपने डेटा स्वामित्व दावे को स्पष्ट करने के लिए एक कानूनी रूप से पहचाने जाने वाले निकाय की आवश्यकता होती है, समिति समुदाय ट्रस्टियों की अवधारणा का परिचय देती है जो समुदाय के विभिन्न निकाय प्रतिनिधि हो सकते हैं।
- **डेटा संग्रहकर्ता** को डेटा संरक्षक के रूप में माना जाता है जो संबंधित समुदाय के सर्वोत्तम हितों के अनुसार डेटा का उपयोग और सुरक्षित करेगा।
- **डेटा संरक्षक** डेटा अवसरंचना हैं जो डेटा शेयरिंग, क्षेत्र-वार या क्षेत्रों में सक्षम होंगे, और जिन्हें विभिन्न प्रकार के तृतीय-पक्ष निकायों द्वारा चलाया जा सकता है।
- **एक गैर-व्यक्तिगत डेटा प्राधिकरण** को सभी परिकल्पित डेटा-साझाकरण गतिविधियों को सक्षम और विनियमित करने की परिकल्पना की गई है।
- समिति द्वारा **एक नए कानून** की भी सिफारिश की जाती है क्योंकि डेटा शेयरिंग को सुनिश्चित करने और लागू करने के लिए पर्याप्त कानूनी समर्थन की आवश्यकता होगी।

निष्कर्ष

- भारत इस क्षेत्र में एक व्यापक ढांचे के साथ आने वाला पहला देश है।
- इस महत्वपूर्ण डिजिटल नीति और शासन क्षेत्र में जल्दी शुरू करने से भारत को डिजिटल दुनिया में अपना सही स्थान प्राप्त करने के लिए एक पहला पहला प्रस्तावक लाभ मिल सकता है।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- के.एस. पुट्टस्वामी केस और निजता का अधिकार
- न्यायमूर्ति बी. एन. श्रीकृष्ण समिति डेटा संरक्षण कानून पर रिपोर्ट करती है

बौनी आकाशगंगाओं में तारे का निर्माण

GS प्रीलिम्स और GS- III- स्पेस **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में, आर्यभट्ट शोध प्रेक्षण विज्ञान संस्थान (ARIES) के खगोलविदों ने कुछ बौनी आकाशगंगाओं में तीव्र तारा निर्माण के पीछे के कारणों का पता लगाया है।

मुख्य बिन्दु

- इन बौनी आकाशगंगाओं में हाइड्रोजन अनियमित पाई जाती है और कभी-कभी अच्छी तरह से परिभाषित कक्षाओं (गैर-सममित हाइड्रोजन वितरण) में गतिमान नहीं होती है।
- इन आकाशगंगाओं के आसपास कुछ हाइड्रोजन को पृथक बादलों, प्लम और पूंछों के रूप में भी पाया जाता है
- वैज्ञानिकों ने महाराष्ट्र में नैनीताल (उत्तराखंड) और विशालकाय मीटरतरंग रेडियो टेलीस्कोप (GMRT) के पास देवस्थल फास्ट ऑप्टिकल टेलीस्कोप (DFOT) का उपयोग किया।

क्या आप जानते हैं ?

- बौनी आकाशगंगाएँ ब्रह्मांड में सबसे अधिक प्रचुर प्रकार की आकाशगंगा हैं लेकिन उनकी कम चमक, कम द्रव्यमान और छोटे आकार के कारण पता लगाना मुश्किल है।

डेंगू को वल्बाचिया बैक्टीरिया का उपयोग करके नियंत्रित करना

GS प्रीलिम्स और GS- II - स्वास्थ्य और GS- III- जैव प्रौद्योगिकी **का हिस्सा:**

समाचार में

- विश्व मच्छर कार्यक्रम के शोधकर्ताओं ने इंडोनेशिया के योग्याकार्ता में डेंगू को सफलतापूर्वक नियंत्रित करने के लिए वोल्बाचिया बैक्टीरिया से संक्रमित मच्छरों का उपयोग किया है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

वोल्बाचिया

- वोल्बाचिया 60% तक कीटों की प्रजातियों में मौजूद प्राकृतिक बैक्टीरिया हैं, जिनमें कुछ मच्छर भी शामिल हैं।
- यह आमतौर पर एडीज एजिप्टी मच्छर में नहीं पाया जाता है।
- यह मनुष्यों, जानवरों और पर्यावरण के लिए सुरक्षित है।
- एडीज एजिप्टी मच्छर से डेंगू और अन्य बीमारियाँ फैलती हैं जैसे चिकनगुनिया, जीका और पीला बुखार ।
- हालांकि, यह बीमारी फैल नहीं सकती है जब यह कृत्रिम रूप से वल्बाचिया से संक्रमित होता है।

क्या आप जानते हैं ?

- डेंगू एक मच्छर जनित उष्णकटिबंधीय बीमारी है, जो डेंगू वायरस (जीनस फ्लाविवायरस) के कारण होती है
- डेंगू वैक्सीन CYD-TDV या देंगवक्सिया को अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा 2019 में अनुमोदित किया गया था।
- यह अमेरिका में नियामक नोड प्राप्त करने वाला पहला डेंगू टीका है।
- डेंगवाक्सिया मूल रूप से एक जीवित, डेंगू वायरस है, जिसे 9 से 16 वर्ष की आयु के लोगों में उपयोग किया जाना है, जिन्हें प्रयोगशाला में पिछले डेंगू संक्रमण की पुष्टि होती है और जो स्थानिक क्षेत्रों में रहते हैं।

NIDHI-EIR कार्यक्रम का शुभारंभ

GS प्रीलिम्स और GS- III- उद्यमिता; नवाचार **का हिस्सा:**

समाचार में

- निवास (EIR) में उद्यमियों की विशेषता एक ब्रोशर हाल ही में शुरू किया गया था ।
- नवाचारों के विकास और दोहन के लिए राष्ट्रीय पहल (NIDHI) कार्यक्रम के द्वारा आरंभ किया गया ।
- **संबंधित विभाग:** विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) सचिव।
- विवरणिका यह बताती है कि EIR क्या काम कर रहे हैं और उनके बारे में कुछ पर प्रकाश डाला गया है।
- इसका अर्थ सभी EIR की निर्देशिका होना भी है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- NIDHI 18 महीने तक की अवधि के लिए एक आशाजनक प्रौद्योगिकी व्यापार विचार को आगे बढ़ाने के लिए इच्छुक उद्यमियों का समर्थन करता है, जिसमें प्रति माह 30000 रुपये का अधिकतम अनुदान होता है, जिसमें अधिकतम EIR के लिए 3.6 लाख रुपये का अधिकतम समर्थन होता है।
- NIDHI-EIR कार्यक्रम अपने उद्यमशीलता के कैरियर के लक्ष्यों और आकांक्षाओं को बढ़ावा देने के लिए अभिनव उद्यमियों को अपने नेटवर्क का विस्तार करने और अपने उद्यमों पर महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए जबरदस्त अवसर प्रदान करता है।

स्पॉट रोबोट विकसित किया गया

GS प्रीलिम्स और GS- III- विज्ञान और प्रौद्योगिकी का **भाग**

समाचार में

- हाल ही में, मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (MIT - USA) के बोस्टन डायनेमिक्स के शोधकर्ताओं ने एक रोबोट विकसित किया है, जिसे 'स्पॉट' कहा जाता है।
- उन्होंने कोविड -19 लक्षणों वाले रोगियों के लिए इसका उपयोग करने की योजना बनाई है।

मुख्य बिन्दु

- रोबोट को एक हाथ में रखने वाले उपकरण द्वारा नियंत्रित किया जाता है।
- यह चार पैरों पर चल सकता है, सीढ़ियों पर चढ़ सकता है और उबड़-खाबड़ इलाके को आसानी से गति कर सकता है।
- यह घर के अंदर इस्तेमाल होने के लिए काफी छोटा है।
- यह 2 मीटर की दूरी से स्वस्थ रोगियों में त्वचा के तापमान, श्वास दर, नाड़ी दर और रक्त ऑक्सीजन संतृप्ति को माप सकता है।
- इसमें चार कैमरे हैं - एक इन्फ्रारेड, तीन मोनोक्रोम।

क्या आप जानते हैं ?

- अवरक्त कैमरा चेहरे पर त्वचा के तापमान को मापता है

- जब हीमोग्लोबिन ऑक्सीजन से बांधता है और रक्त वाहिकाओं के माध्यम से बहता है, तो इसके परिणामस्वरूप रंग में थोड़ा बदलाव होता है।
- इन परिवर्तनों को तीन मोनोक्रोम कैमरों की मदद से मापा जाता है, जो तीन अलग-अलग तरंग दैर्ध्य की रोशनी को फ़िल्टर करते हैं।
- रोबोट को उन क्षेत्रों में तैनात किया जा सकता है जहां कोविड -19 के संदिग्ध मामलों को इकट्ठा किया जाता है।
- रोबोट एक टैबलेट भी ले जा सकता है जो डॉक्टरों को रोगियों को उनके लक्षणों के बारे में एक ही कमरे में न होने के बारे में पूछने की अनुमति देता है।

मास स्पेक्ट्रोमीटर का उपयोग करते हुए कोविड -19 परीक्षण विकसित किया गया है

GS प्रीलिम्स और GS- III- विज्ञान और प्रौद्योगिकी का **भाग**

समाचार में

- इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (IGIB) और नेशनल सेंटर फॉर डिसीज़ कंट्रोल (NCDC) के शोधकर्ताओं ने एक ऐसी तकनीक विकसित की है जो नोवल कोरोनोवायरस (SARS-CoV-2) का पता लगाने के लिए मास स्पेक्ट्रोमेट्री का उपयोग करती है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

मास स्पेक्ट्रोमेट्री (MS)

- यह एक विश्लेषणात्मक तकनीक है जिसका उपयोग नमूनों की मौलिक संरचना को निर्धारित करने, कणों और अणुओं के द्रव्यमान को निर्धारित करने और उनकी रासायनिक संरचना को समझाने के लिए किया जाता है।
- MS गैसीय चरण में नमूना अणुओं के आयनीकरण और विखंडन पर आधारित है।
- मास स्पेक्ट्रोमेट्री पर आधारित नई तकनीक दो पेप्टाइड की उपस्थिति का पता लगाने पर निर्भर करती है जो SARS-CoV-2 वायरस के लिए अद्वितीय हैं।

क्या आप जानते हैं ?

- नई विधि का पता लगाने के लिए RNA को प्रवर्धित किए बिना सीधे वायरस का पता लगा सकते हैं।
- नई तकनीक के साथ, वैज्ञानिक RT-PCR के संबंध में 95% संवेदनशीलता और 100% विशिष्टता के साथ नोवल कोरोनावायरस का पता लगाने में सक्षम हैं।
- यह वैकल्पिक रैपिड एंटीजन किट की तुलना में बहुत बेहतर है।
- वायरस का पता लगाने में तीन मिनट से कम समय लगता है;
- विधि नमूनों के प्रभावी पूलिंग के लिए भी अनुमति देता है।
- कोविड -19 का पता लगाने के लिए विभिन्न प्रकार के परीक्षण: (1) RT-PCR परीक्षण; (2) रैपिड एंटीजन डिटेक्शन परीक्षण ; (3) RTnPCR परीक्षण; (4) फेलूदा परीक्षण; (5) एलिसा एंटीबॉडी परीक्षण; (6) लार का परीक्षण

स्क्रैमजेट वाहन के महत्व और क्षमता का परीक्षण किया गया

GS प्रीलिम्स और GS- III- रक्षा; विज्ञान और तकनीक में भारतीयों की उपलब्धियों का हिस्सा:

समाचार में

- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने हाल ही में सफलतापूर्वक उड़ान का परीक्षण हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेटर व्हीकल (HSTDV) से किया।
- यह एक मानव रहित स्क्रैमजेट वाहन है जिसमें ध्वनि की गति से छह गुना यात्रा करने की क्षमता है।

मुख्य बिन्दु

- परीक्षण के मापदंडों पर मल्टीपल ट्रैकिंग रडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल सिस्टम और टेलीमेट्री स्टेशनों द्वारा नजर रखी गई और हाइपरसोनिक वाहन के क्रूज चरण के दौरान प्रदर्शन की निगरानी के लिए बंगाल की खाड़ी में एक जहाज भी तैनात किया गया था ।

- प्रौद्योगिकी के स्वदेशी विकास से इसके मूल में हाइपरसोनिक वाहनों के साथ निर्मित प्रणालियों के विकास को भी बढ़ावा मिलेगा, जिसमें आक्रामक और रक्षात्मक हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल प्रणाली और अंतरिक्ष क्षेत्र दोनों शामिल हैं।
- अमेरिका, रूस और चीन जैसे देशों के साथ प्रौद्योगिकी के स्तर को प्राप्त करने के लिए कई और परीक्षणों के दौर में जाना होगा।

क्या आप जानते हैं ?

- यह स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों में एक विशाल छलांग है और एक सशक्त भारत और आत्मनिर्भर भारत की ओर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।
- अत्यधिक जटिल प्रौद्योगिकी के लिए उद्योग के साथ साझेदारी में नेक्स्टजेन हाइपरसोनिक वाहनों के लिए बिल्डिंग ब्लॉक के रूप में कार्य करेगा।
- परीक्षण ओडिशा के तट से दूर व्हीलर द्वीप में डॉ ए.पी.जे. अब्दुल कलाम लॉन्च कॉम्प्लेक्स से किया गया था।
- अग्नि मिसाइल का उपयोग प्रक्षेपण के लिए किया गया था।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

हाइपरसोनिक वाहन और इसका स्क्रैमजेट इंजन

- स्क्रैमजेट जेट इंजनों की एक श्रेणी का एक प्रकार है जिसे वायु श्वास इंजन कहा जाता है।
- हाइपरसोनिक गति वे हैं जो ध्वनि की गति से पांच गुना या अधिक हैं। DRDO द्वारा परीक्षण की गई इकाई ध्वनि या मच 6 की गति से छह गुना तक प्राप्त कर सकती है।
- **नुकसान:** बहुत अधिक लागत और बल और वजन का अधिक अनुपात
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) और DRDO ने क्रमशः 2016 और 2019 में पहले भी प्रौद्योगिकी के विकास पर काम किया है।

ब्लॉक श्रृंखला टेक्नोलॉजी और वोटिंग

संदर्भ: चुनाव आयोग ने अगस्त 2020 में, तमिलनाडु ई-गवर्नेंस एजेंसी ("TNeGA") और IIT मद्रास के साथ मिलकर एक ऑनलाइन सम्मेलन आयोजित किया, जिसके माध्यम से उन्होंने **रिमोट चुनाव** को सक्षम करने के उद्देश्य से ब्लॉक श्रृंखला तकनीक का उपयोग करने की संभावना का पता लगाया ।

ब्लॉक श्रृंखला टेक्नोलॉजी क्या है?

- एक ब्लॉक श्रृंखला जानकारी का एक वितरित खाता है जिसे "पीयर-टू-पीयर" नेटवर्क (P 2 P नेटवर्क) पर विभिन्न नोड में दोहराया जाता है
- प्रौद्योगिकी का उद्देश्य खाता बही पर संग्रहीत डेटा की अखंडता और परिवर्तनशीलता सुनिश्चित करना है।
- **ब्लॉक श्रृंखला** के नेतृत्वकर्ताओं को पारंपरिक रूप से बिटकॉइन और एथेरियम जैसी क्रिप्टो करेंसी के लिए सहायक संरचनाओं के रूप में उपयोग किया गया है, हालांकि, गैर-क्रिप्टो करेंसी अनुप्रयोगों में उनके उपयोग ने भी दूरस्थ मतदान और चुनाव को सक्षम करने की तरह एक स्थिर वृद्धि देखी है।

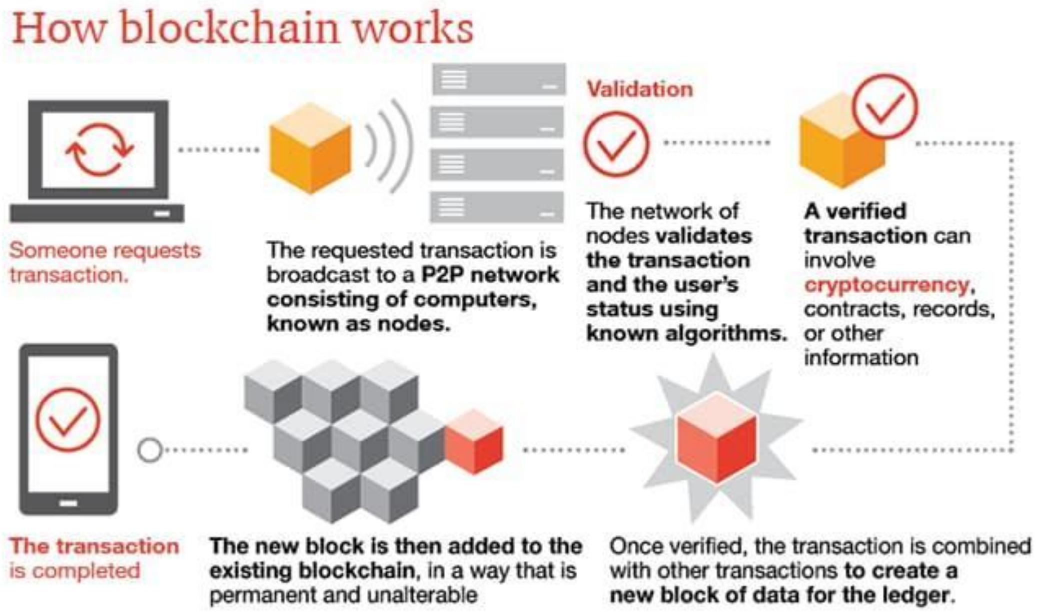

चित्र: ब्लॉक श्रृंखला प्रौद्योगिकी के कार्य के योजनाबद्ध प्रतिनिधित्व को दर्शाता है

दूरस्थ मतदान के क्या लाभ हैं?

- **बैलट पोर्टेबिलिटी की समस्या का हल:** दूरदराज के मतदान से आंतरिक प्रवासियों और मौसमी श्रमिकों को लाभ होगा, जिनकी आबादी लगभग 51 मिलियन है (जनगणना 2011)।
- **दूरस्थ स्थानों में लोगों के लिए उपयोगी** : भारतीय सशस्त्र बलों के कुछ दूर-दराज के सदस्यों के लिए भी यह संशोधित समाधान उपयोगी हो सकता है (हालांकि चुनावों के विस्तृत अवसरंचना ने इसे संबोधित करने में मदद की है)

- **मतदाता भागीदारी बढ़ाने में मदद करता है** : दूरदराज के मतदान समाधान नागरिकों के विशिष्ट समूहों द्वारा चुनाव में भाग लेने की सुविधा प्रदान कर सकते हैं, जिनमें एक्सपैट, सैन्य मतदाता, स्वास्थ्य और देखभाल संस्थानों में मतदाता, और कैदी शामिल हैं।
- **गति और सुरक्षित:** ब्लॉक श्रृंखला -आधारित मतदान प्रणाली न केवल वास्तविक समय परिणाम प्रदान करती है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करती है कि मतगणना अतिसुरक्षित है, और ब्लॉक श्रृंखला के साथ, कोई भी परिणामों में छेड़छाड़ नहीं कर सकता है।

ब्लॉक श्रृंखला दूरस्थ मतदान से जुड़ी चुनौतियाँ क्या हैं?

- **भौतिक उपस्थिति और बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण की आवश्यकता** : मतदाताओं को अभी भी अपना वोट डालने के लिए शारीरिक रूप से एक निर्दिष्ट स्थान पर पहुंचना होगा, जिससे सिस्टम "समर्पित इंटरनेट लाइनों पर सफेद-सूचीबद्ध IP उपकरणों" का उपयोग करेगा, और सिस्टम निर्वाचकों की बायोमेट्रिक विशेषताओं का उपयोग करेगा।
- **विफलता के लिए सुरक्षाछिद्र स्थापित करता है:** डिजिटलीकरण और इंटरकनेक्टिविटी विफलता के अतिरिक्त बिंदुओं को बाहरी प्रक्रियाओं से जोड़ते हैं जो वर्तमान दिन में मौजूद हैं
- **प्रौद्योगिकी अभी तक पूरी तरह से सुरक्षित नहीं है:** ब्लॉक श्रृंखला समाधान क्रिप्टोग्राफिक प्रोटोकॉल के उचित कार्यान्वयन पर बहुत अधिक निर्भर करते हैं। यदि किसी क्रियान्वयन में कोई कमी है, तो इसका दुरुपयोग हो सकता है
- **सेवा हमले के लक्षित इनकार करने के लिए संभावना -** जहां एक हमलावर प्रणाली से यातायात को अवरुद्ध करने, प्रभावी ढंग से रोकने, या वोट के पंजीकरण में बहुत कम देरी करने की स्थिति में होगा।
- **गोपनीयता के मुद्दे** : चुनावों में इस्तेमाल की जाने वाली ऐसी घुसपैठ तकनीक के साथ, जब परस्पर जुड़े पुट्टास्वामी निर्णय के खिलाफ जा सकते हैं [निजता के अधिकार पर]

निष्कर्ष

- यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आगे डिजिटलीकरण, अपने आप में, प्रक्रियाओं को अधिक मजबूत नहीं बनाता है।
- चुनावी समस्याओं का कोई भी समाधान सॉफ्टवेयर स्वतंत्र और दोषपूर्ण सहनीय होना चाहिए, जहां विफलता या एक तंत्र की छेड़छाड़ - या कई - समग्र प्रक्रिया की अखंडता या पारदर्शिता को प्रभावित नहीं करेगी।

वायरलेस फाइबर: समय की जरूरत है

GS प्रीलिम्स और GS- III- प्रौद्योगिकी; IT **का हिस्सा**

समाचार में

- डिजिटल विभाजन को पाटने के लिए , वायरलेस फाइबर जैसी तकनीकों को टैप करने की आवश्यकता है।
- वायरलेस फाइबर घरों या व्यवसायों को सीधे ब्रॉडबैंड पहुंचाने के लिए फिक्स वायरलेस, हाई स्पीड माइक्रोवेव और फाइबर ऑप्टिक तकनीक के संयोजन का उपयोग करता है।
- एक छोटा उपग्रह एक पोल या आपकी छत पर स्थापित होता है और एक केबल एक राउटर से जुड़ा है जहां आपको इंटरनेट कनेक्शन की आवश्यकता होती है
- यह सामान्य भूमिगत फाइबर, तांबा और केबल अवसरंचना के मील को बायपास करता है जो अक्सर निर्माण, बाढ़ या मैनहोल दुर्घटनाओं के कारण विफल होते हैं।

मुख्य बिन्दु

- अधिकांश आवासीय ब्रॉडबैंड आज केबल के ऊपर चलते हैं जो जमीन में बिछाए जाते हैं या टेलीफोन के खंभे पर स्थापित किए जाते हैं, और फिर हमारे घरों से सीधे शाखा और सुरंग तक जाते हैं।
- इन केबलों को बिछाना महंगा है।
- यही कारण है कि कई इंटरनेट प्रदाता धीरे-धीरे विस्तार करते हैं यदि वे चिंतित हैं कि रिटर्न विस्तार को उचित नहीं ठहराएगा।
- सेल (मोबाइल) टॉवर महंगे हैं, लेकिन वे एक से कई कनेक्शन बनाते हैं जो हजारों मोबाइल उपकरणों को वायरलेस तरीके से कार्य करते हैं।
- मोबाइल डेटा पर गति बहुत तेज़ नहीं होती हैं, लेकिन बेसिक वेब ब्राउज़िंग और वीडियो के लिए, यह काफी अच्छा है।

वायरलेस फाइबर के लाभ

- वायरलेस फाइबर एक निश्चित स्थान प्रदान करता है जैसे कि मोबाइल कनेक्शन की सभी क्षमता के साथ घर या व्यवसाय लेकिन सीधे इमारत में केबल प्लग करने की आवश्यकता के बिना।
- यह इंटरनेट प्रदाताओं के लिए अपने नेटवर्क का विस्तार करने का एक सस्ता तरीका है।
- वायरलेस भी सबसे अधिक लागत प्रभावी है क्योंकि आसपास के अवसरंचना को बदलने की कोई आवश्यकता नहीं है।
- यह कई उपकरणों को कहीं से भी कनेक्ट करने की अनुमति देता है जिनकी आपको आवश्यकता है
- वायरलेस नेटवर्क संभावित रूप से अधिक उपयोगकर्ताओं को समायोजित कर सकते हैं क्योंकि वे एक विशिष्ट संख्या में कनेक्शन बंदरगाह द्वारा सीमित नहीं हैं।

स्वाभिमान आँचल ने पहली बार निर्बाध सेलुलर सेवा का आनंद लेने के लिए सेट किया

GS प्रीलिम्स और GS- II - नीतियां और हस्तक्षेप और GS- III- प्रौद्योगिकी; दूरसंचार **का हिस्सा:**

समाचार में

- ओडिशा के मलकानगिरि जिले में हजारों ग्रामीणों को अपने जीवन में पहली बार निर्बाध सेलुलर सेवा का आनंद लेने के लिए तैयार किया गया है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- वामपंथी उग्रवादियों की धमकियों के कारण , स्वाभिमान आँचल (जिसे अब कट-ऑफ क्षेत्र के रूप में जाना जाता है) में अब तक मोबाइल टावर नहीं लगाए जा सके थे।
- स्वाभिमान आँचल में 151 गाँव शामिल हैं।
- यह क्षेत्र तीन तरफ से पानी से घिरा है और दूसरे पर दुर्गम इलाका है।
- यह गुरूप्रिया ब्रिज के निर्माण के बाद भी कम दूर हो गया, जो 2018 में राज्य के बाकी हिस्सों से जुड़ा हुआ था।

क्या आप जानते हैं ?

- ओडिशा में भारत में मोबाइल फोन सेवा नहीं देने वाले गांवों की संख्या सबसे अधिक है।

इंटरमीडिएट-मास ब्लैक होल

GS प्रीलिम्स और GS- III - स्पेस **का हिस्सा**

समाचार में

- लेजर इंटरफेरोमीटर गुरुत्वाकर्षण तरंग वेधशाला (LIGO) में 2019 में पता चला गुरुत्वाकर्षण तरंगों से संकेतों का विश्लेषण , संयुक्त राज्य अमेरिका और इटली में डिटेक्टर विरगो ने असामान्य द्रव्यमान के साथ एक ब्लैक होल का संकेत दिया है।

मुख्य बिन्दु

- ये तरंगें अरबों साल पहले दो ब्लैक होल के बीच टकराव का परिणाम थीं।
- सिग्नल को GW190521 नाम दिया गया है।
- यह संभावना है कि दो ब्लैक होल विलीन हो गए तात्कालिक का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- यह एक सेकंड के दसवें हिस्से से भी कम समय तक चला।
- इसकी गणना लगभग 17 बिलियन प्रकाश वर्ष दूर से आने के लिए की गई थी।

क्या आप जानते हैं ?

- दो में से बड़ा ब्लैक होल 85 सौर द्रव्यमान का था और छोटा ब्लैक होल 66 सौर द्रव्यमान का था
- विलय में GW190521 सिग्नल के लिए, बड़ा ब्लैक होल अप्रत्याशित सीमा के भीतर अच्छी तरह से था, जिसे युग्म-अस्थिरता द्रव्यमान अंतर के रूप में जाना जाता है।
- शोधकर्ताओं ने सुझाव दिया है कि बड़ा 85-सौर-द्रव्यमान वाला ब्लैक होल एक टूटने वाले तारे का उत्पाद नहीं था, बल्कि यह स्वयं पिछले विलय का परिणाम था।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

LIGO के बारे में

- यह गुरुत्वाकर्षण तरंगों का पता लगाने के लिए 2002 में स्थापित एक बड़े पैमाने पर भौतिकी प्रयोग वेधशाला है।
- वर्तमान दूरबीनें उन वस्तुओं का पता लगा सकती हैं जो एक्स-रे, गामा किरणों आदि जैसे विद्युत चुम्बकीय विकिरणों का उत्सर्जन करती हैं। हालांकि, ब्लैक होल और कई अन्य

प्रलयकारी घटनाओं का विलय गुरुत्वाकर्षण तरंगों के बजाय विद्युत चुम्बकीय तरंगों का उत्सर्जन नहीं करता है।

- इस प्रकार, गुरुत्वाकर्षण तरंगों का पता लगाने के माध्यम से ब्रहमांड में कई अज्ञात घटना को प्रकट करने के लिए LIGO की स्थापना की गई थी।
- LIGO वैज्ञानिक सहयोग में भारतीय भागीदारी, छाता पहल-IndIGO के तहत की गई थी, जो भारतीय गुरुत्वाकर्षण-तरंग भौतिकविदों का एक संघ है।

ड्राफ्ट डेटा सशक्तिकरण और संरक्षण वास्तुकला: NITI आयोग

GS प्रीलिम्स और GS- III- IT; साइबर सुरक्षा **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में, NITI आयोग_ने डेटा सशक्तिकरण और संरक्षण वास्तुकला (DEPA) का मसौदा जारी किया है।
- **उद्देश्य** : डेटा साझाकरण पर अधिक से अधिक उपयोगकर्ता नियंत्रण को बढ़ावा देना।
- भारतीय रिजर्व बैंक, SEBI, IRDAI, PFRDA और वित्त मंत्रालय **द्वारा लागू किया गया**

मुख्य बिन्दु

- DEPA सुरक्षित डेटा साझा करने के लिए एक नियामक, संस्थागत और प्रौद्योगिकी डिजाइन का संचालन करके, अपने व्यक्तिगत डेटा पर नियंत्रण रखने वाले व्यक्तियों को सशक्त बनाएगा।
- इसे अच्छे डेटा प्रशासन के लिए एक बेकार और चुस्त ढांचे के रूप में डिज़ाइन किया गया है।
- यह लोगों को मूल और सुरक्षित रूप से अपने डेटा तक पहुंचने और तीसरे पक्ष के संस्थानों के साथ साझा करने का अधिकार देता है।
- DEPA के तहत दी गई सहमति नि: शुल्क, सूचित, विशिष्ट, स्पष्ट और निरूपित होगी।

क्या आप जानते हैं ?

- DEPA, व्यक्तियों और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) का उपयोग करके अपने डिजिटल पैरों के निशान का उपयोग न केवल सस्ती ऋण, बल्कि बीमा, बचत और बेहतर वित्तीय प्रबंधन उत्पादों तक पहुंच के लिए कर सकते हैं।

- वित्तीय क्षेत्र के पतन की शुरुआत 2020 के लिए रूपरेखा के कार्यात्मक बनने की उम्मीद है।
- यह अधिक वित्तीय समावेशन और आर्थिक विकास में मदद करेगा।
- एक API-आधारित डेटा साझाकरण ढांचे को खोलने से नए फिनटेक संस्थानों द्वारा महत्वपूर्ण नवाचार होगा।
- यह वास्तुकला महंगा और बोझिल डेटा पहुंच और साझा करने वाले व्यवहारों को बदलता है जो कि अलग-अलग व्यक्तियों को बदलता है।

शुक्र के वातावरण में फॉस्फीन गैस की खोज

GS प्रीलिम्स और GS- III - स्पेस **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में, शुक्र के वातावरण में फॉस्फिन गैस की खोज खगोलविदों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने की थी।
- यह खोज शुक्र पर जीवन रूपों की उपस्थिति की संभावना के बारे में प्रकाश डालती है।

मुख्य बिन्दु

- वैज्ञानिकों की एक टीम ने प्रति अरब लगभग 20 भागों की एकाग्रता में फॉस्फिन के होने की सूचना दी है, हजारों से लाखों गुना ज्यादा की अपेक्षा की जा सकती है।
- चंद्रमा या मंगल ग्रह पर पानी की खोज अधिक महत्वपूर्ण है।
- यह खोज शुक्र के लिए अंतरिक्ष मिशन में रुचि को प्रज्वलित कर सकती है।
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) निकट भविष्य में शुक्रयान, जिसे शुक्राणयन भी कहा जाता है, के लिए एक मिशन की योजना बना रहा है।
- यह योजना अभी भी ड्राइंग बोर्ड पर है।

क्या आप जानते हैं ?

- ऐसी कई चीजें हैं जो शुक्र पर जीवन को अनिश्चित बना देती हैं।
- शुक्र का तापमान बहुत अधिक है।
- इसका वातावरण अत्यधिक अम्लीय है।
- हालाँकि, वैज्ञानिकों का यह भी सुझाव है कि यह फ़ॉस्फ़ीन एक समय से अवशेष हो सकता है जब शुक्र एक बहुत अधिक पवित्र स्थान था।

- औद्योगिक प्रक्रियाओं में उत्पादित होने के अलावा, फॉस्फीन, एक रंगहीन लेकिन बदबूदार गैस, केवल बैक्टीरिया की कुछ प्रजातियों द्वारा बनाई जाती है जो ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में जीवित रहती हैं।

कोविड -19 रोगियों के बीच ब्रैडीकिनिन तूफान की परिघटना

GS प्रीलिम्स और GS- II - स्वास्थ्य; महामारी और GS- III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में कोविड -19 संक्रमण वाले रोगियों के नमूनों के विश्लेषण ने एक घटना को 'ब्रैडीकिनिन तूफान' कहा है।
- कोविड -19 रोगियों का इलाज करने वाले डॉक्टर अक्सर उस गंभीरता की पहचान नहीं कर सकते हैं जिसके साथ SARS-CoV-2 वायरस अन्य लोगों को प्रभावित करता है।
- 'ब्रैडीकिन तूफान' शरीर में वायरस के काम करने की व्याख्या कर सकता है।
- हालांकि, साइटोकिन तूफान कोविड -19 के साथ कुछ रोगियों में तेजी से बिगड़ने के कुछ कारणों की व्याख्या करने में सक्षम है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

ब्रैडीकिनिन परिकल्पना

- SARS-CoV-2 अपने मेजबान की कोशिकाओं में प्रवेश करने के लिए ACE2 नामक मानव एंजाइम का उपयोग करता है।
- ACE2 मानव शरीर में रक्तचाप को कम करता है और ACE (जिसका विपरीत प्रभाव पड़ता है) नामक एक अन्य एंजाइम के खिलाफ काम करता है।
- वायरस के कारण ACE का स्तर फेफड़ों में गिर जाता है, और परिणामस्वरूप ACE2 के स्तर को बढ़ा देता है।
- यह एक श्रृंखला अभिक्रिया के रूप में होता है और कोशिकाओं में अणु ब्रैडीकाइनिन के स्तर को बढ़ाता है, जिससे ब्रैडीस्टाइन तूफान बनता है।
- तूफान के कारण रक्त वाहिकाओं का विस्तार और रिसाव हो जाता है, जिससे आसपास के ऊतक में सूजन आ जाती है।
- हयालूरोनिक एसिड का स्तर भी बढ़ता है।
- फेफड़ों में तरल पदार्थ का रिसाव और हायलूरोनिक एसिड की अधिकता से जैलो जैसा पदार्थ निकलता है।
- यह गंभीर रूप से प्रभावित कोविड -19 रोगियों में ऑक्सीजन को बढ़ने से रोकता है।

- इस प्रकार, यह कभी-कभी सबसे परिष्कृत गहन लापरवाह भी बनाता है।
- तंत्र को जानने के बाद, डॉक्टर कोविड -19 के गंभीर प्रभावों को दूर करने के लिए अधिक चिकित्सीय हस्तक्षेपों को विकसित करने के लिए ब्रैडीकाइनिन मार्ग को लक्षित कर सकते हैं।

क्या आप जानते हैं ?

- ब्रैडीकिनिन एक यौगिक है जो मानव शरीर में दर्द संवेदना और निम्न रक्तचाप से संबंधित है।
- हयालूरोनिक एसिड एक चीनी अणु है जो स्वाभाविक रूप से त्वचा में होता है, और यह कोलेजन (एक प्रोटीन) में पानी को बांधने में मदद करता है। यह हाइड्रोजेल बनाने के लिए पानी में अपने स्वयं के वजन से 1,000 गुना अधिक अवशोषित कर सकता है।

विशालकाय रेडियो आकाशगंगाओं की संख्या

GS प्रीलिम्स और GS- III - स्पेस **का हिस्सा:**

समाचार में

- खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी के लिए इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर (IUCAA) पुणे, भारत और लेडेन यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड्स में विशाल रेडियो आकाशगंगाओं (GRG) पर काम कर रहे भारतीय शोधकर्ताओं ने लगभग 400 नए GRG पाए हैं।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

विशालकाय रेडियो आकाशगंगाएँ (GRG)

- GRG ब्रह्मांड में बड़ी एकल संरचनाएं हैं।
- जब कुछ रेडियो आकाशगंगाएँ बड़े आकार की हो जाती हैं, जो कि 33 लाख प्रकाश वर्ष की तुलना में बड़ी होती हैं, उन्हें विशालकाय रेडियो आकाशगंगा (GRG) कहा जाता है।
- GRG की खोज 1974 में हुई थी और 2016 तक, केवल 300 GRG ही ज्ञात थे।
- नवीनतम निष्कर्ष बताते हैं कि वे 800 से अधिक हैं।
- यह स्पष्ट रूप से समझ में नहीं आता है कि कुछ वस्तुएं इतने बड़े पैमाने पर कैसे बढ़ती हैं और उनके संबंधित ब्लैक होल का ईंधन क्या है।
- GRG का अध्ययन अनावरण करने के लिए महत्वपूर्ण सुराग देता है कि बड़े पैमाने पर ब्लैक होल कैसे बड़े पैमाने पर बढ़ते हैं और दक्षता जिसके साथ वे शानदार जेट का उत्पादन करते हैं।

NIMHANS में भारतीय ब्रेन टेम्प्लेट विकसित किए गए

GS प्रीलिम्स और GS- III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियां **भाग**

समाचार में

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंसेज (NIMHANS) के न्यूरोसाइंटिस्ट्स की एक टीम ने इंडियन ब्रेन टेंपलेट्स (IBT) और एक मस्तिष्क एटलस विकसित किया है।

मुख्य बिन्दु

- न्यूरोसाइंटिस्टों ने भारतीय ब्रेन टेंपलेट्स (IBT) के पांच सेट और एक मस्तिष्क एटलस विकसित करने के लिए भारतीय रोगियों के 500 से अधिक मस्तिष्क स्कैन का अध्ययन किया।
- IBT एक पैमाना प्रदान करता है जो एक भारतीय मस्तिष्क को मापेगा।
- ब्रेन एटलस को पांच आयु वर्ग के बच्चों के लिए देर से वयस्कता (छह से 60 वर्ष) के अंत में विकसित किया गया है।
- ये नई आबादी और आयु-विशिष्ट भारतीय मस्तिष्क टेम्पलेट मस्तिष्क के विकास और उम्र बढ़ने की अधिक विश्वसनीय ट्रैकिंग की अनुमति देंगे।
- वे स्ट्रोक, ब्रेन ट्यूमर और मनोभ्रंश जैसे न्यूरोलॉजिकल विकारों वाले व्यक्तिगत रोगियों में रुचि के क्षेत्रों के लिए अधिक सटीक संदर्भ मानचित्र प्रदान करेंगे।
- ये मानव मस्तिष्क और मनोवैज्ञानिक कार्यों के समूह अध्ययन में पूल की जानकारी को और अधिक उपयोगी बनाने में मदद करेंगे।
- ये अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी विकार (ADHD), ऑटिज्म, पदार्थ पर निर्भरता, सिज़ोफ्रेनिया और मूड विकार जैसी मनोरोग बीमारियों को समझने में मदद करेंगे।

क्या आप जानते हैं ?

- **ब्रेन टेम्प्लेट** विभिन्न मस्तिष्क छवियों से रोग स्थितियों में मस्तिष्क की कार्यक्षमता को समझने के लिए एक सकल प्रतिनिधित्व है।

मॉन्ट्रियल न्यूरोलॉजिकल इंडेक्स (MNI) टेम्पलेट जो भारत वर्तमान में उपयोग करता है वह कोकेशियान दिमागों पर आधारित है, जो एशियाई दिमाग से अलग हैं।

वेब 3.0

संदर्भ:

सोशल मीडिया के बारे में चिंताओं के हालिया मुद्दे:

- चल रहे कोविड -19 महामारी के दौरान, सोशल मीडिया प्रभावी संचार और लॉकडाउन मनोरंजन के साथ, अच्छे के लिए एक शक्ति के रूप में उभरा है, लेकिन बुराई के लिए

भी, लोगों द्वारा टीकों और मास्क के खिलाफ विरोध करने के लिए प्रभावी रूप से उपयोग किया जा रहा है।

- द सोशल डायलेमा नामक एक डॉक्यूमेंट्री, उन तरीकों को उजागर करती है, जिसमें प्रौद्योगिकी दिग्गजों ने मानव मनोविज्ञान को प्रभावित किया है कि हम कैसे व्यवहार करते हैं। यह बताता है कि कैसे तकनीकी कंपनियों के प्रमुख अपने ही बच्चों के स्क्रीन समय को गंभीर रूप से कम करते हैं, जबकि जाहिर तौर पर प्रत्येक व्यक्ति, दूसरे वयस्क और बच्चे को लत लगाने की कोशिश कर रहे हैं।
- पिछले अमेरिकी चुनावों में, कैंब्रिज एनालिटिका नामक एक सामाजिक विश्लेषण फर्म ने 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव और ब्रेक्सिट वोट को प्रभावित करने के लिए फेसबुक खातों में हेरफेर किया था।

वेब 1.0:

इस चरण में इंटरनेट एक दूसरे के साथ संचार करने वाले कंप्यूटरों के वितरित सेट के रूप में बनाया गया था, और नेटवर्क के प्रबंधन का भार साझा करता था। इसने बहुत काम किया अच्छी तरह से लेकिन एक बड़ी समस्या थी- इसे बंद करने का कोई तरीका नहीं था। उदाहरण के लिए, गूगल नाम के एक वेब 1.0 स्टार्टअप में भारी ट्रैफ़िक था, लेकिन इसे एनकैश नहीं किया जा सकता था।

वेब 2.0:

2001 में, गूगल ने ऐडवर्ड्स, एक पे-पर-क्लिक, नीलामी-आधारित खोज विज्ञापन मॉडल, सर्च और मुद्रीकरण द्वारा समर्थित एल्गोरिदम विकसित किया। गूगल का राजस्व तीन साल में $ 87 मिलियन से $ 2.7 बिलियन हो गया, जब यह सार्वजनिक हो गया, और अब 2020 में, यह एक ट्रिलियन-डॉलर के करीब है।

इंटरनेट वेब मंच 2.0 के साथ मुद्रीकृत (monetized) हो गया।

चुनौतियां:

- हमारे इरादे, व्यक्तित्व और इच्छाओं को लेजर परिशुद्धता पर ट्रैक किया जा रहा है और विज्ञापनदाताओं को तैयार करने के लिए डेटा बेचा जा रहा है।
- खोज और सोशल मीडिया विज्ञापन 200 बिलियन डॉलर को पार कर गया है। और यह सारा पैसा हमारे पास उन उपयोगकर्ताओं से आता है जो उत्पाद बन गए हैं।
- वर्तमान व्यवसाय मॉडल ने "विजेता-टेक-ऑल" उद्योग संरचना का नेतृत्व किया है, जो प्राकृतिक एकाधिकार बनाता है और एक बार-विकेंद्रीकृत इंटरनेट को केंद्रीकृत करता है।

वेब 3.0 क्रांति का उद्भव:

वर्तमान मुद्दों का एक विकल्प प्रौद्योगिकी या विनियमन द्वारा संचालित होने की संभावना नहीं है। यह नए बिजनेस मॉडल लेगा। अच्छी खबर यह है कि ये वेब 3.0 के उद्भव के साथ आ रहे हैं, एक क्रांति जो उपयोगकर्ताओं को इंटरनेट वापस करने का वादा करती है।

निर्माण और दर्शन:

- उपयोगकर्ताओं को अपने डेटा के स्पष्ट नियंत्रण की अनुमति देने के लिए, यूरोप जैसी डेटा सुरक्षा विनियमन द्वारा सहायता प्राप्त एक पहल।
- यह सब (या सबसे) लेने वाले प्लेटफार्मों के बजाय सामग्री के कलाकारों, संगीतकारों, फोटोग्राफरों, मुझे और आपको राजस्व का एक हिस्सा देने के लिए।
- वेब 3.0 का लाभ उठाने वाली तकनीकें ब्लॉक चेन की तरह नए हैं, जो स्वाभाविक रूप से विकेंद्रीकृत हैं। वे कुछ के हाथों में बिजली और डेटा के संचय के खिलाफ प्रौद्योगिकी गार्ड-रेल है ।
- इन तकनीकों द्वारा सक्षम डिजिटल मुद्राएं विज्ञापनदाता-भुगतान के विकल्प के रूप में, सेवाओं और सामग्रियों के लिए भुगतान करने वाले उपयोगकर्ताओं का एक व्यावसायिक मॉडल पेश करती हैं।

निष्कर्ष:

नए प्रकार के लोकतांत्रिक नेटवर्क के लिए सफलता की राह कठिन होगी। लेकिन घूर्णन शुरू हो जाता है।

बिंदुओं को जोड़ने पर:

- वेब 2.0 के चल रहे युग में उपयोगकर्ता एक 'उत्पाद' बन गए हैं।

सौर चक्र 25 भविष्यवाणियों की घोषणा की

GS प्रीलिम्स और GS- III - स्पेस **का हिस्सा:**

समाचार में

- NASA और नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (NOAA) के वैज्ञानिकों ने सौर चक्र 25 नामक नए सौर चक्र के बारे में अपनी भविष्यवाणियों की घोषणा की।
- वैज्ञानिकों का मानना है कि चक्र शुरू हो गया है

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

सौर चक्र

- सूर्य की सतह एक बहुत ही सक्रिय स्थान है।
- इसकी सतह पर विद्युत आवेशित गैसें शक्तिशाली चुंबकीय बलों के क्षेत्र उत्पन्न करती हैं, जिन्हें चुंबकीय क्षेत्र कहा जाता है।

- ये गैसें लगातार गतिशील रहती हैं।
- इस प्रकार, ये चुंबकीय क्षेत्र सौर गतिविधि के रूप में ज्ञात सतह पर गति, मुड़ और पेचीदा बनाते हुए गति प्राप्त कर सकते हैं।
- सौर गतिविधि सौर चक्र के चरणों के साथ भिन्न होती है, जो औसतन 11 वर्षों तक चलती है।
- सौर चक्रों का पृथ्वी पर जीवन और प्रौद्योगिकी के साथ-साथ अंतरिक्ष यात्रियों के लिए निहितार्थ है।

सनस्पॉट

- वैज्ञानिक सूर्य के स्थानों का उपयोग करके एक सौर चक्र को ट्रैक करते हैं।
- ये सूर्य पर काले धब्बे हैं जो सौर गतिविधि से जुड़े हैं।
- सनस्पॉट सौर विस्फोटों जैसे विशाल विस्फोटों के लिए उत्पत्ति से जुड़े हैं जो अंतरिक्ष में प्रकाश, ऊर्जा और सौर सामग्री को फैला सकते हैं।
- एक सनस्पॉट सूर्य पर एक क्षेत्र है जो सतह पर गहरा दिखाई देता है और आसपास के हिस्सों की तुलना में अपेक्षाकृत ठंडा है।
- ये सूर्य के चुंबकीय क्षेत्र के दृश्यमान मार्करों को देखते हैं।
- कुछ धब्बे 50,000 km व्यास के जितने बड़े होते हैं।

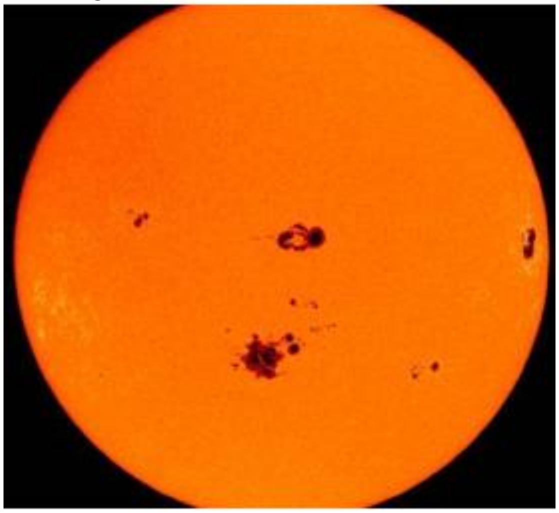

वैभव शिखर सम्मेलन

GS प्रीलिम्स और GS- III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी **का हिस्सा**

समाचार में

- वैश्विक भारतीय वैज्ञानिक (VAIBHAV) शिखर सम्मेलन का उद्घाटन 2 अक्टूबर 2020 - महात्मा गांधी की जयंती पर किया जाएगा।

मुख्य बिन्दु

- इसके बाद शोधकर्ताओं के बीच ऑनलाइन महीने भर के विचार-विमर्श सत्र होंगे।
- यह प्रवासी और निवासी भारतीय वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों का एक वैश्विक शिखर सम्मेलन है।
- **चर्चा के प्रमुख क्षेत्र** : क्वांटम प्रौद्योगिकियाँ, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग, संचार प्रौद्योगिकियाँ, कम्प्यूटेशनल और डेटा विज्ञान और एयरोस्पेस प्रौद्योगिकियाँ, आदि।
- **उद्देश्य** : (1) उभरती चुनौतियों को हल करने के लिए वैश्विक भारतीय शोधकर्ताओं की विशेषज्ञता और ज्ञान का लाभ उठाने के लिए व्यापक रोडमैप को सामने लाना; (2) भारत में शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों के साथ सहयोग और सहयोग साधनों पर गहराई से प्रतिबिंबित करने के लिए; (3) वैश्विक आउटरीच के माध्यम से देश में ज्ञान और नवाचार का एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना।
- **आयोजक** : विभिन्न विज्ञान और प्रौद्योगिकी (S&T) और शैक्षणिक संगठन।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी संकेतक, 2019-20

GS प्रीलिम्स और GS- III - IPR; विज्ञान प्रौद्योगिकी **का हिस्सा** :

समाचार में

- 2019-20 के लिए नवीनतम विज्ञान और प्रौद्योगिकी संकेतक (STI) रिपोर्ट के अनुसार, भारत क्षेत्र विज्ञान और प्रौद्योगिकी नवाचार में बहुत ही निराशाजनक प्रदर्शन करता है।
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) **द्वारा जारी:**
- इन 13 वर्षों में, भारतीयों से सिर्फ 24% पेटेंट दावे आए।

निराशाजनक प्रदर्शन के कारण

- अनुसंधान और विकास में खराब निवेश (R&D)
- उच्च शिक्षा की खराब स्थिति।
- कार्यरत कर्मियों की कमी, जिनके पास विभिन्न क्षेत्रों में कौशल और योग्यता की कमी है।
- स्टार्ट-अप के लिए अनुकूल वातावरण का अभाव।

NASA द्वारा अनावरण किया गया नया सोनिफिकेशन प्रोजेक्ट

GS प्रीलिम्स और GS- III - स्पेस **का हिस्सा** :

समाचार में

- एक्स-रे केंद्र (Chandra X-Ray Center- CXC) ने एक नई 'सोनिफिकेशन परियोजना' (Sonification Project) का अनावरण किया है जो खगोलीय छवियों से प्राप्त डेटा को ऑडियो में परिवर्तित करता है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

डेटा सोनिफिकेशन

- यह वास्तविक डेटा का प्रतिनिधित्व करने के लिए ऑडियो डाटा के उपयोग को संदर्भित करता है ।
- यह डेटा चित्रण का ऑडियो संस्करण है।
- उदाहरण के लिए, NASA के चंद्रा (सोनिफिकेशन) परियोजना में, डेटा का प्रतिनिधित्व कई संगीत नोटों का उपयोग करके किया जाता है।
- एक सितारे का बनना , धूल का एक बादल या यहां तक कि एक ब्लैक होल को एक उच्च या निम्न-ध्वनि के रूप में सुना जा सकता है।

चंद्रा एक्स-रे प्रोजेक्ट

- चंद्र एक्स-रे वेधशाला को स्पेस शटल कोलंबिया ने 1999 में लॉन्च किया था।
- यह NASA के " महान वेधशालाएं" का हिस्सा है।
- **एक्स-रे ब्रहमांड** : यह **एक्स-रे** का पता लगाने के लिए डिज़ाइन किए गए दूरबीनों के साथ देखे गए ब्रहमांड को संदर्भित करता है।
- ब्रहमाण्ड में X- किरणें तब उत्पन्न होती हैं जब पदार्थ लाखों डिग्री तक गर्म होता है।
- ऐसे तापमान होते हैं जहां उच्च चुंबकीय क्षेत्र, या अत्यधिक गुरुत्वाकर्षण, या विस्फोटक बल अंतरिक्ष में मौजूद होते हैं।
- दूरबीन का नाम नोबेल पुरस्कार विजेता भारतीय खगोल भौतिकीविद् सुब्रहमण्यन चंद्रशेखर के नाम पर रखा गया है।

भारत आधारित न्यूट्रिनो वेधशाला

GS प्रीलिम्स और GS- III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियां **भाग** :

समाचार में

- तमिलनाडु के थेनी जिले में बोडी वेस्ट हिल्स में एक भारत आधारित न्यूट्रिनो वेधशाला (INO) स्थापित होने जा रही है।

- परमाणु ऊर्जा विभाग (DAE) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) **द्वारा वित्त पोषित है।**

मुख्य बिन्दु

- **उद्देश्य** : पृथ्वी के वातावरण में उत्पादित न्यूट्रिनो और एंटीन्यूट्रिनो का निरीक्षण करना।
- **विशेषताएं** : परियोजना में शामिल हैं: (1) बोडी पश्चिमी पहाड़ी में भूमिगत प्रयोगशाला और संबंधित सतह सुविधाएं; (2) न्यूट्रिनो का अध्ययन करने के लिए एक चुम्बकीय लौह कैलोरिमीटर (ICAL) डिटेक्टर का निर्माण।
- **लाभ** : (1) यह अवलोकन हमें न्यूट्रिनो कणों के गुणों के बारे में और बताएगा; (2) यह भौतिकी के एक आदर्श मॉडल को विकसित करने में भी मदद करेगा जो कि मानक भौतिकी के मानक मॉडल से परे है; (3) इसका विभिन्न क्षेत्रों जैसे परमाणु और कण भौतिकी, खगोल भौतिकी और ब्रह्मांड विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान आदि पर भी बहुत प्रभाव पड़ेगा।

क्या आप जानते हैं ?

- INO प्रोजेक्ट एक बहु-संस्थागत प्रयास है जिसका लक्ष्य लगभग विश्व स्तर पर भूमिगत प्रयोगशाला का निर्माण करना है। भारत में गैर-त्वरक आधारित उच्च ऊर्जा और परमाणु भौतिकी अनुसंधान के लिए 1200 मीटर।
- राष्ट्रीय न्यूट्रिनो सहयोग समूह (NNCG) में भारत के लगभग 15 संस्थानों और विश्वविद्यालयों के 50 से अधिक वैज्ञानिक शामिल हैं।
- यह INO गतिविधि से संबंधित विभिन्न पहलुओं का विवरण और एक भूमिगत न्यूट्रिनो प्रयोगशाला के लिए एक प्रस्ताव के साथ आने का काम सौंपा गया है।

भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र

GS प्रीलिम्स और GS- III - अंतरिक्ष; विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियों **का हिस्सा** :

समाचार में

- हाल ही में, भारत सरकार ने भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (IN-SPACe) बनाया है।
- यह अंतरिक्ष विभाग के अधीन एक स्वतंत्र नोडल एजेंसी है।

मुख्य बिन्दु

- IN-SPACe को एकल-खिड़की नोडल एजेंसी के रूप में स्थापित किया जाना है, जिसके अपने कैडर हैं, जो निजी कंपनियों की गतिविधियों की अनुमति देगा और उनकी देखरेख करेगा।
- **कार्य** : (1) अंतरिक्ष क्षेत्र में उनकी भागीदारी के लिए निजी क्षेत्र को प्रोत्साहित करना, बढ़ावा देना और संभालना; (2) इसरो, न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL) और निजी कंपनियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक एकीकृत लॉन्च मेक अप; (3) प्रौद्योगिकी, विशेषज्ञता और सुविधाओं के बंटवारे की पेशकश करने के लिए एक उपयुक्त तंत्र का काम करना; (4) सुरक्षा मानदंड और व्यवहार्यता मूल्यांकन के आधार पर, इसरो परिसर के भीतर सुविधाओं की स्थापना की अनुमति।
- IN-SPACe का निर्णय अंतिम होगा और इसरो सहित सभी हितधारकों पर बाध्यकारी होगा और निजी खिलाड़ियों को इसरो से अलग अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं होगी।

टाटा CRISPR परीक्षण

GS प्रीलिम्स और GS- II - स्वास्थ्य और GS- III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियों का भाग

समाचार में

- टाटा समूह और CSIR- IGIB द्वारा विकसित भारत का पहला CRISPR कोविड -19 परीक्षण , भारत में उपयोग के लिए अनुमोदित किया गया है।

मुख्य बिन्दु

- टाटा CRISPR (क्लस्टर्ड रेगुलर इंटरस्पेस्ड शॉर्ट पैलिंड्रोमिक रिपीट्स) परीक्षण CSIR-IGIB (जीनोमिक्स और इंटीग्रेटिव बायोलॉजी संस्थान) FELUDA द्वारा संचालित है।
- यह परीक्षण SARS-CoV-2 वायरस के जीनोमिक अनुक्रम का पता लगाने के लिए एक स्वदेशी रूप से विकसित, अत्याधुनिक CRISPR तकनीक का उपयोग करता है।
- CRISPR रोगों के निदान के लिए एक जीनोम उत्पन्न करने की तकनीक है।
- यह कोविड -19 पैदा करने वाले वायरस का सफलतापूर्वक पता लगाने के लिए एक विशेष रूप से अनुकूलित Cas9 प्रोटीन को उत्पादित करने वाला दुनिया का पहला नैदानिक परीक्षण है।

- यह पारंपरिक आरटी-पीसीआर परीक्षणों की सटीकता के स्तर को प्राप्त करता है, जिसमें तेज टर्नअराउंड समय, कम महंगे उपकरण, और उपयोग में बेहतर आसानी होती है।

व्यवहार्यता अध्ययन करने के लिए वर्जिन हाइपरलूप

GS प्रीलिम्स और GS- III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियों का भाग

समाचार में

- भारत का IT हब, बेंगलुरु जल्द ही भविष्य की गतिशीलता के रूप में अपना हाइपर लूप नेटवर्क प्राप्त कर सकता है।
- हाल ही में, बेंगलुरु हवाई अड्डे से प्रस्तावित हाइपरलूप गलियारे के लिए व्यवहार्यता अध्ययन करने के लिए वर्जिन हाइपर लूप और बैंगलोर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (BIAL) के बीच एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए थे।

मुख्य बिन्दु

- पूर्व-व्यवहार्यता अध्ययन, जो तकनीकी, आर्थिक और मार्ग व्यवहार्यता पर केंद्रित है, के प्रत्येक छह महीने के 2 चरणों में पूरा होने की उम्मीद है।
- 1,080 किमी प्रति घंटे की गति के साथ, हाइपरलूप प्रारंभिक विश्लेषण के अनुसार, बेंगलुरु हवाई अड्डे से 10 मिनट के भीतर प्रति घंटे हजारों यात्रियों को शहर के केंद्र तक पहुंचा सकता है।
- इससे बेंगलुरु के लोगों को भारत के सबसे भीड़भाड़ वाले शहरों में से एक में यात्रा करने के लिए जाने वाले समय को बचाने में मदद मिलेगी।
- बेंगलुरु हवाई अड्डे की यात्रा करने वाले यात्री अपने हाइपर लूप के साथ-साथ केंद्र स्थित हाइपर लूप पोर्टलों पर हवाई यात्रा के लिए निर्बाध जांच और सुरक्षा के साथ अपनी कई मॉडल यात्रा को सुव्यवस्थित कर सकते हैं जो समग्र यात्रा समय को कम करने में मदद करेगा।
- सड़क नेटवर्क के अलावा, हवाई अड्डे को जल्द ही उप-शहरी रेलवे से भी जोड़ा जाएगा और चार वर्षों में मेट्रो कनेक्टिविटी होगी।

आपदा प्रबंधन

राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (SDRF)

GS प्रीलिम्स और GS- III - आपदा प्रबंधन **का हिस्सा** :

समाचार में

- हाल ही में, COVID-19 विशिष्ट अवसरंचना के लिए राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष का उपयोग करने की सीमा 35% से बढ़ाकर 50% कर दी गई है।
- निर्णय से राज्यों को वायरस से लड़ने के लिए उनके निपटान में अधिक वित्त सहायता मिलेगी।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (SDRF)

- यह आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 48 (1) (a) के तहत गठित किया गया था।
- यह अधिसूचित आपदाओं के जवाब के लिए राज्य सरकारों के पास उपलब्ध प्राथमिक निधि है।
- केंद्र सरकार ने सामान्य श्रेणी के राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों के लिए एसडीआरएफ आवंटन में 75% और विशेष श्रेणी के राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों (पूर्वोत्तर राज्यों, सिक्किम, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर) के लिए 90% का योगदान दिया है।

रक्षा/ आंतरिक सुरक्षा / सुरक्षा

INS विराट

GS-प्रीलिम्स और GS- III - सुरक्षा **का हिस्सा** :

समाचार में :

- INS विराट को जल्द ही गुजरात के अलंग में जहाज तोड़ने वाले यार्ड में खदेड़ा जाएगा।

- INS विराट विश्व का सबसे लंबे समय तक युद्धपोत रहने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड रखता है।
- यह सेंटूर क्लास एयरक्राफ्ट कैरियर है।
- इसने 1989 में श्रीलंकाई पीसकीपिंग ऑपरेशन के दौरान ऑपरेशन जूपिटर में एक प्रमुख भूमिका निभाई।
- 2001-2002 में ऑपरेशन पराक्रम के दौरान भी इसने कार्रवाई देखी, संसद पर आतंकवादी हमला किया।
- स्वदेशी एडवांस लाइट हेलिकॉप्टर 'ध्रुव' और रूसी ट्विन रोटर कामोव -31 ने भी जहाज से संचालित किया है।
- मार्च 2017 में इसको कार्यमुक्त कर दिया गया।

विशेष सीमांत बल: विकास बटालियन

GS प्रीलिम्स और GS- III- रक्षा और सुरक्षा **का हिस्सा:**

समाचार में

- विशेष सीमा बल (SFF) इकाई, जिसे विकास बटालियन के रूप में जाना जाता है, हाल ही में खबरों में थी।
- लद्दाख में LAC पर चीनी कब्जे को रोकने के लिए इसे महत्वपूर्ण बताया गया था ।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

विशेष सीमा बल (SFF)

- SFF की स्थापना 14 नवंबर 1962 को 1962 के चीन-भारत युद्ध के तत्काल बाद हुई थी।
- यह कैबिनेट सचिवालय के दायरे में आता है।
- इसका नेतृत्व एक महानिरीक्षक करता है जो मेजर जनरल के रैंक का एक सेना अधिकारी होता है।
- वे उच्च प्रशिक्षित विशेष बल के जवान हैं जो विभिन्न प्रकार के कार्य कर सकते हैं।
- महिला सैनिक भी, SFF इकाइयों का एक हिस्सा बनाती हैं।
- SFF इकाइयाँ सेना का हिस्सा नहीं हैं
- हालांकि, वे सेना के संचालन नियंत्रण में कार्य करते हैं

क्या आप जानते हैं ?

SFF के प्रमुख संचालन:

- ऑपरेशन ईगल (पाकिस्तान के साथ 1971 का युद्ध)

- ऑपरेशन ब्लूस्टार (1984 में अमृतसर का स्वर्ण मंदिर साफ़ करना)
- ऑपरेशन मेघदूत (1984 में सियाचिन ग्लेशियर हासिल करना)
- ऑपरेशन विजय (1999 में कारगिल में पाकिस्तान के साथ युद्ध)

रक्षा सिद्धांत को पुनर्जीवित करना

संदर्भ: चार महीने पहले, चीनी सेना ने इस क्षेत्र में प्रवेश किया कि भारत ने लंबे समय से अपना माना है, और कभी नहीं छोड़ा।

भारत की सीमा पर चीनी साहचर्य के परिणाम

- **अल्पावधि हानि:** वास्तव में, कई अव्यवस्थाओं ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) को बदल दिया है और भारत ने कम से कम इस समय के लिए क्षेत्र खो दिया है।
- यह **भारत** की **चेतावनी-खुफिया तंत्र की विफलता को दर्शाता है:** या तो भारतीय खुफिया सेवाओं ने चीनी इरादों और शुरुआती चाल के पर्याप्त डेटा एकत्र नहीं किए, या उन्होंने इसकी सही व्याख्या नहीं की। जहां भी गलती है, सिस्टम स्पष्ट रूप से विफल हो गया।

चीन की घुसपैठ के संबंध में, सेना के हावी सिद्धांत की आलोचना क्या है?

- **परम्परागत मानसिकता** : सेना के प्रचलित सिद्धांत को प्रमुख पारंपरिक आक्रमणों के खिलाफ बचाव और बचाव के लिए बनाया गया है। यह निर्धारित करता है कि सेना को कैसे व्यवस्थित किया जाता है, यह किस उपकरण को संचालित करता है, और इसे कहां तैनात किया जाता है।
- **पिछले सन्दर्भ:** इस मानसिकता में, सेना को उम्मीद थी कि भारतीय क्षेत्र पर कब्जा करने के लिए कोई भी चीनी बोली एक बड़े पारंपरिक आक्रमण के रूप में आएगी, जैसा कि 1962 में हुआ था। भारतीय प्रतिक्रिया में योजना बनाने और आदेश के निर्णयों के साथ बड़े प्रारूप शामिल होंगे। कोर मुख्यालय या उच्चतर।
- **सुरक्षा नेतृत्व द्वारा गलत गणना:** चीन को एक बड़े पारंपरिक आक्रमण को शुरू करने में कोई दिलचस्पी नहीं है, लेकिन यह केवल एक विशिष्ट जांच नहीं है - जिसे सुरक्षा नेतृत्व प्रारंभिक चरणों में समझ नहीं सका।
- **परिवर्तित चीनी रणनीति:** लेकिन अप्रैल और मई 2020 में चीनी सेना के शुरुआती हमले बंदूकों के धधकते आक्रमण की तरह नहीं दिखे । यह लगभग एक साथ कई स्थानों पर LAC को पार कर गया, और सामान्य से अधिक संख्या में ।

- **भारत को कठिन विकल्पों का सामना करना पड़ा** : चीन की त्वरित भूमि हड़पने के लिए युद्ध उकसावे के बिना सीमा पर यथास्थिति बदलने की कोशिश की तरह तेजी से स्थाई लग रहा है । यह निष्पन्न दो भयानक विकल्पों के साथ भारत छोड़ देता है: या तो अपने प्रतिशोध के हमले को शुरू करके एक युद्ध शुरू करें, या कुछ नहीं करते हैं और एक नई स्थिति को स्वीकार करते हैं।

सेना की सिद्धांतवादी सोच के आगे क्या मार्ग होना चाहिए?

- **मौलिक परिवर्तन:** इस प्रकार के सुरक्षा खतरे को संबोधित करने के लिए सेना की सिद्धांतवादी सोच में एक मौलिक बदलाव की आवश्यकता होती है, जो विरोधी को दंड देने के इर्द-गिर्द घूमती है, ऐसी रणनीतियों के लिए जो पहली बार में अपने साहसिक कार्य को रोकती हैं।
- **एक नए सिद्धांत को शामिल करना चाहिए**
  - विपक्षी चालों का पता लगाने और उन्हें ट्रैक करने के लिए लगातार विस्तृत क्षेत्र की निगरानी में भारी निवेश,
  - शत्रु आक्रामकता का जवाब देने के लिए आदेशित प्राधिकारी,
  - उच्च कमांडरों की मंजूरी के बिना एक तत्काल स्थानीय प्रतिक्रिया के लिए प्रक्रियाओं का पूर्वाभ्यास किया।
- **गति का ही सार है:** चीन की 'ग्रे ज़ोन' की तेजी से भूमि हथियाने की रणनीति का मुकाबला करने में, सारा गति का ही खेल है। सेना को विरोधी की कार्रवाई का पता लगाने में सक्षम होना चाहिए और जल्दी से प्रतिक्रिया करना चाहिए, यहां तक कि पहले से ही खाली जगह पर, आक्रामकता को रोकने के लिए प्रयास करना चाहिए।
- **हाल की सफलता:** चुशुल में अगस्त के अंत में हुई घटना यह प्रदर्शित करती है कि यह नई रणनीति कैसे काम कर सकती है और क्या नहीं। भारतीय विशेष बल की टुकड़ियों ने पैंगोंग त्सो के दक्षिण में पहले से व्यस्त ऊंचाइयों पर स्थिति संभाली। ऐसा करने में उनके पास अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए भविष्य में चीनी चालें जटिल हैं, और अधिक जमीन को जब्त करने के चीनी प्रयासों को नाकाम कर दिया गया है।

निष्कर्ष

- भारत के लिए चुनौती यह है कि वह सही सबक सीखे और हिंद महासागर की तरह अन्य क्षेत्रों में भी इसी तरह की रणनीति के लिए सतर्क हो। आधी सदी पहले के युद्धों में जाली सिद्धांतों पर भरोसा नहीं करना चाहिए।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- भारत का परमाणु सिद्धांत और प्रथम उपयोग नीति नहीं

फ्लाइंग वी एयरक्राफ्ट

GS प्रीलिम्स और GS- III- रक्षा **का हिस्सा:**

समाचार में

- 'फ्लाइंग वी' विमान के स्केल किए गए मॉडल की पहली वास्तविक परीक्षण उड़ान सफलतापूर्वक आयोजित की गई थी।

मुख्य बिन्दु

- फ्लाइंग वी एक भविष्यवादी और ईंधन कुशल लंबी दूरी का विमान है जो एक दिन यात्रियों को अपने पंखों में कैद कर सकता है।
- फ्लाइंग-वी डिज़ाइन यात्री केबिन, कार्गो होल्ड और पंखों में ईंधन टैंक को एकीकृत करता है।
- कंप्यूटर की गणना ने भविष्यवाणी की है कि आज के उन्नत हवाई जहाजों की तुलना में विमान की बेहतर वायुगतिकीय आकृति और कम वजन से ईंधन की खपत 20% कम हो जाएगी।

क्या आप जानते हैं ?

- फ्लाइंग-वी विमान डिजाइन की मूल योजना टीयू बर्लिन के छात्र जस्टस बेनाड से आई थी।
- 100 फ्लाइंग वी 'परियोजना पहली बार डच एयरलाइंस केएलएम की 100 वीं वर्षगांठ पर प्रस्तुत की गई थी, जो 2019 में अपनी शुरुआत के बाद से इस परियोजना में भागीदार भी रही है।
- एयरबस (एक एयरोस्पेस कंपनी) सहित विभिन्न व्यावसायिक साझेदार, अब परियोजना में शामिल हैं।

असम राइफल्स का प्रशासन

GS प्रीलिम्स और GS- III - विभिन्न सुरक्षा बल और एजेंसियां और उनके जनादेश **का हिस्सा:**

समाचार में

- हाल ही में, दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र को गृह मंत्रालय (MHA) और रक्षा मंत्रालय (MoD) के दोहरे नियंत्रण से असम राइफल्स को लाने के मुद्दे पर निर्णय लेने का निर्देश दिया है।
- असम राइफल्स का प्रशासनिक नियंत्रण MHA के अधीन है।
- इसका संचालन नियंत्रण MoD के साथ रहता है।
- नियंत्रण का यह द्वंद्व समन्वय की समस्याओं को जन्म देता है।

हाईकोर्ट के निर्देश के मुख्य बिन्दु

- यह मुद्दा लगभग तीन साल से लंबित है।
- केंद्र को सभी हितधारकों से सहयोग के साथ 12 सप्ताह के भीतर इसे हल करना चाहिए।
- इस मामले में सरकार के विभिन्न प्लेटफार्मों से घोषित किए गए सैनिक / पूर्व सैनिक और अन्य लोग शामिल हैं जिनके हित सर्वोपरि हैं।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

असम राइफल्स

- असम राइफल्स केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPF) के तहत एक केंद्रीय अर्धसैनिक बल है।
- यह 1835 में अस्तित्व में आया, एक मिलिशिया के रूप में जिसे 'कछार लेवी' कहा जाता था।
- **प्रारंभिक उद्देश्य:** मुख्य रूप से ब्रिटिश चाय संपदा और आदिवासी छापों के खिलाफ उनकी बस्तियों की रक्षा करना।
- नवंबर 2019 में, MHA ने इसे भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) में विलय करने का प्रस्ताव दिया।
- ITBP एक विशेष पर्वतीय बल है, जिसे अक्टूबर 1962 में बनाया गया था।
- यह लद्दाख के काराकोरम दर्रे से लेकर अरुणाचल प्रदेश में जाचेप दर्रे तक भारत-चीन सीमा के 3,488 किलोमीटर की दूरी पर सीमा की सुरक्षा के लिए तैनात है।

लेजर गाइडेड ATGM ने सफलतापूर्वक परीक्षण किया

GS प्रीलिम्स और GS- III - रक्षा **का हिस्सा** :

समाचार में

- लेजर गाइडेड एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (ATGM) हाल ही में अहमदनगर के केके रेंज में MBT अर्जुन टैंक से सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया था।
- आयुध अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (ARDE), पुणे में उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (HEMRL) पुणे, और उपकरण अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान (IRDE) देहरादून के सहयोग से **विकसित किया गया** है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- लेजर ने ATGMs को निर्देशित किया और सटीक घात सटीकता सुनिश्चित करने के लिए लेजर पदनाम की मदद से लक्ष्यों को ट्रैक किया।
- मिसाइल विस्फोटक प्रतिक्रियाशील कवच (ERA) संरक्षित बख्तरबंद वाहनों को पराजित करने एक टेंडेम HEAT युद्ध को स्थापित करता है।
- इसे कई-प्लेटफॉर्म लॉन्च क्षमता के साथ विकसित किया गया है।
- वर्तमान में यह MBT अर्जुन की बंदूक से तकनीकी मूल्यांकन परीक्षणों से गुजर रहा है।

अभय उच्च-गति एक्सपेंडेबल हवाई टारगेट का सफल उड़ान परीक्षण किया गया

GS प्रीलिम्स और GS- III - रक्षा **का हिस्सा** :

समाचार में

- हाल ही में, बालासोर (ओडिशा) में स्वदेशी तौर पर डिजाइन किए गए अभय उच्च-गति एक्सपेंडेबल हवाई टारगेट (HEAT) के सफल उड़ान परीक्षण किए गए।
- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) **द्वारा संचालित** :
- DRDO के वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (ADE) **बनाया गया है और द्वारा विकसित किया गया है।**

मुख्य बिन्दु

- अभय के दो प्रदर्शनकारी वाहनों ने सभी मूल्यांकन मापदंडों को मंजूरी दे दी जैसे 5 किमी की उड़ान की ऊँचाई, 0.5 की गति की वाहन गति (ध्वनि की आधी गति), 30 मिनट का स्थिरता आदि।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

अभय हाई-स्पीड अपचेय एरियल टारगेट (HEAT)

- यह एक ड्रोन (UAV) है जिसे विभिन्न मिसाइल प्रणालियों के लिए एक लक्ष्य के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा।
- यह एक छोटे गैस टरबाइन इंजन द्वारा संचालित होता है।
- **नेविगेशन द्वारा:** जड़त्वीय नेविगेशन प्रणाली (INS) पर आधारित माइक्रो इलेक्ट्रो मैकेनिकल (MEMS) प्रणाली पर आधारित ।
- यह हल्का और विश्वसनीय है, कम बिजली की खपत करता है और लागत प्रभावी है।
- यह पूरी तरह से स्वायत्त उड़ान के लिए क्रमादेशित है।

क्या आप जानते हैं ?

- MEMS एक प्रक्रिया प्रौद्योगिकी है जिसका उपयोग छोटे एकीकृत उपकरणों या प्रणालियों को बनाने के लिए किया जाता है जो यांत्रिक और विद्युत घटकों को जोड़ती हैं।

रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया - 2020 जारी

GS प्रीलिम्स और GS- III - रक्षा; सुरक्षा **का हिस्सा** :

समाचार में

- केंद्रीय रक्षा मंत्री ने हाल ही में रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (DAP) - 2020 का अनावरण किया।
- DAP 2020, 01 अक्टूबर 2020 से लागू होगा।
- पहला रक्षा खरीद प्रक्रिया (DPP) 2002 में प्रख्यापित की गई थी और तब से इसे समय-समय पर संशोधित किया गया है।

मुख्य बिन्दु

- खरीद **की नई श्रेणी (वैश्विक - भारत में** निर्माण) में भारत में अपनी सहायक कंपनी के माध्यम से उपकरणों के संपूर्ण / भाग या रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (MRO) सुविधा का निर्माण शामिल है।
- **खरीदें (भारतीय- IDDM), मेक I, मेक II, प्रो डिजाइन और विकास में उत्पादन एजेंसी, OFB/DPSU और SP मॉडल की श्रेणियां** विशेष रूप से भारतीय वेंडरों के लिए आरक्षित

रहेंगी, जो FDI के साथ निवासी भारतीय नागरिकों द्वारा स्वामित्व और नियंत्रण के मानदंडों को पूरा करते हैं।

- एक सरल और व्यावहारिक सत्यापन प्रक्रिया शुरू की गई है और स्वदेशी सामग्री (IC) की गणना अब 'आधार अनुबंध मूल्य' पर की जाएगी।
- आधार एप्लीकेशन जैसे फायर कंट्रोल सिस्टम, रडार, एन्क्रिप्शन, संचार के संचालन आदि के लिए विकल्प तलाशने का प्रावधान स्वदेशी सॉफ्टवेयर को खरीदना (भारतीय- IDDM) और खरीदें (भारतीय) मामलों को शामिल किया गया है।
- DRDO/DPSUs/OFB द्वारा डिजाइन और विकसित प्रणालियों के अधिग्रहण के लिए DAP 2020 में एक अलग समर्पित अध्याय शामिल किया गया है।
- ऑफसेट दिशा-निर्देशों को संशोधित किया गया है, जिसमें घटकों पर पूर्ण रक्षा उत्पादों के निर्माण को प्राथमिकता दी जाएगी और ऑफ़सेट्स के निर्वहन में प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न गुणक को जोड़ा गया है।

विविध

समाचार में	विवरण
1. कावकाज़ 2020 i.	• भारत ने बहुपक्षीय सैन्य अभ्यास कावकाज़ 2020 से अपनी वापसी की घोषणा की है। • यह 15 से 26 सितंबर तक दक्षिणी रूस के अस्त्रखान क्षेत्र में आयोजित किया जाना है। • चीन और पाकिस्तान दोनों बहुराष्ट्रीय अभ्यास का हिस्सा बनने जा रहे हैं। • अभ्यास में चीन की भागीदारी भी भारत के लिए बहुपक्षीय त्रि-सेवाओं सैन्य अभ्यास से बाहर निकलने का एक कारण थी। • भारत पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ एक सैन्य संघर्ष में बंद है और 4,000 किलोमीटर की वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) के साथ सभी हाई अलर्ट पर है।

2. RORO ट्रेन	• कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने बेंगलुरु से सोलापुर (महाराष्ट्र) के लिए पहली 'रोल ऑन रोल ऑफ' (RORO) ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। • इसमें एक खुला सपाट वैगन होता है, जिस पर सामान लदे ट्रक खड़े होते हैं। • यह दक्षिण पश्चिम रेलवे (SWR) द्वारा संचालित किया जाएगा। • लिया गया समय: 17 घंटे • दूरी: लगभग 682 km • इस ट्रेन में समय के साथ माल के रूप में 42 ट्रकों को ले जाया जा सकता है। • यह सड़क पर दुर्घटनाओं को कम करेगा, सुरक्षा में सुधार करेगा, ईंधन की बचत करेगा और विदेशी मुद्रा देगा। • यह आवश्यक वस्तुओं, अद्दढ़, खाद्य पदार्थों और छोटे कार्गो के तेजी से परिवहन को सुनिश्चित करता है। • परिवहन की लागत सड़क द्वारा परिवहन की तुलना में कम है।
3. छावनी COVID: योद्धा संरक्षण योजना	• छावनी COVID: योधा समृद्धि योजना 'हाल ही में शुरू की गई। • रक्षा मंत्रालय द्वारा लॉन्च की गई । • यह जीवन बीमा निगम (LIC) के माध्यम से लागू की जाने वाली एक समूह जीवन बीमा योजना है। • यह सभी 62 छावनी बोर्डों में 10,000 से अधिक कर्मचारियों को 5 लाख रुपये के बीमा कवर के साथ किसी भी दुर्भाग्यपूर्ण घातक आपदा की स्थिति में कवर करेगा। • इससे डॉक्टरों, पैरामेडिक्स और स्वच्छता कर्मचारियों सहित स्थायी और संविदा कर्मचारियों को लाभ होगा।
4. हरिकेन लौरा	• हरिकेन लॉरा ने हाल ही में दक्षिण-पश्चिमी लुइसियाना (दक्षिण मध्य संयुक्त राज्य अमेरिका) में लैंडफॉल बनाया • स्थान के आधार पर तूफान को दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में कई नाम दिए गए हैं

	• टाइफून: चीन सागर और प्रशांत महासागर। • हरिकेन: कैरेबियन सागर और अटलांटिक महासागर में पश्चिम भारतीय द्वीपों में। • टोरनेडोस: पश्चिम अफ्रीका और दक्षिणी अमरीका की गिनी भूमि में। • विली-विली: उत्तर-पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में • उष्णकटिबंधीय चक्रवात: हिंद महासागर क्षेत्र में
5. मल्टी स्टेट फिशिंग घोटाला	• हाल ही में, हरियाणा पुलिस ने एक फ़िशिंग रैकेट की पहचान की है, जो कई राज्यों में 300 से अधिक राष्ट्रीयकृत और निजी बैंक खातों तक पहुँचा चुका है। • धोखाधड़ी को मुख्य संघनित्र के रूप में फ़िशिंग और ई-सिम के उपयोग के साथ किया गया था। • फ़िशिंग एक साइबर अपराध है जिसमें किसी लक्ष्य या लक्ष्य को ईमेल, टेलीफोन या पाठ संदेश द्वारा संपर्क किया जाता है। • भौतिक सिम कार्ड जिसे हटाया जा सकता है, के विपरीत ई-सिम को हटाया नहीं जा सकता है। • ई-सिम उपयोगकर्ताओं को एक सरल प्रक्रिया के माध्यम से सेवा प्रदाताओं को बदलने में सक्षम बनाता है। • मल्टीपल नेटवर्क और नंबर एक ही ई-सिम पर भी स्टोर किए जा सकते हैं, इसलिए एक से अधिक नंबर हो सकते हैं।
6. क्रेटे द्वीप	• क्रेते द्वीप हाल ही में तुर्की-ग्रीस विवाद के संबंध में खबरों में था । • तुर्की ने प्रतिद्वंद्वी ग्रीस के साथ बातचीत के लिए नए सिरे से आह्वान किया है जो पूर्वी भूमध्य सागर में संसाधनों के उचित साझाकरण का नेतृत्व करेगा, जो कि विवाद का प्रमुख बिंदु है। • दोनों देशों की सेनाएं साइप्रस और ग्रीक द्वीप क्रेटे के बीच समुद्र में सैन्य अभ्यास कर रही हैं।

	- क्रेटे ग्रीक द्वीपों का सबसे बड़ा और सबसे अधिक आबादी वाला और भूमध्य सागर में पाँचवाँ सबसे बड़ा द्वीप है। - यह एजियन समुद्र की दक्षिणी सीमा को बांधता है।
7. MEDBOT (मेडबोट)	- भारतीय रेलवे ने COVID-19 रोगियों को भोजन और दवा पहुँचाने में मदद करने के लिए 'MEDBOT' नामक एक रिमोट-नियंत्रित मेडिकल ट्रॉली विकसित की है। - यह भारतीय रेलवे के डीजल रेल इंजन कारखाने के केंद्रीय अस्पताल में सेवा प्रदान कर रहा है।
8. इंद्र 2020	- यह एक द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास भारत और रूस है। - इसे अंडमान सागर में हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) के बजाय मलक्का जलडमरूमध्य के पास आयोजित किया जाना है। - यह पहला द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास होगा क्योंकि कोविड -19 महामारी के कारण इस तरह के सभी कार्यों को निलंबित कर दिया गया था। - मलक्का जलडमरूमध्य हिंद महासागर को दक्षिण चीन सागर से जोड़ता है। - यह पूर्वी एशिया और पश्चिम एशिया-यूरोप के बीच एक प्रमुख व्यापार मार्ग भी है।
9. पोषण माह	- पोषण अभियान के तहत, सितंबर का महीना 2018 से हर साल पोषण माह के रूप में मनाया जाता है। 'एग्रीकल्चर फंड ऑफ इंडिया' प्रत्येक जिले में पैदा होने वाली फसलों और उनके संबंधित पोषण मूल्य के बारे में पूरी जानकारी रखने के लिए बनाया जा रहा है। - इसमें एक महीने तक चलने वाली गतिविधियाँ शामिल हैं, जो कि प्रसव पूर्व देखभाल, इष्टतम स्तनपान, एनीमिया, लड़कियों की शिक्षा, विवाह की सही उम्र आदि पर केंद्रित हैं।

	• गतिविधियाँ सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संचार (SBCC) पर ध्यान केंद्रित करती हैं और जन आंदोलन दिशानिर्देशों पर आधारित होती हैं। • MyGov पोर्टल पर एक खाद्य और पोषण प्रश्नोत्तरी और साथ ही मीम प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। • स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी (गुजरात) में एक अनोखे तरह का पोषण पार्क बनाया गया है, जहाँ कोई भी मस्ती और क्रीड़ा के साथ-साथ पोषण संबंधी शिक्षा देख सकता है।
10.गुजरात के शतरुंजी और भादर बांध	• भारी बारिश के कारण, शतरुंजी और भादर बांध एक साथ बह गए हैं। • ये सौराष्ट्र क्षेत्र (गुजरात) में दो सबसे बड़े जलाशय हैं। • दो बांध शतरुंजी और भादर नदियों के पार हैं। • ये नदियाँ विपरीत दिशाओं में बहती हैं। • इन दो बांधों में अलग-अलग जलग्रहण क्षेत्र हैं। • सरदार सरोवर बांध, जिसे नर्मदा बांध भी कहा जाता है, गुजरात का सबसे बड़ा जलाशय है
11.BIPOC	• ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन के दौरान BIPOC शब्द इंटरनेट पर लोकप्रिय हो गया। • यह "ब्लैक, स्वदेशी और रंग के लोग" को दर्शाता है। • BIPOC आंदोलन त्वचा के रंग, नस्ल और बालों में विविधता को स्वीकार करने का आग्रह करता है। • यह राजनीति से लेकर त्वचा की देखभाल तक जीवन के सभी क्षेत्रों में समावेशिता और प्रतिनिधित्व की वकालत करता है। • इसे नीग्रो, अफ्रीकी-अमेरिकी और अल्पसंख्यक जैसे अपमानजनक और घृणास्पद शब्दों के विकल्प के रूप में देखा जाता है
12.रक्षक	• कोविड 19 महामारी के प्रसार के खिलाफ लड़ाई में, रेलवे ने एक स्वास्थ्य सहायक रोबोट रक्षक तैयार किया है जो डॉक्टर और रोगी के बीच दूर से संवाद कर सकता है।

	• यह तापमान, नाड़ी, ऑक्सीजन प्रतिशत जैसे स्वास्थ्य मापदंडों को मापने में सक्षम है। • यह रोगियों को दवाइयां, भोजन भी दे सकता है और डॉक्टर और रोगी के बीच दो-तरफ़ा वीडियो संचार कर सकता है। • यह 150 मीटर तक के सुदूर संचालन की एक सीमा के साथ सभी स्तरों पर सभी दिशाओं में आगे बढ़ सकता है। • एक फुल चार्ज बैटरी के साथ, रक्षक रोबोट 6 घंटे तक लगातार काम कर सकता है और अपनी ट्रे में 10 किलो तक वजन ले जा सकता है। यह वाई-फाई पर आधारित है और इसलिए इसे किसी मोबाइल डेटा की आवश्यकता नहीं है। यह एंड्रॉइड मोबाइल एप्लिकेशन के साथ भी संचालित होता है।
13.जम्मू और कश्मीर आधिकारिक भाषा बिल 2020	• हाल ही में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जम्मू-कश्मीर राजभाषा विधेयक 2020 को संसद के मानसून सत्र में पेश करने की मंजूरी दी है। • विधेयक में कश्मीरी, डोगरी और हिंदी को जम्मू-कश्मीर के नव-निर्मित केंद्र शासित प्रदेश में आधिकारिक भाषाओं के रूप में शामिल किया जाएगा। • पूर्व राज्य में केवल अंग्रेजी और उर्दू आधिकारिक भाषा थी, • भारतीय संविधान का भाग XVII अनुच्छेद 343 से 351 में आधिकारिक भाषाओं से संबंधित है।
14.प्रश्नकाल और शून्यकाल	• हाल ही में, केंद्र सरकार ने मानसून सत्र के लिए प्रश्नकाल स्थगित करने और शून्यकाल को कम करने का निर्णय लिया है। • यह कोविड -19 महामारी को देखते हुए किया गया है।
15.प्रश्नकाल	• हर संसदीय बैठक का पहला घंटा प्रश्नकाल के लिए रखा गया है।

	• इस एक घंटे के दौरान, संसद सदस्य (सांसद) मंत्रियों से सवाल पूछते हैं और उन्हें अपने मंत्रालयों के कामकाज के लिए जिम्मेदार ठहराते हैं। • प्रश्न निजी सदस्यों से भी पूछे जा सकते हैं। • प्रकार के प्रश्न: तीन प्रकार के प्रश्न पूछे जाते हैं। • **तारांकित प्रश्न** (तारांकन द्वारा प्रतिष्ठित) - इसके लिए एक मौखिक उत्तर की आवश्यकता होती है और इसलिए पूरक प्रश्नों का अनुसरण किया जा सकता है। • **अतारांकित प्रश्न** - इसके लिए लिखित उत्तर की आवश्यकता होती है और इसलिए, पूरक प्रश्नों का पालन नहीं किया जा सकता है। • **लघु सूचना प्रश्न** - वह जो दस दिनों से कम समय का नोटिस देकर पूछा जाता है। इसका उत्तर मौखिक रूप से दिया गया है।
16.शून्यकाल	• शून्यकाल एक भारतीय संसदीय नवाचार है। • संसदीय नियम पुस्तिका में इसका उल्लेख नहीं है। • इसके तहत सांसद बिना किसी पूर्व सूचना के मामले उठा सकते हैं। • शून्यकाल प्रश्नकाल के तुरंत बाद शुरू होता है और दिन के लिए एजेंडा (जब तक कि सदन का नियमित कारोबार) नहीं हो जाता, तब तक रहता है।
17.पत्रिका गेट	• भारतीय प्रधान मंत्री 8 सितंबर 2020 को जयपुर में पत्रिका गेट का उद्घाटन करेंगे। • पत्रिका गेट का नाम अखबार और मीडिया कंपनी-राजस्थान पत्रिका से लिया गया है। • अगवाड़ा (आगे का भाग)पारंपरिक वास्तुकला से प्रेरित है और इसमें झरोखे, पोल, मंडप और छत्रियां हैं। • इस द्वार के निर्माण का विचार जयपुर शहर के पुराने शहर के दरवाजों से जुड़ा हुआ है। जब महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय ने 1727 ई में जयपुर की स्थापना की, तो उसने

	परिधि को एक दीवार और आठ द्वारों के साथ सुरक्षित किया।
18.चुशूल	• हाल ही में हुए आंदोलन के बाद चुशुल उप-क्षेत्र चीन के भारतीय और PLA सैनिकों के बीच गतिरोध में ध्यान में आया है । • चुशुल उप-सेक्टर पूर्वी लद्दाख में पंगोंगटसो के दक्षिण में स्थित है। • इसमें ऊंचे, टूटे पहाड़ और शामिल हैं • इसमें थांग, ब्लैक टॉप, हेलमेट टॉप, गुरुंग हिल और मैगर हिल भी शामिल हैं • रेजांग दर्रा और रेकिन दर्रा , स्पैंगगुर गैप और चुशुल घाटी जैसे मार्ग भी मौजूद हैं। • चुशुल घाटी में एक महत्वपूर्ण हवाई पट्टी है जिसने चीन के साथ 1962 के युद्ध में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। • चुशुल भारतीय सेना और चीनी सेना के बीच पाँच सीमा कार्मिक बैठक बिंदुओं में से एक है। • यह यहाँ है कि दोनों सेनाओं के प्रतिनिधि नियमित बातचीत के लिए मिलते हैं। • यह लेह का प्रवेश द्वार है। • यदि चीन चुशुल में प्रवेश करता है, तो वह लेह के लिए अपने अभियान शुरू कर सकता है।
19.इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार 2019	• सर डेविड एटनबरो को एक आभासी समारोह में 2019 के लिए इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। • शांति, निरस्त्रीकरण और विकास के लिए इंदिरा गांधी पुरस्कार पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नाम पर एक वार्षिक प्रतिष्ठित पुरस्कार है। • इसे 1986 से हर साल इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा सम्मानित किया जाता है।

	• इसमें एक प्रशस्ति पत्र और 25 लाख रुपये का एक मौद्रिक पुरस्कार शामिल है। • यह पुरस्कार व्यक्तियों / संगठनों द्वारा रचनात्मक प्रयासों को मान्यता देता है • सर डेविड एक अंग्रेजी प्रसारक और प्राकृतिक इतिहासकार हैं। • उन्हें BBC प्राकृतिक इतिहास इकाई को लिखने और प्रस्तुत करने के लिए जाना जाता है।
20.यानोमामी जनजाति	• जनजाति ने कोरोनोवायरस महामारी के बीच अपनी भूमि से 20,000 स्वर्ण खनिकों को बाहर निकालने के लिए एक वैश्विक अभियान शुरू किया है। • यनोमामी उत्तरी ब्राजील और दक्षिणी वेनेजुएला के वर्षावनों और पहाड़ों में रहते हैं। • सर्वाइवल इंटरनेशनल के अनुसार, यह दक्षिण अमेरिका में सबसे बड़ी अपेक्षाकृत पृथक जनजाति है। • वे बड़े, वृताकार घरों में रहते हैं जिन्हें यानोस या शैबोनोस कहा जाता है, जिनमें लगभग 400 लोग रह सकते हैं। • यानोमामी सभी लोगों को एक समान मानते हैं, और उनका कोई मुखिया नहीं है। इसके बजाय, सभी निर्णय लंबी चर्चा और बहस के बाद सर्वसम्मति पर आधारित होते हैं। • वे Xiriená भाषा बोलते हैं।
21.हरीकेन नाना	• अटलांटिक हरीकेन नाना ने बेलीज के तट पर एक लैंडफॉल बनाया है। • देश बेलीज मध्य अमेरिका के उत्तरपूर्वी तट पर स्थित है। • कुछ दिन पहले, हरीकेन लॉरा ने दक्षिण-पश्चिमी लुइसियाना (दक्षिण मध्य संयुक्त राज्य अमेरिका) में लैंडफॉल बनाया।

22.रियल मैंगो: अवैध सॉफ्टवेयर	• एक राष्ट्रव्यापी जांच में, रेलवे सुरक्षा बल (RPF) ने " रियल मैंगो" नामक अवैध सॉफ़्टवेयर के संचालन को बाधित किया है - जिसका उपयोग रेलवे आरक्षण की पुष्टि के लिए किया गया है। • रियल मैंगो सॉफ्टवेयर, तत्काल टिकट बुकिंग के लिए विकसित किया गया अवैध सॉफ्टवेयर है। • यह कैप्चा को बायपास करता है। • यह मोबाइल ऐप की मदद से बैंक OTP को सिंक्रोनाइज़ करता है और इसे स्वचालित रूप से अपेक्षित फॉर्म में भर देता है। • सॉफ्टवेयर स्वतः यात्री विवरण और भुगतान विवरण को प्रपत्रों में भरता है। • सॉफ्टवेयर IRCTC वेबसाइट पर कई IRCTC Ids के माध्यम से प्रवेश करता है। • इन चरणों के बाद कई टिकट बुक किए जा सकते हैं। और यह एजेंटों द्वारा ऑनलाइन टिकट बुकिंग को तेज करने की ओर जाता है, जबकि आम लोगों को अपने द्वारा बुक किए गए टिकट नहीं मिल सकते। इससे टिकट की जमाखोरी और टिकटों की कालाबाजारी की संभावना बनती है। • **महत्व**: RPF द्वारा आपूर्ति की गई जानकारी यात्री आरक्षण प्रणाली (PRS) में सुरक्षा सुविधाओं को मजबूत करने के लिए केंद्र को रेलवे सूचना प्रणाली (CRIS) में मदद करेगी।
23.टाइफून मेसक और टाइफून हैशेन	• हाल ही में, कोरियाई प्रायद्वीप और जापान मेयस्क और हैशेन नाम के दो टाइफून से टकराए थे। • मेयसक टाइफून एक प्रकार के वृक्ष के लिए एक कंबोडियाई शब्द से अपना नाम ग्रहण करता है। • जबकि, हैसेन का मतलब है चीनी में समुद्री देवता है। नामकरण की पृष्ठभूमि • जापान में, वर्ष के पहली जनवरी के बाद होने वाले पहले टाइफून को टाइफून 1 कहा जाता है। • संयुक्त राज्य अमेरिका में, हरीकेन को अंग्रेजी नामों से संदर्भित किया जाता है।

	• अंतर सरकारी संगठन जिसे टाइफून समिति कहा जाता है, जिसमें जापान, अमेरिका और चीन सहित 14 सदस्य हैं, सदस्य देशों द्वारा योगदान किए गए टाइफून के लिए एशियाई नामों का उपयोग करते हैं। • हैशेन चीन द्वारा अनुशंसित एक नाम था, जबकि मेयसक एक कोमोडियन नाम है।
24.शिक्षा पर्व	• शिक्षकों को सम्मानित करने और नई शिक्षा नीति (NEP) 2020 को आगे बढ़ाने के लिए 8 से 25 सितंबर 2020 तक शिक्षापर्व मनाया जा रहा है । • पहल के तहत, शिक्षा मंत्रालय NEP और इसके कार्यान्वयन पर वेबिनार की एक श्रृंखला आयोजित कर रहा है। • डॉ. सर्वपल्लीराधाकृष्णन की जन्मतिथि की याद में पूरे भारत में हर साल 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है।
25.पैरोल और फर्लो के लिए संशोधित दिशानिर्देश: MHA	• हाल ही में, केंद्रीय गृह मंत्रालय (MHA) ने मॉडल जेल मैनुअल, 2016 को पैरोल और फर्जी से संबंधित दिशानिर्देशों को संशोधित किया है। • पैरोल और फर्लो दोनों को सुधार प्रक्रिया के रूप में माना जाता है। • ये प्रावधान जेल प्रणाली को मानवीय बनाने के उद्देश्य से पेश किए गए थे। • पैरोल और फर्लो को जेल अधिनियम 1894 के तहत कवर किया गया है।
26.पैरोल	• यह एक कैदी को सजा के निलंबन के साथ रिहा करने की प्रणाली है। • रिहा सशर्त है, आमतौर पर व्यवहार के अधीन है, और समय-समय पर अधिकारियों को समय-समय पर रिपोर्टिंग की आवश्यकता होती है। • पैरोल कोई अधिकार नहीं है। • यह एक विशिष्ट कारण के लिए कैदी को दिया जाता है, जैसे परिवार में मृत्यु या रक्त रिश्तेदार की शादी।

	• यदि सक्षम प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हो जाता है कि दोषी को रिहा करना समाज के हित में नहीं होगा तो भी किसी कैदी को इससे वंचित किया जा सकता है ।
27.फर्लो	• यह पैरोल के समान है, लेकिन कुछ महत्वपूर्ण अंतरों के साथ। • यह लंबी अवधि के कारावास के मामलों में दिया जाता है। • किसी कैदी को दी गई फ़र्ज़ी अवधि को उसकी सजा के छूट के रूप में माना जाता है। • पैरोल के विपरीत, फरलो को एक कैदी के अधिकार के मामले के रूप में देखा जाता है, जिसे किसी भी कारण से समय-समय पर स्वीकार किया जाता है। • यह कैदी को पारिवारिक और सामाजिक संबंधों को बनाए रखने और जेल में बिताए लंबे समय के बुरे प्रभावों का मुकाबला करने के लिए प्रदान किया जाता है।
28. के.एन. दीक्षित समिति गठित	• भारतीय संस्कृति की उत्पत्ति और विकास के समग्र अध्ययन के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया है • मंत्रालय: संस्कृति मंत्रालय • समिति की अध्यक्षता के. एन. दीक्षित (भारतीय पुरातत्व सोसायटी, नई दिल्ली के अध्यक्ष और पूर्व संयुक्त महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) करते हैं।
29.कोसी रेल महासेतु	• हाल ही में ऐतिहासिक कोसी रेल महासेतु (मेगा ब्रिज) का उद्घाटन किया गया था। • कोसी रेल महासेतु 1.9 KM लंबा है। • यह भारत-नेपाल सीमा पर समस्तीपुर और जयनगर के बीच की मात्र 300 किलोमीटर लंबी यात्रा को काटकर मात्र 22 किमी कर देता है। • यह बिहार के रेल नेटवर्क और पश्चिम बंगाल और पूर्वी भारत के रेल संपर्क को मजबूत करता है। • भारतीय प्रधान मंत्री ने यात्री सुविधाओं से संबंधित 12 रेल परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया।

	• इनमें किऊल नदी पर एक नया रेलवे पुल, दो नई रेलवे लाइनें, 5 विद्युतीकरण परियोजनाएं, एक इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव शेड और बरह-बख्तियारपुर के बीच तीसरी लाइन परियोजना शामिल हैं। • यह पुल भारत-नेपाल सीमा के साथ सामरिक महत्व का है।
30.कोसी नदी	• कोसी एक तीन सीमा को घेरने वाली नदी है जो तिब्बत, नेपाल और भारत से होकर बहती है। • यह तिब्बत में हिमालय के उत्तरी ढलानों और नेपाल में दक्षिणी ढलानों में बहती है। • चतरा कण्ठ के उत्तर में सहायक नदियों के एक प्रमुख संगम से, कोसी नदी को अपनी सात ऊपरी सहायक नदियों के लिए सप्तकोशी के रूप में भी जाना जाता है। • सप्तकोशी उत्तरी बिहार, भारत में जाती है जहाँ यह कटिहार जिले के कुर्सेला के पास गंगा में मिलाने से पहले वितरिकाओं में शाखाएँ बनाती है।
31.शांति का अंतर्राष्ट्रीय दिवस	• प्रत्येक वर्ष 21 सितंबर को दुनिया भर में अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस मनाया जाता है । • 2020 के लिए विषय: एक साथ शांति की स्थापना (Shaping Peace Together) • संयुक्त राष्ट्र (UN) महासभा के अवलोकन के माध्यम से, शांति के आदर्शों को मजबूत बनाने के लिए समर्पित एक दिन के रूप में इस की घोषणा की है अहिंसा के 24 घंटे और विराम।
32.PASSEX	• भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई नौसेनाएं 23-24 सितंबर को हिंद महासागर में पैशन अभ्यास या PASSEX अभ्यास कर रही हैं। • भारतीय पक्ष से, भारतीय नौसेना के जहाज सह्याद्रि और कर्मुक उपस्थित रहेंगे और ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व HMAS होबार्ट द्वारा किया जाएगा।

	• PASSEX नियमित रूप से मैत्रीपूर्ण विदेशी नौसेनाओं की इकाइयों के साथ भारतीय नौसेना द्वारा संचालित किया जाता है। • जून के बाद से ऑस्ट्रेलिया तीसरा देश है, जिसके साथ भारत ने अभ्यास किया है। • पहला अमेरिकी नौसेना के USS निमित्ज के साथ था और दूसरा रूसी नौसेना था।
33.पर्यवेक्षकों के रूप में महिला अधिकारी	• पहले, दो महिलाओं अधिकारियों को भारतीय नौसेना के हेलीकॉप्टर स्ट्रीम में पर्यवेक्षकों (एयरबोर्न रणनीतिकार) के रूप में शामिल होने के लिए चुना गया है। • सब लेफ्टिनेंट कुमुदिनी त्यागी और रीति सिंह भारत में महिला हवाई यात्रियों का पहला समूह होगा जो युद्धपोतों के डेक से संचालित होगा। • इससे पहले, महिलाओं के प्रवेश को तय विंग विमान तक ही सीमित रखा गया था, जो दूर से ही उड़ान भरती थी।
34.यामीन हजारिका पुरस्कार	• इतिहासकार-लेखक राणा सेफ़वी को यामीन हजारिका पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। • यह यामीन हजारिका की स्मृति में स्थापित एक पुरस्कार है। • वह केंद्रीय पुलिस सेवा में शामिल होने वाली पूर्वोत्तर की पहली महिला थीं। • राणा सेफ़वी, जिन्होंने भारत की संस्कृति, इतिहास और स्मारकों पर कई किताबें प्रकाशित की हैं, उन्हें उनके "भारत की समकालिक संस्कृति में योगदान" के लिए चुना गया था। • यह पुरस्कार 2015 से प्रत्येक वर्ष महिला पेशेवरों के सामूहिक द्वारा दिया जाता है
35.G4 विदेश मंत्रियों की बैठक	• हाल ही में, भारत, ब्राजील, जापान और जर्मनी के समूह 4 (G4) के विदेश मंत्रियों ने एक आभासी बैठक में भाग लिया।

	• G4 उन देशों का एक समूह है जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) की स्थायी सदस्यता की मांग कर रहे हैं।
36.JIMEX 2020	• भारत का चौथा संस्करण - जापान समुद्री द्विपक्षीय अभ्यास JIMEX, उत्तरी अरब सागर में 26 से 28 सितंबर 2020 तक आयोजित किया जाएगा। • यह भारतीय नौसेना और जापानी समुद्री आत्म-रक्षा बल (JMSDF) के बीच द्विवार्षिक रूप से आयोजित किया जाता है • जनवरी 2012 में समुद्री सुरक्षा सहयोग पर विशेष ध्यान देने के साथ JIMEX श्रृंखलाओं की शुरुआत हुई।
37.विकलांगता खेल के लिए केंद्र	• मध्य प्रदेश के ग्वालियर में हाल ही में विकलांगता खेल केंद्र का उद्घाटन किया गया। • DEPwD, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित • वर्तमान में विकलांग व्यक्ति के लिए देश में कोई प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। • यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए विकलांग खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय मानकों की सुविधाएं प्रदान करेगा। • केंद्र को सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत किया जाएगा। • सचिव, DEPwD की अध्यक्षता में शासी निकाय का गठन किया गया है।
38.गंतव्य पूर्वोत्तर 2020	• केंद्रीय गृह मंत्री ने "गंतव्य पूर्वोत्तर 2020 " का उद्घाटन किया। • केंद्रीय गृह मंत्री पूर्वोत्तर परिषद के अध्यक्ष भी हैं। • मंत्रालय: पूर्वोत्तर क्षेत्र का विकास मंत्रालय। • उद्देश्य: पूर्वोत्तर क्षेत्र को देश के अन्य भागों में ले जाना। • उद्देश्य: पूर्वोत्तर के पर्यटन स्थलों के साथ-साथ देश की विभिन्न संस्कृतियों को एक-दूसरे से परिचित कराना।

	• विषय: उभरता हुआ आनंदमय गंतव्य जो पर्यटन स्थलों की बात करता है, जो उस समय मजबूत और अधिक आकर्षक बन जाता है जब सेक्टर पल-पल में बढ़ता है
39.ज्ञानपीठ पुरस्कार	• 55 वां ज्ञानपीठ पुरस्कार कवि अक्कितम अच्युतन नंबूथिरी को सौंपा गया था। • ज्ञानपीठ को मलयालम साहित्य में लाने के लिए अक्कितम छठे लेखक बन गए। • ज्ञानपीठ पुरस्कार भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा दिया जाता है, जो दिल्ली में स्थित एक साहित्यिक और अनुसंधान संगठन है। • यह एक लेखक को उनके "साहित्य के प्रति उत्कृष्ट योगदान" के लिए प्रतिवर्ष दिया जाता है। • यह केवल भारतीय भाषाओं में लिखने वाले भारतीय लेखकों को भारत और अंग्रेजी के संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए दिया जाता है
40.स्क्रब टाइफस	• हाल ही में, स्क्रब टाइफस (बुश टाइफस) खबरों में था। • यह एक जीवाणु जनित रोग है जिसके कारण म्यांमार की सीमा से लगे नागालैंड के नोक्लाक जिले में 5 मौतें और 600 संक्रमण हुए हैं। • इसके कारण: ओरिएंटिया त्सुत्सुगामुशी (बैक्टीरिया) • फैमिली ट्रॉम्बिकुलिड के लारवल माइट के काटने से फैलता है, जिसे चीगर भी कहा जाता है। • लक्षण: बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द और कभी-कभी व्यग्रता • प्रकटन: दक्षिण पूर्व एशिया, इंडोनेशिया, चीन, जापान, भारत और उत्तरी ऑस्ट्रेलिया के ग्रामीण क्षेत्र। • उपचार: एंटीबायोटिक्स कोई टीका उपलब्ध नहीं है।
41.I-ATS (स्वचालित ट्रेन	• दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (DMRC) ने 'i-ATS' (स्वचालित ट्रेन पर्यवेक्षण) लॉन्च किया।

पर्यवेक्षण) स्वदेश निर्मित	• यह मेट्रो के लिए स्वदेश निर्मित संचार आधारित ट्रेन नियंत्रण सिग्नलिंग तकनीक है। • यह ऐसी प्रौद्योगिकियों से निपटने वाले विदेशी विक्रेताओं पर भारतीय महानगरों की निर्भरता को काफी कम कर देगा। • यह विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं के ट्रेन नियंत्रण और सिग्नलिंग सिस्टम के साथ काम कर सकता है।
42.ब्रूसिलोसिस	• हाल ही में चीन से ब्रुसेलोसिस बीमारी का प्रकोप हुआ था। • 2019 से 3,000 से अधिक लोग इस बीमारी से संक्रमित हो चुके हैं। • यह एक जीवाणु रोग है जो मुख्य रूप से मवेशियों, सूअर, बकरियों, भेड़ों और कुत्तों को संक्रमित करता है। • यदि वे संक्रमित जानवरों के सीधे संपर्क में आते हैं या दूषित जानवरों के उत्पादों को खाते या पीते हैं या एयरबोर्न एजेंटों को संक्रमित करते हैं तो मनुष्य संक्रमित हो सकते हैं। • रोग के अधिकांश मामले संक्रमित बकरियों या भेड़ों से अनपेक्षित दूध या पनीर के सेवन के कारण होते हैं। • लक्षण: बुखार, पसीना, अस्वस्थता, एनोरेक्सिया, सिरदर्द और मांसपेशियों में दर्द। • विषाणु से मानव का मानव संचरण दुर्लभ है।
43.संवेदना	• संवेदना (भावनात्मक विकास और आवश्यक स्वीकृति के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य भेद्यता पर संवेदनशील कार्रवाई), हाल ही में बच्चों के लिए एक टोल फ्री टेली काउंसलिंग सेवा शुरू की गई थी। • राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR) द्वारा शुरू किया गया • यह उन बच्चों को मनोवैज्ञानिक प्राथमिक चिकित्सा और भावनात्मक सहायता प्रदान करेगा, जो संगरोध में या COVID देखभाल केंद्रों में हैं और जिन बच्चों के पास COVID

	पॉज़िटिव परिवार के सदस्य या बच्चे हैं जो COVID -19 के कारण अपने माता-पिता को खो चुके हैं। • यह पूरे भारत में विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में भी बच्चों को शामिल करेगा।

(अपनी बुद्धि का परीक्षण कीजिये)

मॉडल प्रश्न: (उत्तर अंत में दिए गए हैं)

Q.1 हाल ही में भारत की GDP 2020 की पहली तिमाही में 23.9% कम हुई। निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. कृषि को छोड़कर सभी क्षेत्रों में नकारात्मक वृद्धि देखी गई है।
2. एक बार जब एक देश नकारात्मक वास्तविक विकास के लगातार तीन तिमाहियों का सामना करता है उस देश में मंदी की घोषणा कर दी जाती है।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.2 हाल ही में रेनाती चोल युग शिलालेख भारत के निम्नलिखित में से किस राज्य में पाया गया है?

a) कर्नाटक

b) केरल
c) तमिलनाडु
d) आंध्र प्रदेश

Q.3 रेनाती चोल के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. उन्होंने रेनाडू क्षेत्र पर शासन किया।
2. उन्हें पूर्वी पल्लवों को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर कर दिया ।
3. उन्होंने 6 वीं और 8 वीं शताब्दी के बीच अपने शिलालेखों में तेलुगु भाषा का प्रयोग किया।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 1 और 3
d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Q.4 INS विराट के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. गिनीज विश्व रिकॉर्ड के अनुसार यह दुनिया का सबसे लंबे समय तक सेवा में रहा है।
2. बांग्लादेश शांति स्थापना अभियान के दौरान ऑपरेशन जुपिटर में इसकी प्रमुख भूमिका रही।

उपरोक्त में से कौन सा कथन सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.5 भारत ने हाल ही में बहुपक्षीय सैन्य अभ्यास कवकाज 2020 से अपनी वापसी की घोषणा की। यह निम्नलिखित में से किस देश में आयोजित होने जा रहा है?

a) रूस
b) जापान
c) चीन
d) USA

Q.6 हाल ही में, AUDFs01 नामक सबसे शुरुआती आकाशगंगाओं में से एक एस्ट्रोसैट(AstroSat) का उपयोग करके खोजी गई है। एस्ट्रोसैट के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह ISRO द्वारा शुरू किया गया एक खगोलीय मिशन है।
2. इसका उद्देश्य एक्स-रे,प्रकाशीय और UV वर्णक्रमीय बैंड में एक साथ आकाशीय स्रोतों का अध्ययन करना है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.7 निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. G-20 शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा भारत-प्रशांत महासागरों की पहल शुरू की गई
2. समुद्री सुरक्षा और समुद्री पारिस्थितिकी, पहल के कुछ केंद्र हैं।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.8 दिव्यांग लोगों के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा हाल ही में जारी किए गए कौन से सिद्धांत हैं?

1. दिव्यांग लोगों को उचित प्रक्रियात्मक आवास का अधिकार है।
2. सुविधाएं और सेवाएं बिना किसी भेदभाव के उनके लिए सार्वभौमिक रूप से सुलभ होनी चाहिए।
3. उन्हें मानवाधिकारों के उल्लंघन से संबंधित शिकायतों की रिपोर्ट करने और कानूनी कार्यवाही शुरू करने का अधिकार है।
4. उन्हें कानूनी सहायता मुफ्त देने का अधिकार है।

सही कोड का चयन कीजिये:

a) 1,2 और केवल 4
b) 3 और 4 ही

c) केवल 1, 2 और 3
d) 1, 2, 3 और 4

Q.9 क्वांटम स्टेट इंटरफेरोग्राफी के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह 2-D क्वांटम बिट और उच्च आयामी क्वांटम बिट दोनों में एक तंत्र की स्थिति का उल्लेख करने का तरीका है।
2. यह परिचालन को सरल बनाने में मदद कर सकता है जिसे अभिकलन, संचार और मापविद्या के लिए उपयोग किया जा सकता है।

उपरोक्त में से कौन सा कथन सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.10 बौनी आकाशगंगाओं के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. ये ब्रह्मांड में न्यूनतम प्रचुर मात्रा में हैं।
2. उनके कम द्रव्यमान के कारण उनका पता लगाना मुश्किल है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.11 राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम निम्नलिखित में से किसके द्वारा शुरू किया गया था?

a) नेशनल हरित ट्रिब्यूनल (NGT)
b) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
c) संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम
d) विश्व स्वास्थ्य संगठन

Q.12 वोलबाकिया बैक्टीरिया के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये?

1. यह आमतौर पर एडीज एजिप्टी मच्छर में पाया जाता है।
2. यह मनुष्यों सहित पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.13 हाल ही में विश्व का सबसे बड़ा सौर वृक्ष निम्नलिखित में से किस देश में विकसित किया गया?

a) भारत
b) जापान
c) USA
d) चीन

Q.14 प्रधान मंत्री किसान उर्जा सुरक्षा योजना महाभियान (PM KUSUM) योजना के लिए निम्न में से कौन सा मंत्रालय है?

a) नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
b) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
c) विद्युत मंत्रालय
d) ग्रामीण विकास मंत्रालय

Q.15 निम्नलिखित में से कौन आसियान (ASEAN) का सदस्य नहीं हैं?

1. कंबोडिया
2. इंडोनेशिया
3. लाओस
4. भारत
5. दक्षिण कोरिया

सही कोड का चयन कीजिये:

a) 1 और 3 ही
b) 2,3 और 5 ही
c) 4 और 5 ही
d) 1, 2 और 4 केवल

Q.16 गोमती नदी के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह गंगा की एक सहायक नदी है।
2. यह त्रिपुरा और बांग्लादेश से होकर बहती है।
3. अंतर्देशीय जलमार्ग का परीक्षण हाल ही में पहली बार इस नदी के माध्यम से किया गया था।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1 और 2
b) 2 और 3 ही
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3 ही

Q.17 इंद्र 2020 को निम्नलिखित में से किस देश के बीच आयोजित किया जाना है?

a) भारत और जापान
b) भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका
c) भारत और रूस
d) भारत और थाईलैंड

Q.18 मलक्का जलडमरूमध्य निम्नलिखित में से किस देश के बीच जलडमरूमध्य है?

a) मलेशिया और थाईलैंड
b) भारत और श्रीलंका
c) मलेशिया और इंडोनेशिया
d) इंडोनेशिया और फिलीपींस

Q.19 हाल ही में आयोजित 17 वें आसियान-भारत आर्थिक मंत्रियों के परामर्श के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसकी सह-अध्यक्षता भारत और लाओस ने की थी।
2. आसियान देशों और भारत के बीच एक मुक्त व्यापार समझौता (FTA) है।

उपरोक्त में से कौन सा कथन सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों

d) न तो 1 और न ही 2

Q.20 निम्न में से किस देश ने व्यापार के लिए त्रिपक्षीय दृष्टिकोण के रूप में आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन पहल (SCRI) का प्रस्ताव किया है?

a) जापान
b) भारत
c) USA
d) रूस

Q.21 मिल्कवीड तितलियों की निम्नलिखित में से कौन सी प्रजाति प्रवास में शामिल है?

a) डार्क ब्लू टाइगर
b) ब्लू टाइगर
c) कॉमन क्रो
d) डबल-ब्रांडेड

Q.22 पोषण माह के कुछ हिस्सों के रूप में निम्नलिखित पहल पर विचार कीजिये, जो सितंबर के महीने में मनाया जा रहा है:

1. भारत के कृषि कोष को प्रत्येक जिले में उगाई जाने वाली फसलों और उनके संबंधित पोषण मूल्य के बारे में पूरी जानकारी रखने के लिए बनाया जा रहा है।
2. स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में एक अनोखा तरह का पोषण पार्क बनाया गया है जहाँ कोई भी मज़ा और मस्ती के साथ पोषण संबंधी शिक्षा प्रदान कर सकता है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.23: प्रश्नकाल के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह एक भारतीय संसदीय नवाचार है।
2. यह शून्यकाल के तुरंत बाद शुरू होता है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2

c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.24 शून्य घंटे के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसके तहत सांसद बिना किसी पूर्व सूचना के मामले उठा सकते हैं।
2. हर संसदीय बैठक का पहला घंटा शून्यकाल के लिए रखा गया है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.25 UNSC प्रस्ताव 1267 प्रतिबंध समिति निम्नलिखित में से किससे जुडी हुई है?

a) आतंकवाद
b) गरीबी
c) भूख
d) कन्या भ्रूण हत्या

Q.26 हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेटर व्हीकल (HSTDV) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें जिनका हाल ही में परीक्षण किया गया था:

1. ISRO द्वारा इसका सफल परीक्षण किया गया।
2. यह ध्वनि की गति से छह गुना यात्रा करने की क्षमता के साथ एक मानवरहित स्क्रैमजेट वाहन है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.27 निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. आकस्मिकता निधि (CF) एक विशिष्ट प्रावधान है जो RBI के अनपेक्षित और आकस्मिक व्यय को पूरा करने के लिए है।

2. विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों (FCA) और सोने के मूल्यांकन पर अवास्तविक लाभ या हानि का हिसाब मुद्रा और सोना पुनर्मूल्यांकन लेखा (CGRA) में होता है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.28 अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसका मुख्यालय पेरिस, फ्रांस में है।
2. इसका उद्देश्य सदस्य देशों में 2030 तक 1,000 GW से अधिक सौर ऊर्जा प्रदान करना है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.29 पेट्रिका गेट, जो हाल ही में समाचारों में देखा गया है, भारत के निम्नलिखित में से किस शहर में उद्घाटन किया जाएगा?

a) नोएडा
b) जयपुर
c) बेंगलुरु
d) मुंबई

Q.30 साक्षरता दर पर हाल ही में जारी रिपोर्ट के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. पुरुष साक्षरता दर सभी राज्यों में महिला साक्षरता दर से अधिक है।
2. भारत में साक्षरता दर में सबसे खराब प्रदर्शन उत्तर प्रदेश का है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.31 निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भू-स्तरीय ओजोन और हवाई कण सबसे हानिकारक प्रदूषक हैं।
2. कार-पूलिंग और इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग वायु प्रदूषण को कम करने के कुछ प्रभावी तरीके हैं।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.32 निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. पर्यावरण मंत्रालय भारत में ईंधन मानकों को तय करने के लिए जिम्मेदार है।
2. ये ईंधन मानक केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा लागू किए गए हैं।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.33 शिक्षा को आक्रमण से बचाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस हाल ही में निम्नलिखित में से किसके द्वारा शुरू किया गया था?

a) संयुक्त राष्ट्र
b) विश्व स्वास्थ्य संगठन
c) अक्षयपात्र फाउंडेशन
d) एमनेस्टी इंटरनेशनल

Q.34 हाल ही में, दक्षिण भारत की प्रथम किसान रेल को हरी झंडी दिखाई गई। निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. उद्घाटन केंद्रीय रेल मंत्री द्वारा किया गया था।
2. यह ट्रेन अनंतपुर और मुंबई के बीच की दूरी तय करती है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2

c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.35 निम्न में से किस देश की सीमा भूमध्य सागर से लगती है?

1. तुर्की
2. रूस
3. यूनान

सही विकल्प चुनिये:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) 2 और 3 ही
d) 1 और 3

Q.36 शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसका मुख्यालय शंघाई, चीन में स्थित है।
2. इसकी स्थापना 2010 में हुई थी।
3. भारत इसके संस्थापकों में से एक है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) 1 और 3 ही
b) 1 ही
c) 2 और 3 ही
d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Q.37 वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसे पहली बार 2010 में ऑक्सफोर्ड गरीबी और मानव विकास पहल और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा विकसित किया गया था।
2. यह हर साल जुलाई में संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास पर उच्च-स्तरीय राजनीतिक फोरम (HLPF) में जारी किया जाता है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों

d) न तो 1 और न ही 2

Q.38 प्रधानमंत्री आवास योजना (PMMSY) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. PMMSY दो-केंद्रीय क्षेत्र योजना (CS) और केंद्र प्रायोजित योजना (CSS) के साथ एक छाता योजना है।
2. लक्ष्य 2024-25 तक मछली का निर्यात दोगुना करना है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.39 कोविड-19 के कारण निम्नलिखित में से कौन सा क्षेत्र देशव्यापी तालाबंदी (लॉकडाउन) (Lockdown) से सबसे अधिक प्रभावित हुआ:

1. उपभोक्ता उन्मुख
2. फार्मास्यूटिकल्स
3. एयरलाइन
4. पर्यटन
5. रियल एस्टेट

सही कोड का चयन कीजिये:

a) 1 और 3 ही
b) 2, 3 और 4 केवल
c) केवल 1, 3, 4 और 5
d) 2 और 5 ही

Q.40 प्रवाल-शैलमाला के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. प्रवाल-शैलमाला पानी के नीचे की बड़ी संरचनाएं हैं, जो कि प्रवाल नामक औपनिवेशिक समुद्री अकशेरुकी के कंकालों से बनी हैं।
2. प्रवाल का सूक्ष्म शैवाल नामक शैवाल के साथ एक सहजीवी संबंध है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.41 गंगा डॉल्फिन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसे भारत सरकार ने अपने राष्ट्रीय जलीय पशु के रूप में मान्यता दी है।
2. यह गुवाहाटी, असम का आधिकारिक पशु है।
3. इसकी IUCN स्थिति असुरक्षित है

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) 1 और 3 ही
b) 3 ही
c) 2 और 3 ही
d) केवल 1 और 2

Q.42 हाल ही में, राज्यों के लिए व्यापार करने में सुगमता रैंकिंग के चौथे संस्करण की घोषणा की गई थी। निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. परिणाम राज्य व्यापार सुधार कार्य योजना (राज्य BRAP) पर आधारित थी।
2. यह उद्योग और आंतरिक व्यापार (DPIIT) के संवर्धन विभाग द्वारा जारी किया गया था।
3. व्यापार करने में सुगमता में आंध्र प्रदेश अव्वल है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1 और 2
b) 1 ही
c) 2 और 3 ही
d) 1, 2 और 3

Q.43 रियल मैंगो हाल ही में खबरों में था। यह निम्नलिखित में से किसके साथ जुड़ा हुआ है?

a) चीन द्वारा प्रक्षेपित एक जासूसी उपग्रह
b) अवैध सॉफ्टवेयर एजेंटों द्वारा तत्काल टिकट बुक करने के लिए उपयोग किया जाता है
c) एक मालवेयर
d) उत्तर प्रदेश में आम की नई नस्ल की खेती की जाती है

Q.44 SAROD- बंदरगाह के बारे में निम्नलिखित पर विचार कीजिये:

1. इसे केंद्रीय शिपिंग मंत्रालय द्वारा लॉन्च किया गया था।
2. यह सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत स्थापित किया गया था।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.45 हाल ही में, किरण: मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास हेल्पलाइन निम्नलिखित में से किस मंत्रालय द्वारा शुरू की गई थी?

a) सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
b) शिक्षा मंत्रालय
c) गृह मंत्रालय
d) वित्त मंत्रालय

Q.46 निम्नलिखित में से कौन सा सतत विकास लक्ष्य (SDG) स्वच्छ जल और स्वच्छता से संबंधित है?

a) SDG 6
b) SDG 11
c) SDG 14
d) SDG 8

Q.47 'भारत में स्वास्थ्य' रिपोर्ट हाल ही में प्रकाशित हुई थी। उसी के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. मणिपुर ने पूर्ण टीकाकरण के तहत सबसे खराब प्रदर्शन दिखाया है।
2. पूरे भारत में पाँच साल से कम उम्र के केवल 59.2% बच्चों का पूर्ण टीकाकरण किया गया।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों

d) न तो 1 और न ही 2

Q.48 बांस प्रौद्योगिकी पार्क निम्नलिखित में से किस मंत्रालय द्वारा स्थापित किए गए थे?

a) कृषि मंत्रालय
b) उत्तर पूर्वी क्षेत्र का विकास मंत्रालय
c) शहरी मामलों के मंत्रालय
d) सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

Q.49 निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSME) द्वारा राष्ट्रीय बांस मिशन का शुभारंभ किया गया।
2. कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा पारंपरिक उद्योगों (SFURTI) के उत्थान के लिए कोष की योजना शुरू की गई।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.50 फॉस्फीन गैस हाल ही में निम्न में से किस ग्रह पर खोजी गई थी?

a) मंगल
b) बृहस्पति
c) शुक्र
d) शनि

Q.51 पैरोल और फर्लो के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :

1. फरलो को एक कैदी को एक विशिष्ट कारण के लिए दिया जाता है, जैसे कि परिवार में मृत्यु।
2. कैदी को पारिवारिक और सामाजिक संबंधों को बनाए रखने में सक्षम बनाने के लिए पैरोल प्रदान की जाती है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2

c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.52 BRICS के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. फोर्टालेजा, ब्राजील में समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद नए विकास बैंक की स्थापना की गई थी।

2. BRICS आकस्मिक रिजर्व व्यवस्था केवल सदस्यों को अल्पकालिक निधि में सहायता प्रदान करती है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.53 ब्रैडीकिन तूफान की घटना निम्न में से किस बीमारी से संबंधित है?

a) क्षय रोग
b) एड्स
c) मलेरिया
d) कोविड-19

Q.54 संस्कृत ग्राम भारत के निम्नलिखित में से किस राज्य में शुरू किए गए हैं?

a) हिमाचल प्रदेश
b) उत्तर प्रदेश
c) उत्तराखंड
d) राजस्थान

Q.55 महिलाओं की स्थिति पर आयोग के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह ECOSOC का कार्यात्मक आयोग है।

2. संयुक्त राष्ट्र के 45 सदस्य देश किसी भी समय आयोग के सदस्य के रूप में कार्य करते हैं।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2

c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.56। महाराष्ट्र की प्रमुख नदियाँ निम्नलिखित में से कौन सी हैं?

1. कोयना नदी
2. वैनगंगा नदी
3. भीमा नदी
4. गोदावरी

सही कोड चुनिये:

a) केवल 1 और 2
b) 1 और 4 ही
c) 2 और 3 ही
d) 1, 2, 3 और 4

Q.57 औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) द्वारा संकलित किया गया है
2. यह सालाना प्रकाशित होता है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.58 निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. मूल क्षेत्र उद्योग में IIP में शामिल वस्तुओं की भारिता 40.27% है।
2. आठ प्रमुख उद्योगों में कोयले का सबसे बड़ी भारिता है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों

d) न तो 1 और न ही 2

Q.59 निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. स्थगन साइन डाई एक अनिश्चित काल के लिए बैठक को स्थगित करता है।
2. स्थगन का अर्थ है अनिश्चित काल के लिए संसद की बैठक को समाप्त करना।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.60 स्टार्टअप पारिस्थितिकी प्रणालियों के समर्थन पर राज्यों की रैंकिंग के दूसरे संस्करण के परिणाम हाल ही में जारी किए गए थे । निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये

1. यह उद्योग और आंतरिक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए विभाग द्वारा जारी किया गया था
2. कर्नाटक राज्यों में सबसे अच्छा प्रदर्शन है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.61 निम्न ओजोन निम्नलिखित में से किस नदी की घाटी में देखा गया था?

a) गोदावरी
b) नर्मदा
c) ब्रह्मपुत्र
d) गंगा

Q.62 निम्नलिखित में से किस नदी को सप्तकोशी के नाम से भी जाना जाता है?

a) गंगा
b) यमुना
c) नर्मदा
d) कोसी

Q.63 मध्यस्थता पर सिंगापुर सम्मेलन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. पार्टियों द्वारा पहुंचाई गई निपटान बाध्यकारी और लागू होगी।
2. सीमाओं के पार मध्यस्थता समझौता, उन देशों के न्यायालयों पर सीधे लागू करके किया जा सकता है जिन्होंने संधि पर हस्ताक्षर किए हैं और पुष्टि की है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.64 हाल ही में, भारत-प्रशांत त्रिपक्षीय वार्ता निम्नलिखित में से किस देश के बीच आयोजित की गई थी?

a) भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया
b) भारत, फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया
c) भारत, जापान और फ्रांस
d) जापान, फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया

Q.65 डोंगरियाकोंढ विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह है जो भारत के निम्नलिखित राज्य से संबंधित है?

a) ओडिशा
b) झारखंड
c) छत्तीसगढ़
d) पश्चिम बंगाल

Q.66 चयन समिति के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह लोक सभा के बजट और नीतियों की जांच के लिए बनाया गया है।
2. दोनों सदनों से सदस्य मनोनीत किए जाते हैं।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.67 हाल ही में निम्न में से किसके द्वारा भूमि उन्नयन पर वैश्विक पहल शुरू की गई?

a) अपनी पर्यावरण मंत्री बैठक में G 20

b) संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम

c) भारत के केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

d) आसियान (ASEAN)

Q.68 सनस्पॉट्स (झाई) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह सूर्य पर एक क्षेत्र है जो सतह पर उज्ज्वल दिखाई देता है।
2. यह आसपास के हिस्सों की तुलना में अपेक्षाकृत गर्म है।

उपरोक्त में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1

b) केवल 2

c) 1 और 2 दोनों

d) न तो 1 और न ही 2

Q.69 भारत का अपना इको-लेबल बीच पर्यावरण और सौंदर्य प्रबंधन प्रबंधन सेवा (BEAMS) हाल ही में लॉन्च किया गया था। निम्नलिखित में से कौन सा मंत्रालय इसके साथ जुड़ा हुआ है?

a) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

b) शहरी मामलों का मंत्रालय

c) कृषि मंत्रालय

d) वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

Q.70 निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. चीन में मूल्यवर्धन 50% से कम होने पर ASEAN से माल की उत्पत्ति मानी जाएगी।
2. इसे हमेशा चीन से उत्पन्न होने वाले सामान के रूप में माना जाएगा यदि चीन आसियान देशों से सामान खरीदता है और भारत को निर्यात करता है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1

b) केवल 2

c) 1 और 2 दोनों

d) न तो 1 और न ही 2

Q.71 शब्द 'न्यूट्रास्युटिकल (पौष्टिक-औषधीय)' का प्रयोग निम्नलिखित में से किसका वर्णन करने के लिए किया जाता है?

a) बांस की शूट से तैयार दवाएं
b) टीके जो बच्चों में प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं
c) COVID-19 विशिष्ट मास्क
d) औषधीय रूप से कार्यात्मक खाद्य पदार्थ

Q.72 VAIBHAV शिखर सम्मेलन, 2 अक्टूबर 2020 को उद्घाटन किया जाना है, निम्नलिखित में से किसके साथ जुड़ा हुआ है?

a) स्वच्छ भारत मिशन के अगले चरण का शिखर सम्मेलन
b) भारतीय केंद्रीय विश्वविद्यालयों में स्टार्ट-अप मिशन का शिखर सम्मेलन
c) प्रवासी और निवासी भारतीय वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों का शिखर सम्मेलन
d) आतंकवाद से निपटने के लिए विकासशील देशों का शिखर सम्मेलन

Q.73 नंदनकानन प्राणि उद्यान भारत के निम्नलिखित में से किस राज्य में स्थित है?

a) ओडिशा
b) पश्चिम बंगाल
c) केरल
d) महाराष्ट्र

Q.74 बॉन्डस और दीदीयाइस विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह हैं, जो हाल ही में समाचारों में देखे गए हैं। वे भारत के निम्नलिखित में से किस राज्य से संबंधित हैं?

a) ओडिशा
b) झारखंड
c) राजस्थान
d) हिमाचल प्रदेश

Q.75 कोमोडो ड्रैगन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह मनुष्य को ज्ञात ड्रैगन फ्लाई की सबसे बड़ी प्रजाति है।
2. इसकी IUCN स्थिति 'खतरा में' है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.76 द्विपक्षीय नेटिंग के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

a) यह एक बैंक और एक प्रतिपक्ष के बीच कानूनी रूप से लागू व्यवस्था है जिसमें सभी व्यक्तिगत अनुबंध शामिल हैं।
b) यह दो व्यक्तियों के बीच एक कानूनी रूप से लागू व्यवस्था है जिसमे सभी सम्मिलित व्यक्तिगत अनुबंध शामिल हैं ।
c) यह भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच कानूनी रूप से लागू करने योग्य व्यवस्था है जिसमें सभी व्यक्तिगत अनुबंधों को शामिल किया गया है ।
d) यह कृषि और मंत्रालय के बीच एक कानूनी रूप से लागू करने योग्य व्यवस्था है अगर वित्त जिसमें सभी व्यक्तिगत अनुबंध शामिल हैं।

Q.77 राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (SDRF) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. केंद्र सरकार सामान्य श्रेणी के राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों के लिए SDRF आवंटन में 50% का योगदान करती है
2. यह विशेष श्रेणी के राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों के लिए 75% योगदान देता है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.78 अभ्यास उच्च गति अपचेय हवाई लक्ष्य (HEAT) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

यह एक उपग्रह है जिसे विभिन्न मिसाइल प्रणालियों के लिए एक लक्ष्य के रूप में उपयोग किया जाएगा।

1. यह कम शक्ति व्यय करता है।
2. यह अत्यधिक महंगा है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.79 भारत, निम्नलिखित में से किस गैंडों की सबसे बड़ी संख्या का आवास है?

1. काला गैंडा
2. सुमित्रन राइनो
3. ग्रेटर वन-हॉर्नड

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1 और 2
b) 2 और 3 ही
c) केवल 3
d) 1, 2 और 3

Q.80 सतत वसूली पर विशेष रिपोर्ट हाल ही में जारी की गई थी। निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसे वित्त मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत किया गया था।
2. यह विश्व ऊर्जा आउटलुक श्रृंखला का एक हिस्सा है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.81 अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह 1974 में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा फ्रेमवर्क के ढांचे में स्थापित किया गया था।
2. इसका मुख्यालय वाशिंगटन में है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.82 विश्व जोखिम सूचकांक हाल ही में जारी किया गया था। निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. रिपोर्ट के अनुसार, भारत **जलवायु वास्तविकता** से निपटने के लिए अच्छी तरह से तैयार **है।**
2. यह संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय पर्यावरण और मानव सुरक्षा (UNU-EHS) द्वारा जारी विश्व जोखिम रिपोर्ट 2020 का हिस्सा है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.83 सड़क यातायात के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह वाहन की उत्पत्ति की पहचान करने के लिए एक पहचान चिह्न को परिभाषित करता है।
2. यह अनुबंधित पक्षों के बीच कुछ समान नियमों को स्थापित करके अंतर्राष्ट्रीय सड़क यातायात की सुरक्षा को बढ़ावा देता है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.84 GIFT शहर के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह गुड़गांव, हरियाणा में स्थित है।
2. यह भारत का पहला परिचालन अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.85 निम्नलिखित में से किसे हाल ही में 2020-21 के लिए घरेलू व्यवस्थित रूप से महत्वपूर्ण बीमाकर्ता (D-SII) के रूप में घोषित किया गया था:

1. भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC)

2. भारतीय सामान्य बीमा निगम (GIC)
3. द न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी

सही कोड का चयन कीजिये:

a) केवल 1
b) केवल 1 और 2
c) 2 और 3 ही
d) 1, 2 और 3

Q.86 FAME योजना निम्न में से किस मंत्रालय से संबंधित है?

a) रोडवेज मंत्रालय
b) नागरिक उड्डयन मंत्रालय
c) इलेक्ट्रॉनिक्स और IT मंत्रालय
d) भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय

Q.87 महामारी रोग (संशोधन) विधेयक, 2020 के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये, जो हाल ही में पारित किया गया था:

1. यह कानून स्वास्थ्य देखभाल सेवा कर्मियों के जीवन नुकसान, क्षति, चोट या खतरा एक संज्ञेय और जमानती अपराध बनाता है ।
2. इसमें 3 महीने से 1 साल तक की कैद का प्रावधान है

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.88 भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी कानून (संशोधन) विधेयक, 2020 निम्नलिखित शहरों में से किस शहर में PPP मोड के तहत IIIT स्थापित करने का प्रयास करता है?

1. सूरत
2. भोपाल
3. भागलपुर
4. अगरतला
5. लखनऊ

सही कोड का चयन कीजिये:

a) 1, 2, 3 और 5 ही
b) 1 और 5 केवल
c) 1,2,3 और केवल 4
d) 3, 4 और 5 केवल

Q.89 निम्नलिखित में से किस राज्य में रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय स्थापित किया जाएगा?

a) असम
b) महाराष्ट्र
c) उत्तर प्रदेश
d) गुजरात

Q.90 हाल ही में जारी की गई भारत रिपोर्ट में स्वास्थ्य संबंधी निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. किसी भी बीमारी से पीड़ित लोगों में सबसे कम प्रतिशत हिंदू समुदाय के हैं।
2. महिलाओं को ग्रामीण और शहरी भारत में पुरुषों की तुलना में बीमारियों से पीड़ित होने की अधिक संभावना है।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.91 हाल ही में, "कौशल से कल बदलेंगे" कार्यक्रम खबरों में था। यह निम्नलिखित में से किस योजना से संबंधित है?

a) दीनदयाल उपध्याय ग्रामीण कौशल योजना
b) अटल नवाचार मिशन
c) सर्व शिक्षा अभियान
d) उज्जवला योजना

Q.92 नागोर्नो- करबाख क्षेत्र हाल ही में खबरों में था। यह निम्नलिखित में से किसके साथ जुड़ा हुआ है?

a) ईरान प्रतिबंध
b) टरली-ग्रीस संघर्ष
c) आर्मेनिया-अजरबैजान संघर्ष
d) भूमध्य सागर में तेल रिसाव

Q.93 चंदन स्पाइक रोग एक संक्रामक रोग है जो फाइटोप्लाज्मा के कारण होता है। फाइटोप्लाज्म के बारे में निम्नलिखित पर विचार कीजिये

1. फाइटोप्लाज्मा पौधे के ऊतकों के कवक परजीवी हैं।
2. वे कीट वाहक द्वारा प्रेषित होते हैं।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.94 प्लास्टिक पार्क योजना निम्न में से किस मंत्रालय द्वारा शुरू की गई है?

a) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
b) शहरी मामलों का मंत्रालय
c) रसायन और उर्वरक मंत्रालय
d) कृषि मंत्रालय

Q.95 हाल ही में, लेउसर इकोसिस्टम समाचार में था। यह निम्नलिखित में से किस देश के द्वीप पर एक वन क्षेत्र है?

a) श्रीलंका
b) USA
c) इंडोनेशिया
d) मलेशिया

Q.96 मेडिकन्स निम्नलिखित में से किसके साथ जुड़े हैं?

a) एंटीबायोटिक उत्तेजक विकास
b) COVID-19 के लिए एक संभावित मौखिक टीका
c) भूमध्य तूफान

d) संयुक्त राज्य अमेरिका पर मध्यम तूफान

Q.97 न्यूट्रिनो वेधशाला (INO) आधारित भारत का एक राज्य भारत के निम्नलिखित में से किस राज्य में स्थापित होने जा रहा है?

a) तमिलनाडु
b) हिमाचल प्रदेश
c) राजस्थान
d) असम

Q.98 हाल ही में, भारत सरकार ने भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (IN-SPACe) बनाया है। IN-SPACe के बारे में निम्नलिखित जानकारी दें:

1. IN-SPACe का निर्णय सभी हितधारकों पर अंतिम और बाध्यकारी होगा।
2. निजी खिलाड़ियों को ISRO से अलग अनुमति लेने की आवश्यकता होगी।

उपरोक्त में से कौन सा सही हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

2020 SEPTEMBER MONTH CURRENT AFFAIRS MCQs SOLUTIONS

		5	A	10	B	15	C
1	A	6	C	11	B	16	B
2	D	7	B	12	D	17	C
3	C	8	D	13	A	18	C
4	A	9	C	14	A	19	B

20	A	45	A	70	B	95	C
21	A	46	A	71	D	96	C
22	C	47	B	72	C	97	A
23	D	48	B	73	A	98	A
24	A	49	D	74	A		
25	A	50	C	75	D		
26	B	51	D	76	A		
27	C	52	C	77	D		
28	B	53	D	78	B		
29	B	54	C	79	C		
30	C	55	C	80	B		
31	C	56	D	81	D		
32	C	57	A	82	B		
33	A	58	A	83	C		
34	D	59	D	84	B		
35	D	60	A	85	D		
36	D	61	C	86	D		
37	C	62	D	87	D		
38	C	63	C	88	C		
39	C	64	B	89	D		
40	C	65	A	90	C		
41	D	66	D	91	A		
42	D	67	A	92	C		
43	B	68	D	93	B		
44	C	69	A	94	C		